



भारत का राजपत्र The Gazette of India

Missing

38 42. 47

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 2, 1982/अश्विन 10, 1904

No. 40]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 2, 1982/ASVINA 10, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II) PART II—Section 3—Sub-section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1982

क्रा० आ० 3421.—नोटरीज नियम, 1956 के अनुमर्ण में मक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री सुरिन्दर कुमार (जोशी), एडवोकेट, बी० एम्/44-ए०, डा० ४० ए० फ्लैट्स, शालीमार बाग, दिल्ली ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे केन्द्रीय शासित प्रदेश दिल्ली में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2 उक्त व्यक्ति को नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किम्वं अ. प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5 (30)/82-न्या०]

के० सी० शं० गंगवानी, मक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

NOTICE

New Delhi, the 13th September, 1982

S.O. 3421.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956,

726 GI/82—1.

that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Sunder Kumar (Jolly) Advocate, R/o B S./44-A DDA Flats, Shalimar Bagh, Delhi for appointment as a Notary to practise in U T. of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of publication of this Notice.

[No. F. 5(30)/82-Judl.]

K. C. D. GANGWANI, Competent Authority

यह मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1982

क्रा० आ० 3422.—विदेशी (प्रतिबंधित क्षेत्र) आदेश, 1963 के पैरा 3 के उपबन्धों का अनुमर्ण करते हुए केन्द्रीय सरकार मद्रास बन्दरगाह के आप्रवास अधिकारी को उक्त पैरा के अधीन विदेशियों का प्रणयमान व निकोबार द्वीप समूह के पोर्ट ब्लेयर स्पृतिर्मापल क्षेत्र में प्रवेश करने अथवा वहां ठहरने के लिए परमिट जारी करने के लिए एतद्वारा प्राधिकृत करती है।

[सं० 15011/8/81-एफ-1]

डी० विजयराघवन, उप-मन्त्रि

(3507)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 15th September, 1982

S.O. 3422.—In pursuance of the provisions of paragraph 3 of the Foreigners (Restricted Areas) Order, 1963, the Central Government hereby authorises the Immigration Officer at Madras Harbour to issue permits under the said paragraph to foreigners for entering into, or remaining in the Port Blair Municipal Area of the Andaman and Nicobar Islands.

[No. 15011/8/81-F. I]

P. VIJAYARAGHAVAN, Dy. Secy.

(कार्मिक और प्रशासनिक विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1982

का० आ० 3423.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केरल सरकार की सहमति से केरल राज्य के पानोर पत्तूर के मामले सं० : 1/81-के संबंध में भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 302 के अधीन दण्डनीय अपराधों तथा उक्त अपराधों और उन्हीं तथ्यों से उद्भूत उसी संव्यवहार के दौरान किए गए किसी अन्य अपराध के संबंध में या उनसे संबंधित प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और षडयंत्रों का अन्वेषण करने के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों एवं अधिकारिता का विस्तार संपूर्ण केरल राज्य पर करती है।

[सं० 228/4/82-ए० वी० जी०-II]

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

ORDER

New Delhi, the 13th September, 1982

S.O. 3423.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of the Government of Kerala hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Kerala for the investigation of offences punishable under section 302 of the Indian Penal Code, 1860 and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with, the said offences and any other offence committed in the course of the same transaction arising out of the same facts in regard to the case No. 31/81 of P. S. Panoor in the State of Kerala.

[No. 228/4/82-AVD-II]

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1982

का० आ० 3424.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम 1946 (1946 का 25) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित अपराधों को, ऐसे अपराध घोषित करती है, जिसका अन्वेषण दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा किया जाएगा, अर्थात्:—

(क) विदेशी अभिवाय (विनियमन) अधिनियम 1976 (1976 का 49) की धारा 22, 23 और 25 के अधीन दण्डनीय अपराध

(ख) उपरोक्त वर्णित अपराधों में से एक या एक से अधिक अपराधों के संबंध में या उनसे संबंधित प्रयत्न दुष्प्रेरण और षडयंत्र और इन्हीं तथ्यों से उद्भूत उसी संव्यवहार के दौरान किया गया अन्य कोई अपराध

[सं० 228/1/82-ए० वी० जी०-II]

ए० वी० जी०, अवर सचिव

New Delhi, the 18th September, 1982

S.O. 3424.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government hereby specifies the following offences as the offences which are to be investigated by the Delhi Special Police Establishment, namely:—

(a) Offences punishable under Section 22, 23 and 25 of the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976 (49 of 1976).

(b) Attempts, abetments, and conspiracies in relation to, or in connection with, one or more of the offences mentioned above, and any other offence committed in the course of the same transactions arising out of the same facts.

[No. 228/1/82-AVD-II]

H. K. VERMA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 28 जून, 1982

(आय-कर)

का० आ० 3425.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 4) की धारा 80 छ की उपधारा 2 (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर अमीनपुरा ग्राम (मेडाक जिला, आंध्र प्रदेश)" को, उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए आंध्र प्रदेश में सर्वत्र विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है। यह स्पष्ट किया जाता है कि इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए केवल मरम्मत और नवीकरण के लिए ही दान, धारा 80 छ की उपधारा (2) (ख) के अधीन अनुत्तीर्ण के लिए आई होंगी।

[सं० 4774/का० सं० 176/53/81-ए० आ० (पा० क०)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 28th June, 1982

(INCOME-TAX)

S.O. 3425.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Mallikarjuna Swami Temple, Amcenpura Village (Medak Distt., Andhra Pradesh)" to be a place of public worship of renown throughout the State of Andhra Pradesh. It is clarified that for purposes of this notification only the donations for repair and renovation will qualify for relief under section 80G (2)(b).

[No. 4774/F. No. 176/53/81-IT(AI)]

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1982

(आय-कर)

का० आ० 3426.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "आत्मा-वल्लभ समाज उत्कर्ष ट्रस्ट" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1982-83 के अन्तर्गत दाने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4826/का० सं० 197/74/81-आ० क० (ए० 1)]

New Delhi, the 24th July, 1982

(INCOME-TAX)

S.O. 3426.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Atma-Vallabh Samaj Utkarsh Trust" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1982-83.

[No. 4826/F. No. 197/74/81-IT(AI)]

(आय-कर)

क्रा० अ० 3427 -- केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "चेमटेक-फाउन्डेशन" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4829/क्रा० सं० 197/133/79 आ० क्र० (ए० 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3427.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Chemtech-Foundation" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment year 1979-80 to 1981-82.

[No. 4829/F. No. 197/133/79-IT(AI)]

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1982

(आय-कर)

क्रा० अ० 3428 -- केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त धारा के प्रयोजन के लिए प्रत्येक लेखा के सामने दक्षित निर्धारण वर्ष की अवधि के लिए इसके द्वारा "पूल लेखा पर तेल सम्बन्ध समिति" अधिसूचित करती है।

- (i) बुलाई अधिभार पूल लेखा सं० 1 निर्धारण वर्ष 1972-73 से
- (ii) बुलाई अधिभार पूल लेखा सं० 2 निर्धारण वर्ष 1982-83 तक
- (iii) तेल उद्योग पूल लेखा जिसमें निम्नलिखित उप-लेखा सम्मिलित हैं।

- (क) 37.97 रु० प्रति कि० लि०/मी० निर्धारण अतिरिक्त बृद्धि
- (ख) सी० और एफ० समायोजन लेखा वर्ष 1975-76
- (ग) उत्पाद कीमत समायोजन लेखा से
- (घ) आयातित कच्चा तेल कीमत निष्प्र- निर्धारण वर्ष भावन लेखा 1982-83 तक
- (ङ) कच्चा तेल कीमत समकारी लेखा।

[सं० 4853/क्रा० सं० 197/168/77-आई० टी० (ए० आई०)]

New Delhi, the 6th August 1982

(INCOME-TAX)

S.O. 3428.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Oil Coordination Committee on Pool Accounts—

- (i) Freight Surcharge Pool Account From Assessment No. 1 year 1972-73 to
- (ii) Freight Surcharge Pool Account year 1982-83. No. 2
- (iii) Oil Industry Pool Accounts consisting of the following sub-accounts;
 - (a) Additional increase of Rs. 37.97 From Assessment per KL/MT; Year 1975-76 to
 - (b) C&F Adjustment Accounts: Assessment Year
 - (c) Product Price Adjustment Account; 1982-83.

(d) Imported Crude Price Neutralisation Account;

(e) Crude Oil Price Equalisation Accounts

for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years noted against each Account.

[No. 4853/F. No. 197/166/77-IT(AI)]

(आय-कर)

क्रा० अ० 3429 -- केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "राज्य सड़क परिवहन उपक्रम संगम" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1982-83 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4854/क्रा० सं० 197/207/78 आ० क्र० (ए० 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3429.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Association of State Road Transport Undertakings" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1982-83.

[No. 4854/F. No. 197/207/78-IT(AI)]

(आय-कर)

क्रा० अ० 3430 -- केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "संयुक्त संग्रह समिति" को निर्धारण वर्ष 1964-65 से 1982-83 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4855/क्रा० सं० 197/10/81 आ० क्र० (ए० 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3430.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Joint Plant Committee" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1964-65 to 1982-83.

[No. 4855/F. No. 197/10/81-IT(AI)]

(आय-कर)

क्रा० अ० 3431 -- केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ साइको-मेट्री" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4856/क्रा० सं० 197/65/82 आ० क्र० (ए० 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3431.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Institute of Psychometry" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1981-82.

[No. 4856/F. No. 197/65/82-IT(AI)]

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1982

(आय-कर)

क्रा० आ० 3432.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'महिपत राम रुपराम आश्रम, अहमदाबाद' को निर्धारण वर्ष 1982-83 से 1984-85 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4866/क्रा० सं० 197/24/82 आ० क्र० (ए० 1)]

New Delhi, the 16th August, 1982

(INCOME-TAX)

S.O. 3432.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Mahipatram Rupram Ashram, Ahmedabad" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1982-83 to 1984-85.

[No. 4866/F. No. 197/24/82-IT(A-I)]
(आय-कर)

क्रा० आ० 3433.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "संजय गांधी स्मारक ट्रस्ट" को निर्धारण वर्ष 1984-85 और 1985-86 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4867/क्रा० सं० 197/141/82 आ० क्र० (ए० 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3433.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sanjay Gandhi Memorial Trust" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1984-85 and 1985-86.

[No. 4867/F. No. 197/141/82-IT(AI)]

(आय-कर)

क्रा० आ० 3434.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा 23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'चेशायर होम्स इंडिया' को निर्धारण वर्ष 1983-84 से 1985-86 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4868/क्रा० सं० 197/152/82 आ० क्र० (ए० 1)]

मिलाप जैन, अधर सचिव

(INCOME-TAX)

S.O. 3434.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Cheshire Homes India" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1983-84 to 1985-86.

[No. 4868/F. No. 197/152/82-IT(AI)]

MILAP JAIN, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1982

क्रा० आ० 3435.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा (3) की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते

हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सकालीन राजस्व और बैंकिंग विभाग बैंकिंग पक्ष के तारीख 21 दिसम्बर, 1976 के संविधिक आदेश 817 (ई०) संख्या एफ 4-85/76 स० मी० (i) के अंतर्गत भारत सरकार की अधिसूचना में, जिसे भारत सरकार, वित्त मंत्रालय प्रौद्योगिक्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग के 10 अप्रैल, 1980 के संविधिक आदेश 1215 (संख्या एफ 2(7) 79 आर० आर० बी) के अंतर्गत भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा संशोधित किया गया था, और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है:—

उक्त अधिसूचना में "पूणिया सहर्सा तथा कटिहार" जिले शब्दों के लिए "पूणिया, सहर्सा, कटिहार तथा मावापुर जिले" शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

[संख्या एफ० 1(13)/81 आर० आर० बी०]

दिनेश चन्द्र, निदेशक

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 30th August, 1982

S.O. 3435.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section (3) of the Regional Rural Bank Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of Government of India in the then Department of Revenue and Banking, Banking Wing, S.O. 817(S) (No. F. 4-85/76-AC (1) dated 21st December 1976) as amended by Notification of Government of India Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) S.O. No. 1215 (No. F. 2 (7)/79-RRB) dated 10th April, 1980 namely:—

In the said notification for the words districts of "Purnea, Saharsa and Katihar" the words "districts of Purnea, Saharsa, Katihar and Madhopur" shall be substituted.

[No. F. 1(13)/81-RRB]

DINESH CHANDRA, Director

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1982

क्रा० आ० 3436.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्वी म, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् 20 सितम्बर, 1982 से आरम्भ होने वाली तथा 19 सितम्बर, 1985 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए, एतद्वारा श्री प्रेमजीत सिंह को सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के पूर्णकालिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक के रूप में पदनामित) के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/32/82-सी० एम०-1(1)]

New Delhi, the 17th September, 1982

S.O. 3436.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri Premjit Singh, as a whole-time Director (designated as the Executive Director) of the Central Bank of India for the period commencing on 20th September, 1982 and ending with 19th September, 1985.

[No. F. 9/32/82-BO. I(1)]

का० आ० 3437:— राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खंड 8 के उपखंड (1) के साथ पठित खंड 3 के उपखंड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, 20 सितम्बर, 1982 से प्रारम्भ होने वाली तथा 19 सितम्बर, 1985 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए, एन.ए. द्वारा श्री के० सदानन्द शेट्टी को विजया बैंक के पूर्णकालिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक के रूप में पदनामित) के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या एफ० 9/32/82-बी० प्रो० I (2)]

ज० वा० मीरचन्दानी, ऊप सचिव

S.O. 3437.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3, read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Bank (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri K. Sadananda Shetty, as a whole-time Director (designated as the Executive Director) of the Vijaya Bank for the period commencing on 20th September, 1982 and ending with 19th September 1985.

[F. No. 9/32/82-BOI(2)]

C. W. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1982

का० आ० 3438:— राजनयिक तथा कौंसली अधिकारी (गपम एवं मुक्त) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वां) के खंड 2 की धारा 3 (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, इसके द्वारा भारत का प्रधान कौंसल-वाय, ओडेसा में रिजी सहायक, श्री सर्वजीत मिर् को तत्काल से कौंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[फाइल सं० टी० 4330/2/82]

ज० हज़ारी, उप सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 13th September, 1982

S.O. 3438.—In pursuance of the clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officer, (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri Sarvjit Singh Personal Assistant in the Consulate General of India, Odessa to perform the duties of a Consular Agent with immediate effect.

[File No. T. 4330/2/82]
J. HAZARI, Dy. Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1982

का० आ० 3439:— भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 3395 तारीख 14 अक्टूबर, 1970 में सशोधन करने के लिए कतिपय प्रस्ताव निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 1268 तारीख 27 मार्च, 1982 के अधीन भारत के राजपत्र भाग-II खंड 3 उपखंड (ii) में प्रकाशित किए गए थे। उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को 17 अप्रैल, 1982 को उपलब्ध करा दी गयी थी ;

और उनमें संभावित: प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों से 31 मार्च, 1982 तक आक्षेप तथा सुझाव मांगे गए थे ;

और उक्त आदेश पर जनता में कोई भी आपत्ति या सुझाव प्राप्त नहीं हुए है ;

अन्य अथ, केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात्, भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 3395 तारीख 14 अक्टूबर, 1970 का निम्नलिखित और संशोधन करती है :

उक्त अधिसूचना के पैरा 3 के उप-पैरा (iv) के स्थान पर निम्न-लिखित उप-पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“(iv) ‘कालीन अस्तरण कपड़ा’, से ऐसा जूट फैब्रिक अभिप्रेत है, जिसका प्रयोग विभिन्न संरचनाओं और बुनाईयों वाली पर्श की बिछायतों के विनिर्माण में प्राथमिक या द्वितीयक अस्तरण के रूप में किया जाता है और जो भार में 5 औंस प्रति वर्ग गज (169.5 ग्राम वर्ग मीटर) है तथा जिसकी सकीर्ण कालीन अस्तरण के लिए चौड़ाई की रेंज 29” (73) सें०मी० से 103.9” (263.9) सें०मी० तक है और चौड़े कालीन अस्तरण के लिए चौड़ाई की रेंज 104” (264.2 सें०मी०) और उससे अधिक है।”

[सं० 6(10)/81 ई० आर० तथा ई० पी०]

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 25th September, 1982

S.O. 3439.—Whereas for the development of the Export trade of India, certain proposal for amendment to the notification of the Government of India in the then Ministry of Foreign Trade No. S.O. 3395, dated the 14th October, 1970 were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part II-Section-3-Sub-section (ii), dated the 27th March, 1982, under the Order of the Government of India in the Ministry Commerce No. S. O. 1268 dated the 27th March, 1982. And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 17th April, 1982;

And whereas the objections and suggestions were invited till the 31st May, 1982 from all persons likely to be affected thereby ;

And whereas no objections and suggestions were received from the public on the said Order ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government after consulting the Export Inspection Council makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the then Ministry of Foreign Trade No. S. O. 3395, dated the 14th October, 1970 :—

In the said notification, for such paragraph (iv) of paragraph 3, the following sub-paragraph shall be substituted, namely :—

“(iv) ‘Carpet Backing Cloth’ that is, Jute Fabric used as primary or secondary backing in the manufacture of floor coverings of different constructions and weaves weighing from 5 oz. per square yard (169.5 gms/sq. meter) with the width range varying from 29” (73.7 cm) to 103.9” (263.9 cm) for narrow, and 104” (264.2 cm.) and above for wide, Carpet Backing”.

[No. 6 (10)/81-EI & EP]

(वाणिज्य विभाग)

कां०आ० 3440.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार पटसन से बनी वस्तुओं का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1970 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का मान पटसन उत्पादों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 1982 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पटसन उत्पादों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1970 में, नियम 2 में खंड (घ) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“(iv) ‘कालीन अस्तरण कपड़ा’ से ऐसा जूट फैब्रिक अभिप्रेत है, जिसका प्रयोग विभिन्न संरचनाओं और बुनाईयों वाली फर्श की विछावटों के विनिर्माण में प्राथमिक या द्वितीयक अस्तरण के रूप में किया जाता है और जो भार में 5 ग्राम प्रति वर्ग गज (169.5 ग्राम/वर्ग मीटर) है तथा जिसकी संकीर्ण कालीन अस्तरण के लिए चौड़ाई की रेंज 29” (73.7 सेंमी.) से 103.9” (263.9 सेंमी.) तक है और चौड़े कालीन अस्तरण के लिए चौड़ाई की रेंज 104” (264.2 सेंमी.) और उससे अधिक है।”

[सं० 6(10)/81 ई० आई० तथा ई० पी०]

सी० बी० कुक्रेती, संयुक्त निदेशक

(Department of Commerce)

New Delhi, the 25th September, 1982

S.O. 3440—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the *Export of Jute Products (Quality Control and Inspection) Rules, 1970 :—

1. (1) These rules may be called Export of Jute Products (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of Jute Products (Quality Control and Inspection) Rules, 1970, in rule 2, for clause (d)(iv), the following shall be substituted, namely :—

“(iv) ‘Carpet Backing Cloth’ that is, Jute Fabric used as primary or secondary backing in the manufacture of floor coverings of different constructions and weaves weighing from 5 oz. per square yard (169.5 gms/sq. meter) with the width range varying from 29” (73.7 cm.) to 103.9” (263.9 cm.) for narrow, and 104” (264.2 cm.) and above for wide carpet backing”.

[No. 6(10)/81-EI&EP]

C. B. KUKRETI, Joint Director

Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports

Bombay, 24th May, 1982

Sub: Order of Cancellation of DTC ADV. LTC. No. P/K/0470559 dated 12-5-82 for Rs. 1 03,03,400/-

S. O. 3441.—M/s India Co, 601, Pancharatna, M.P. Marg, Opera House, Bombay-400004 were granted a DTC ADV. LIC No. P/K/0470559 dated 12-5-82 for Rs. 1,03,03,400 for import of Diamond Unset and Uncut for the licensing period AM'83. They have applied for duplicate copy of both copies of the above mentioned DTC ADV. LIC. on the ground that both copies of the licence have been stolen.

संयुक्त मुख्य निर्यात का कार्यालय

बम्बई, 24 मई, 1982

विषय:— 1, 03, 03, 400 रुपये मूल्य के डी०टी०सी० अग्रिम लाइसेंस सं० पी०/के/0470559 दिनांक 12-5-1982 को रद्द करने का आदेश।

कां०आ० 3441.—सर्वश्री इंडिया को 601, पंचरत्न, एम०पी० मार्ग, ओपरा हाउस, बम्बई-400004 का लाइसेंस अग्रिम बिना कटे और बिना जड़े हुए हीरो के आयात के लिए अप्रैल-मार्च 83 के लिए 1, 03, 03, 400 रुपये मूल्य का एक डी०टी०सी० अग्रिम लाइसेंस सं० पी०/के/0470559, दिनांक 12-5-82 प्रदान किया गया था। उपर्युक्त डी०टी०सी० अग्रिम लाइसेंस की दोनों प्रतियों की अनुलिपियां प्राप्त करने के लिए फर्म ने इस आदेश पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की दोनों प्रतियां चुरा ली गई हैं।

अपने इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने पंजीयक और सहायकरीय दंडाधिकारी, बम्बई के सामने विशिष्ट शपथ लेते हुए, स्टाम्प पेपर पर एक शपथ-पत्र दखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस की दोनों प्रतियां चुरा ली गई हैं और निदेश देता हूँ कि आवेदक को दोनों प्रतियों की अनुलिपि प्रतियां जारी कर दी जाएं। मूल लाइसेंस सं० 0470559 दिनांक 12-5-82 (दोनों प्रतियां) जिसका मूल्य 1, 03, 03, 400 है एतद्वारा रद्द समाप्त जाए।

[मिडिल सं० डी०टी०सी० 163/3/5/82/एम/83/एस/आईएसएस]

जी०आर०नायर, उप मुख्य निर्यात, आयात-निर्यात
हुते संयुक्त मुख्य निर्यात, आयात-निर्यात

विषय:— लाइसेंस सं० पी०/के/0470559 दिनांक 12 मई, 1982 (दोनों प्रतियां) की अनुलिपि प्रतियों का मूल लाइसेंस के स्थान पर जारी किया जाना।

अनुरोध किया जाता है कि उपर्युक्त लाइसेंस (दोनों प्रतियां) जिसका विवरण नीचे दिया जा रहा है यदि प्रस्तुत किया जाता सं बंध नहीं होगा और यदि डी०टी०सी० अग्रिम लाइसेंस सं० पी०/के/0470559 दिनांक 12 मई, 1982 की मूल सोमा शुल्क या विनिमय नियंत्रण प्रति किसी भी पटसन पर प्रस्तुत की जाए या प्रयोग में लाई जाए तो इस की सूचना तुरन्त इस कार्यालय को दी जाएगी।

डी०टी०सी०	किसने जारी किया	मैंने अग्रिम के लिए देखा है	अग्रिम मूल्य	क्षेत्र
अग्रिम	किया	के लिए देखा है		
लाइसेंस सं०		है		
एवं लिपि।				
पी०/के/070559	संयुक्त मुख्य निर्यातक,	हीरो बिना कटे बिना माह	12 अप्रैल-मार्च, 1983	
दिनांक	आयात-	जड़े हुए		
12-5-82	निर्यात, बम्बई			

ए०बी० रामाप्पूति, निर्यात आयात-निर्यात

हुते संयुक्त मुख्य निर्यात, आयात-निर्यात

In support of this contention the applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested by Registrar and Metropolitan Magistrate, Bombay, I am satisfied that the original licence (both copies) have been stolen and direct that a duplicate copy of licence (both copies) should be issued to the applicant. The original (both copies) of licence No. 0470559 dated 12-5-82 for Rs. 1,03,03,400/- may be deemed to have been cancelled.

[File No. DTC/63/5-5-82. /AM 83/L/ILS]

G. R. NAIR, Dy. Chief Controller of Imports and Exports.

for Jt Chief Controller of Imports & Exports

Sub: — Issue of Duplicate copy of licence No. P/K/0470559 dated 12-5-82 (both copies) in lieu of lost original licence in duplicate.

It is requested [that the original copy of licence (both copies) mentioned above, whose particular are given below would not be valid, if produced and that intimation would be sent to this office immediately if original Custom or Exchange Control copy of DTC Adv. Licence No. P/K/0470559 dated 12-5-82 is presented or utilised at any port.

DTC ADV LIC. No. & date.	Issued by	By Items	Valid Period for	Value	Area
P/K/0470559 dt. 12-5-82	Jt. CCI&E Bombay	Diamonds unset & uncut 018421	12 months	April 82 to March 83	Rs. 1,03,03,352 G.C.A.

A. V. RAMAMURTHY, Controller of Imports and Exports

for Jt. Chief Controller of Imports and Exports.

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1982

का०आ० 3442.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इंडियन आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए उत्तर प्रदेश में मथुरा से पंजाब में जलन्धर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है।

और यतः इंडियन आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के खंड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को अनुसूची में निर्दिष्ट गांव के नाम के सामने दिखाई गई तिथि से पर्यवसित कर दिया है।

अथ यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली, 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

अधिनियम द्वारा मथुरा जालन्धर तक पाइपलाईन सक्रिय पर्यवसान

तहसील: पानीपत	जिला: करनाल	राज्य: हरियाणा		
मंत्रालय का नाम	गांव	का० आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	संक्रिया पर्यवसान की तिथि
1	2	3	4	5
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	मोहम्मदपुर	2322	22-8-81	3-9-82

[क्रमांक एम० जे० पी० एल०/जी/एल ए/6/121]

प्रभु दयाल खुराना, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZER

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 14th September, 1982

S.O. 3442.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of Section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil

Corporation Limited for the transport of petroleum from Mathura in Uttar Pradesh to Jullundur in Punjab.

And whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule.

Now, therefore, under rule 4 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from:

Tehsil : Panipat

District : Karnal

State : Haryana

Name of Ministry	Name of Vill.	S.O. No.	Date of publication in Gazette of India.	Date of Termination
1	2	3	4	5
Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Deptt. of Petroleum).	Mohammadpur	2222	22-8-81	3-9-82

INo. MJPL/G/LA/6/121]

PRABH DYAL KHURANA,

Competent Authority, Indian Oil Corporation Ltd., MJPL, Gurgaon

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1982

क्रा०आ० 3443.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० प्रा० सं० 2581 दि० 3-10-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निश्चय किया है;

अब अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय इंडियन आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : समराला जिला : लुधियाना राज्य : पंजाब

नाम ग्राम	खसरा नं०	क्षेत्रफल		
		है०	ऐ०	वर्गमी०
1	2	3	4	5
कोटला मसूख	23//9 मिन	00	02	78
ह० नं० 183	12 मिन	00	07	08
	13 मिन	00	08	85
	17 मिन	00	04	55
	18 मिन	00	05	82
बाबर	7//17 मिन	00	01	52
ह० नं० 184	18 मिन	00	09	11
	23 मिन	00	00	26

1	2	3	4	5
बाबर	24/1 मिन	00	08	10
ह० नं० 184	24/2 मिन	00	04	30
	24/3 मिन	00	00	51
	25/2 मिन	00	00	00
	26 मिन	00	00	26
	15//10 मिन	00	09	11
	11 मिन	00	07	59
	12 मिन	00	06	07
	18/1/2 मिन	00	00	26
	18/1/3 मिन	00	01	26
	18/2 मिन	00	01	26
	19/1 मिन	00	00	00
	19/2 मिन	00	10	63
	23/1 मिन	00	09	87
	23/2 मिन	00	03	04
	24 मिन	00	01	01
	16//4 मिन	00	01	77
	5/1 मिन	00	11	89
	6/1 मिन	00	00	76
	6/2/1 मिन	00	03	54
	6/2/2 मिन	00	00	26
	18//3 मिन	00	00	51
	4 मिन	00	13	41
	5 मिन	00	02	02
	6 मिन	00	12	40
	7 मिन	00	00	00
	19//10 मिन	00	03	79
	11 मिन	00	10	63
	12/1 मिन	00	03	79
	12/2 मिन	00	01	01
	12/3 मिन	00	01	01
	18 मिन	00	07	34
	19/1 मिन	00	08	35
	19/2 मिन	00	00	51
	19/3 मिन	00	00	00
	23 मिन	00	07	08
	24/1 मिन	00	09	11
	22//9/1 मिन	00	00	26
	10/2 मिन	00	11	89

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बाबर	11 मिन	00	02	02	खंडी	7/2 मिन	00	00	26
ह०न० 184	12 मिन	00	13	66	ह०न० 185	8 मिन	00	04	55
	13 मिन	00	00	76		9/3 मिन	00	01	77
	17 मिन	00	02	02		9/4 मिन	00	06	58
	18 मिन	00	13	66		13 मिन	00	11	64
	19 मिन	00	00	78		14/1 मिन	00	02	02
	23 मिन	00	00	26		16 मिन	00	00	26
	24 मिन	00	12	40		17 मिन	00	13	41
	25 मिन	00	03	54		24 मिन	00	01	01
	23//4/1/1 मिन	00	04	30		25 मिन	00	12	65
	4/2 मिन	00	01	52		11//1 मिन	00	07	34
	5 मिन	00	10	88		10 मिन	00	02	78
	6/1 मिन	00	01	01		12//5/1 मिन	00	01	77
	6/2 मिन	00	03	04		41 मिन	00	01	01
	29//5 मिन	00	10	88		43 मिन	00	01	01
	30/1 मिन	00	06	07					
	9 मिन	00	04	81	होलिवाल	1//25 मिन	00	02	28
	10 मिन	00	09	11	ह०न० 178	2//21 मिन	00	07	08
						5//21 मिन	00	01	26
प्रगना	598 मिन	00	00	38		6//1/1 मिन	00	08	35
ह०न० 180	599 मिन	00	03	05		1/2 मिन	00	00	76
	611/2 मिन	00	01	51		2/1 मिन	00	04	30
	612 मिन	00	10	25		2/2 मिन	00	00	76
	615/1 मिन	00	07	91		8/1 मिन	00	01	01
	615/2 मिन	00	05	25		8/2 मिन	00	02	02
	615/3 मिन	00	00	19		9 मिन	00	11	13
	616/1 मिन	00	00	13		13/1 मिन	00	00	51
	805 मिन	00	00	51		13/2 मिन	00	09	87
	806 मिन	00	09	10		6//14/1 मिन	00	00	76
	811 मिन	00	13	22		16 मिन	00	00	25
	812 मिन	00	06	20		17 मिन	00	13	41
खंडी	7/10/1 मिन	00	01	26		18/2 मिन	00	00	00
ह०न० 185	10/2 मिन	00	01	01		18/3 मिन	00	00	26
	21/1 मिन	00	00	51		24/2 मिन	00	01	52
	21//1 मिन	00	03	04		25/1 मिन	00	07	34
	21/3/1 मिन	00	03	29		25/2 मिन	00	03	79
	2/1/1 मिन	00	08	85		26 मिन	00	00	26
	2/1/2 मिन	00	00	00		13//1 मिन	00	12	90
	2/2 मिन	00	00	00		2 मिन	00	03	54
	4//2/1 मिन	00	10	88		8 मिन	00	06	07
	5//1/1 मिन	00	01	77		9 मिन	00	10	63
	7/2 मिन	00	05	82		13 मिन	00	08	10
	8 मिन	00	05	82		14/1 मिन	00	06	83
	7 मिन	00	03	04		14/2 मिन	00	01	77
	8 मिन	00	10	63		16 मिन	00	10	88
	14 मिन	00	09	61		17 मिन	00	05	82
	15 मिन	00	00	76		25 मिन	00	03	29
	16 मिन	00	13	16		14//21 मिन	00	12	90
	5//17 मिन	00	00	76		22 मिन	00	00	26
	1/2 मिन	00	01	01		15//1/1 मिन	00	01	01
	25/3 मिन	00	01	77		1/2 मिन	00	00	26
	26 मिन	00	02	78		2/1 मिन	00	11	89
	9//1 मिन	00	05	57		2/2 मिन	00	01	26
	2/1 मिन	00	07	34		3/2 मिन	00	01	77

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
खोलेशाल	8 मिन	00	15	44	बादला	925 मिन	00	00	51
ह० नं० 178	14 मिन	00	00	76	ह० नं० 177	926 मिन	00	00	51
	69 मिन	00	01	52		927 मिन	00	10	38
	256 मिन	00	01	77		928 मिन	00	04	05
	257 मिन	00	01	26		935 मिन	00	02	02
दलवा	37/8 मिन	00	03	79		936 मिन	00	11	89
	13 मिन	00	02	28		937 मिन	00	00	00
ह० नं० 312	14 मिन	00	11	38		933 मिन	00	00	51
						934 मिन	00	13	41
	37//16 मिन	00	09	36		1093 मिन	00	08	35
	"	00	04	81		1100 मिन	00	04	55
	25 मिन	00	04	81		1123 मिन	00	00	26
फोटला बादला	24//16 मिन	00	07	84		1124 मिन	00	12	40
ह० नं० 176	25//20 मिन	00	03	29		1125 मिन	00	01	26
	21 मिन	00	12	40		1126 मिन	00	02	28
	22 मिन	00	01	52		1127 मिन	00	11	89
	26//1 मिन	00	00	26		1129 मिन	00	13	41
	2 मिन	00	14	93		1130 मिन	00	00	51
	3 मिन	00	00	51		1136 मिन	00	02	02
	8 मिन	00	09	36		1137 मिन	00	11	89
	9 मिन	00	01	26		1138 मिन	00	00	00
						1147 मिन	00	04	05
बादला	573 मिन	00	09	11		1148 मिन	00	10	12
ह० नं० 177	577 मिन	00	00	76		1154 मिन	00	08	10
	579 मिन	00	07	34		1155 मिन	00	05	82
	581 मिन	00	04	81		1159 मिन	00	07	84
	582 मिन	00	11	13		1160 मिन	00	06	07
	584 मिन	00	06	58		1163 मिन	00	00	76
	614 मिन	00	04	81		1164 मिन	00	05	07
	615 मिन	00	11	13		1166 मिन	00	09	11
	616 मिन	00	02	53		1226 मिन	00	06	87
	621 मिन	00	13	41		1227 मिन	00	03	54
	620 मिन	00	00	76		1228 मिन	00	06	58
	622 मिन	00	00	00		1229 मिन	00	07	59
	624 मिन	00	00	76		1230 मिन	00	02	28
	625 मिन	00	13	16		1231 मिन	00	01	01
	626 मिन	00	00	00	रेवा	11//14 मिन	00	03	29
	627 मिन	00	11	89	ह० नं० 321	15/2 मिन	00	04	55
	628 मिन	00	02	28		16 मिन	00	11	89
	634 मिन	00	04	55		25 मिन	00	00	00
	636 मिन	00	09	36		12//20/4 मिन	00	00	76
						20/5 मिन	00	01	26
	637 मिन	00	06	58		21 मिन	00	13	16
	696 मिन	00	07	84		32 मिन	00	00	76
	700 मिन	00	01	52		22//21 मिन	00	07	59
	887 मिन	00	07	08		23//1 मिन	00	00	76
	888 मिन	00	07	08		2 मिन	00	13	16
	894 मिन	00	04	81		3 मिन	00	00	00
	895 मिन	00	09	36		8 मिन	00	12	11
	899 मिन	00	11	64		9/1 मिन	00	02	02
	900 मिन	00	02	28		13 मिन	00	03	54
	902 मिन	00	01	01		14/1 मिन	00	07	08
	903 मिन	00	13	41		14/3 मिन	00	02	78
	904 मिन	00	00	00		16/1 मिन	00	00	51
						16/2 मिन	00	06	58

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
रेखा	23//17/1 मिन	00	05	32	बरी	35 मिन	00	03	54
हुंन० 321	25 मिन	00	06	83	हुंन० 323	26 मिन	00	00	76
	29 मिन	00	00	51		8//5 मिन	00	02	78
	30//1 मिन	00	07	08		13//5 मिन	00	12	14
	2 मिन	00	01	52		14//1 मिन	00	01	26
	8 मिन	00	03	54		9 मिन	00	00	76
	9 मिन	00	10	88		10 मिन	00	13	16
	13 मिन	00	12	40		11 मिन	00	00	76
	14 मिन	00	01	77		12 मिन	00	13	41
	16 मिन	00	00	76		13/1 मिन	00	00	00
	17 मिन	00	13	41		18 मिन	00	08	35
	24/2 मि २	00	00	76		19/1 मिन	00	04	30
	25 मिन	00	13	41		23/3 मिन	00	01	77
	31//21 मिन	00	00	00		23/4 मिन	00	03	79
	35//1 मिन	00	10	63		14/24/1 मिन	00	04	55
	36//5 मिन	00	01	01		24/2 मिन	00	05	32
	49 मिन	00	01	52		26 मिन	00	01	26
	54 मिन	00	01	52		16//10/2 मिन	00	01	26
भूटा	253 मिन	00	02	02		10/3 मिन	00	02	53
हुंन० 322	254 मिन	00	05	57		10/4 मिन	00	02	02
	255 मिन	00	08	10		11/1 मिन	00	00	26
	261 मिन	00	06	07		11/3 मिन	00	00	26
	262 मिन	00	07	84		11/4 मिन	00	07	34
	264 मिन	00	10	12		11/6 मिन	00	02	28
	265 मिन	00	04	05		12 मिन	00	03	54
	269 मिन	00	01	77		18 मिन	00	01	77
	270 मिन	00	12	40		19 मिन	00	12	40
	275 मिन	00	00	26		22 मिन	00	00	26
	276 मिन	00	13	41		23 मिन	00	13	16
	277 मिन	00	00	26		24 मिन	00	00	76
	278 मिन	00	13	16		17//4 मिन	00	05	32
	279 मिन	00	01	26		5 मिन	00	07	59
	286 मिन	00	02	78		6 मिन	00	08	60
	304 मिन	00	06	58		26 मिन	00	01	26
	306 मिन	00	06	58		27//3 मिन	00	00	76
	307 मिन	00	07	34		4 मिन	00	12	90
	309 मिन	00	05	32		5 मिन	00	00	00
	310 मिन	00	09	11		6/1 मिन	00	04	05
	314 मिन	00	11	13		6/2 मिन	00	08	10
बरी	1//14 मिन	00	00	26		7/1 मिन	00	01	26
हुंन० 323	16 मिन	00	00	51		15 मिन	00	04	05
	17 मिन	00	13	16		28//11 मिन	00	08	35
	18/1 मिन	00	00	26		20/1 मिन	00	00	26
	24 मिन	00	01	01		55 मिन	00	01	26
	25 मिन	00	13	16		58 मिन	00	00	51
	7//1 मिन	00	11	13		60 मिन	00	01	26
	9 मिन	00	09	36	बखाली कला	6//20 मिन	00	00	00
	10 मिन	00	05	32		21 मिन	00	12	40
	12 मिन	00	07	08		22 मिन	00	00	00
	13 मिन	00	08	35		7//25 मिन	00	01	77
	17 मिन	00	05	32		10//1 मिन	00	02	28
	18 मिन	00	07	34		2 मिन	00	12	65
	24 मिन	00	10	63		8/1 मिन	00	04	30
						8/2 मिन	00	08	10

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बरधाली कला	9 मिन	00	02	78	ब्रह्मसंस्कृति	57 मिन	00	00	76
हूनं 114	13 मिन	00	02	78	हूनं 114	68 मिन	00	01	01
	14/1 मिन	00	11	64		71 मिन	00	01	26
	14/2 मिन	00	00	51					
	16/1 मिन	00	08	60	मन गाजरा	332 मिन	00	00	51
	16/2 मिन	00	01	77	हूनं 113	333 मिन	00	10	69
	16/3 मिन	00	01	01		334 मिन	00	00	00
	17/1 मिन	00	02	78		338 मिन	00	09	80
	17/2 मिन	00	00	26		339 मिन	00	13	85
	25/1 मिन	00	02	02		341 मिन	00	15	37
	25/2 मिन	00	01	26		346 मिन	00	01	89
	11//21 मिन	00	11	13		560 मिन	00	07	02
	16//21/2 मिन	00	10	38		561 मिन	00	03	85
	17//1/1 मिन	00	02	28		563 मिन	00	06	01
	1/2 मिन	00	01	52		564 मिन	00	00	00
	2 मिन	00	11	13		565 मिन	00	01	26
	8 मिन	00	11	13		568 मिन	00	22	51
	9 मिन	00	03	79		569 मिन	00	01	51
	13 मिन	00	04	05		579 मिन	00	00	51
	14/1 मिन	00	04	05		580 मिन	00	01	26
	14/2 मिन	00	05	32		581 मिन	00	19	35
	14/3/1 मिन	00	00	26		584 मिन	00	00	51
	14/3/2 मिन	00	00	51		648 मिन	00	01	76
	16 मिन	00	10	63		737 मिन	00	05	78
	17/1 मिन	00	03	54		759 मिन	00	00	95
	17/2 मिन	00	01	01		760 मिन	00	04	93
	25 मिन	00	04	30		761 मिन	00	03	16
	27//1 मिन	00	03	79		762 मिन	00	03	16
	2 मिन	00	10	12		764 मिन	00	18	33
	8 मिन	00	09	87		767 मिन	00	03	04
	9 मिन	00	05	32		768 मिन	00	01	14
	13 मिन	00	05	32		769 मिन	00	01	77
	14 मिन	00	08	35		775 मिन	00	03	42
	16 मिन	00	09	61		776 मिन	00	02	53
	17 मिन	00	05	57		777 मिन	00	21	30
	25 मिन	00	05	57		778 मिन	00	08	10
	28//21 मिन	00	09	36		907 मिन	00	01	51
	30//21 मिन	00	07	08		909 मिन	00	00	13
	26 मिन	00	01	01		910 मिन	00	19	92
	31//1 मिन	00	05	82		911 मिन	00	02	02
	2 मिन	00	09	11		912 मिन	00	07	14
	8/1 मिन	00	00	00		913 मिन	00	11	07
	8/2 मिन	00	08	60		919/3 मिन	00	04	86
	9 मिन	00	06	07		920/1 मिन	00	08	98
	13/1 मिन	00	00	00		920/3 मिन	00	00	76
	13/2 मिन	00	06	07		930 मिन	00	00	00
	14 मिन	00	09	11		931 मिन	00	04	36
	16 मिन	00	08	35		1040-1041/932 मिन	00	16	95
	17 मिन	00	06	58		934 मिन	00	10	88
	25 मिन	00	06	58		935 मिन	00	13	66
	42//1 मिन	00	07	08		936 मिन	00	09	80
	2 मिन	00	08	10		960 मिन	00	02	02
	8 मिन	00	07	84		973 मिन	00	01	89
	9 मिन	00	07	08					
	13 मिन	00	07	34					
	14 मिन	00	01	52					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
हैडा	26/6 मिन	00	07	59	हैडा	70/15 मिन	00	00	00
ह० न० 112	15	00	01	26	ह० न० 112	161 मिन	00	12	65
	27/11 मिन	00	06	83		171 मिन	00	02	02
	18 मिन	00	01	26		25/1 मिन	00	00	76
	19 मिन	00	06	83		71/20 मिन	00	00	26
	22 मिन	00	00	00		21 मिन	00	13	66
	3 मिन	00	11	64		22 मिन	00	00	51
	24 मिन	00	02	78		78/1 मिन	00	03	01
	43/10/2 मिन	00	05	07		2 मिन	00	12	40
	11 मिन	00	09	11		4/1 मिन	00	00	76
	1/1 मिन	00	06	32		7 मिन	00	01	01
	18 मिन	00	09	61		8 मिन	00	12	40
	19/1 मिन	00	03	54		9/1 मिन	00	00	76
	10/2 मिन	00	00	00		11 मिन	00	00	51
	13 मिन	00	04	81		14 मिन	00	15	06
	24 मिन	00	11	38		15/1 मिन	00	01	26
	26 मिन	00	02	28		88 मिन	00	14	42
	44/4 मिन	00	11	89		92 मिन	00	01	01
	5/1 मिन	00	03	54		93 मिन	00	00	51
	5/2 मिन	00	01	26		96 मिन	00	03	29
	6 मिन	00	09	87		103 मिन	00	01	01
	48/4 मिन	00	09	61		141 मिन	00	01	01
	7 मिन	00	04	85		142 मिन	00	00	51
	14 मिन	00	10	12		145 मिन	00	00	51
	16/2 मिन	00	00	26					
	16/3 मिन	00	05	32					
	17/1 मिन	00	05	32	काटला शमसपुर	1/19 मिन	00	00	26
	17/2 मिन	00	03	29	ह० न० 110	22/1 मिन	00	00	76
	17/3 मिन	00	00	76		22/2 मिन	00	12	65
	25/1 मिन	00	09	36		23/1 मिन	00	01	52
	49/21/2 मिन	00	06	07		8/2/2 मिन	00	00	26
	27 मिन	00	00	26		3/1 मिन	00	05	06
	61/21 मिन	00	10	63		3/2 मिन	00	07	14
	62/1 मिन	00	08	60		4 मिन	00	03	01
	2 मिन	00	07	08					
	3/1 मिन	00	01	52					
	8/2 मिन	00	06	53	काटला शमसपुर	8/6/2 मिन	00	03	79
	9 मिन	00	07	84	ह० न० 110	7 मिन	00	11	01
	13 मिन	00	06	83		15/1 मिन	00	05	06
	14 मिन	00	08	60		15/2 मिन	00	05	32
	1 मिन	00	03	36		7/11/2 मिन	00	05	82
	17 मिन	00	06	07		19/1 मिन	00	04	55
	25/1 मिन	00	01	26		19/4 मिन	00	02	53
	25/2 मिन	00	04	30		20 मिन	00	08	60
	70/1/1 मिन	00	04	55		21 मिन	00	07	31
	2/1 मिन	00	03	79		23 मिन	00	03	10
	2/2 मिन	00	04	81		11/13	00	05	82
	2/3 मिन	00	01	01		4 मिन	00	10	38
	8/1 मिन	00	03	03		6/1 मिन	00	02	02
	8/2 मिन	00	07	84		6/2 मिन	00	02	01
	9/1 मिन	00	04	73		7/3 मिन	00	03	79
	13 मिन	00	03	04		7/2 मिन	00	00	00
	14/1 मिन	00	00	01		17/1 मिन	00	00	76
	14/2 मिन	00	05	54		173 मिन	00	00	76

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5		
मिहाना	97	मिन	00	06	38	मिहाना ह० न० 105	1742	मिन	00	05	95
ह० न० 105	98	मिन	00	10	05		1750	मिन	00	05	57
	99	मिन	00	00	06		1751	मिन	00	00	06
	100	मिन	00	09	86		1752	मिन	00	00	19
	101	मिन	00	02	27		1753	मिन	00	01	39
	103	मिन	00	01	39		1754	मिन	00	01	64
	871	मिन	00	08	10		1755	मिन	00	01	32
	872	मिन	00	04	68		1757	मिन	00	08	54
	890	मिन	00	05	02		1758	मिन	00	05	88
	891	मिन	00	06	64		1759	मिन	00	00	51
	904	मिन	00	06	83		1841	मिन	00	00	19
	905	मिन	00	04	61		1842	मिन	00	12	39
	906	मिन	00	00	63		1847	मिन	00	03	16
	907	मिन	00	00	38		1848	मिन	00	09	92
	908	मिन	00	00	17		1849	मिन	00	00	76
	916	मिन	00	06	83		1850	मिन	00	09	92
	917	मिन	00	05	95		1851	मिन	00	03	16
	927	मिन	00	05	12		1855	मिन	00	00	76
	928	मिन	00	07	65						
	929	मिन	00	03	16	गेहलेबान० न० 106	3/19	मिन	00	05	32
	949	मिन	00	01	89		22	मिन	00	04	55
	1010	मिन	00	08	54		23	मिन	00	09	36
	1019	मिन	00	00	00		6/11	मिन	00	08	60
	1020	मिन	00	09	23		19	मिन	00	08	10
	1021	मिन	00	03	16		20	मिन	00	06	58
	1026	मिन	00	02	53		22/3	मिन	00	02	28
	1027	मिन	00	06	89		22/4	मिन	00	06	06
	1028	मिन	00	04	04		23/1	मिन	00	06	32
	1029	मिन	00	00	25		6/23/2	मिन	00	01	26
	1031	मिन	00	08	29		7/3	मिन	00	05	06
	1032	मिन	00	03	60		4	मिन	00	09	87
	1033	मिन	00	02	02		6	मिन	00	09	36
	1036	मिन	00	00	13		7	मिन	00	05	57
	1037	मिन	00	01	39		15	मिन	00	06	07
	1263	मिन	00	00	76		14/3	मिन	00	08	35
	1264	मिन	00	06	07		4/1	मिन	00	06	58
	1265	मिन	00	00	13		4/3	मिन	00	00	26
	1655	मिन	00	09	23		6	मिन	00	05	82
	1656	मिन	00	00	00		7/1	मिन	00	01	26
	1668	मिन	00	00	25		7/3	मिन	00	07	59
	1669	मिन	00	09	86		15/1	मिन	00	07	34
	1670	मिन	00	02	59		15/2	मिन	00	00	51
	1672	मिन	00	01	51		15/11	मिन	00	05	32
	1673	मिन	00	10	75		19/1	मिन	00	01	26
	1674	मिन	00	00	82		19/2	मिन	00	03	54
	1680	मिन	00	01	89		20	मिन	00	09	87
	1700	मिन	00	01	51		22/1	मिन	00	06	58
	1716	मिन	00	03	85		22/2	मिन	00	04	05
	1717	मिन	00	08	54		23	मिन	00	04	30
	1719	मिन	00	07	46		17/11	मिन	00	02	02
	1720	मिन	00	04	63		20	मिन	00	11	89
	1734	मिन	00	05	56		21	मिन	00	00	00
	1735	मिन	00	06	83		18/3	मिन	00	11	13
	1741	मिन	00	06	38		4	मिन	00	03	29
							0	मिन	00	02	78

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
गैडलैबाल	7/1 मिन	00	07	34	हरया खुर्र ह० न० 90	23 मिन	00	13	41
ह० न० 108—जारी	7/2 मिन	00	04	55	—जारी	24 मिन	00	01	52
	15 मिन	00	12	40		13/4/1 मिन	00	10	63
	16 मिन	00	00	50		4/3 मिन	00	00	00
	41/5 मिन	00	01	77		5 मिन	00	02	78
टापरीया ह० न० 94	20/23/2 मिन	00	00	76		6 मिन	00	12	65
	24/1 मिन	00	00	26		17/4/1 मिन	00	00	26
	21//4/1 मिन	00	05	82		4/2 मिन	00	07	34
	4/2 मिन	00	09	36		5/1 मिन	00	01	26
	5/2 मिन	00	00	26		6/1 मिन	00	05	06
	6 मिन	00	12	65		6/2 मिन	00	08	85
	7/1 मिन	00	01	77		7/1 मिन	00	00	26
	15/2 मिन	00	02	02		15 मिन	00	00	51
	22/11/2 मिन	00	00	76		18/10 मिन	00	01	01
	11/1 मिन	00	10	63		11/2 मिन	00	13	16
	11/3 मिन	00	00	26		11/1 मिन	00	00	76
	11/1 मिन	00	00	26		12 मिन	00	00	76
	19 मिन	00	12	10		18 मिन	00	00	51
	20/1 मिन	00	01	52		19 मिन	00	13	91
	20/2 मिन	00	00	26		20 मिन	00	00	76
	22/1 मिन	00	03	04		22/1 मिन	00	00	26
	23/1 मिन	00	08	35		22/2 मिन	00	00	76
	23/2 मिन	00	03	54		23 मिन	00	12	90
	25/11/1 मिन	00	06	58		19/3/1 मिन	00	00	76
	11/2 मिन	00	01	55		41 मिन	00	01	77
	19 मिन	00	05	06		109 मिन	00	00	76
	20/1 मिन	00	01	30		111 मिन	00	90	76
	26/3/2 मिन	00	03	29					
	4 मिन	00	11	89	हरया कला ह० न० 91	1/18 मिन	00	10	38
	6 मिन	00	11	64		19मिन	00	02	78
	7 मिन	00	03	54		23 मिन	00	05	06
	15/1 मिन	00	00	76		24 मिन	00	09	87
	15/2 मिन	00	03	04		4/10/1 मिन	00	06	83
	35 मिन	00	00	26		10/2 मिन	00	02	02
	36 मिन	00	01	26		11/1 मिन	00	06	83
	57 मिन	00	00	76		12/1 मिन	00	07	34
						12/2 मिन	00	00	76
हरया खुर्र ह० न० 92	8/19/1 मिन	00	01	01		18 मिन	00	07	59
	18/2 मिन	00	03	54		19 मिन	00	07	34
	19/1 मिन	00	05	06		23 मिन	00	07	84
	19/2 मिन	00	05	57		24 मिन	00	07	08
	8/10 मिन	00	00	00		5/4 मिन	00	05	31
	11 मिन	00	07	84		5 मिन	00	09	36
	12 मिन	00	05	06		6/1 मिन	00	04	55
	23 मिन	00	11	13		8/1 मिन	00	08	60
	24/2 मिन	00	00	00		5 मिन	00	06	58
	24/3 मिन	00	03	54		6 मिन	00	09	11
	12/10 मिन	00	02	28		9/10 मिन	00	05	82
	11/1 मिन	00	04	55		11 मिन	00	02	28
	11/2 मिन	00	08	60		38 मिन	00	01	52
	12/2 मिन	00	02	02	उरना ह० न० 93	28/2 मिन	00	05	06
	18 मिन	00	01	77		5 मिन	00	06	58
	19 मिन	00	13	16		9 मिन	00	07	08
	20 मिन	00	00	00		13 मिन	00	10	63
	22 मिन	00	00	26		14 मिन	00	03	29

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
उत्तरा ३० न० १५	16 मिन	00	00	51		14 मिन	00	09	61
नार्गी	17/1 मिन	00	08	85		15 मिन	00	03	79
	17/2 मिन	00	01	00		16 मिन	00	09	36
	21 मिन	00	01	01		25 मिन	90	02	78
	25 मिन	00	12	65		26 मिन	00	01	01
	30/1 मिन	00	09	87		48/21 मिन	00	13	41
	9 मिन	00	05	57		49/1 मिन	00	03	54
	10 मिन	00	07	84		2 मिन	00	05	32
	12 मिन	00	11	38		95 मिन	00	01	26
	13 मिन	00	02	02		111 मिन	00	01	52
	17/2 मिन	00	00	26		112 मिन	00	01	26
	18 मिन	00	13	16		151 मिन	00	01	26
	23 मिन	00	01	53		153 मिन	00	01	01
	24 मिन	00	11	38		377 मिन	00	02	28
	40/5 मिन	00	04	05		393 मिन	00	02	02
	43/4/2 मिन	00	03	04	भद्रिया ह० न० 76	12/20 मिन	00	10	38
	5 मिन	00	11	89		21 मिन	00	04	05
	6 मिन	00	03	54		22 मिन	00	12	40
	44/10 मिन	00	11	38		23 मिन	00	00	00
	11 मिन	00	04	05		13/15/1 मिन	00	00	76
	12 मिन	00	12	40		15/2 मिन	00	01	81
						16 मिन	00	05	57
गङ्गी तरभाना	6/21 मिन	00	00	76		14/2 मिन	00	02	01
ह० न० 79	7/9/1	00	04	05		3 मिन	00	13	41
	9/2	00	04	55		4 मिन	00	00	76
	12 मिन	05	04	81		6 मिन	00	02	02
	13 मिन	00	11	13		7 मिन	00	13	41
	16 मिन	00	00	26		8 मिन	99	00	76
	17/1 मिन	00	06	58		14 मिन	00	00	00
	17/2 मिन	00	05	82		15 मि	00	12	40
	18 मिन	00	03	29		15/11 मिन	00	04	05
	24 मिन	00	01	77		18/1 मिन	00	00	00
	25/1 मिन	00	01	05		19/2 मिन	50	05	32
	25/2 मिन	00	09	61		20 मिन	00	10	38
	12/5 मिन	00	00	26		22/1 मिन	00	01	01
	13/1 मिन	00	11	64		22/2 मिन	00	05	82
	33/18 मिन	00	02	78		23 मिन	00	07	59
	23 मिन	00	13	16		23/11 मिन	00	04	05
	24/3 मिन	50	00	26		19 मिन	00	06	83
	37/11 मिन	00	04	81		23/20 मिन	00	10	12
	19 मिन	00	01	26		22 मिन	00	07	08
	20 मिन	00	11	89		23 मिन	00	09	87
	21/1 मिन	00	00	26		24/3/1 मिन	00	00	26
	22/1 मिन	00	05	82		3/1/2 मिन	00	05	06
	22/2 मिन	00	06	02		3/2 मिन	00	01	77
	38/4/1 मिन	00	12	40		4/1 मिन	00	02	02
	35/6 मिन	00	07	59		6 मिन	00	01	01
	7/1 मिन	00	03	54		7 मिन	00	13	91
	7/2 मिन	00	00	26		8 मिन	00	00	51
	15 मिन	00	08	35		24/14 मिन	00	00	51
	47/2 मिन	00	02	7		15 मिन	00	11	89
	3 मिन	00	09	61		28/3 मिन	00	04	05
	7 मिन	00	07	08		4 मिन	00	10	88
	8 मिन	00	06	58		6 मिन	00	11	89

1	2	3	4	5
भटिया	7 मिन	00	03	04
ह० न० 78—जारी	15 मिन	00	03	54
	29//11 मिन	00	11	64
	18 मिन	00	00	00
	19/1 मिन	00	04	05
	29/19/2 मिन	00	07	84
	20/1 मिन	00	03	29
	29//22 मिन	00	02	28
	23 मिन	00	13	16
	24 मिन	00	00	51
	33//10 मिन	00	03	04
	11 मिन	00	11	64
	12 मिन	00	04	30
	18/1 मिन	00	00	00
	18/2 मिन	00	06	07
	19/1 मिन	00	08	10
	19/2 मिन	00	02	28
	23/1 मिन	00	01	01
	23/2 मिन	00	06	32
	24 मिन	00	07	34
	34//3 मिन	00	01	01
	4 मिन	00	13	68
	5 मिन	00	01	52
	6 मिन	00	12	90
	7 मिन	00	00	25
	42//4 मिन	00	07	08
	5 मिन	00	08	85
	6 मिन	00	05	57
	43/10 मिन	00	10	63
	11 मिन	00	03	79
	12/1 मिन	00	04	81
	12/2 मिन	00	06	58
	13/2 मिन	00	00	00
	17 मिन	00	00	51
	18 मिन	00	13	41
	19 मिन	00	02	28
	23 मिन	00	01	01
	24/1	00	06	58
	24/2 मिन	00	03	54
	24/3 मिन	00	01	52
	58/1 मिन	00	01	77
	66 मिन	00	00	76
	68 मिन	00	01	01
	70 मिन	00	00	76
	71 मिन	00	00	76
	74 मिन	00	01	01
अबीयाना	24//26 मिन	00	02	02
ह० न० 77	25 मिन	00	01	77
	25//4 मिन	00	00	25
	5/1 मिन	00	09	11
	5/2 मिन	00	03	29
	28//1 मिन	00	03	29
	9 मिन	00	00	25
	10 मिन	00	10	88

1	2	3	4	5
हराक	12//21 मिन	00	09	11
ह० न० 63	13//14 मिन	00	00	51
	16 मिन	00	07	84
	17 मिन	00	08	10
	25 मिन	00	06	83
	15/1 मिन	00	05	32
	2 मिन	00	10	63
	7 मिन	00	00	00
	8 मिन	00	12	14
	9 मिन	00	03	54
	13 मिन	00	02	02
	14 मिन	00	13	66
	15/15 मिन	00	00	76
	16 मिन	00	13	16
	17 मिन	00	00	26
	25 मिन	00	00	00
	16//20 मिन	00	02	02
	21 मिन	00	12	14
	22 मिन	00	03	54
	18/2 मिन	00	10	63
	3/1 मिन	00	05	57
	7 मिन	00	06	58
	8/1 मिन	00	02	28
	8//2 मिन	00	04	81
	14/2 मिन	00	07	84
	64 मिन	00	02	53
	75 मिन	00	01	01

[क्रमांक 12020/7/81-प्रो०]

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 18th September, 1982

S. O. 3443.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer (Department of Petroleum), S.O. 2591 dated 3-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines.

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication

of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

TESHIL : SAMRALA Distt : Ludhinana State Punjab

Name of Village	Khasra No.	Area		
		H	A	SQM
1	2	3	4	5
KOTLA MEHSUD				
H. N. 183	23/9 Min	00	02	78
	12 Min	00	07	08
	13 Min	00	08	85
	17 Min	00	04	55
	18 Min	00	05	82
Bawar H. No. 184	7//17 Min	00	01	52
	18 Min	00	09	11
	23 Min	00	00	26
	24/1 Min	00	08	10
	24/2 Min	00	04	30
	24/3 Min	00	00	51
	25/2 Min	00	00	00
	26 Min	00	00	26
	15//10 Min	00	09	11
	11 Min	00	07	59
	12 Min	00	06	07
	18/1/2 Min	00	00	26
	18/1/3 Min	00	01	26
	18/2 Min	00	01	26
	19/1 Min	00	00	00
	19/2 Min	00	00	63
	23/1 Min	00	09	87
	23/2 Min	00	03	04
	24 Min	00	01	01
	16//4 Min	00	01	77
	5/1 Min	00	11	89
	6/1 Min	00	00	76
	6/2/1 Min	00	03	54
	6/2/2 Min	00	00	26
	18/3 Min	00	00	51
	4 Min	00	13	41
	5 Min	00	02	02
	6 Min	00	12	40
	7 Min	00	00	00
	19//10 Min	00	03	79
	11 Min	00	10	63
	12/1 Min	00	03	79
	12/2 Min	00	01	01
	12/3 Min	00	01	01
	18 Min	00	07	34
	19/1 Min	00	08	35
	19/2 Min	00	00	51
	19/3 Min	00	00	00
	23 Min	00	07	08
	24/1 Min	00	09	11
	22//9/1 Min	00	00	26
	10/2 Min	00	11	89
	11 Min	00	02	02
	12 Min	00	13	66
	13 Min	00	00	76
	17 Min	00	02	02
	18 Min	00	13	66
	19 Min	00	00	76
	23 Min	00	00	26
	24 Min	00	12	40

1	2	3	4	5
Bawar H. No. 184—contd	25 Min	00	03	54
	23//4/1/1 Min	00	04	30
	4/2 Min	00	01	52
	5 Min	00	10	88
	6/1 Min	00	01	01
	6/2 Min	00	03	04
	29//5 Min	00	10	88
	30//1 Min	00	06	07
	9 Min	00	04	81
	10 Min	00	09	11
Hargana H. No. 180	598 Min	00	00	38
	599 Min	00	03	85
	611/2 Min	00	01	51
	612 Min	00	10	25
	615/1 Min	00	07	91
	615/2	00	05	25
	615/3 Min	00	00	19
	616/1 Min	00	00	13
	805 Min	00	00	51
	806 Min	00	09	10
	811 Min	00	13	22
	812 Min	00	06	20
Kheri H. No. 185	2//20/1 Min	00	01	26
	20/2 Min	00	01	01
	21/1 Min	00	00	51
	21/2 Min	00	03	04
	21/3 Min	00	03	29
	22/1/1 Min	00	08	85
	22/1/2 Min	00	00	00
	22/2 Min	00	00	00
	4/21 Min	00	10	88
	5/2/1 Min	00	01	77
	2/2 Min	00	05	82
	3 Min	00	05	82
	7 Min	00	03	04
	8 Min	00	10	63
	14 Min	00	09	61
	15 Min	00	00	76
	16 Min	00	13	16
	5//17 Min	00	00	76
	25/2 Min	00	01	01
	25/3 Min	00	01	77
	26 Min	00	02	78
	9/1 Min	00	05	57
	2/1 Min	00	07	34
	2/2 Min	00	00	26
	8 Min	00	04	55
	9/3 Min	00	01	77
	9/4 Min	00	06	58
	13 Min	00	11	64
	14/1 Min	00	02	02
	16 Min	00	00	26
	17 Min	00	13	41
	24 Min	00	01	01
	25 Min	00	12	65
	11//1 Min	00	07	34
	10 Min	00	02	78
	12//5/1 Min	00	01	77
	41 Min	00	01	01
	43 Min	00	01	01
Dholawal H No. 178	1//25 Min	00	02	28
	2//21 Min	00	07	08
	5//21 Min	00	01	26
	6//1/1 Min	00	08	35
	1/2 Min	00	00	76

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Dholawal H. No. 178	2/1 Min	00	04	30	Baddla H. No. 177	620 Min	00	00	76
—Contd.	2/2 Min	00	00	76	—Contd	622 Min	00	00	00
	8/1 Min	00	01	01		624 Min	00	00	76
	8/2 Min	00	02	02		625 Min	00	13	16
	9 Min	00	11	13		626 Min	00	00	00
	13/1 Min	00	00	51		627 Min	00	11	89
	13/2 Min	00	09	87		628 Min	00	02	28
	6/14/1 Min	00	00	76		634 Min	00	04	55
	16 Min	00	00	25		636 Min	00	09	36
	17 Min	00	13	41		637 Min	00	06	58
	18/2 Min	00	00	00		696 Min	00	07	84
	18/3 Min	00	00	26		700 Min	00	01	52
	24/2 Min	00	01	52		887 Min	00	07	08
	25/1 Min	00	07	34		888 Min	00	07	08
	25/2 Min	00	03	79		894 Min	00	04	81
	26 Min	00	00	26		895 Min	00	09	36
	13/1 Min	00	12	90		899 Min	00	11	64
	2 Min	00	03	54		900 Min	00	02	28
	8 Min	00	06	07		902 Min	00	01	01
	9 Min	00	10	63		903 Min	00	13	41
	13 Min	00	08	10		904 Min	00	00	00
	14/1 Min	00	06	83		925 Min	00	00	51
	14/2 Min	00	01	77		926 Min	00	00	51
	16 Min	00	10	88		927 Min	00	10	38
	17 Min	00	05	82		928 Min	00	04	05
	25 Min	00	03	29		935 Min	00	02	02
	15/21 Min	00	12	90		936 Min	00	11	89
	22 Min	00	00	26		937 Min	00	00	00
	15/1/1 Min	00	01	01		933 Min	00	00	51
	1/2 Min	00	00	26		934 Min	00	13	41
	2/1 Min	00	11	89		1093 Min	00	08	35
	2/2 Min	00	01	26		1100 Min	00	04	55
	3/2 Min	00	01	77		1123 Min	00	00	26
	8 Min	00	15	44		1124 Min	00	12	40
	14 Min	00	00	76		1125 Min	00	01	26
	69 Min	00	01	52		1126 Min	00	02	28
	256 Min	00	01	77		1127 Min	00	11	89
	257 Min	00	01	26		1129 Min	00	13	41
	37/6 Min	00	03	79		1130 Min	00	00	51
Dalwan	13 Min	00	02	28		1136 Min	00	02	02
H. No. 312	14 Min	00	11	38		1137 Min	00	11	89
	37/16 Min	00	09	36		1138 Min	00	00	0-
	17 Min	00	04	81		1147 Min	00	04	05
	25 Min	00	04	81		1148 Min	00	10	12
	24/16 Min	00	07	84		1154 Min	00	08	10
	25/20 Min	00	03	29		1155 Min	00	05	82
	21 Min	00	12	40		1159 Min	00	07	04
	22 Min	00	01	52		1160 Min	00	06	07
	26/1 Min	00	00	26		1163 Min	00	00	76
	2 Min	00	14	93		1164 Min	00	05	57
	3 Min	00	00	51		1166 Min	00	09	11
	8 Min	00	09	36		1226 Min	00	06	07
	9 Min	00	01	26		1227 Min	00	03	54
	573 Min	00	09	11		1128 Min	00	06	58
	577 Min	00	00	76		1229 Min	00	07	59
	579 Min	00	07	34		1230 Min	00	02	28
	581 Min	00	04	81		1231 Min	00	01	01
	582 Min	00	11	13	Ria	11/14 Min	00	03	29
	584 Min	00	06	58	H. No. 321	15/2 Min	00	04	55
	614 Min	00	04	81		16 Min	00	11	89
	615 Min	00	11	13		25 Min	00	00	00
	616 Min	00	02	53		12/20/4 Min	00	00	76
	621 Min	00	13	41		20/5 Min	00	01	26
						21 Min	00	13	16
						22 Min	00	00	76

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Rja H. No. 321	22/21 Min	00	07	59	Charl H. No. 323	25 Min	00	03	54
—Contd	23/1 Min	00	00	76	—(Contd.)	26 Min	00	00	76
	2 Min	00	13	16		8/5 Min	00	02	78
	3 Min	00	00	00		13/5 Min	00	12	14
	8 Min	00	12	14		14/1 Min	00	01	26
	9/1 Min	00	02	02		9 Min	00	00	76
	13 Min	00	03	54		10 Min	00	13	16
	14/1 Min	00	07	08		11 Min	00	00	76
	14/3 Min	00	02	78		12 Min	00	13	41
	16/1 Min	00	00	51		13/1 Min	00	00	00
	16/2 Min	00	06	58		18 Min	00	08	35
	23/17/1 Min	00	05	32		19/1 Min	00	04	30
	25 Min	00	06	83		23/3 Min	00	01	77
	29 Min	00	00	51		23/4 Min	00	03	79
	30/1 Min	00	07	08					
	2 Min	00	01	52		14/24/1 Min	00	04	55
	8 Min	00	03	54		24/2 Min	00	05	32
	9 Min	00	10	88		26 Min	00	01	26
	13 Min	00	12	40		16/10/2 Min	00	01	26
	14 Min	00	01	77		10/3 Min	00	02	53
	16 Min	00	00	76		10/4 Min	00	02	02
	17 Min	00	13	41		11/1 Min	00	00	26
	24/2 Min	00	00	76		11/3 Min	00	00	26
	25 Min	00	13	41		11/4 Min	00	07	34
	31/21 Min	00	00	00		11/6 Min	00	02	28
	35/1 Min	00	10	63		12 Min	00	03	54
	36/5 Min	00	01	01		18 Min	00	01	77
	49 Min	00	01	52		19 Min	00	12	40
	54 Min	00	01	52		22 Min	00	00	26
						23 Min	00	13	16
Bhutta	253 Min	00	02	02		24 Min	00	00	76
H. No. 322	254 Min	00	05	57		17/4 Min	00	05	32
	255 Min	00	08	10		5 Min	00	07	59
	261 Min	00	06	07		6 Min	00	08	60
	262 Min	00	07	84		26 Min	00	01	26
	264 Min	00	10	12		27/3 Min	00	00	76
	265 Min	00	04	05		4 Min	00	12	90
	269 Min	00	01	77		5 Min	00	00	00
	270 Min	00	12	40		6/1 Min	00	04	05
	275 Min	00	00	26		6/2 Min	00	08	10
	276 Min	00	13	41		7/1 Min	00	01	26
	277 Min	00	00	26		15 Min	00	04	05
	278 Min	00	13	16		28/11 Min	00	08	35
	279 Min	00	01	26		20/1 Min	00	00	26
	286 Min	00	02	78		55 Min	00	01	26
	304 Min	00	06	58		58 Min	00	00	51
						60 Min	00	01	26
	306 Min	00	06	58					
	307 Min	00	07	34	Barwalli Kalan H. No.	6/20 Min	00	00	00
	309 Min	00	05	32	114	21 Min	00	12	40
	310 Min	00	09	11		22 Min	00	00	00
	314 Min	00	11	13		7/25 Min	00	01	77
						10/1 Min	00	02	28
Charl H. No. 323	1/14 Min	00	00	26		2 Min	00	12	65
	16 Min	00	00	51		8/1 Min	00	04	30
	17 Min	00	13	16		8/2 Min	00	08	10
	18/1 Min	00	00	26		9 Min	00	02	78
	24 Min	00	01	01		13 Min	00	02	78
	25 Min	00	13	16		14/1 Min	00	11	64
	7/1 Min	00	11	13		14/2 Min	00	00	51
	9 Min	00	09	36		16/1 Min	00	08	60
	10 Min	00	05	32		16/2 Min	00	01	77
	12 Min	00	07	08		16/3 Min	00	01	01
	13 Min	00	08	35		17/1 Min	00	02	78
	17 Min	00	05	32		17/2 Min	00	00	26
	18 Min	00	07	34		25/1 Min	00	02	02
	24 Min	00	10	63		25/2 Min	00	01	26

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Barwali Kalan H. No. 114	11/21 Min	00	11	13	Mal Majra H. No. 113	581 Min	00	09	35
	16/21/2 Min	00	10	38		584 Min	00	00	51
	17/1/1 Min	00	02	28		648 Min	00	01	70
	1/2 Min	00	01	52		737 Min	00	05	76
	2 Min	00	11	13		759 Min	00	00	95
	8 Min	00	11	13		760 Min	00	04	93
	9 Min	00	03	79		761 Min	00	03	16
	13 Min	00	04	05		762 Min	00	03	16
	14/1 Min	00	04	05		764 Min	00	18	33
	14/2 Min	00	05	32		767 Min	00	03	04
	14/3/1 Min	00	00	26		768 Min	00	01	14
	14/3/2 Min	00	00	51		769 Min	00	01	77
	16 Min	00	10	63		775 Min	00	03	42
	17/1 Min	00	03	54		776 Min	00	02	53
	17/2 Min	00	01	01		777 Min	00	21	30
	25 Min	00	04	30		778 Min	00	08	10
						907 Min	00	01	51
						909 Min	00	00	13
	27/1 Min	00	03	79					
	2 Min	00	10	12		910 Min	00	19	92
	8 Min	00	09	87		911 Min	00	02	02
	9 Min	00	05	32		912 Min	00	07	14
	13 Min	00	05	32		913 Min	00	11	07
	14 Min	00	08	35		919/3 Min	00	04	86
	16 Min	00	09	61		920/1 Min	00	08	98
	17 Min	00	05	57		920/3 Min	00	00	76
	25 Min	00	05	57		930 Min	00	00	00
	28/21 Min	00	09	36		931 Min	00	04	36
	30/21 Min	00	07	08		1040/1041/932 Min	00	16	95
	26 Min	00	01	01		934 Min	00	10	88
	31/1 Min	00	05	82		935 Min	00	13	66
	2 Min	00	09	11		936 Min	00	09	80
	8/1 Min	00	00	00		960 Min	00	02	02
	8/2 Min	00	08	60		973 Min	00	01	89
	9 Min	00	06	07	Hadeon H. No. 112	26//6 Min	00	07	59
	13/1 Min	00	00	00		15 Min	00	01	26
	13/2 Min	00	06	07		27/11 Min	00	06	83
	14 Min	00	09	11		18 Min	00	01	26
	16 Min	00	08	35		19 Min	00	06	83
	17 Min	00	06	58		22 Min	00	00	00
	25 Min	00	06	58		23 Min	00	11	64
	42/1 Min	00	07	08		24 Min	00	02	78
	2 Min	00	08	10		43/10/2 Min	00	06	07
	8 Min	00	07	84		11 Min	00	09	11
	9 Min	00	07	08		12/1 Min	00	06	32
	13 Min	00	07	34		18 Min	00	09	61
	14 Min	00	01	52		19/1 Min	00	03	54
	57 Min	00	00	76		19/2 Min	00	00	00
	68 Min	00	01	01		23 Min	00	04	81
	71 Min	00	01	26		24 Min	00	11	38
						26 Min	00	02	28
Mal Majra H. No. 113	332 Min	00	00	51		44/4 Min	00	11	89
	333 Min	00	10	69		5/1 Min	00	03	54
	334 Min	00	00	00		5/2 Min	00	01	26
	338 Min	00	09	80		6 Min	00	09	87
	339 Min	00	13	85					
	341 Min	00	15	37		48//4 Min	00	09	61
	346 Min	00	01	89		7 Min	00	04	55
	560 Min	00	07	02		14 Min	00	10	12
	561 Min	00	03	85		16/2 Min	00	00	26
	563 Min	00	06	01		16/3 Min	00	05	32
	564 Min	00	00	00		17/1 Min	00	05	32
	565 Min	00	01	26		17/2 Min	00	03	29
	568 Min	00	22	51		17/3 Min	00	00	76
	569 Min	00	01	51		25/1 Min	00	09	36
	579 Min	00	00	51		49//21/2 Min	00	06	07
	580 Min	00	01	26					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Hadeon H. No. 112	27 Min	00	00	26	Kotla Shamaspur	23 Min	00	08	10
	61/21 Min	00	10	63	H. No. 110	11/83	00	05	82
	62/1 Min	00	08	60		4 Min	00	10	38
	2 Min	00	07	08		6/1 Min	00	02	02
	8/1 Min	00	01	52		6/2 Min	00	02	02
	8/2 Min	00	06	58		7/3 Min	00	03	79
	9 Min	00	07	84		7/2 Min	00	00	00
	13 Min	00	06	83		171 Min	00	00	76
	14 Min	00	08	60		173 Min	00	00	76
	16 Min	00	09	36	Sahalla H. No. 105	97 Min	00	06	38
	17 Min	00	06	07		98 Min	00	10	05
	25/1 Min	00	01	26		99 Min	00	00	06
	25/2 Min	00	04	30		100 Min	00	09	86
	70/1/1 Min	00	04	55		101 Min	00	02	27
	2/1 Min	00	03	79		103 Min	00	01	39
	2/2 Min	00	04	81		871 Min	00	08	10
	2/3 Min	00	01	01		872 Min	00	04	68
	8/1 Min	00	03	04		890 Min	00	05	12
	8/2 Min	00	07	84		891 Min	00	06	64
	9/1 Min	00	03	79		904 Min	00	06	83
	13 Min	00	03	04		905 Min	00	04	61
	14/1 Min	00	09	61		906 Min	00	00	63
	14/2 Min	00	03	54		907 Min	00	00	38
	70/15 Min	00	00	00		908 Min	00	00	13
	16 Min	00	12	65		916 Min	00	06	83
	17 Min	00	02	02		917 Min	00	05	95
	25/1 Min	00	00	76		927 Min	00	05	12
	71/20 Min	00	00	26		928 Min	00	07	65
	21 Min	00	13	66		929 Min	00	03	16
	22 Min	00	00	51		949 Min	00	01	89
	78/1 Min	00	01	01		1010 Min	00	08	54
	2 Min	00	12	40		1019 Min	00	00	00
	3/1 Min	00	00	76		1020 Min	00	09	23
	7 Min	00	01	01		1021 Min	00	03	16
	8 Min	00	12	40		1026 Min	00	02	53
	9/1 Min	00	00	76		1027 Min	00	06	89
	13 Min	00	00	51		1028 Min	00	04	04
	14 Min	00	13	66		1029 Min	00	00	25
	15/1 Min	00	01	26		1031 Min	00	08	29
	88 Min	00	14	42		1032 Min	00	03	60
	92 Min	00	01	01		1033 Min	00	02	02
	95 Min	00	00	51		1036 Min	00	00	13
	96 Min	00	03	29		1037 Min	00	01	39
	103 Min	00	01	01		1263 Min	00	00	76
	141 Min	00	01	01		1264 Min	00	06	07
	142 Min	00	00	51		1265 Min	00	00	13
	145 Min	00	00	51		1655 Min	00	09	23
Kotla Shamaspur H. No. 110	4/19 Min	00	00	26		1656 Min	00	00	00
	22/1 Min	00	00	76		1668 Min	00	00	25
	22/2 Min	00	12	65		1669 Min	00	09	86
	23/1 Min	00	01	52		1670 Min	00	02	59
	8/2/2 Min	00	00	26		1672 Min	00	01	51
	3/1 Min	00	05	06		1673 Min	00	10	75
	3/2 Min	00	07	34		1674 Min	00	00	82
	4 Min	00	03	04		1680 Min	00	01	89
	8/6/2 Min	00	03	79		1700 Min	00	01	51
	7	00	11	64		1716 Min	00	03	85
	15/1 Min	00	05	06		1717 Min	00	08	54
	15/2 Min	00	05	32		1719 Min	00	07	46
	9/11/2 Min	00	05	82		1720 Min	00	04	68
	19/1 Min	00	04	55		1734 Min	00	05	56
	19/4 Min	00	02	53		1735 Min	00	06	83
	20 Min	00	08	60		1741 Min	00	06	38
	22 Min	00	07	34		1742 Min	00	05	95

1.	2	3	4	5	1	2	3	4	5
SAHALIA H.No.105 —(Contd.)	1750 Min	00	05	57	TAPRIAN H.No. 94 —(Contd.)	6 Min	00	12	65
	1751 Min	00	00	06		7/1 Min	00	01	77
	1752 Min	00	00	19		15/2 Min	00	02	02
	1753 Min	00	01	39		22/11/2 Min	00	00	76
	1754 Min	00	01	64		11/1 Min	00	10	63
	1755 Min	00	01	32		11/3 Min	00	00	26
	1757 Min	00	08	54		11/4 Min	00	00	26
	1758 Min	00	05	88		19 Min	00	12	40
	1759 Min	00	00	51		20/1 Min	00	01	52
	1841 Min	00	00	19		20/2 Min	00	00	26
	1842 Min	00	12	39		22/1 Min	00	03	04
	1847 Min	00	03	16		23/1 Min	00	08	35
	1848 Min	00	09	92		23/2 Min	00	03	54
	1849 Min	00	00	76		25/11/1 Min	00	06	58
	1850 Min	00	09	92		11/2 Min	00	04	55
	1851 Min	00	03	16		19 Min	00	05	06
	1855 Min	00	00	76		20/1 Min	00	04	30
						26/3/2 Min	00	03	29
						4 Min	00	11	89
						6 Min	00	11	64
GEHLAWAL H.No. 106	3/15 Min	00	06	07	HARYON KHURD H.No. 92	7 Min	00	03	54
	19 Min	00	05	32		15/1 Min	00	00	76
	22 Min	00	04	55		15/2 Min	00	03	04
	23 Min	00	09	36		35 Min	00	00	26
	6/11 Min	00	08	60		36 Min	00	01	26
	19 Min	00	08	10		57 Min	00	00	76
	20 Min	00	06	58					
	22/3 Min	00	02	28		8/19/1 Min	00	01	01
	22/4 Min	00	05	06		18/2 Min	00	03	54
	24/1 Min	00	06	32		19/1 Min	00	05	06
	6/23/2 Min	00	01	26		19/2 Min	00	05	57
	7/13 Min	00	05	06		8/10 Min	00	00	00
	4 Min	00	09	87		11 Min	00	07	84
	6 Min	00	09	36		12 Min	00	05	06
	7 Min	00	05	57		23 Min	00	11	13
	14/3 Min	00	08	35		24/2 Min	00	00	00
	4/1 Min	00	06	58		24/3 Min	00	03	54
	4/3 Min	00	00	26		12/10 Min	00	02	28
	6 Min	00	05	82		11/1 Min	00	04	55
	7/1 Min	00	01	26		11/2 Min	00	08	60
	7/3 Min	00	07	59		12/2 Min	00	02	02
TAPRIAN H.No. 94	15/1 Min	00	07	34		18 Min	00	01	77
	15/2 Min	00	00	51		19 Min	00	13	16
	15/11 Min	00	05	32		20 Min	00	00	00
	19/1 Min	00	01	26		22 Min	00	00	26
	19/2 Min	00	03	54		23 Min	00	13	41
	20 Min	00	09	87		24 Min	00	01	52
	20/1 Min	00	06	58		13/4/1 Min	00	10	63
	22/2 Min	00	04	05		4/3 Min	00	00	00
	23 Min	00	04	30		5 Min	00	02	78
	17/11 Min	00	02	02		6 Min	00	12	65
	20 Min	00	11	89		17/4/1 Min	00	00	26
	21 Min	00	00	00		4/2 Min	00	07	34
	18/3 Min	00	11	13		5/1 Min	00	01	26
	4 Min	00	03	29		6/1 Min	00	05	06
	6 Min	00	02	78		6/2 Min	00	08	85
	7/1 Min	00	07	34		7/1 Min	00	00	26
	7/2 Min	00	04	55		15 Min	00	00	51
	15 Min	00	12	40		18/10 Min	00	01	01
	16 Min	00	00	00		11/2 Min	00	13	16
	41/5 Min	00	01	77		11/1 Min	00	00	76
						12 Min	00	00	76
						18 Min	00	00	51
						19 Min	00	13	91
						20 Min	00	00	76
						22/1 Min	00	00	26

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
HARYON KHURD	22/2 Min	00	00	76	GHARI TARKHANA	17/2 Min	00	05	82
H.No. 92 —(Contd.)	23 Min	00	12	90	H.No. 79	18 Min	00	03	29
	19/3/1 Min	00	00	76		24 Min	00	01	77
	*41 Min	00	01	77		25/1 Min	00	04	05
	109 Min	00	00	76		25/2 Min	00	09	61
	111 Min	00	00	76		12/5 Min	00	00	26
HARYON KALAN	1/18 Min	00	10	38		13/1 Min	00	11	64
H.No. 91						33/18 Min	00	02	78
	19 Min	00	02	78		23 Min	00	13	16
	23 Min	00	05	06		24/3 Min	00	00	26
	24 Min	00	09	87		37/11 Min	00	04	81
	4/10/1 Min	00	06	83		19 Min	00	01	26
	10/2 Min	00	02	02		20 Min	00	11	89
	11/1 Min	00	06	83		21/1 Min	00	00	26
	12/1 Min	00	07	34		22/1 Min	00	05	82
	12/2 Min	00	00	76		22/2 Min	00	06	07
	18 Min	00	07	59		38/4/1 Min	00	12	40
	19 Min	00	07	34					
	23 Min	00	07	84		6 Min	00	07	59
	24 Min	00	07	08		7/1 Min	00	03	54
	5/4 Min	00	05	31		7/2 Min	00	00	26
	5 Min	00	09	36		15 Min	00	08	35
	6/1 Min	00	04	55		47/2 Min	00	02	78
						3 Min	00	09	61
	8/4 Min	00	08	60		7 Min	00	07	08
	5 Min	00	06	58		8 Min	00	06	58
	6 Min	00	09	11		14 Min	00	09	61
	9/10 Min	00	05	82		15 Min	00	03	79
	11 Min	00	02	28		16 Min	00	09	36
	38 Min	00	01	52		25 Min	00	02	78
URNA	28/2 Min	00	05	06		26 Min	00	01	01
H.No. 93	8 Min	00	06	58		48/21 Min	00	13	41
	9 Min	00	07	08		49/1 Min	00	03	54
	13 Min	00	10	63		2 Min	00	05	32
	14 Min	00	03	29		95 Min	00	01	26
	16 Min	00	00	51		111 Min	00	01	52
	17/1 Min	00	08	85		112 Min	00	01	26
	17/2 Min	00	04	30		151 Min	00	01	26
	24 Min	00	01	01		153 Min	00	01	01
	25 Min	00	12	65		377 Min	00	02	28
	39/1 Min	00	09	87		393 Min	00	02	02
	9 Min	00	05	57	BHATTIAN	12/20 Min	00	10	38
	10 Min	00	07	84	H.No.78	21 Min	00	04	05
	12 Min	00	11	38		22 Min	00	12	40
	13 Min	00	02	02		23 Min	00	00	00
	17/2 Min	00	00	26		13/15/1 Min	00	00	76
	18 Min	00	13	16		15/2 Min	00	04	81
	23 Min	00	11	52		16 Min	00	05	57
	24 Min	00	11	38		14/2 Min	00	02	02
	40/5 Min	00	04	05		3 Min	00	13	41
	43/4/2 Min	00	03	04		4 Min	00	00	76
	5 Min	00	11	89					
	6 Min	00	03	54		6 Min	00	02	02
	44/10 Min	00	11	38		7 Min	00	13	41
	11 Min	00	04	05		8 Min	00	00	76
	12 Min	00	12	40		14 Min	00	00	00
GHARI TARKHANA	6/21 Min	00	00	76		15 Min	00	12	40
H. No. 79	7/9/1 Min	00	04	05		15/11 Min	00	04	05
	9/2 Min	00	04	55		19/1 Min	00	00	00
	12 Min	00	04	81		19/2 Min	00	05	32
	13 Min	00	11	13		20 Min	00	10	38
	16 Min	00	00	26		22/1 Min	00	01	01
	17/1 Min	00	06	58		22/2 Min	00	05	82

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
BHATTIAN	23 Min	00	07	59	Addiana H. No, 77	24/24 Min	00	02	02
H.No. 78	23/11 Min	00	04	05		25 Min	00	01	77
	19 Min	00	06	83		25/4 Min	00	00	25
	23//20 Min	00	10	12		5/1 Min	00	09	11
	22 Min	00	07	08		5/2 Min	00	03	29
	23 Min	00	09	87		26/1 Min	00	03	29
	24/3/1/1	00	05	26		9 Min	00	00	25
	3/1/2 Min	00	05	06		10 Min	00	10	88
	3/2 Min	00	01	77	Iraq H. No. 63	12/21 Min	00	09	11
	4/1 Min	00	01	02		13/14 Min	00	00	51
	6 Min	00	01	01		16 Min	00	07	84
	7 Min	00	13	91		17 Min	00	08	10
	8 Min	00	00	51		25 Min	00	06	83
	24//14 Min	00	00	51		15/1 Min	00	05	32
	15 Min	00	11	89		2 Min	00	10	63
	28//3 Min	00	04	05		7 Min	00	00	00
	4 Min	00	10	88		8 Min	00	12	14
	6 Min	00	11	89		9 Min	00	03	54
	7 Min	00	03	04		13 Min	00	02	02
	15 Min	00	03	54		14 Min	00	13	66
	29/11 Min	00	11	64		15/15	00	00	76
	18 Min	00	00	00		16 Min	00	13	16
	19/1 Min	00	04	05		17 Min	00	00	26
						25 Min	00	00	00
	29//19/2 Min	00	07	84		16/20 Min	00	02	02
	20/1 Min	00	03	29		21 Min	00	12	14
	29/2 Min	00	02	28		22 Min	00	03	54
	23 Min	00	13	16		18/2 Min	00	10	63
	24 Min	00	00	51		3/1 Min	00	05	57
	33/10 Min	00	03	04		7 Min	00	06	58
	11 Min	00	11	64		8/1 Min	00	02	28
	12 Min	00	04	30		8/2 Min	00	04	81
	18/1 Min	00	00	00		14/2 Min	00	07	64
	18/2 Min	00	06	07		64 Min	00	02	53
	19/1 Min	00	08	10		75 Min	00	01	01
	19/2 Min	00	02	28					
	23/1 Min	00	01	01					
	23/2 Min	00	06	32					
	24 Min	00	07	34					
	34/3 Min	00	01	01					
	4 Min	00	13	66					
	5 Min	00	01	52					
	6 Min	00	12	90					
	7 Min	00	00	25					
	42/4 Min	00	07	08					
	5 Min	00	08	85					
	6 Min	00	05	57					
	43/10 Min	00	10	63					
	11 Min	00	03	79					
	12/1 Min	00	04	81					
	12/2 Min	00	06	58					
	13/2 Min	00	00	00					
	17 Min	00	00	51					
	18 Min	00	13	41					
	19 Min	00	02	28					
	23 Min	00	01	01					
	24/1 Min	00	06	58					
	24/2 Min	00	03	54					
	24/3 Min	00	01	52					
	58/1 Min	00	01	77					
	66 Min	00	00	76					
	68 Min	00	01	01					
	70 Min	00	00	76					
	71 Min	00	00	76					
	74 Min	00	01	01					

[No. 12020/7/81-Prod.]

का० घा० 3444.—अनु. पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का भर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 59) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० घा० सं० 2923 दिनांक 24-10-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना अधिकार कर दिया था;

और अतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है,

और आगे यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निश्चय किया है;

अब अनु. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवम् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एवम् द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का

अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय इन्डियन प्रान्त कापेरेशन में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस शारीर को निहित होगा।

नहसोल : लुधियाना		जिला : लुधियाना		राज्य : पंजाब	
नाम ग्राम		खसरा नं०		क्षेत्रफल	
				है०	गै०
1	2	3	4	व०मी०	5
हरधा	27/1 मिन	00	09	61	
ह० नं० 206	2 मिन	00	06	32	
	9/2 मिन	00	08	35	
	8/1 मिन	00	03	04	
	8/2 मिन	00	04	31	
	13/1 मिन	00	02	02	
	13/2 मिन	00	05	31	
	14 मिन	00	07	34	
	57 मिन	00	00	76	
	58 मिन	00	00	76	
भमा कला	27/6 मिन	00	11	89	
ह० नं० 205	15 मिन	00	00	00	
	28/10 मिन	00	02	28	
	11 मिन	00	12	40	
	12 मिन	00	04	05	
	18 मिन	00	05	06	
	19 मिन	00	10	12	
	23 मिन	00	07	84	
	24 मिन	00	08	35	
	34/9 मिन	00	00	00	
	10 मिन	00	10	37	
	11 मिन	00	02	28	
	12 मिन	00	13	41	
	34/13 मिन	00	00	51	
	17 मिन	00	01	52	
	18 मिन	00	13	66	
	19 मिन	00	01	01	
	23 मिन	00	00	25	
	24 मिन	00	12	90	
	25 मिन	00	02	53	
	35/4 मिन	00	06	07	
	5 मिन	00	10	37	
	6 मिन	00	04	05	
	39/5 मिन	00	11	89	
	40/1 मिन	00	04	05	
	9 मिन	00	06	07	
	10 मिन	00	10	12	
	12 मिन	00	08	35	
	13 मिन	00	09	87	
	17 मिन	00	08	35	
	18 मिन	00	00	25	
	24 मिन	00	04	81	
	25 मिन	00	11	89	
	45/21 मिन	00	04	30	
	46/1 मिन	00	12	90	

1	2	3	4	5
भमा कला ह० नं० 205	2 मिन	00	00	25
	8 मिन	00	00	76
	9/1 मिन	00	06	58
	9/2 मिन	00	06	58
	10 मिन	00	01	52
	12 मिन	00	00	76
	13 मिन	00	13	66
	14 मिन	00	00	00
	16/1 मिन	00	01	01
	16/2 मिन	00	04	05
	17 मिन	00	11	89
	18 मिन	00	00	25
	46/25/1 मिन	00	00	25
	25/2 मिन	00	06	83
	25/3 मिन	00	03	79
	47/5 मिन	00	02	28
	58/1 मिन	00	00	00
	117 मिन	00	04	81
	123 मिन	00	01	52
	128 मिन	00	02	28
	252 मिन	00	01	01
	256 मिन	00	00	76
भमा खुर्	17/20 मिन	00	09	36
ह० नं० 204	21 मिन	00	05	57
	22 मिन	00	10	37
	18/3 मिन	00	03	54
	7/1 मिन	00	01	01
	7/2 मिन	00	06	58
	8 मिन	00	08	10
	14/1 मिन	00	00	51
	14/2 मिन	00	06	58
	15 मिन	00	08	35
	16/1 मिन	00	06	07
	18/2 मिन	00	00	51
	20/2 मिन	00	04	30
	3/1 मिन	00	05	82
	3/2 मिन	00	05	31
	7/1 मिन	00	06	32
	7/2 मिन	00	05	57
	8/1 मिन	00	03	54
	14 मिन	00	03	04
	15 मिन	00	11	89
	16 मिन	00	01	01
	21/11 मिन	00	00	00
	19 मिन	00	00	51
	20/1 मिन	00	03	79
	20/2 मिन	00	09	61
	21 मिन	00	00	25
	22 मिन	00	12	90
	23 मिन	00	01	52
	23/11 मिन	00	07	34
	19 मिन	00	09	87
	20 मिन	00	06	58
	22 मिन	00	04	30
	23 मिन	00	12	40

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
भरमा खुर्द	24 मिन	00	00	00	बुधगढ	24/2 मिन	00	05	82
ह० न० 204	24//2 मिन	00	00	25	ह० न० 13	26/1 मिन	00	00	25
	3 मिन	00	12	90		9/2 मिन	00	00	76
	4 मिन	00	03	54		10/1 मिन	00	03	04
	6 मिन	00	05	31		10/2 मिन	00	11	13
	7 मिन	00	11	38		11/1 मिन	00	00	25
	15 मिन	00	08	60		12/1 मिन	00	00	76
	28//3 मिन	00	02	28		12/2 मिन	00	12	65
	4 मिन	00	14	67		13 मिन	00	03	04
	7 मिन	00	02	53		17/1 मिन	00	01	26
	75 मिन	00	01	77		17/2 मिन	00	03	54
	98 मिन	00	01	77		18 मिन	00	11	38
	131 मिन	00	01	77		24 मिन	00	09	36
						25 मिन	00	07	08
गहलेबाग	3//21 मिन	00	01	77		27//4 मिन	00	03	29
ह० न० 14	4//13 मिन	00	10	37		5/1 मिन	00	06	58
	14 मिन	00	00	25		5/2 मिन	00	06	32
	16 मिन	00	00	76		6 मिन	00	01	52
	17 मिन	00	13	66		31//5 मिन	00	07	08
	4/18 मिन	00	01	52		32/1/1 मिन	00	02	28
	24 मिन	00	00	76		1/2 मिन	00	07	59
	25 मिन	00	14	67		9 मिन	00	09	61
	7//5 मिन	00	00	25		10 मिन	00	04	81
	8//1 मिन	00	09	11		37 मिन	00	07	84
	2 मिन	00	06	07		149 मिन	00	01	26
	8 मिन	00	06	07		150 मिन	00	00	76
	9/1 मिन	00	07	08		156 मिन	00	00	76
	9/2 मिन	00	04	55					
	13/1 मिन	00	01	01	बली बाल	26//16 मिन	00	04	05
	13/2 मिन	00	06	58	ह० न० 17	25 मिन	00	03	29
	14 मिन	00	09	87		27//21 मिन	00	13	41
	16/1 मिन	00	09	36		22 मिन	00	00	25
	16/2 मिन	00	04	21		36//20 मिन	00	07	34
	17/1 मिन	00	03	29		21 मिन	00	06	83
	25/1 मिन	00	00	51		22 मिन	00	04	30
	27 मिन	00	00	76		37//1 मिन	00	01	52
	9//20 मिन	00	01	52		2 मिन	00	13	66
	21/1 मिन	00	07	59		3 मिन	00	01	26
	21/2 मिन	00	04	05		7 मिन	00	03	04
	22/1 मिन	00	04	81		8 मिन	00	12	90
	10//2 मिन	00	06	83		9 मिन	00	00	25
	3 मिन	00	01	26		14 मिन	00	11	38
	27 मिन	00	01	01		15 मिन	00	05	31
	28 मिन	00	02	02		16 मिन	00	09	11
	29 मिन	00	02	78		41//2 मिन	00	00	00
	32 मिन	00	02	28		6 मिन	00	00	51
						7 मिन	00	07	59
बुधगढ	19//16 मिन	00	04	05		14 मिन	00	01	01
ह० न० 13	20//10 मिन	00	05	31		41//15 मिन	00	13	66
	11 मिन	00	09	11		16 मिन	00	00	23
	12/1 मिन	00	06	58		26 मिन	00	05	06
	12/2 मिन	00	00	25		42//11 मिन	00	01	77
	18 मिन	00	09	36		19 मिन	00	01	52
	19 मिन	00	05	57		20 मिन	00	12	90
	23 मिन	00	03	06		22 मिन	00	10	88
	24/1 मिन	00	05	06					

1.	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बली बान	23/1 मिन	00	04	05	मियानों	13 मिन	00	12	65
ह० नं० 17	48//11 मिन	00	10	88	ह० नं० 18	14/1 मिन	00	00	25
	18/2 मिन	00	00	25		16 मिन	00	00	76
	19/1 मिन	00	01	01		17 मिन	00	14	17
	19/2 मिन	00	11	64		18 मिन	00	01	77
	20 मिन	00	03	04		24 मिन	00	00	25
	22/1 मिन	00	01	52		25 मिन	00	13	66
	23/1 मिन	00	03	29		41//5/1 मिन	00	04	05
	23/2 मिन	00	10	88		5/2 मिन	00	00	25
	24 मिन	00	01	52		53//15 मिन	00	00	00
	49//3/1 मिन	00	01	52		54//1 मिन	00	12	14
	3/2 मिन	00	08	10		2 मिन	00	04	30
	4 मिन	00	06	83		8 मिन	00	06	58
	6 मिन	00	07	84		9 मिन	00	09	87
	7 मिन	00	07	34		13 मिन	00	07	84
	15 मिन	00	05	57		14 मिन	00	08	60
	26 मिन	00	01	52		16 मिन	00	06	32
	57//3 मिन	00	00	25		17 मिन	00	05	82
	4 मिन	00	12	65		95 मिन	00	23	52
	5 मिन	00	03	29		98 मिन	00	02	28
	6 मिन	00	07	34		100 मिन	00	14	67
	91 मिन	00	01	52		101 मिन	00	11	38
	94 मिन	00	02	28		103 मिन	00	02	02
	95 मिन	00	02	28		109 मिन	00	07	08
	101 मिन	00	04	05		127 मिन	00	00-	25
	107 मिन	00	12	40		128 मिन	00	00	51
	108 मिन	00	03	54		131 मिन	00	01	77
	247 मिन	00	01	01		132 मिन	00	05	31
						133 मिन	00	04	05
						134 मिन	00	00	00
						189 मिन	00	01	26
						207 मिन	00	00	76
मियानी	11//23 मिन	00	05	31	बोलां	28//20 मिन	00	07	84
ह० नं० 18	24/2 मिन	00	00	25	ह० नं० 26	21 मिन	00	04	30
	24/3 मिन	00	03	29		22/ मिन	00	11	13
	25//10/2 मिन	00	04	55		29//7/1 मिन	00	01	77
	10/3 मिन	00	02	78		7/2 मिन	00	03	29
	10/4 मिन	00	00	76		8 मिन	00	07	34
	11 मिन	00	06	83		14/1 मिन	00	00	25
	12/1 मिन	00	08	85		14/2 मिन	00	09	11
	12//2 मिन	00	00	25		15 मिन	00	06	58
	18 मिन	00	00	51		16 मिन	00	06	58
	19/1 मिन	00	02	78		32//2 मिन	00	03	04
	19/2 मिन	00	01	01		3 मिन	00	13	41
	28/4/1 मिन	00	00	58		4 मिन	00	02	53
	4/3 मिन	00	04	30		6 मिन	00	00	00
	5 मिन	00	05	57		7 मिन	00	06	07
	6 मिन	00	08	35		8 मिन	00	01	52
	32//12 मिन	00	05	06		14 मिन	00	00	25
	13 मिन	00	03	54		15 मिन	00	11	63
	17 मिन	00	05	31		33//11 मिन	00	03	04
	18 मिन	00	10	88		19 मिन	00	05	06
	24/2 मिन	00	08	85		20 मिन	00	11	39
	25 मिन	00	06	58		22 मिन	00	09	87
	39//21 मिन	00	02	28					
	40//1 मिन	00	00	76					
	9 मिन	00	10	88					
	10 मिन	00	08	85					
	12 मिन	00	03	04					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बोली	23 मिन	00	07	08	घोलावाल	2 मिन	00	12	40
ह० न० 26	41/11/1 मिन	00	05	06	ह० न० 31	3 मिन	00	03	04
	11/2 मिन	00	03	79		8 मिन	00	04	81
	12 मिन	00	00	25		143 मिन	00	02	28
	18 मिन	00	00	76		222 मिन	00	01	01
	19 मिन	00	13	66		223 मिन	00	00	76
	20/1 मिन	00	00	51	कालेवाल	11/9 मिन	00	07	34
	20/3 मिन	00	01	01	ह० न० 32	12 मिन	00	07	34
	22 मिन	00	00	25		13 मिन	00	08	85
	23/1 मिन	00	05	06		17 मिन	00	10	63
	42/3 मिन	00	07	08		18 मिन	00	05	82
	4 मिन	00	09	36		24 मिन	00	03	54
	6 मिन	00	11	38		25 मिन	00	10	37
	7/1 मिन	00	01	01	मलेसपुर	8/24/2 मिन	00	06	83
	7/2 मिन	00	04	81	ह० न० 33	25 मिन	00	03	04
	15 मिन	00	03	04		9/6 मिन	00	02	02
	127 मिन	00	04	05		11/5 मिन	00	11	38
	132 मिन	00	05	31		12/1 मिन	00	04	55
	141 मिन	00	01-	01		10/1 मिन	00	01	77
	144 मिन	00	02	53		10/2 मिन	00	06	07
	284 मिन	00	02	02		45 मिन	00	01	52
	285 मिन	00	01	01		54 मिन	00	00	76
	289 मिन	00	01	01					
घोली बाल	9/25 मिन	00	01	26					
ह० न० 31	10/21 मिन	00	00	00					
	16/21 मिन	00	07	34					
	17/1 मिन	00	13	66					
	2 मिन	00	00	76					
	8 मिन	00	02	02					
	9 मिन	00	13	66					
	10 मिन	00	00	76					
	12 मिन	00	00	00					
	13 मिन	00	12	40					
	14 मिन	00	03	54					
	16 मिन	00	05	57					
	17 मिन	00	10	88					
	25 मिन	00	08	85					
	18/5 मिन	00	02	02					
	20/1/1 मिन	00	01	26					
	1/3 मिन	00	03	29					
	2 मिन	00	09	11					
	8 मिन	00	10	63					
	9 मिन	00	05	06					
	13 मिन	00	03	04					
	14 मिन	00	12	14					
	15 मिन	00	00	00					
	16/1 मिन	00	02	02					
	16/2 मिन	00	11	13					
	17 मिन	00	02	02					
	25 मिन	00	00	76					
	21/20 मिन	00	00	76					
	21 मिन	00	13	41					
	22/1 मिन	00	00	00					
	22/2 मिन	00	01	01					
	23/1 मिन	00	00	25					

[सं० 8/12020/8/82-Prod.]

एन० एम० गोदाल, निदेशक

S.O. 3444.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer (Department of Petroleum) S.O. 2923 dated 24-10-81 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (59 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

AND WHEREAS the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

AND FURTHER the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

AND FURTHER, in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE					1	2	3	4	5
Tehsil : Ludhiana	District : Ludhiana	State : Punjab							
Name of village	Khasra No.	Area							
		H	A	Sq. M.					
1	2	3	4	5					
Harya H. No. 206	2//1 Min	00	09	61		46//25/1 Min	00	00	25
	2 Min	00	06	32		25/2 Min	00	06	33
	9/2 Min	00	08	35		25/3 Min	00	03	79
	8/1 Min	00	03	04		47//5 Min	00	02	28
	8/2 Min	00	04	81		58//1 Min	00	00	06
	13/1 Min	00	02	02		117 Min	00	04	81
	13/2 Min	00	05	41		123 Min	00	01	52
	14 Min	00	07	34		128 Min	00	02	28
	57 Min	00	00	76		252 Min	00	01	01
	58 Min	00	00	76		256 Min	00	00	75
					Bhaman Khurd H.No. 204	17//20 Min	00	09	36
						21 Min	00	05	57
Bhaman Kalan H. No. 205	27//6 Min	00	11	89		22 Min	00	10	37
	15 Min	00	00	00		18//3 Min	00	03	54
	28//10 Min	00	02	28		7/1 Min	00	01	01
	11 Min	00	12	40		7/2 Min	00	06	58
	12 Min	00	04	05		8 Min	00	09	10
	18 Min	00	05	06		14/1 Min	00	00	51
	19 Min	00	10	12		14/2 Min	00	06	58
	23 Min	00	07	84		15 Min	00	08	35
	24 Min	00	08	35		16/1 Min	00	06	07
	34//9 Min	00	00	00		16/2 Min	00	09	51
	10 Min	00	10	37		20//2 Min	00	04	30
	11 Min	00	02	28		3/1 Min	00	05	82
	12 Min	00	13	41		3/2 Min	00	05	31
	34//13 Min	00	00	51		7/1 Min	00	06	32
	17 Min	00	01	52		7/2 Min	00	05	57
	18 Min	00	13	66		8/1 Min	00	03	54
	19 Min	00	01	01		14 Min	00	03	04
	23 Min	00	00	25		15 Min	00	11	89
	24 Min	00	12	90		16 Min	00	01	01
	25 Min	00	02	53		21//11 Min	00	09	00
	35//4 Min	00	06	07		19 Min	00	00	51
	5 Min	00	10	37		20/1 Min	00	03	79
	6 Min	00	04	05		20/2 Min	00	09	61
	39//5 Min	00	11	89		21 Min	00	00	25
	40//1 Min	00	04	05		22 Min	00	12	90
	9 Min	00	06	07		23 Min	00	01	52
	10 Min	00	10	12		23//11 Min	00	07	34
	12 Min	00	08	35		19 Min	00	09	87
	13 Min	00	09	87		20 Min	00	06	58
	17 Min	00	08	35		22 Min	00	04	30
	18 Min	00	00	25		23 Min	00	12	40
	24 Min	00	04	81		24 Min	00	00	00
	25 Min	00	11	89		24//2 Min	00	00	25
	45//21 Min	00	04	30		3 Min	00	12	90
	46//1 Min	00	12	90		4 Min	00	03	54
	2 Min	00	00	25		6 Min	00	05	31
	8 Min	00	00	76		7 Min	00	11	38
	9/1 Min	00	06	58		15 Min	00	08	60
	9/2 Min	00	06	58		28//3 Min	00	02	28
	10 Min	00	01	52		4 Min	00	14	67
	12 Min	00	00	76		7 Min	00	02	53
	13 Min	00	13	66		75 Min	00	01	77
	14 Min	00	00	90		98 Min	00	01	77
	16/1 Min	00	01	01		131 Min	00	01	77
	16/2 Min	00	04	05	Gehlewal H. No. 14	3//21 Min	00	01	77
	17 Min	00	11	89		4//13 Min	00	10	37
	18 Min	00	09	25		14 Min	00	00	25
						16 Min	00	00	76
						17 Min	00	13	66
						4//18 Min	00	01	52
						24 Min	00	00	76
						25 Min	00	14	67

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	7/5 Min	00	00	25		21 Min	00	06	83
	8/1 Min	00	09	11		22 Min	00	04	30
	2 Min	00	06	07		37/1 Min	00	01	52
	8 Min	00	06	07		2 Min	00	13	66
	9/1 Min	00	07	08		3 Min	00	01	26
	9/2 Min	00	04	52		7 Min	00	03	04
	13/1 Min	00	01	01		8 Min	00	12	90
	13/2 Min	00	06	58		9 Min	00	00	25
	14 Min	00	09	87		14 Min	00	11	38
	16/1 Min	00	09	36		15 Min	00	05	31
	16/2 Min	00	04	21		16 Min	00	09	11
	17/1 Min	00	03	29		41/2 Min	00	00	00
	25/1 Min	00	00	51		6 Min	00	00	51
	27 Min	00	00	76		7 Min	00	07	59
	9/20 Min	00	01	52		14 Min	00	01	01
	21/1 Min	00	07	59		41/15 Min	00	13	66
	21/2 Min	00	04	05		16 Min	00	00	25
	22/1 Min	00	04	81		26 Min	00	05	06
	10/2 Min	00	06	83		41/11 Min	00	01	77
	3 Min	00	01	26		19 Min	00	01	52
	27 Min	00	01	01		20 Min	00	12	90
	28 Min	00	02	02		22 Min	00	10	88
	29 Min	00	02	78		23/1 Min	00	04	05
	32 Min	00	02	28		48/11 Min	00	10	88
Boothgarh H.No. 13	19/16 Min	00	04	05		18/2 Min	00	00	25
	201/10 Min	00	05	31		19/1 Min	00	01	01
	11 Min	00	09	11		19/2 Min	00	11	64
	12/1 Min	00	06	58		20 Min	00	03	04
	12/2 Min	00	00	25		22/1 Min	00	01	52
	18 Min	00	09	36		23/1 Min	00	03	29
	19 Min	00	05	57		23/2 Min	00	10	88
	23 Min	00	05	06		24 Min	00	01	52
	24/1 Min	00	05	06		49/3/1 Min	00	01	52
	24/2 Min	00	05	82		3/2 Min	00	08	10
	26/1 Min	00	00	25		4 Min	00	06	83
	9/2 Min	00	00	76		6 Min	00	07	84
	10/1 Min	00	03	04		7 Min	00	07	34
	10/2 Min	00	11	13		15 Min	00	05	57
	11/1 Min	00	00	25		26 Min	00	01	52
	12/1 Min	00	00	76		57/3 Min	00	00	25
	12/2 Min	00	12	65		4 Min	00	12	65
	13 Min	00	03	04		5 Min	00	03	29
	17/1 Min	00	01	26		6 Min	00	07	34
	17/2 Min	00	03	54		91 Min	00	01	52
	18 Min	00	11	38		94 Min	00	02	28
	24 Min	00	09	36		95 Min	00	02	28
	25 Min	00	07	08		101 Min	00	04	05
	27/4 Min	00	03	29		107 Min	00	12	40
	5/1 Min	00	06	58		108 Min	00	03	54
	5/2 Min	00	06	32		247 Min	00	01	01
	6 Min	00	01	52	MIANI	11/23 Min	00	05	31
	31/5 Min	00	07	08	H. No. 18	24/2 Min	00	00	25
	32/1/1 Min	00	02	28		24/3 Min	00	03	29
	1/2 Min	00	07	59		25/10/2 Min	00	04	55
	9 Min	00	09	61		10/3 Min	00	02	78
	10 Min	00	04	81		10/4 Min	00	00	76
	37 Min	00	07	84		11 Min	00	06	83
	149 Min	00	01	26		12/1 Min	00	08	85
	150 Min	00	00	76		12/2 Min	00	00	25
	156 Min	00	00	76		18 Min	00	00	51
Baliwal	26/16 Min	00	04	05		19/1 Min	00	02	78
H. No. 17	25 Min	00	03	29		19/2 Min	00	01	01
	27/21 Min	00	13	41		26/4/1 Min	00	06	58
	22 Min	00	00	25		4/3 Min	00	04	30
	36/20 Min	00	07	34		5 Min	00	05	57
						6 Min	00	08	35

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	32/12 Min	00	05	06		22 Min	00	09	87
	13 Min	00	03	54		23 Min	00	07	08
	17 Min	00	05	31		41/11/1 Min	00	05	06
	18 Min	00	10	88		11/2 Min	00	03	79
	24/2 Min	00	08	85		12 Min	00	00	25
	25 Min	00	06	58		18 Min	00	00	76
	39/21 Min	00	02	28		19 Min	00	13	66
	40/1 Min	00	00	76		20/1 Min	00	00	51
	9 Min	00	10	88		20/3 Min	00	01	01
	10 Min	00	08	85		22 Min	00	00	25
	12 Min	00	03	04		23/1 Min	00	05	06
	13 Min	00	12	65		42 /3Min	00	07	08
	14/1 Min	00	00	25		4 Min	00	09	36
	16 Min	00	00	76		6 Min	00	11	38
	17 Min	00	14	17		7/1 Min	00	01	01
	18 Min	00	01	77		7/2 Min	00	04	81
	24 Min	00	00	25		15 Min	00	03	04
	25 Min	00	13	66		127 Min	00	04	05
	14/5/1 Min	00	04	05		132 Min	00	05	31
	5/2 Min	00	00	25		141 Min	00	01	01
	53/5 Min	00	00	00		144 Min	00	02	53
	54/1 Min	00	12	14		284 Min	00	02	02
	2 Min	00	04	30		285 Min	00	01	01
	8 Min	00	06	58		289 Min	00	01	01
	9 Min	00	09	87					
	13 Min	00	07	84	Dholanwal	9/25 Min	00	01	26
	14 Min	00	08	60	H. No. 31	10/21 Min	00	00	00
	16 Min	00	06	32		16/21 Min	00	07	34
	17 Min	00	05	82		17/1 Min	00	13	66
	95 Min	00	23	52		2 Min	00	00	76
	98 Min	00	02	28		8 Min	00	02	02
	100 Min	00	14	67		9 Min	00	13	66
	101 Min	00	11	38		10 Min	00	00	76
	103 Min	00	02	02		12 Min	00	00	00
	109 Min	00	07	08		13 Min	00	12	40
	127 Min	00	00	25		14 Min	00	03	54
	128 Min	00	00	51		16 Min	00	05	57
	131 Min	00	01	77		17 Min	00	10	88
	132 Min	00	05	31		25 Min	00	08	85
	133 Min	00	04	05		18/5 Min	00	02	02
	134 Min	00	00	00		20/1/1 Min	00	01	26
	189 Min	00	01	26		1/3 Min	00	03	29
	207 Min	00	00	76		2 Min	00	09	11
						8 Min	00	10	63
						9 Min	00	05	06
						13 Min	00	03	04
						14 Min	00	12	14
						15 Min	00	00	00
						16/1 Min	00	02	02
						16/2 Min	00	11	13
						17 Min	00	02	02
						25 Min	00	00	76
						21/20 Min	00	00	76
						21 Min	00	13	41
						22/1	00	00	00
						22/2 Min	00	01	01
						23/1 Min	00	00	25
						2 Min	00	12	40
						3 Min	00	03	04
						8 Min	00	04	81
						143 Min	00	02	28
						222 Min	00	01	01
						223 Min	00	00	76
						11/19 Min	00	07	34
						12 Min	00	07	34
						13 Min	00	08	58
Chaunta	28/20 Min	00	07	84					
H. No. 26	21 Min	00	04	30					
	22 Min	00	11	13					
	29/7/1 Min	00	01	77					
	7/2 Min	00	03	29					
	8 Min	00	07	34					
	14/1 Min	00	00	25					
	14/2 Min	00	09	11					
	15 Min	00	06	58					
	16 Min	00	06	58					
	32/2 Min	00	03	04					
	3 Min	00	13	41					
	4 Min	00	02	53					
	6 Min	00	00	00					
	7 Min	00	06	07					
	8 Min	00	01	52					
	14 Min	00	00	25	Dholanwal				
	15 Min	00	11	63	H. No. 31				
	33/11 Min	00	03	04	Kalewal				
	19 Min	00	05	06	H. No. 32				
	20 Min	00	11	38					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	17 Min	00	10	63		12/1 Min	00	04	55
	18 Min	00	05	82		10/1 Min	00	01	77
	24 Min	00	03	54		10/2 Min	00	06	07
	25 Min	00	10	37		45 Min	00	01	52
Salampur	8/24/2 Min	00	06	83		54 Min	00	00	76
H. No. 33	25 Min	00	03	04					
	9/6 Min	00	02	02					
	11/5 Min	00	11	38					

[No. 8/12020/8/82—Prod]

L. M. GOEL, Director

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

सार्वजनिक मानक संस्था

नई दिल्ली, 1982-09-08

क्र० आ० 3445.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिहून) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन छयानवे लाईसेंसों के बारे में वि० ग० है, उनका फरवरी 1982 में नवीनीकरण किया गया है।

अनुसूची

क्रम सं०	लाईसेंस संख्या और तिथि	वैधता की से	अवधि तक	लाईसेंस धारी का नाम व पता	लाईसेंस के अधीन वस्तु / प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी भारतीय मानक : पवनाम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	सीएम/एल-8365 1980-02-07	80-02-16	81-02-15	अमृतिय इंडस्ट्रीज, एपोलो हाउस भक्तिनगर, स्टेशन रोड सकिल राजकोट- 360002 (गुजरात)	ऊर्ध्व, एक सिलिंडर, चार स्ट्रोक, जल शीतितबीजल इंजन, निम्नलिखित क्षमता का निर्गत गति 5.88 किवा (हापा) 850 भार पी एम गवर्निंग विशेष ईंधन खपत टाईप माँडम श्रेणी बी 309 किवा/किवा/ घंटा (227 ग्रा/ बीएसपी/ घंटा) — IS : 1601-1960
2.	सीएम/एल-8366 1980-02-07	80-02-16	81-02-15	जीप इंडस्ट्रीज मिडिकेट लि०, 28 साउथ रोड, इलाहाबाद	ट्रांजिस्टर रेडियो टिसीवर के लिये सूखी बैटरी, भार 20,— IS : 2576-1975
3.	सीएम/एल-8367 1980-02-07	80-02-16	81-02-15	जीप इंडस्ट्रीज मिडिकेट लि०, 28 साउथ रोड, इलाहाबाद	टांच बस्ती के लिये सूखी बैटरी, भार-20, IS : 203-1972
4.	सीएम/एल-8368 1980-02-15	80-03-01	81-02-28	म्यू जय किमान इंडस्ट्रीज, बिल्ली रोड, ईबगाह मेरठ-250002	एक सिलिंडर चार स्ट्रोक, जल शीतित बीजल इंजन, निम्नलिखित क्षमता का निर्गत गति 5.88 किवा (8हापा) 850 भार पी एम किस्म गवर्निंग पूरे भार पर घोषित एसएफसी ऊर्ध्व श्रेणी बी 198 ग्रा/बी एस पी/ घंटा (269.4 ग्रा/ किवा / घंटा) IS : 1601-1960

1	2	3	4	5	6
5	सीएम/एल-8369 1980-02-02	80-03-01	81-02-28	भारती मिनरल्स (पेस्टीसाइड्स विभाग) 15/7 मथुरा रोड, फरीदाबाद हरियाणा	डाईक्लोरोकेस पायमनीय मात्र द्रव— IS : 5277-1978
6	सीएम/एल-8370 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	कोणल इंडस्ट्रीज, 325/326 मेटल मोल्डिंग कम्पाउंड, बाड़ी लाल बाई कारखाने के निकट, दूधेश्वर रोड, अहमदाबाद, (गुजरात) (कार्यालय : ई-6 माधवपुरा बाजार, शाहीबाग रोड, अहमदाबाद-380004)	रक्तचाप मापी, परिवार किस्म 1 मापक्रम 0-300 मिमी (40.0 किल्यूटनीमी) पारे का, सुबाह्य — IS : 3390-1977
7	सीएम/एल-8371 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	रजनीकान्त रतिलास एंड कं., अम्बिका रोड, रेलवे मासगोदाम अके सामने, मोरवी (गुजरात) (कार्यालय : नेहरू रोड, पो. बां. 43, मोरवी -363341)	18 लिटर के वर्गाकार टिन— IS : 916-1975
8	सीएम/एल-8372 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	बेकसायन्स 8 भड़ौज सहकारी इंडस्ट्रियल इस्टेट राष्ट्रीय मार्ग नं०-8 भड़ौज-392002 (गुजरात)	पैराफिन मोम, किस्म 3— IS : 4654-1974
9	सीएम/एल-8373 1980-03-20	80-02-01	81-02-82	सुपर इंडस्ट्रीज सी-1/289, जीआईडीसी इस्टेट नरोदा अहमदाबाद	मीटोटी घूलन चूर्ण— IS : 564-1975
10	सीएम/एल-8374 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	वि रब्ब प्राइवेट्स प्रा० लि०, सी-44, रोड नं० 28, बगले इंडस्ट्रियल स्टेट थाणे 400604 (महाराष्ट्र)	बिजली उपयोग के लिए रब्ब की चटाई IS : 5424-1969
11	सीएम/एल-8375 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	अनिल पेट्रोलियम केम० इंडस्ट्रीज, डबल्यू-61 एमआईडीसी०, न्यू एम ब्लॉक, भोरसारी, पूना-411026 (महाराष्ट्र), (कार्यालय 1590 शुक्रवार पेठ 411002)	पैराफीन मोम, किस्म 3— IS : 4654-1974
12	सीएम/एल-8376 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	नदी स्टील वर्क्स प्रा० लि०, 69/2, दुमकूर रोड, यशवन्तपुर, बंगलोर-560022) (कार्यालय : 35 संतप्पा लेन, बंगलोर 560002)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226-1975
13	सीएम/एल-8377 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	किंग पेन्टम एंड पिगमेंट इंडस्ट्रीज, प्रा० लि०, इलाहाबाद-मिर्जापुर रोड रामपुर, गांव बिमोहरा, तहसील करछना, जिला इलाहाबाद (उ०प्र०) (कार्यालय 16 बी नाथकंद मार्ग, सिविल लाईन्स, इलाहाबाद)	ईनैमल, अंतरंग ग्रन्थरकोटिंग फिनिशिंग— IS : 133-1975
14	सीएम/एल-8378 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	„	ब्लैक जापान, किस्म ए— IS : 341-1973
15	सीएम/एल-8379 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	महाजन आयरन फाउंडरी, बिल्लोचपुरा रेलवे स्टेशन आगरा-282002 (उ०प्र०)	कृषि उद्योग में स्वच्छ, ठंडे ताजे पानी के लिए क्षैतिज अपकेन्द्री पम्प : माप : 100/75 मिमी : गति : 1500 चक्कर प्रति मिनट ड्यूटी पावर : हैड 15.45 मी : निकासी 860 लि० / मिनट : कुशलता 58-75% पम्प निर्माण 3.67 कवा IS : 6595-1972
16	सीएम/एल-8380 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	अटक पेट्रोलियम कारपोरेशन भरना नाला, शाहबरा, आगरा-कानपुर रोड, आगरा- 282006 (उ०प्र०)	पैराफिन मोम, किस्म 3— IS : 4654-1974

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
17 सीएम/एल- 8381 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	रॉबर्ट्स मैकलीन एड क० लि०, 167, देश- प्राण समनल रोड, टॉलीगज कलकत्ता- 700033 (कार्यालय 27 बी केमेक स्ट्रीट, कलकत्ता 700016)	अग्निशमन उपयोग के लिए ट्रेलर पम्प, 1800 लि/मिनट-- IS 944--1966	
18 सीएम/एल- 8382 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	टेक्निको (इण्डिया), 57 ए बी० टा० रोड, कलकत्ता-700002 (कार्यालय 3 बिपिन बिहारी गंगूली फर्स्ट कलकत्ता-700012)	मुखाह्य रसायन अग्निशमक, जल किस्म का (गैस दबाव)-- IS 940--1976	
19 सीएम/एल- 8383 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	काणाक जूट लि० धनमण्डल 754024 जिला कटक (उड़ीसा)	बी० ट्रिबल पटसन बारे-- IS 2566--1965	
20 सीएम/एल- 8384 1980-02-20	79-12-01	80-11-30	बड़नगर जूट फैक्टरी क० लि० 284 महाराजा नन्द कुमार रोड, भालम बाजार, कलकत्ता 700035 (कार्यालय-कलाहव रो कलकत्ता 700001)	ए-ट्रिबल परसन के बारे-- IS 1943--1964	
21 सीएम/एल- 8385 1980-02-20	79-12-01	80-11-30		भारी सी पटसन के बारे और भारी सी कपडा-- IS 2874--1964 और IS 3751-- 1966	
22 सीएम/एल- 8386 1980-02-20	79-12-01	80-11-30	पटसन बारे का कपडा--	भनाज के पटसन के बारे और भनाज पटसन बारे का कपडा-- IS 2875--1964 और IS 3750-- 1966	
23 सीएम/एल- 8387 1980-02-20	79-12-01	80-11-30	बड़नगर जूट फैक्टरी क० लि०, 284, महा राजा नन्द कुमार रोड, भालम बाजार, कलकत्ता-700035 (कार्यालय 1 कलाहव रोड, कलकत्ता 700001)	एल-ट्रिबल बारे और एल ट्रिबल कपडा-- IS 3794--1966 और IS 3688-- 1966	
24 सीएम/एल- 8388 1980-02-20	79-12-01	80-11-30	श्री हनुमान जूट मिल्स, 76 जे० एन० मुखर्जी रोड, डाकखाना-धुमुरी हावडा-711107 (प० ब०) (कार्यालय 36 औरगी रोड, कलकत्ता 700016)	ए-ट्रिबल पटसन के बारे-- IS 1943--1964	
25 सीएम/एल- 8389 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	साइप्रोक इंडिया, प्रमदा नवन नाआपाडा आंगरोड बाहलेन शाम नगर (जिला 24 परगना) (प० ब०)	बेल हरे चमे के लिए राइसाबियम टी के-- IS . 8268--1976	
26 सीएम/एल- 8390 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	वैक्तेश्वर पेस्टीसाइड्स एण्ड ऐलाइट कैमिकल्स प्रा० लि०, यूनिट 45 और 6 बी टाहप इंडियल इस्टेट महबूब नगर-509002 (प्रा० प्रवेश) (कार्यालय 36220 हिमा- यत नगर हैदराबाद-500029)	एडोसल्फान पायमनीय सोड्र-ब्र-- IS 4223--1967	
27 सीएम/एल- 8391 1980-02-21	79-12-01	80-11-30	किनीसन जूट मिल्स क० लि०, टीटागढ़ 743188 (जिला 24 परगना (प० ब०)	ए-ट्रिबल परसन के बारे-- IS 1943--1964	
28 सीएम/एल- 8392 1980-02-21	79-12-01	80-11-30	"	भारी सी पटसन के बारे-- IS 2874--1964	
29 सीएम/एल-- 8393 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	काली ब्राण्ड स्टेनलेस स्टील फैक्टरी 42/6 मद्रास रोड मेलाकावेरी डाकखाना कुम्भ- काणम- 612002 (कार्यालय कुम्भेश्वरन मन्नाथि कुम्भकाणम)	योगिक तले के स्टेनलेस इस्पान के रसाई के बर्तन, तांबा विद्युत डिपोजिटेड, ग्रेड भारी और हल्का-- IS 4536-- (भाग I)--1968	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
30. सीएम/एल—8394 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	भारत बाइसिंग कं० 88 ए-कामराज रोड, तिरुपुर-638601 (त०ना०)	सावी सुनी सूती बनियान, किस्म गोल गले वाली और गोल गले बाहों वाली माप : 75 से 100 सेमी गेज 24— IS : 4964 (भाग II)—1975	
31. सीएम/एल-8395 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	स्वालों होजियरीज, 4/15 वालीपलयम मेन रोड, तिरुपुर-638601 (त०ना०)	" "	
32. सीएम/एल-8396 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	बिबाबाला केबल्स एण्ड कंडक्टरज प्रा० लि०, 6 इंसपुकर फर्स्ट लेन, कलकत्ता-700007	एलुमिनियम लड़वार चालक और नस्तीकृत इस्पात प्रबलित एलुमिनियम चालक— IS : 398 (भाग I और II)—1976	
33. सीएम/एल-8397 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	वी साउथ इंडिया स्टील एंड स्टाफ इंडस्ट्रीज, 110/ए-मट्टमंगलम मेन रोड, पोस्ट बॉक्स 207 सेलम—636002	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1975	
34. सीएम/एल-8398 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	दकन वायर्ज लि०, बोम्मनहल्ली, मादीबाला, पो बॉ० बंगलौर-560068	पूर्वप्रबलित कंक्रीट के लिये समतल कठोर छिन्ना इस्पात तार भाग I शीत छिन्ना तनाव-मुक्त तार— IS : 1785 (भाग I)—1966	
35. सीएम/एल—8399 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	कलिंग ट्यूबज लि०, चौबटार, जिला कटक (उड़ीसा)	संरचना काय के लिए इस्पात नलियां ग्रेड : आईएसटी 210 श्रेणी : मध्यम माप : 150 मिमी तक एन बी— IS : 1161—1979	
36. सीएम/एल-8400 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	सेफेक्स फायर सविसेज, 202 ए-धनराज इंडस्ट्रि- यल इस्टेट सन मिल रोड, लोभर पूरेल (पश्चिम), बम्बई-400013	सुवाह्य केमिकल अग्निशमक, फ़ोम किस्म का 9 लिटर समता का— IS : 933—1976	
37. सीएम/एल-8401 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	सर्वन इंसेक्टिसाइड्स एण्ड फंटेलाइजर्स, 1-ए/2, इंडस्ट्रियल इस्टेट अम्मातूर, मद्रास-600098	कार्बोरेल धूलन पूर्ण— IS : 7122—1973	
38. सीएम/एल-8402 1980-02-26	80-03-01	81-02-28	हरियाणा पेस्टीसाइड्स, 12 इंडस्ट्रियल इस्टेट, अम्बाला शहर (हरियाणा)	मैलारियॉन पायसनीय सांद्र द्रव— IS : 2567—1978	
39. सीएम/एल-8403 1980-02-26	80-03-01	81-02-28	" "	डीडीटी पायसनीय सांद्र द्रव— IS : 633—1975	
40. सीएम/एल-8404 1980-02-26	80-03-01	81-02-28	" "	आइमिथोएट पायसनीय सांद्र द्रव— IS : 3903—1975	
41. सीएम/एल-8405 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	खंडेलवाल मैयुफैक्टचरिंग कारपोरेशन प्रा० लि० खंडेलवाल नगर, भांरुप, बम्बई-400078	संरचना कार्य के लिए इस्पात नलियां ग्रेड : वाई एस टी 210 माप : 15 से 50 मिमी तक श्रेणी : हल्की— IS : 1161—1968	
42. सीएम/एल-8406 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	श्री महावीर स्टील रिगोलिंग मिलज, कदम कुर्भा, पटना-800007	संरचना के लिए इस्पात (मानक किस्म) IS : 226—1975	
43. सीएम/एल-8407 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	" "	संरचना के लिए इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1975	
44. सीएम/एल-8408 1980-02-27	80-01-16	81-01-15	नफरचन्द्र जूट मिलज लि०, भूतनाथ काले रोड, याकखाना कांकीनाड़ा-743126 जिला 24 परगना (प्र० ब०) (कार्यालय : 2 कपूर लेन, कलकत्ता-700001)	ए-टिक्स परसन के बोरे— IS : 1943—1964	
45. सीएम/एल-8409 1980-02-27	80-01-16	81-01-15	" "	भारी सी पटसन के बोरे— IS : 8028—1976	
46. सीएम/एल-8410 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	एग्रो इनपुट्स प्रा० लि०, कुमारपदनम डाक- 581123 कवलेशु गांव, रानीबेनूर ताल्लुक जिला सुधारवाड़, हरिहररेलवे स्टेशन के निकट (कर्नाटक) (कार्यालय : 87,111 मेन रोड, न्यू तरगुपेट, बंगलौर-560002)	विशनालफॉस पायसनीय सांद्र द्रव— IS : 8028—1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
47. सीएम/एल-8411 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	"	"	काबोरिल धूलन चूर्ण-- IS : 7122--1973
48. सीएम/एल-8412 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	"	"	डीडीटी धूलन चूर्ण-- IS : 564--1975
49. सीएम/एल-8413 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	आइडियल हाइजियरीज, 37 जी म्युनिमिपल ऑफिस स्ट्रीट, तिरुपुर-638604 (तं.ना०)	सादी बुनी सूती बनियान, किस्म : गोल गले और गोल गले बाहो वाली माप : 75 से 100 से.मी० गेज : 24-- IS : 4964 (भाग II)--1975	
50. सीएम/एल-8414 1980-02-27	80-03-15	81-03-15	जिम्मी नितसं, 9 रमैया कॉलोनी, प्रबनाणी रोड, तिरुपुर-63802 (तमिलनाडु)	सादी बुनी सूती बनियान किस्म : गोल गले और गोल गले बाहो वाली माप : 75 से 100 से.मी० गेज : 26 और 24-- IS : 4964 (भाग II)--1975	
51. सीएम/एल-8415 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	दीपक टेक्सटाइल्स, 1(7), लक्ष्मीनगर, 50 फीट रोड, तिरुपुर-638602 (तं.ना०)	सादी बुनी सूती बनियान किस्म : गोल गले और गोल गले बाहो वाली माप : 75 से 100 से.मी० गेज : 24-- IS : 4964 (भाग II)--1975	
52. सीएम/एल-8416 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	राम एशो केमिकल इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 103 जी० ए० टी० रोड पोल्लन, मद्रास- 600066 (तं.ना०)	कापर मल्फेट, तकनीकी IS : 261--1966	
53. सीएम/एल-8417 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	डब्ल्यू सी होजियरी, 11 ए, आजाद स्ट्रीट तिरुपुर- 638601 (तं.ना०)	सादी बुनी सूती बनियान, किस्म : गोल गले और गोल गले बाहो वाली माप : 75 से 100 से.मी० गेज : 24-- IS : 4964 (भाग II)--1975	
54. सीएम/एल-8418 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	दि मिल्क होजियरी मिल्क, 3 ए, पी० एन० रोड, तिरुपुर-638602	सादी बुनी सूती बनियान किस्म : गोल गले और गोल गले बाहो वाली माप : 75 से 100 से.मी० गेज : 24-- IS : 4964 (भाग II)--1975	
55. सीएम/एल-8419 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	आपि आयरन एंड स्टील इंडस्ट्रीज, इंडस्ट्रियल इस्टेट बिलामपुर (मं.प्र०)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) IS : 226--1975	
56. सीएम/एल-8420 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	काउन्टेल रिफाइनरीज, सेक्टर 6, प्लॉट नं० 9 एफ०, करीदाबाद (हरियाणा)	फैराफिन मोम, किस्म 3-- IS : 4654--1974	
57. सीएम/एल-8421 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	जे एस ब्रो, एण्ड कं 19 बामील जी० टी० रोड, रसोई, सोनीफल (हरियाणा)	"	
58. सीएम/एल-8422 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	प्रताप राजस्थान स्पेशल स्टील्स लि०, रोड नं० 6, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल इस्टेट, जयपुर-302013	परतदार कभानी बनाने के लिये इस्पात इंगट और बिलेट-- IS : 8054--1976	
59. सीएम/एल-8423 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	ईगल स्टील्स, सी० 24, एम० आई० डी० सी० इंडस्ट्रियल एरिया, तलोजा, जिला कोलाहा कार्यालय : 8 ए हंमराज दामोदर ट्रस्ट बिल्डिंग, 42 केनेडी पुल, बम्बई 400004	संरचना इस्पात (मानक किस्म) IS : 226--1975	
60. सीएम/एल-8424 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	विमल इलेक्ट्रिक कं०, प्लॉट नं० 31, 32, 33 जी० आई० डी० सी० इंडस्ट्रियल एस्टेट मेहतागा-384002	विद्युत् प्रणाली के लिए गेट कैपेसिटर 3, 4, 5 और 6 कं. सी० ए० आई० 415 IS : 2834--1964	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
61. सी० एम०/एल 8425 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	पॉवर मशीन एंड टूलज, ए 1/13 और ए 1/18, रावल्पिंडी गार्डन, यू० पी० बांडर, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने, डाकखाना बिकम्बरपुर, गाजियाबाद (उ० प्र०)	एक मिलिटर चार स्ट्राक वाला जल भीति डीजल इंजन निम्नलिखित क्षमता का— निकाम गति 5.88 कि०वा० (8 हा० पा०) लागू श्रेणी बी IS : 1601—1960	850 भार० पी० एम० विशेष ईंधन खपत 272 घा०/कि०वा० घंटा (1200 घा०/बी० एच० पी०/घंटा—
62. सी० एम०/एल 8426 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	पारिख ब्रदर्स, 1-1-36/3, मुर्शीदाबाद, हैदराबाद 500020 (आ० प्र०), (कार्यालय : 4-3-466 बैंक स्ट्रीट, मुल्लान बाजार, हैदराबाद 500001)	बिडकी चौखट के लिए पुट्टी— IS : 419—1969	
63. सी० एम०/एल 8427 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	वाइकिंग इंस्ट्रूमेंट्स, यूनिट नं० 7 और 12 ए सीटाइण इंस्ट्रूमेंट एम्प्लेट डाकखाना कोयम्बतूर-641021	एक—फेवी छोटी ए०सी० और सर्वव्यापक विद्युत् मोटर, 750 वाट तक, ए श्रेणी रोधन वाली— IS : 996—1964	
64. सी० एम०/एल 8428 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	श्री अमरावती निर्दिष्ट 6 पी० एन० रोड, तिरुपुर-638602 (त० त०)	सावी बुनी धूसी बनियान, किस्म : गोल गले और गोल गले बाहरी वाला माप : 75 से 100 सें०मी० गेज—24 IS : 4964 (भाग II)—1975	
65. सी० एम०/एल 8429 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	सेन्चुरी एलुमिनियम मैग्नेशियम एलुमिनियम कं० प्रा० लि०, राजा रोड, डाकखाना मुकबार, जिला 24 परगना (ए०ब०) (कार्यालय : 58/3 चिन्मयी राम बिहारी बाबू रोड, कलकत्ता-700001)	एलुमिनियम मिश्र इंगट ग्रेड : 4223, 4420 और 4600 IS : 617—1975	
66. सी० एम०/एल 8430 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	रीगल इंजीनियरिंग वर्क्स, ई० 5 भावनगर उद्योग इंस्ट्रूमेंट एम्प्लेट राजकोट-36002 (गुजरात)	एक मिलिटर, चार स्ट्राक, जल भीति डीजल इंजन, निम्नलिखित क्षमता की : निकाम गति 6.88 कि०वा० (8 हा० पा०) लागू श्रेणी बी IS : 1601—1960	850 भार० पी० एम० विशेष ईंधन 390 घा०/कि०वा०/घंटा/बी० एच० पी० घंटा)
67. सी० एम०/एल 8431 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	बी० डी० स्टील कास्टिंग्स लि०, प्लॉट म०, एक० 6, म० आई० डी० पी०, इंस्ट्रूमेंट एरिया, नारापुर, जिला ठाणे (महाराष्ट्र)	कंक्रीट प्रबलन के लिए ठोड़ी धलवार बिकृत इस्पात भरिया— IS : 1786-1966	
68. सी० एम०/एल 8432 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	ईन्ट इंडिया इंस्ट्रूमेंटल केबिन्स कं० प्रा० लि०, 11, सेक्टर II, परवाना जिला सोलन, (हि०प्र०)	1100 बी० तक चालू वोल्टता के लिये एल्यूमिनियम चालक के पी० बी० सी० रोधित केबल— IS : 604—1977	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
69. सी० एम०/एल 8133 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	ईस्ट इंडिया इंडस्ट्रियल केबिज्ज कं० प्रा० लि०, 11, मैक्टेर-II, परधान् जिला सालन (हि०प्र०)	1100 बी० तक चार चाल वोल्टता के लिये भारी क्षमता के पी० बी० सी० रोधित विद्युत् केबिल— IS : 1554 (भाग 1)—1976	
70. सी० एम०/एल 8434 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	ब्राइट वाथर्ज लि०, बाष्टु रोड वाय मध्यमग्राम, 24 परगना (प० ब०), वाहु-743202 (कार्यालय : 1/ए, बर्तमन्ना रोड, कलकत्ता- 700001)	सामान्य इंजीनियरी प्रयोग के लिये सूट्ट इस्पात तार, निम्नलिखित फिनिश वाले : (ए) तापानुशीलित (बी) तापानुशीलित, स्क्वैच और (सी) कमबोयार शिखा हुआ IS : 280—1978	
71. सी० एम०/एल 8435 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	बीरेल मैन्युफैक्चरिंग कं० (केबिज्ज) प्रा० लि०, 458—460, शम्भुनाथ अहाता जी० टी० रोड, शाहदरा, दिल्ली	अवहादनशम मोटर के लिये पी० बी० सी० रोधित वाइडिंगतार, केवल किस्म 2 रोधन का— IS : 8783--1978	
72. सी० एम०/एल 8436 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	ओरिएन्ट केबल इन्डस्ट्रीज, गांव और ड.कखाना संझुका, रोहतक, रोड, दिल्ली 110041 (कार्यालय : 4-बी/6, मर्यागा राम अस्पताल भार्गे, नई दिल्ली-110060)	1100 बी० तक कार्यकारी वोल्टता के लिये पी० बी० सी० — रोधित केबल कवचरहित, केवल एन्वुमिनियम चालक वाले (श्रुमुसह केबल छोड़कर)— IS : 694—1977	
73. सी० एम०/एल 8437 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	मुभाष चन्द्र कथुरिया, 55बी, रामा रोड, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली 110015	पैराफिन मोम, किस्म—3 IS : 4654--1974	
74. सी० एम०/एल-8438 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	विमात्रा एग्री केमिकल प्रा० लि० मिडी विशाखा- पटनम-530026 (झा०प्र०)	जस्ता मक्केट कृषि ग्रेड— IS : 8249-1976	
75. सी० एम०/एल-8439 1980-2-29	80-03-16	81-03-15	पी०बी०एम० इंडस्ट्रीज, 457/ए, अमरावती, होजपेट-583201 (कर्नाटक)	डाइमिथोएट पायगनीय मांद्र द्रव— IS : 3903-1975	
76. सी० एम०/एल-8440 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	कोर्णाक जूट लि० धनमंडल-754024 जिला-कटक (उड़ीसा)	डी डब्ल्यू ग्राटे के बोरे— IS : 3984-1967	
77. सी० एम०/एल-8441 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	नरुण टिम्बर कम्पनी स्टेशन रोड, इस्लामपुर पश्चिम दिनाजपुर उत्तरी बंगाल	चाय पेटी के प्लाईवुड तबके— IS : 10 भाग-11 -1976	
78. सी० एम०/एल-8442 1980-02-29	79-12-01	80-11-30	बज्रवज्र जूट एन्ड इंडस्ट्रीज, 64, मोमाना आजाद रोड, बज्रवज्र-743319 जिला 24 परगना (प० ब०) (कार्यालय 16ए ब्रेबोर्न रोड, 9वीं मंजिल कलकत्ता-700001)	एट्रिशन पटनम के बोरे IS : 1943-1964	
79. सी० एम०/एल-8443 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	मिन्तल उद्योग, 11/2 शिवाजी नगर इन्चौर-452003 (म० प्र०)	पिटिंग एन्वुमिनियम के बर्तन, 1900 ग्रेड के— IS : 1660 (भाग 1)-1967	
80. सी० एम०/एल 8444 1980-02-29	80-03-15	81-03-15	सूबा होजरो मिलज, 16(8)/7 कोणू नगर, चौथी स्ट्रीट तिरुपुर-638602 (तमिल)	सादी बुनी सूती बलियान, किस्म : गोल गले वाली, गोले गले बाहों वाली, माप : 75 से 100 सेमी० गेज— 24 IS : 4964 (भाग 11)-1975	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
81 सीएम/एल-8415 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	जैमिथ स्टील पाइप एंड इंडस्ट्रीज लि० (स्पेशल स्टीलज विभाग) खोवीली, जिला कोलाबा-410203 (कार्यालय--मोतीमहल 195 चर्चगेट रिकलेमेशन, बम्बई-400020)	रेल डिब्बों के लिये बालिन और कुवीशर स्पिंग उपकरण के लिए इम्पान निम्नलिखित ग्रेड विवरण वाली ए) 98 सी 6 बी) 113 सी 6 सी) 55 ए आई 73 और डी) 60 एम आई 7-- IS 3195-1975	
82 सीएम/एल-8446 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	बी० एल० इंडस्ट्रीज एफ-218 विश्वकर्मा इंडस्ट्रीज एरिया रोड न० 10 जयपुर सीकर रोड जयपुर-302013 (राजस्थान)	कार्बोगिल जल विमर्जनीय सांद्र चूर्ण-- IS 7121-1973	
83 सीएम/एल-8447 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	गुप्ता केमिकल्स (प्रा० लि०) बी-144, रोड न०-9, विश्वकर्मा इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर-302013 (राजस्थान) (कार्यालय पहूसी मजल भूखमरिया बिलिङ्ग, श्री जी पी मोरी के सामने, त्रिपोलिया बाजार जयपुर)	हेटाक्कोर धूलन चूर्ण-- IS 6429-1972	
84 सीएम/एल-8448 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	बी० एल० इंडस्ट्रीज, एफ-218 विश्वकर्मा इंडस्ट्रीयल एरिया रोड न० 10, जयपुर सीकर रोड जयपुर-302013 (राजस्थान)	एलिटून पायसनीय सांद्र द्रव-- IS 1307-1973	
85 सीएम/एल-8449 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	अग्रवाल कंठकटर्ज प्रा० लि० शिवगज-307027 मिरोही (राजस्थान)	एल्युमिनियम जालक और जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एल्युमिनियम जालक-- IS 398 (भाग-I और II)-1976	
86 सीएम/एल-8450 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	ईगल स्टीलज, सी-24 एम आई डी सी ई इंडस्ट्रियल एरिया तलोजा (जिला कोलाबा)	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) IS 1977-1975	
87 सीएम/एल-8451 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	तलोजा रोलिंग मिलज, प्लाट संख्या ए-1, एम आई डी सी इंडस्ट्रियल एस्टेट तलोजा (जिला कोलाबा) (कार्यालय 402-ए, पुनम चैम्बर्स, डा० एनी बंगल रोड बोंगली बम्बई-400018)	कक्रीट प्रबलन के लिये शीत बलदार विकृत इस्पात सत्रिया 6मिमी से 32 मिमी-- IS 1786-1966	
88 सीएम/एल-8452 1980-02-29	80-03-18	81-03-15	कुमार रि-रोलिंगज मधुखल डाकखाना बरियापुर केफेज जिला मुजफ्फरपुर (बिहार)	कक्रीट प्रबलन के लिये शीत बलदार विकृत इस्पात सत्रिया-- IS 1786-1966	
89 सीएम/एल-8453 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	टाटा कैमिकल्स लि० सीटापुर श्रीखामडल (गुजरात)	मोडियम ब्रॉमाइड फोटोग्राफी ग्रेड-- IS 5380-1969	
90 सीएम/एल-8454 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	कीन पेन्टीसाइज प्रा० लि सी-1/412, जी आई डी सी प्रकल्पखर इंडस्ट्रियल एस्टेट अकलेश्वर-393002 (गुजरात)	डीडीटी पायसनीय सांद्र द्रव-- IS 633-1975	
91 सीएम/एल-8455 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	"	मेनाथियान पायसनीय सांद्र द्रव-- IS 2567-3978	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
92.	सीएम/एल-8456 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	कमोसियमज. प्रा० लि०, सिन्धीरमल लोड, क्रोमपेट मद्रास	मशीनी तेल मध्यम भारी ग्रेड : भीर स्विचल तेल अधिक हल्का ग्रेड— IS : 493-1958
93.	सीएम/एल-8457 1880-02-29	80-03-16	81-03-15	„	मिनरल तेल किस्म का हाइड्रोलिक तेल ग्रेड 2 IS : 3098-1975
94.	सीएम/एल-8458 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	लक्ष्मी इंडस्ट्रीज, 1325/43, शिवाजी उद्यम नगर कोल्हापुर-416001 (महाराष्ट्र)	तीन फेजी स्विचरेल केज प्रेरण मोटर 1 कृषि उद्योग में प्रयुक्ती पम्प के लिए 2.2 किवा की, श्रेणी इ रोशन वाली IS : 7438-1975
95.	सीएम/एल-8459 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	पायरोफ्लैक्स इंडस्ट्रीज 11 सिद्धपुरा इंडस्ट्रीयल एस्टेट एस बी रोड, गोरगांव (पश्चिम) बम्बई-400062	1100 बी तक कार्यकारी बोल्टता तक पीबीसी रोधित (भारी क्षमता के) बिद्युत केबल — IS : 1534 (भाग 1)—1976
96.	सीएम/एल-8460 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	विजय मेटल वर्क्स सैटल जेल रोड, डाकबाना बहापुरपुर, भागलपुर (बिहार)	उपयोधिता ग्रेड वाले स्टेमलेस इस्पात के बाने के बर्टन IS : 3424-1966

[सं० सी एम डी/13 : 11]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
INDIAN STANDARDS INSTITUTION
 New Delhi, the 1982-09-08

S.O. 3445.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation, 1955 as amended from time to time the Indian Standards Institution hereby notifies that ninety six licences particulars of which are given in the following Schedule have been granted during the month of February 1980 authorising the licensees to use the Standard Marks:

SCHEDULE

Sl No.	Licence No (CM/L)	Period of Validity From To		Name and Address of the Licensee		Article/Process covered by the licenses and the relevant IS : Designation			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)		(6)			
1	CM/L-8365 1980-02-07	80-02-16	81-02-15	Amrutiya Industries Bhaktinagar Station Road Circle Raj- kot 360002 (Gujarat)	Appollo House	Vertical single cylindrer four strokes water cooled diesel engines of the following rating: Output 5.88 kW (8HP); Speed 850 RPM; Governing: Class 'B'; Type model SFC : 309g/kW/h (227g/bhp/h)— IS : 1601—1960			
2	CM/L-8366 1980-02-07	80-02-16	81-02-15	Geep Industrials Syndicate Ltd Road, Allahabad, 211001	28, South	Dry batteries for transiistor, radio receivers; R 20—IS : 2576—1975			
3	CM/L-8367 1980-02-07	80-02-16	81-02-15	--Do --		Dry batteries for flashlights; R 20—IS : 203—1972			
4	CM/L-8368 1980-02-15	80-03-01	81-02-28	New Jai Kisan Inds Meerut 250002	Delhi Road, Eidgah	Single cylinder four stroke water cooled diesel engine of the following rating			
				KW	HP	RPM	Type	Governing Class	SFC at Full Load declared
				4.79	6.5	1500	Vertical	'B'	198g/bhp/h (269.4 g/kwh)—IS : 1601— 1960

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
5	CM/L-8369 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Artee Minerals (Pesticides Division) 15/7 Mathura Road Faridabad (Haryana)	Dichlorvos EC— IS : 5277—1978
6	CM/L-8370 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Kaushal Industries 325/326 Metal Moulders Compound, Near Vadi Lal Tee Factory Dudheshwar Road Ahmedabad (Gujarat) (Off: E 6, Madhivpura Market, Shahibagh Road Ahmedabad 380004)	Sphygmomanometers, mercurial Type I with scale range 0 300 (40 0kN/m) mm of mercury portable— IS 3390—1977
7	CM/L-8371 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Rajnikant Ratilal & Co., Ambika Road, Opp. Railway Goods Shed, Morvi (Gujarat) (Off: Nehru Gate, P.B No. 43, Morvi 363341)	18 Litre square tins— IS : 916—1975
8	CM/L-8372 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Waxoils, 8, Bharuch Co op. Indl. Estate National Highway No. 8, Bharuch-392002 (Gujarat)	Paraffin wax Type 3— IS : 4654—1974
9	CM/L-8373 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Super Industries, C 1/289 GIDC Estate Naroda Ahmedabad	DDT Dusting powders— IS : 564—1975
10	CM/L-8374 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	The Rubber Products Pvt Ltd., C 44, Road No. 28 Wagle Indl. Estate, Thane 400604 (Maharashtra)	Rubber mats for electrical purposes— IS : 5424—1969
11	CM/L-8375 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Anil Petro Chem Inds., W 61 MIDC New S Block Bhosuri Pune 411026 (Maharashtra) (Off: 1590 Shukrawar Peth, Pune 411002)	Paraffin wax Type 3— IS : 4654—1974
12	CM/L-8376 1980-02-02	80-03-01	81-02-28	Nandi Steel Works Pvt Ltd 69/2 Tamkur Road Yeswanthpur Bangalore (560022) (Off: 35 Shanthappa Lane Bangalore 560002)	Structural Steel (standard quality)— IS : 226—1975
13	CM/L-8377 1980-02-02	80-03-01	81-02-28	Eagle Paint & Pigment Inds. Pvt Ltd Allahabad Mirzapur Road, Rampur Village Beohara Tehsil Karchana Dist Allahabad (U.P.) (Off: 16 B Tashkant Marg Civil Lines Allahabad)	Enamel interior undercoating finishing— IS : 133—1975
14	CM/L-8378 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	do	Black japan Type A— IS : 341—1973
15	CM/L-8379 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Mahajan Iron Foundry Billockhpura Rly. Station Agra 282002 (U.P.)	Horizontal centrifugal pumps for clear cold fresh water for agricultural purposes: Size : 100x75 mm; Speed : 1500 RPM; Duty Point: Head 15.45 M; discharge 860 LPM; efficiency 58.75% pump input 3.67 kW — IS : 6595—1972
16	CM/L-8380 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Attock Petroleum Corpn Jharana Nala Sahudara Agra Kanpur Road Agra 282005 (U.P.)	Paraffin wax Type 3— IS : 4654—1974
17	CM/L-8381 1980-02-02	80-03-01	81-02-28	Roberts Mclean & Co Ltd. 167 Deshapran Sismal Road, Tollygunge Calcutta 700033 (Off: 27 B Comac Street Calcutta 700016)	Trailer pump for fire brigade use 1800 litres/minutes IS 944—1966
18	CM/L-8382 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Technico (India) 57A B.T. Road, Calcutta 700002 (Off: 3 Bepin Behari Ganguly Street) Calcutta 700012)	Portable chemical fire extinguisher water type (Gas Pressure)— IS : 940—1976
19	CM/L-8383 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Konarak Jute Ltd. Dhanmardal 754024 Distr Cuttack (Orissa)	Bitwill jute bags— IS : 2566—1965

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
20. CM/L-8384 1980-02-20	79-12-01	80-11-30	Barnagore Jute Factory Co. Ltd. 284 Maharaja Nanda Kumar Road Alam bazar Calcutta 700035 (Off : 4 Clive Row Calcutta 700001).	A twill jute bags— IS : 1943—1964	
21. CM/L-8385 1980-02-20	79-12-10	80-11-30	do	Heavy cee jute bags; and Heavy cee cloth— IS : 2874—1964; and IS : 3751—1966	
22. CM/L-8386 1980-02-20	79-12-01	80-11-30	do	Jute corn sacks; and Jute corn sack cloth— IS : 2875—1964; and IS : 3750—1966	
23. CM/L-8387 1980-02-20	79-12-01	80-11-30	do	L twill bags; and L twill cloth— IS : 3794—1966; and IS : 3668—1966	
24. CM/L-8388 1980-02-20	79-12-01	80-11-30	Shree Hanuman Jute Mills, 76, J.N. Muk- herjee Road, P.O. Ghosuri, Howrah- 711107 (W.B.) (Off : 36, Chowringhee Road, Calcutta- 700016)	A-twill jute bags— IS : 1943—1964	
25. CM/L-8389 1980-02-20	80-03-01	81-02-28	Micro Bic India, Promada Bhavan, Noa- para, Ogg Road by Lane, Shamnagar, Distt. 24. Parganas (W.B.)	Rhizobium inoculants for green gram only only— IS : 8268—1976	
26. CM/L-8390 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Venkateswara Pesticides & Allied Chemi- cals Pvt. Ltd. Units 4, 5 & 6, D Type. Industrial Estate, Mahaboobnagar 509002 (A.P.) (Off : 3-6-220, Himayat- nagar, Hyderabad-500029)	Endosulfan EC— IS : 4323—1967	
27. CM/L-8391 1980-02-21	79-12-01	80-11-30	Kinnison Jute Mills Co. Ltd., Tatigarh- 743188, Distt. 24 Parganas (W.B.)	A-twill jute bags— IS : 1943—1964	
28. CM/L-8392 1980-02-21	79-12-01	80-11-30	-do-	Heavy cee jute bags— IS : 2874—1964	
29. CM/L-8393 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Kali Brand Stainless Steel Factory, 42/6, Madras Road, Melacauvery P.O., Kum- bakoram-612002 Off : Kumbeswarar Sannadhi-Kumbakonam-612001)	Composite bottom stainless steel cooking utensils copperrelect redeposited Grade 'Heavy' & 'Light'— IS : 4536 (Pt I)—1968	
30. CM/L-8394 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Bharath Binding Co., 88-A, Kamaraj Road, Tirupur-638601 (T.N.)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS; Size : 75 to 100 cms; and Gauge : 24— IS : 4964 (Pt II)—1975	
31. CM/L-8395 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Swallow Hosierys, 4/15, Valipalayam Main Rd, Tirunpur-638601 (T.N.)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS; Size : 75 to 100 cms; Gauge : 24— IS : 4964 (Pt II)—1975	
32. CM/L-8396 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Bindawala Cables & Conductors (P) Ltd., 6, Hanspukur First Lane, Calcutta- 700007.	Aluminium stranded conductors and alu- minium conductors galvanized steel re- inforced— IS : 398 (Pt I & II)—1976	
33. CM/L-8397 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	The South India Steel & Stave Inds., 110/ 1-A, Nattamangalam Main Road, Net- hmedu, Post Box No. 207, Salem-636002.	Structural Steel (ordinary quahfy)— IS : 1977—1975	
34. CM/L-8398 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Decan Wires Ltd., Bommanahalli, Madi- vala, P.O. Bangalore-560068	Plain hard drawn steel wire for pre-stressed concrete cold drawn stress relieved wire— IS : 1785 (Pt I)—1966	
35. CM/L-8399 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Kalinga Tubes Ltd., Chowdwar, Distt. Cuttack (Orissa)	Steel tubes for structural purposes : Grade, Yst 210, Class : Medium and Size : Upto and including 150 mm NB— IS : 1161—1979	
36. CM/L-8400 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Safex Fire Services, 202-A, Dhanraj Indl. Estate, Sun Mill Road, Lower Parel (West), Bombay-400013	Portable chemical fire extinguisher, foam type, 9 litre capacity— IS : 933—1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
37. CM/L-8401 1980-02-21	80-03-01	81-02-28	Southern Insecticides & Fertilizers, A-1/2 Industrial Estate, Ambattur, Madras-600098 (T.N.)	Carbaryl DP— IS : 7122—1973	
38. CM/L-8402 1980-02-26	80-03-01	81-02-28	Haryana Pesticides, 12, Industrial Estate, Ambala City (Haryana)	Malathion EC— IS : 2567—1978	
39. CM/L-8403 1980-02-26	80-03-01	81-02-28	-do-	DDT EC— IS : 633—1975	
40. CM/L-8404 1980-02-26	80-03-01	81-02-28	-do-	Dimethoate EC— IS : 3903—1975	
41. CM/L-8405 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Khandelwal Mfg. Corpn. Pvt. Ltd., Khandelwalnagar, Bhandup, Bombay-400078	Steel tubes for structural purposes : Grade : Yst 210 Size : 15 to 50 mm; and Class : 'Light'— IS : 1161—1968	
42. CM/L-8406 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Shree Mahabir Steel Re-Rolling Mills, Agamkuan, Patna-800007	Structural steel (Standard quality)— IS : 226—1975	
43. CM/L-8407 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	-do-	Structural Steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975	
44. CM/L-8408 1980-02-27	80-01-16	81-01-15	Naffarchandra Jute Mills Ltd., Bhutanath Kolay Road, P.O. Kankinara-743126 Distt. 24 Parganas (W.B.) (Off : 2, Copper Lane, Calcutta-700001)	A-twill jute bags— IS : 1943—1964	
45. CM/L-8409 1980-02-27	80-01-16	81-01-15	Naffarchandra Jute Mills Ltd., Bhutanath Kolay Road, P.O. Kankinara-743126, Distt. 24 Parganas (W.B.) (Off : 2, Cooper Lane, Calcutta-700001)	Heavy coo jute bags— IS : 2874—1964	
46. CM/L-8410 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Agro Inputs Pvt. Ltd., Kumarapatnam Post-581123, Kavalettu Village, Rani-bennur Taluk, Distt. Dharwar, Near Harihar Rly. Station (Karnataka) (Off : 87, III Main Road, New Tharagupet, Bangalore-560002)	Quinalphos EC— IS : 8028—1976	
47. CM/L-8411 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	-do-	Carbaryl DP— IS : 7122—1973	
48. CM/L-8412 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	-do-	DDT Dusting powders— IS : 564—1975	
49. CM/L-8413 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Ideal Hosieries, 37-G, Municipal Office Ava- Street Tirupur-638604 (T.N.)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS; Size : 75 to 100 cms; and Gauge : 24— IS : 4964 (Pt II)—1975	
50. CM/L-8414 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Jimmi Knitters, 9, Ramalah Colony, Avanashi Road, Tirupur-638602 (T.N.)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS; Size : 75 to 100 cms; and Gauge: 26 and 24— IS : 4964 (Pt II)—1975	
51. CM/L 8415 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Deepak Textiles 1(7), Lakshminagar, 50 Feet Road, Tirupur-63860- (T.N.)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS; Size : 75 to 100 cms; and Gauge: 24— IS : 4964 (Pt II)—1975	
52. CM/L-8416 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Ram Agro Chemical Inds. Pvt Ltd., 103, G.N.T. Road, Palal, Madras-600066 (T.N.)	Copper sulphate, technical— IS : 261—1966	
53. CM/L-8417 1980-02-27	80-03-16	81-03-15	Blue Sea Hosiery, 11-A, Azad Street, Tirupur-638601 (T.N.)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS; Size 75 to 100 cms; and Gauge: 24— IS : 4964 (Pt II)—1975	
54. CM/L-8418 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	The Silk Hosiery Mills, 3-A, P.N. Road, Tirupur-638602 (T.N.)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS; Size : 75 to 100 cms; and Gauge 24— IS : 4964 (Pt II)—1975	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
55. CM/L-8419 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Rishi Iron & Steel Inds, Industrial Estate Bilaspur (M.P.)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975	
56. CM/L-8420 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Continental Refineries, Sector 6, Plot No. 9-F, Faridabad (Haryana)	Paraffin wax, Type 3— IS : 4654—1974	
57. CM/L-8421 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Jaessbro & Company, 19th Mile Stone, G.T. Road, Rosoi, Sonapat (Haryana)	Paraffin wax, Type 3— IS : 4654—1974	
58. CM/L-8422 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Partap Rajasthan Special Steel Ltd., Road No. 6, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur—302013	Steel ingots and billets for the production of laminated springs— IS : 8054—1976	
59. CM/L-8423 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Eagle Steels, C-24, MIDC Indl. Area, Taloja, Distt. Kolaba (Off : 8-A, Hansraj Damodar Trust Bldg. 42, Kennedy Bridge, Bombay-400004)	Structural steel (standard quality) — IS : 226—1975	
60. CM/L-8424 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Vimal Electric Co., Plot No. 31, 32 and 33 GIDC Industrial Estate, Mehsana-384002	Shunt capacitors for power systems 3, 4, 5 and 6 KVAR 415 Volts— IS : 2834—1964	
61. CM/L-8425 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Power Machines & Tools, A-1/13 & A-18 Rawalpindi Gardens, U.P. Border, Opp. Telephone exchange, P.O. Chikamberpur, Ghaziabad (U.P.)	Single cylinder four stroke water cooled diesel engine of the following rating: 5.88 km (8HP), Speed: 850 RPM Governing Class 'B' SFC 272g/kW/h (200g/bph/h)— IS : 1601—1960	
62. CM/L-8426 1980-02-28	80-03-16	81-03-15	Parikh Brothers, 1-1-36/3, Mushirabad, Hyderabad-500020 (A.P.) (Off : 4-3-466 Bank Street Sultan Bazar Hyderabad— 500001)	Paint, for use on window frames— IS : 419—1967	
63. CM/L-8427 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Viking Industries, Unit No. 7 & 12-A.C Type, Industrial Estate, P.O. Coimbatore-641021	Single-phase small AC and universal electric motor upto and including 750 watts with class 'A' insulation— IS: 996—1964	
64. CM/L-8428 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Sri Amaravathi Knittings, 6, P.N. Road, Tirupur-638602 (T.N.)	Plain knitted cotton vests Type: RN & RNS; Size: 75 to 100 cm; and Gauge: 24 IS: 4964 (Pt II)—1975	
65. CM/L-8429 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Century Aluminium Mfg. Co. (P) Ltd., Raja Road, P.O. Sukchar, Distt. 24 Parganas (W.B.) (Off: 58/3, Biplabi Rash Behari Babu Road, Calcutta-700001).	Aluminium alloy ingots Grade: 4223, 4420 and 4600— IS: 617—1975	
66. CM/L-8430 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Regal Engineering Works, E-5, Bhakti- nagar Indl. Estate, Rajkot-360002 (Gujarat).	Vertical, single cylinder, four stroke, water cooled, diesel engines of the following rating: Output: 5.88 kW (8 HP), Speed: 850 RPM; Governing Class 'B' and SFC: 309g/kW/h (227g/bhp/h)— IS: 1601—1960	
67. CM/L-8431 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	B.D. Steel Castings Ltd., Plot No. F-6, MIDC Indl. Area, Tarapur, Distt. Thana (Maharashtra).	Cold twisted deformed steel bars concrete reinforcement— IS: 1786—1966	
68. CM/L-8432 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	East India Indl. Cables, Co. (P) Ltd., 11, Sector II, Parwanoo, Distt. Solan (H.P.)	PVC insulated cables with aluminium conductor for working voltages upto and including 1100 volts— IS: 694—1977	
69. CM/L-8433 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	-do-	PVC insulated (heavy duty) electric cables for working voltages upto and including 1100 volts— IS: 1554 (Pt I)—1976	


(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
70	CM/L-8434 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Bright Wires Ltd., Badu Road, Via Madhyamgram 24 Parganas (W B) Badu Pin-743202 (Off 1/A, Vansittra Row, Calcutta-700001)	Mild steel wire for general engineering purposes for following finishes (a) Annealed, (b) Annealed, cleaned & lined, (c) Bright drawn, and (d) Dull grey (dry drawn)— IS 280—1978
71	CM/L-8435 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Biren Mfg Co (Cables) Pvt Ltd, 458—460, Shambhu Nath Compound G T Road, Shahdara Delhi	PVC insulated winding wires for sub-merisable motors with type 2 PVC insulation only— IS 8783—1978
72	CM/L-8436 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Orient Cable Industries, Village & Post Office Mundka, Rohtak Road Delhi-110011 (Off 4-B/6, Sri Ganga Ram Hospital Marg, New Delhi-110060)	PVC insulated cables for working voltages upto and including 1100 volts unsheathed with aluminium conductors only (excluding weatherproof cables)— IS 694—1977
73	CM/L-8437 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Subhash Chander Kathuria, 55-B, Rama Road, Najalgarh Road, New Delhi 110015	Paraffin wax, Type 3— IS 4654—1974
74	CM/L-8438 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Visakha Agro Chemical Pvt Ltd, Mindi, Visakhapatnam-530026 (A P)	Zinc sulphate, agricultural grade— IS 8249—1976
75	CM/L-8439 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	P V S Industries, 457/A Amravathy, Hospet 583201 (Karnataka)	Dimethoate EC— IS 3903—1975
76	CM/L-8440 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Konark Jute Ltd, Dhanmandal-754024, Distt Cuttack (Orissa)	DW-flour bags— IS 3984—1967
77	CM/L-8441 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Tarun Timber Concern, Station Road, Islampur, West Dinajpur, North Bengal	Tea-chest plywood panels— IS 10 (Pt II)—1976
78	CM/L-8442 1980-02-29	79-12-01	80-11-30	Budge Budge Jute & Inds, 64, Maulana Azad Road, Budge Budge-743319 Distt 24 Parganas (W B) (Off 16-A, Brabourne Road, 9th Floor, Calcutta-700001)	A-twill jute bags— IS 1943—1964
79	CM/L-8443 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Mittal Udyog, 1/2 Shivaji Nagar, Indore 452003 (M P)	Wrought aluminium utensils of 19000 Grade— IS 1660 (Pt I)—1967
80	CM/L-8444 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Suba Hosiery Mills, 16 (8)/7, Kongu Nagar, 4th Street, Tirupur-638602 (T N)	Plain knitted cotton vests Type RN & RNS, Size 75 to 100 cms, and Gauge 24 IS 4964 (Pt II)—1975
81	CM/L-8445 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Zenith Steel Pipes & Inds Ltd, (Special Steels Division), Khopoli, Distt Kulaba-410203 (Off Moti Mahal, 195, Churchgate Reclamation, Bombay-400020)	Steel for the manufacture of volute and helical springs (for railway rolling stock) for grade designations (a) 98 C6, (b) 113 C6, (c) 55 Si 7, and (d) 60 Si 7 only— IS 3195—1975
82	CM/L-8446 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	B L Industries, F-218, Vishwakarma Indl Area, Road No 10 Jaipur Sikar Road, Jaipur-302013 (Rajasthan)	Carbaryl WDPC— IS 7121—1973
83	CM/L-8447 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Gupta Chemicals (P) Ltd, B 144, Road No 9, Vishwakarma Indl Area, Jaipur-302013 (Rajasthan) (Off 1st Floor, Bhukhmaria Bldg, Opp Shreeji Ki Mori, Tripolia Bazar, Jaipur-302002)	Heptachlor DP— IS 6429—1972
84	CM/L-8448 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	B L Industries, F-218, Vishwakarma Indl Area Road No 10, Jaipur Sikar Road, Jaipur-302013 (Rajasthan)	Aldrin EC— IS 1307—1973
85	CM/L-8449 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Agarwal Conductors Pvt Ltd Sheoganj-307027 Sirohi (Rajasthan)	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced— IS 398 (Pt I&II)—1976

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
86. CM/L-8450 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Eagle Steels, C-24, MIDC Indl Area, Talaja (Distt. Kolaba)	Structural steel (ordinary quality)— IS: 1977—1975	
87. CM/L-8451 1980-02-29	80-03-01	81-02-28	Taloja Rolling Mills, Plot No. A-1, MIDC Indl. Estate, Talaja, Distt. Kolaba (Off: 402-A, Poonam Chambers, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400018)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement 6 mm to 32 mm— IS: 1786—1966	
88. CM/L-8452 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Kumar Re-Rollings, Madhual, P.O. Daria-pur, Kalen, Distt. Muzaffarpur (Bihar)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement Group II— IS: 1786—1966	
89. CM/L-8453 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Tata Chemicals Ltd., Mithapur, Okhamandal (Gujarat)	Sodium bromide, photographic grade— IS: 5380—1969	
90. CM/L-8454 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Keen Pesticides Pvt. Ltd., C-1/412, GIDC Ankeleshwar, Industrial Estate, Ankleshwar-393002 (Gujarat).	DDT Emulsifiable concentrates— IS: 633—1975	
91. CM/L-8455 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	-do-	Malathion EC— IS: 2567—1978	
92. CM/L-8456 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Chemolcums Pvt. Ltd., Thiruneermalai Road, Chromepet, Madras.	Machinery oil medium heavy grade; and Spindle oil extra light grade - IS: 493—1958	
93. CM/L-8457 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	-do-	Oil hydraulic mineral oil type, grade 2— IS: 3098—1975	
94. CM/L-8458 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Laxmi Industries, 1325/43, Shivaji Udyam Nagar, Kolhapur-416001 (Maharashtra).	Three phase squirrel cage induction motors for centrifugal pumps for agricultural purposes 2.2 kW with class 'E' insulation— IS: 7538—1975	
95. CM/L-8459 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Pyroflex Industries, 11, Sidhpura Indl Estate, S.V. Road, Goregaon (W), Bombay-400062	PVC insulated (heavy duty) electric cables for working voltages upto and including 1100 volts— IS: 1554 (Pt I)—1976	
96. CM/L-8460 1980-02-29	80-03-16	81-03-15	Bijay Metal Works, Central Jail Road, P.O. Bahadurpur, Bhagalpur (Bihar)	Stainless steel table utensils, utility grade— IS: 3424—1966	

[No. CMD/13 : 11]

क्र० आ० 3446 —भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1971-10-09 में प्रकाशित तत्कालीन औद्योगिक विकास मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या एम ओ 3737 दिनांक 1971-09-30 का आशिक रूप में संशोधन करने हेतु भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि स्टैगिल कागज से सम्बन्धित मानक चिह्न का पुनरीक्षण किया गया है। मानक चिह्न की पुनरीक्षित डिजाइन और उसका शाब्दिक विवरण तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक के नीचे अनुसूची में दिया गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन नियमा और विनियमों के निमित्त यह मानक चिह्न 1982-04-16 से लागू होगा।


अनुसूची				
क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पादन की श्रेणी	सम्बद्ध भारतीय मानक की संख्या एवं शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1		स्टैगिल कागज	IS 5086-1981 स्टैगिल कागज की चिह्नित (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या तथा वर्ष अंकित किया गया है।

[संख्या सी एम ई/13.9]

S.O. 3446.—In partial modification of the then Ministry of Industrial Development (Indian Standards Institution) notification number S.O. 3737 dated 1971-08-30, published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1971-10-09, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark for stencil paper, has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design are given in the following Schedule:

This Standard Mark for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1982-04-16:

THE SCHEDULE


S1. Design of the No. Standard Mark	Product/Class of Product	No. of Title of Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)
1. 	Stencil paper	IS : 5086- 1981 Specification for stencil paper (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, along-with its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

का० अ० 3447 —भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1978-05-13 में प्रकाशित तत्कालीन नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या एम आ 1360 दिनांक 1978-04-24 का आशिक रूप में संशोधन करने हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सर्जिकल जुदा किए जा सकने वाले ब्लेड से सम्बन्धित मानक चिह्न का पुनरीक्षण किया गया है। मानक चिह्न की पुनरीक्षित डिजाइन और उसका शाब्दिक विवरण तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिया गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों और विनियमों के निमित्त यह मानक चिह्न 1982-03-16 से लागू होगी।

अनुसूची


क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पादन की श्रेणी	सम्बद्ध भारतीय मानक की संख्या एवं शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. 		ब्लेड, सर्जिकल जुदा किए जा सकने वाले (बार्ड पार्कर टाइप) और हथ्थे	IS : 3319—1980 ब्लेड, सर्जिकल जुदा किए जा सकने वाले (बार्ड पार्कर टाइप) और हथ्थे की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं संस्था (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की परसंख्या और वर्ष अंकित किया गया है।

[संख्या सी एम डी/13 : 9]

S.O. 3447.—In partial modification of the then Ministry of Civil Supplies and Co-operation (Indian Standards Institution) notification number S.O. 1360 dated 1978-04-24 published in the Gazette of India, Part-II, Sec. 3, Sub-Section (ii) dated 1978-05-13, it is, hereby, notified that the standard mark for surgical detachable blade has been revised. The revised design of the Standard mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal descriptions of the design are given in the following Schedule.

This standard mark for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder shall come into force with effect from 1982-03-16:

THE SCHEDULE


S1. Design of the No. Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)
1. 	Blades, surgical, detachable (Bard Parker type) and handles	IS : 3319—1980 Specification for blades, surgical, detachable (Bard Parker type) and handles (second revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

क्र० आ० 3448:—भारत के राजपत्र भाग II खंड 3, उपखंड (ii) में दिनांक 19-74-10-05 को प्रकाशित तत्कालीन औद्योगिक विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या एस ओ 2589 दिनांक 1974-09-23 का अधिक्रमण करते हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि कागज चेपी पदार्थ से सम्बन्धित मानक चिह्न का पुनरीक्षण किया गया है। मानक चिह्न की पुनरीक्षण डिजाइन और उसका शाब्दिक विवरण तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिया गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों और विनियमों के निमित्त यह मानक चिह्न 1982-04-01 से लागू होगी।

अनुसूची


क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पादन की श्रेणी	सम्बद्ध भारतीय मानक की संख्या एवं शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन तथा शाब्दिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.		कागज चेपी पदार्थ, तरल गोंद और कार्यालय में प्रयुक्त पेस्ट टाइप	IS : 2257—1981 कागज चेपी पदार्थ, तरल गोंद और कार्यालय में प्रयुक्त पेस्ट टाइप की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या तथा वर्ष प्रंकित किया गया है।

[संख्या सी एम डी/13:9]

S. O. 3448.—In supersession of the then Ministry of Industrial Development, Science and Technology (Indian Standards Institution) notification number S.O. 2589 dated 1974-09-23, published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, sub-section (ii) dated 1974-10-05, the India Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark for paper adhesive, has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design are given in the following Schedule:

This Standard Mark for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulation framed thereunder, shall come into force with effect from 1982-04-01:

THE SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. & Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark
1.		Paper adhesives, liquid gum and office paste type	IS : 2257—1981 Specification for paper adhesives, liquid gum and office paste type (second revision)	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters ISI drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, along with its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

क्र० आ० 3449:—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के नियम 3 के उपविनियम 2 तथा विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के व्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, 1980-02-29 को निर्धारित किए गए हैं :

अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा रद्द किए गए भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	*IS : 638—1979 रबड़ जोड़ और रबड़ प्रवेशीय जोड़ लगाने की रबड़ की शीट और घंवर बिठा कर जोड़ लगाने की रबड़ की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	638—1965 रबड़ जोड़ और रबड़ प्रवेशीय 1979-09-30 को निर्धारित जोड़ लगाने की रबड़ की शीट और घंवर बिठा कर जोड़ लगाने की रबड़ की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	* भा मा संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के लिए IS : 638—1979, 1980-06-01 से लागू होगा।
2.	IS : 771 (भाग 4)—1979 कांचित अग्नि सह मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों की विशिष्टि : भाग 4 शब परीक्षा सिस्की की विशिष्टि अपेक्षाएं (दूसरा पुनरीक्षण)	SI : 771—1963 कांचित अग्नि सह मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	—
3.	IS : 771 (भाग 6)—1979 कांचित अग्नि सह मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों की विशिष्टि : भाग 6 हाजती हौदी की विशिष्टि अपेक्षाएं (दूसरा पुनरीक्षण)	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
4. IS : 1097—1979 हथकरघे की सूती मच्छरदानी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1097—1957 बिरंजित या रंगी, हथकरघे की सूती मच्छरदानी की विशिष्टिया	—	
5. *IS : 1230—1979 डले लोहे के वर्षा जल पाइप और फिटिंग की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1230—1968 डले लोहे के वर्षाजल पाइप और फिटिंग की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	*भा या संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के लिए IS : 1230—1979, 1980-06-30 से लागू होगा ।	
6. IS : 1448 (भाग 91)—1979 पेट्रोलियम और उसके पदार्थों की परीक्षण पद्धतियां भाग 91 पेट्रोलियम तेलों और संश्लिष्ट तरल पदार्थों के पाथसी गुणधर्म	—	—	
7. IS : 1579—1979 हथकरघे पर बनी सूती ट्रिबल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1579—1960 बिरंजित या रंगी हथकरघे पर बनी सूती ट्रिबल की विशिष्टि	—	
8. IS : 1885 (भाग 51/अनुभाग 1)—1979 विद्युततकनीकी शब्दावली, भाग 51 औद्योगिक विद्युत तापन, अनुभाग 1 सामान्य शब्दावली	—	—	
9. IS : 2263—1979 संकेतक घोल तैयार करने की पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2283—1962 आयननी विश्लेषण के लिए संकेतक घोल तैयार करने की पद्धतियां	1980-01-31 को निर्धारित	
10. IS : 2422—1979 जलसह रंगीन, सूती कपड़े की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2422—1963 जल प्रतिरोधी रंगीन, सूती कपड़े की विशिष्टि	—	
11. IS : 2531—1979 सूती करघों के लिए कैंकशैफ्ट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2531—1963 सादे कैंलिको सूती करघों के लिए कैंकशैफ्ट की विशिष्टि	—	
12. *IS : 2552—1979 इस्पात ड्रम जम्मेदार और जस्तेरहित की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2552—1970 इस्पात ड्रम जम्मेदार और जस्तेरहित की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1979-09-30 को निर्धारित * भा या संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के लिए IS : 2552—1979, 1980-07-01 से लागू होगा ।	
13. IS : 3234—1979 लुघर किस्म की अधोत्वचीय की परिच्छेद सुईयां और अन्य चिकित्सा उपकरण के शकवाकार फिटिंग की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3234—1965 लुघर किस्म की अधोत्वचीय की परिच्छेद सुईयां और अन्य चिकित्सा उपकरण के शकवाकार फिटिंग की विशिष्टि	—	
14. IS : 3342—1979 पशु चालित कलटिवेटर की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3342—1965 पशुचालित त्रिकली (तीन नोकी कलटिवेटर की विशिष्टि और IS : 3350—1965 पशुचालित, बीज वपन संयोजन सहित तीन नोकी कलटिवेटर की विशिष्टि	—	
15. IS : 3347 (भाग 1/अनुभाग 1)—1979 सामान्य और हल्के प्रदूषित वातावरण में प्रयोग के लिये पोर्सलेन ट्रांसफार्मर बुशिंग के माप, भाग 1—1 किवा तक के, अनुभाग 1 पोर्सलेन भाग' (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3347 (भाग 1/अनुभाग 3)—1965 चीनी के बने ट्रांसफार्मर बुशिंग के माप, भाग 1—1, किवा तक के बुशिंग, अनुभाग 1 पोर्सलेन भाग ।	—	
16. IS : 3520—1979 जलघुलनशील सोडियम कार्बोक्सिमिथाइल सेलुलोज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3520—1960 जलघुलनशील सोडियम कार्बोक्सिमिथाइल सेलुलोज की विशिष्टि		
17. IS : 3809—1979 इमारतों के अग्निरोधन परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3809—1966 इमारतों के अग्नि रोधन परीक्षण	—	

(1)	(2)	(3)	(4)
18. IS 3831-1979 उपले विस्फोटकयुक्त (ट्रेमिंग ड्रम) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS 3831-1979 उपले विस्फोटकयुक्त (ट्रेमिंग ड्रम) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	---	---
19 IS 3938-1979 विद्युत तार रस्मियों के उच्चावक की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 3938-1967 विद्युत तार रस्मियों के उच्चावक की विशिष्टि	---	---
20 IS 4225-1979 इस्पात पट्टियों की सीधी बीम पराश्रय परीक्षण की निष्कर्षी विधि (पहला पुनरीक्षण)	IS 4225-1967 इस्पात पट्टियों की पराश्रय परीक्षण की निष्कर्षी विधि	---	---
21 IS 4790-1979 लैंग और टूक नमूने के कॉन्वियल विभाजन के आँख के चाकू की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 4790-1968 लैंग और टूक नमूने के, कॉन्वियल विभाग के आँख के चाकू की विशिष्टि	---	---
22 IS 4835-1979 लकड़ी काम के लिए पॉलीविनाइल एसीटेट परिक्षेप आधारित आसजको की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 4835-1968 लकड़ी काम के लिए 1979-12-31 को निर्धारित पॉलीविनाइल एसीटेट परिक्षेप आधारित आसजको की विशिष्टि	---	---
23 IS 5022-1979 शन्यकर्म विस्फोटकयुक्त (टेबल माइल) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS 5022-1973 शन्यकर्म विस्फोटकयुक्त (टेबल माइल) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	---	---
24 IS 5182 (भाग 17)-1979 वायु प्रदूषण मापने की पद्धतियां भाग 17 गैस क्रॉमेटोग्राफी द्वारा वायु में सी ₁ से सी ₅ हाइड्रोकार्बन	---	---	---
25 *IS 5281-1979 केनिट्रोथियान पायमनीय तंत्र द्वय की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 5281-1969 केनिट्रोथियान पायमनीय तंत्र द्वय की विशिष्टि	*भाग 10 संस्था प्रमाणन विन्ह योजना के लिये IS 5281-1979, 1980-07-02 से लागू होगा	---
26 IS 5347-1979 धात्विक शन्यक इस्पातो की सामान्य अपेक्षाएं (पहला पुनरीक्षण)	IS 5347-1969 धात्विक शन्यक इस्पातो की सामान्य अपेक्षाएं	---	---
27 IS 5395-1979 कुटथार, हड्डी की कील की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 5395-1969 कुटथार, हड्डी की कील की विशिष्टि	---	---
28 IS 6213-1979 सुगदी की परीक्षण पद्धतियां भाग 18 क्लोरीन खपत का निर्धारण (डीमिनिफिकेशन की मात्रा)	---	---	---
29 IS 6848-1979 रेलगाड़ी में प्रकाश व्यवस्था और वातानुकूलन के लिये सीमा-अम्ल बैटरी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 6848-1972 रेलगाड़ी में प्रकाश व्यवस्था और वातानुकूलन के लिये सीमा-अम्ल बैटरी की विशिष्टि	---	---
30 IS 7276-1979 अस्थवनीय पैलेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 7276-1974 (भाग 1) भारतीय लकड़ी के पैलेट की विशिष्टि भाग 1 उत्सर्जनीय सहित पैलेट	---	---
31 IS 7864 (भाग 2)-1979 अपहालस्ट्री के लिये कमानीया की विशिष्टि भाग 2 टेब्रे मेंटे प्रकार की	---	---	---
32 IS 8878-1978 तन्वीकी शोमाइन ग्रस की विशिष्टि	---	---	---
33 IS 8883 (भाग 1)-1978 रसायनो और रसायन पदार्थों के नमूने लेने की पद्धति भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं और मापधानियां	---	---	---
34 IS 9000 (भाग 7/अनुभाग 1 से 5)-1979 वैद्युत् और इलेक्ट्रानिक पदार्थों के आधारभूत पर्यावरणीय परीक्षण भाग 7 सघात परीक्षण	---	---	---
35 IS 9002 (भाग 4)-1979 विद्युत् और इलेक्ट्रानिक पदार्थों के पर्यावरणीय परीक्षण उपकरणों की विशिष्टि भाग 4 फर्कूदी उत्पादन जांच कक्ष	---	---	---
36 IS 9105-1979 चैन गुलिक पद्धति द्वारा पनीर में चिकनाई मापने के उपकरण की विशिष्टि	---	---	---
37 IS 9137-1978 वर्ग सी के अपकेन्द्रीय, मिश्रित प्रवाह वाले और प्रक्षीय पम्पो के स्वीकृति परीक्षणों की संहिता	---	---	---
38 IS 9182 (भाग 1)-1979 तार रस्मियों और रेशा कोरो के स्नेहको की विशिष्टि भाग 1 तार रस्मियों के कोर रेशा के स्नेहको	---	---	---

(1)	(2)	(3)	(4)
39. IS : 9188—1979 बाहरी अनावरण स्थितियों में प्रयुक्त परतदार, हमारती लकड़ी के पथारों के लिये आसंजकों की कार्य निष्पादन (कार्यसंबंधी) अपेक्षाएँ		—	—
40. IS : 9203 (भाग 3)—1979 खानों में माल ढोने की पटरी के धरण रोलरों की विशिष्ट भाग 3 शंकवाकार और ऊर्ध्व और अनुप्रस्थ और ऊर्ध्व गिरियाँ		—	—
41. IS : 9216—1979 पोषण और पोषिक आहार संबंधी सामान्य शब्दावली		—	—
42. IS : 9223—1979 भूसंपर्क प्रतिरोधी मापियों (मीटर) की विशिष्ट		—	—
43. IS : 9224 (भाग 1)—1979 निम्न बोस्टता के गालकों की विशिष्ट भाग 1 सामान्य अपेक्षाएँ		—	—
44. IS : 9229—1979 विद्युत् चुम्बकीय व्यतिकरण बमन के प्रेरकों की विशिष्ट		—	—
45. IS : 9249 (भाग 1)—1979 सूचकी और अभिलेखी विद्युत् मापी यंत्रों और उनके सहायक पुर्जों की सुरक्षा संबंधी अपेक्षाएँ भाग 1 यंत्रों की साधारण सुरक्षा अपेक्षाएँ		—	—
46. IS : 9251—1979 प्रेरक ऊष्मा से विद्युत् उत्पन्न करने वाले संयंत्र के लिये 40 और 24000 हर्ट्ज आवृत्ति पर काम करने वाले प्रेरण ताप उत्पन्न संयंत्रों के लिये संघारित्र की विशिष्ट		—	—
47. IS : 9257—1979 युक्लिप्टस स्ट्रियोडोरा तेल की विशिष्ट		—	—
48. IS : 9258—1979 धातुओं के विकसित सूक्ष्म-कठोरता परीक्षण पद्धति		—	—
49. IS : 9266 (भाग 2)—1979 मुद्रण कार्य के डार्ई सेट (बास किस्म के) की विशिष्ट भाग 2 केन्द्र के लिये वर्गाकार डार्ई सेट		—	—
50. IS : 9266 (भाग 3)—1979 मुद्रण कार्य के डार्ई सेट (बास किस्म के) की विशिष्ट भाग 3 केन्द्र के लिये गोलाकार डार्ई सेट		—	—
51. IS : 9274—1979 बी—क्लोरीडहाइल—एमीन हाइड्रोक्लोराइड पोल की विशिष्ट		—	—
52. IS : 9284—1979 कंक्रीट के अपघर्षण रोधन शक्ति परीक्षण की पद्धति		—	—
53. IS : 9288—1979 साम्ययूरिक क्लोराइड की विशिष्ट		—	—
54. IS : 9292—1979 ताने के बंड की विशिष्ट		—	—
55. IS : 9294—1979 रेजर ब्लेड बनाने के शीत बैल्लित स्टेनलेस स्पात-पलियों की विशिष्ट		—	—
56. IS : 9295—1979 टूफ किये पट्टा वाहकों के आइडलरों के लिये स्पात नलियों की विशिष्ट		—	—
57. IS : 9299 (भाग 1)—1979 निर्मित अन्नक या उपचारित अन्नक कागज पर आधारित विद्युत् रोधी पदार्थों की विशिष्ट भाग 1 परिभाषाएँ और सामान्य अपेक्षाएँ		—	—
58. IS : 9309—1979 रोलर क्रेशर की विशिष्ट		—	—
59. IS : 9314—1979 कोको फलियों के नमूने लेने की पद्धति		—	—
60. IS : 9315—1979 पर्वतारोहण स्की के जूते/बन्धन आन्तरिक तलहू के माप (36 से अधिक माप वाले)		—	—
61. IS : 9317—1979 पर्वतारोहण स्की संबंधी शब्दावली, परिभाषाएँ और मापन स्थितियाँ		—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
62. IS : 9324—1979 सॉर्स टैपर और टैप्ड सिरों के शॉक वाले कार्बाइड नोक वाले एण्ड मिलों की विशिष्टि		---	---
63. IS : 9325—1979 समानांतर शॉक वाले कार्बाइड नोक वाले खांच मिलिंग कटरों की विशिष्टि		---	---
64. IS : 9326—1979 सॉर्स टैपर और टैप्ड सिरों के शॉक वाले कार्बाइड नोक वाले खांच मिलिंग कटरों की विशिष्टि		---	---
65. IS : 9330—1979 अपशिष्ट ऊष्मा बॉयलरों और विशेष कार्यों के बॉयलरों के मापों की शब्दावली		---	---
66. IS : 9331—1979 पर्वतारोहण स्की की लकड़दार गुण धर्म मापने की प्रयोगशाला पद्धतियाँ		---	---
67. IS : 9332—1979 अपशिष्ट ऊष्मा बॉयलरों और विशेष कार्यों के बॉयलरों के सफाईकारी माप		---	---
68. IS : 9335 (भाग 1)—1979 विद्युत् कार्यों के लिये सेलुलोजीय कागजों की विशिष्टि भाग 1 परिभाषाएं और सामान्य प्रयोग		---	---
69. IS : 9337 (भाग 1)—1979 कपड़ा मिलों में प्रयुक्त बॉबिन और पिन्ड की विशिष्टि भाग 1 लकड़ी की उपलब्ध बॉबिन	IS : 3833—1966 यलावर बॉबिनों की विशिष्टि		---

इन भारतीय मानकों की प्रतियाँ भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह, नई दिल्ली-110002 तथा प्रहमबाबा, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास, पटना और ब्रिक्वेन्स स्थित शाखा कार्यालयों में विक्रयार्थ उपलब्ध हैं।

[सं. सी०एम०डी० 13. 2]

S.O. 3449:— In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard (s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1980-02-29.

SCHEDULE

Sl. No. and Title of the Indian Standards No. Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)
1. *IS : 638—1979 Specification for sheet rubber jointing and rubber insertion jointing (second revision).	IS : 638—1965 Specification for sheet rubber jointing and rubber insertion jointing (revised)	Established on 1979-09-30 *For purposes of ISI Certification Mark Scheme; IS : 3638—1979 shall come into force with effect from 1980-06-01.
2. IS : 771 (Part IV)—1979 Specification for glazed fire-clay sanitary appliances: Part IV Specific requirements of post-mortem slabs (second revision)	IS : 771—1963 Specification for glazed earthenware sanitary appliances (revised)	---
3. IS : 771 (Part VI)—1979 Specification for glazed fire-clay sanitary appliances : Part VI Specific requirements of bed pan sinks (second revision)	-do-	---
4. IS : 1097—1979 Specification for handloom cotton mosquito netting (first revision)	IS : 1097—1957 Specification for handloom cotton mosquito netting bleached or dyed	---
5. *IS : 1230—1979 Specification for cast iron rainwater pipes and fittings (second revision)	IS : 1230—1968 Specification for cast iron rainwater pipes and fittings (first revision)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 130—1979 shall come into force with effect from 1980-06-30.
6. IS : 1448 (P : 91)—1979 Methods of test for petroleum and its products (P : 91) Emulsion characteristics of petroleum oils and synthetic fluids	---	---

(1)	(2)	(3)	(4)
7. IS : 1579—1979 Specification for handloom cotton twills (first revision)	IS : 1579—1960 Specification for handloom cotton twills, bleached or dyed	—	—
8. IS : 1885 (Part LI/Sec. I)—1979 Electro-technical vocabulary Part LI Industrial electroheating : Section I General terms	—	—	—
9. IS : 2263—1979 Methods of preparation of indicator solutions (first revision)	IS : 2263—1962 Methods of preparation of indicator solutions for volumetric analysis.	Established on 1980-01-31	
10. IS : 2422—1979 Specification for dyed cotton fabric, waterproofed (first revision)	IS : 2422—1963 Specification for cotton fabric, dyed, water resistant	—	—
11. IS : 2531—1979 Specification for crank shaft for cotton looms (first revision)	IS : 2531—1963 Specification for crank shaft for plain calico cotton looms (first revision)	—	—
12. *IS : 2552—1979 Specification for steel drums (galvanized and ungalvanized) (second revision)	IS : 2552—1970 Specification for steel drums (galvanized and ungalvanized) (first revision)	Established on 1979-09-30 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 2552—1979 shall come into force with effect from 1980-07-01.	
13. IS : 3234—1979 Specification for conical fitting for hypodermic syringes, needles and other medical equipment, Luer type (first revision)	IS : 3234—1965 Specification for conical fitting for hypodermic syringes, needles and other medical equipment, Luer type	—	—
14. IS : 3342—1979 Specification for animal-drawn cultivators (first revision)	(i) IS : 3342—1965 Specification for TRIPHALI (three-tined cultivator), animal drawn and (ii) IS : 3350—1965 Specification for three tined cultivator with seeding attachment, animal drawn.	—	—
15. IS : 3347 (Part I/Sec. I)—1979 Dimensions for porcelain transformer bushings for use in normal and lightly polluted atmospheres Part I Up to and including 1 kv Section I Porcelain parts (first revision).	IS : 3347 (Part I/Sec. I)—1965 Dimensions for porcelain transformer bushings ; Part I Upto 1.1 KV bushings, Section I Porcelain parts.	—	—
16. IS : 3520—1979 Specification for water-soluble sodium carboxymethyl cellulose (first revision).	IS : 3520—1960 Specification for water-soluble sodium carboxymethyl cellulose	—	—
17. IS : 3809—1979 Fire resistance test of structures (first revision).	IS : 3809—1966 Fire resistance test of structures.	—	—
18. IS : 3831—1979 Specification for sterilizer, shallow (dressing drum) (second revision).	IS : 3831—1973 Specification for sterilizer shallow (dressing drums) (first revision).	—	—
19. 3938—1979 Specification for electric wire rope hoists (first revision).	IS : 3938—1967 Specification for electric wire ropes hoists.	—	—
20. IS : 4225—1979 Recommended practice for straight beam ultrasonic testing of steel plates (first revision).	IS : 24225—1967 Recommended practice for ultrasonic testing of steel plates	—	—
21. IS : 4790—1979 Specification for knife, eye, corneal splitting, Lang's and Tooke's patterns (first revision).	IS : 4790—1968 Specification for knife, eye, corneal splitting (Lang's and Tooke's patterns).	—	—
22. IS:4835—1979 Specification for polyvinyl acetate dispersion based adhesives for wood (first revision)	IS: 4835—1968 Specification for polyvinyl acetate dispersion based adhesives for wood.	Established on 1979-12-31	
23. IS : 5022—1979 Specification for sterilizer, instruments (table model) (second revision)	IS : 5022—1973 Specification for sterilizer, instruments (table model) (first revision)	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
24. IS-5182 (Part XVII)—1979 Methods for measurement of din pollution Part XVII C1 to C5 hydrocarbons in air by gas chromatography.	—	—	—
25. *IS:5281 - 1979 Specification for fenitrothion emulsifiable concentrates (first revision)	IS:5281-1969 Specification for fenitrothion emulsifiable concentrates	*For purposes of ISI Certification Mark Schemes, IS:5281-1979 shall come into force with effect from 1980-07-01	—
26. IS:5347-1979 General requirements for metal surgical implants. (first revision).	IS:5347-1969 General requirements of metal surgical implants.	—	—
27. IS:5395-1979 Specification for nail, bone, Kuntscher (first revision).	IS:5395-1969 Specification for nail, bone, Kuntscher.	—	—
28. IS:6213 (Part XVIII)—1979 Methods of test for pulp Part XVIII Determination of chlorine consumption (Degree of delignification)	—	—	—
29. IS:6848-1979 Specification for lead-acid batteries for train lighting and air-conditioning services (first revision)	IS:6848-1972 Specification for lead-acid batteries for train lighting and airconditioning services.	—	—
30. IS:7276-1979 Specification for non-expendable pallets (first revision).	IS:7276-(Part I)-1974 Specification for timber pallets : Part I Non-expendable pallets.	—	—
31. IS:7864(Part II)-1979 Specification for upholstery springs : Part II Zigzag type.	—	—	—
32. IS:8878-1978 Specification for bromamine acid, technical	—	—	—
33. IS:8883(Part I)-1978 Methods of sampling chemicals and chemical products: Parts I General requirements and precautions	—	—	—
34. IS:9000 (Part VIII/Sec 1 to 5)-1979 Basic environmental testing procedures for electronic and electrical items : Part VII Impact test.	—	—	—
35. IS:9002 (Part IV)—1979 Specification for equipment for environmental tests for electronic and electrical items Part IV Chamber for mould growth test	—	—	—
36. IS:9105-1979 Specification for apparatus for determination of fat in cheese by Van Gulik method	—	—	—
37. IS:9137-1978 Code for acceptance tests for centrifugal, mixed flow and axial pumps-Class C	—	—	—
38. IS:9182 (Part I)-1979 Specification for lubricants for wire ropes and fibre cores : Part I Lubricants for fibre core of wire ropes.	—	—	—
39. IS:9188-1979 Performance requirements for adhesives for structural laminated wood products for use under exterior exposure conditions	—	—	—
40. IS:9203(Part III) 1979 Specification for friction rollers for mine haulage tracks: Part III Tapered and vertical rollers and horizontal and vertical pulleys	—	—	—
41. IS:9216-1979 Glossary of common terms relating to nutrition and nutrititious foods	—	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
42.	IS:9223-1979 Specification for earth resistance meter.	—	—
43.	IS:9224(Part I)-1979 Specification for low voltage fuses : Part I General requirements	—	—
44.	IS:9229-1979 Specification for inductors for electromagnetic interference suppression.	—	—
45.	IS:9249 (Part I)-1979 Safety requirements for indicating and recording electrical measuring instruments and their accessories Part I Common safety requirements for instruments.	—	—
46.	IS:9251-1979 Specification for capacitors for inductive heat generating plants operating at frequencies between 40 and 24 000 Hz.	—	—
47.	IS:9257-1979 Specification for oil of eucalyptus citriodora.	—	—
48.	IS:9258-1979 Method for vickers micro-hardness testing of metals.	—	—
49.	IS:9266 (Part II)-1979 Specification for press working die sets (Boss type) Part II Centre post square die sets.	—	—
50.	IS:9266 (Part III)-1979 Specification for press working die sets (Boss type) Part III Centre post round die sets.	—	—
51.	IS:9274-1979 Specification for β -Chloroethylamine hydrochloride solution.	—	—
52.	IS:9284-1979 Method of test for abrasion resistance of concrete.	—	—
53.	IS:9288-1979 Specification for cynuric chloride.	—	—
54.	IS:9292-1979 Specification for warper's beams.	—	—
55.	IS:9294-1979 Specification for cold-rolled stainless steel strips for razor blades.	—	—
56.	IS:9295-1979 Specification for steel tubes for idlers for troughed belt conveyors.	—	—
57.	IS:9299(Part I)-1979 Specification for insulating materials based on built-up mica or treated mica paper Part I Definitions and general requirements.	—	—
58.	IS:9309-1979 Specification for roll crusher.	—	—
59.	IS:9314-1979 Method for sampling of cocoa beans.	—	—
60.	IS:9315-1979 Dimensions for boot/binding interface (greater than size 36) for alpine skis.	—	—
61.	IS:9317-1979 Glossary of terms definitions and measuring conditions for alpine skis.	—	—
62.	IS:9324-1979 Specification for carbide tipped end mills with morse taper and tapped end shanks.	—	—
63.	IS:9325-1979 Specification for carbide tipped slot milling cutters with parallel shanks.	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
64. IS : 9326-1979 Specification for carbide tipped slot milling cutters with morse taper and tapped end shanks	—	—	—
65. IS : 9330-1979 Terminology for parameters of waste heat boilers and boilers for special purposes	—	—	—
66. IS : 9331-1979 Laboratory methods for determination of elastic properties for alpine skis	—	—	—
67. IS : 9332-1979 Recommended parameters of waste heat boilers and boilers for special purposes	—	—	—
68. IS : 9335 (Part I)-1979 specification for cellulosic papers for electrical purposes : Part I Definitions and general requirements	—	—	—
69. IS : 9337 (Part I)-1979 Specification for bobbins and pirns used in textile mills : Part I Wooden flyer bobbins	IS : 3833 1966 specification for flyer bobbins	—	—

Copies of these Indian standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

INo. CMD/13 : 2]

नई दिल्ली, 1982-09-16

क्रा०आ० 3450--भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न विनियम 1955 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिस भारतीय मानकों के व्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे 1980-03-31 को निर्धारित किये गए हैं :

अनुसूची

क्रम सं०	तत्संबंधी भारतीय मानक की वद सं० और शीर्षक	यथा भारतीय मानकों द्वारा अधिकृत भारतीय मानक अथवा मानकों की संख्या और शीर्षक, यदि कोई हो	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 67-1979 रंगों में काम आने वाली सिलिका की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 67-1950 रंगों में काम आने वाली सिलिका की विशिष्टि	—
2.	IS : 855-1079 हथकरघा के सूती छानेदार तेलिए के कपड़ों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 855-1956 हथकरघा के सूती छानेदार तेलिए विरजित धारीदार, चारखाना अथवा रंगीन की विशिष्टि	—
3.	IS : 919 (भाग-2)-1979 ब्रूनीनियरो के लिए लिमिट और फिट संबंधी सिफारिशें भाग 2	—	—
4.	IS : 1046-1979 रौकड़ बक्स की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	IS : 1046-1979 रौकड़ बक्स की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	—
5.	IS : 1335-1979 ऊष्मासह्य वस्तुओं में एलुमिना मापन करने की सीधी पद्धति (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 1335-1979 ऊष्मासह्य वस्तुओं में एलुमिना मापन करने की सीधी पद्धति (अंशिक)	—
6.	*IS : 1342-1978 हवा भरने वाले तेल के स्टोव की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1342-1968 हवा भरने वाले तेल के स्टोव की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	*भा०मा० संस्था प्रमाणन मोहर योजना कार्यों के लिए IS : 1342-1978 यह पुनरीक्षण 1980-07-01 से लागू होगा।
7.	IS : 1483-1979 सफेद डबल रोटी की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1483-1968 सफेद डबल रोटी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1980-02-29 को निर्धारित किया गया।
8.	*IS : 2075-1979 स्टोव रेड आक्साइड जलन क्रोम के अस्तर देने के मिश्रित तैयार रंग रोगन की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2075-1962 स्टोव रेड आक्साइड जलन के क्रोम के अस्तर देने के मिश्रित तैयार रंग रोगन की विशिष्टि	1979-12-31 को निर्धारित किया गया। *भा०मा० संस्था प्रमाणन मोहर योजना कार्यों के लिए IS : 2075-1979 1980/07/01 से लागू होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)
9. IS 2461 (भाग 3/अनुभाग I)—1979 उप-चारित अवयव कागज और बतववी अवयव पर आधारित रोधन सामग्री की विशिष्टि भाग 3 अवयव-अवयव सामग्री की विशिष्टियों के सेपरेटरी अनुभाग 1 व म्यूटेडरी के सेपरेटरी के लिए मखन अवयव सामग्री			—
10. IS 2556 (भाग 6/अनुभाग I)—1979 काचाभ सेनीटरी संसाधन (चनी मिट्टी) की विशिष्टि भाग 6 मूत्रदानियों की विशिष्टि अपेक्षाएं अनुभाग 1 कटोरेनुमा (तीसरा पुनरीक्षण)	IS 2556 (भाग 6/अनुभाग I)—1974 काचाभ भा मा संस्था प्रमाणन मुद्रा योजना कार्यों के लिए सेनीटरी संसाधन (चनी मिट्टी) की विशिष्टि भाग 6 मूत्रदानियों की विशिष्टि अपेक्षाएं अनुभाग 1 कटोरेनुमा (दूसरा पुनरीक्षण)	IS 2556 (भाग 6/अनुभाग I) 1980-09-01 ने लागू होगी।	
11. IS 2556 (भाग 9)—1979 काचाभ सेनीटरी संसाधन (चीनी मिट्टी) की विशिष्टि, भाग 9 बिजेट की विशिष्टि अपेक्षाएं (तीसरा पुनरीक्षण)	IS 2556 (भाग 9) 1972 काचाभ सेनीटरी संसाधन भा मा संस्था प्रमाणन योजना कार्यों के लिए (चीनी मिट्टी) की विशिष्टि भाग 9 बिजेट की विशिष्टि अपेक्षाएं (दूसरा पुनरीक्षण)	IS 2556 (भाग 9) 1979 1980-09-01 से लागू होगा	
12. IS 2794—1979 एक हीरे वाले छिलार्ह, काट छांट करने के औजारों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 2794—1964 एक हीरे वाले छिलार्ह, औजारों की विशिष्टि		
13. IS 3311—1979 सिक और वाश बेसिनों के गंदे पानी के प्लग और उगने संबंधित सहाकायों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 3311—1965 सिकों और वाश बेसिनों के गंदे पानी के प्लग और उगने संबंधित सहाकायों की विशिष्टि		
14. IS 3386—1979 बाढ़ लगाने के लकड़ी के खंभों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 3386—1965 बाढ़ लगाने के लकड़ी के खंभों की विशिष्टि		—
15. IS 3762—1979 धातु की बनी रूढ़ी कागज की टोकरीयों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 3762—1966 धातु की बनी रूढ़ी कागज की टोकरीयों की विशिष्टि		—
16. IS 4248—1979 वायु अन्तरिक्ष कार्यों में प्रयुक्त माइलोन फीलों (टैपो) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 4228—1967 वायु अन्तरिक्ष कार्यों में प्रयुक्त माइलोन फीलों (टैपो) की विशिष्टि		—
17. IS 4309—1979 सीधे पड़ने वाले पी एच सीटरों की मापन पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	IS 4309—1967 सीधे पड़ने वाले पी एच सीटरों की मापन पद्धतियां		—
18. IS 4362—1979 मोटर गाड़ियों की तम्बर प्लेट पर रोशनी करने संग्रहनों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 4362—1967 मोटर गाड़ियों की तम्बर प्लेटों पर रोशनी करने से संबंधित सफाईयों		—
19. IS 4410 (भाग 16/अनुभाग I)—1979 नवी आदी परियोजनाओं से संबंधित पारिभाषिक शब्दावली भाग 16 गेट और वाक्च अनुभाग 1 गेट			—
20. IS 4719—1979 अंतरिक्ष कार्यों के लिए तार की बनाई वाले रेयन कपड़े की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 4719—1968 रडार प्रभावी निशाने की स्कीज के लिए तार की बनाई वाले रेयन कपड़े की विशिष्टि		—
21. IS 4773—1979 एडापटर सनीबों वाले रोलिंग वियरिंगों के लिए प्लम्बर ब्लकों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 4773—1968 रोलिंग वियरिंगों के प्लम्बर ब्लकों की विशिष्टि		—
22. IS 4788—1979 जेगिलर तमूने के आख की सिल्ली की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 4788—1968 आख की सिल्ली हटाने की जीय-गिलर तमूने छूरी की विशिष्टि		—
23. IS 4789—1979 मोतियों बिज हटाने माफ करने की छूरी प्रेके (तमूने) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 4789—1968 (मोतियों बिज माफ करने के छूरी (प्रेके तमूने) की विशिष्टि		—
24. IS 4826—1979 इस्पान की गोल तारों पर गर्म बुवाऊ जस्ते की परत चढ़ाने की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 4826—1968 इस्पान की गोल तारों पर गर्म बुवाऊ जस्ते की परत चढ़ाने की विशिष्टि		—
25. IS 5296—1979 क्लोरोफार्म शुद्ध और तकनीकी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 5296—1969 क्लोरोफार्म तकनीकी और विश्लेषी की विशिष्टि		—

(1)	(2)	(3)	(4)
26 IS 5375-1979 ब्रेलनाकार गियरों के एकत्रित करने संबंधी आंकड़ें (पहला पुनरीक्षण)	IS 5375-1969 ब्रेलनाकार गियरों के एकत्रित करने संबंधी आंकड़ें		
27 IS 5994 (भाग 1)-1979 खमीरों के ट्रैक्टरों की परीक्षा की संहिता भाग 1 शब्दावली और सामान्य मार्ग दर्शन (पहला पुनरीक्षण)	IS 5994-1970 खमीरों के ट्रैक्टरों की परीक्षा की संहिता		
28 IS 6210-1979 गैस्फट सामग्रियों के प्रतिबल निष्पत्ति की परीक्षण पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	IS 6210-1971 गैस्फट सामग्रियों के प्रतिबल परीक्षण पद्धति		
29 IS 6535-1972 सीधे बेलन गियरों के प्रापण आंकड़ें (पहला पुनरीक्षण)	IS 6535-1972 सीधे बेलन गियरों की प्रापण आंकड़ें (पहला पुनरीक्षण)		
30 IS 6612-1972 बिना धना संकेत अक्षिण्ट रूई की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 6612-1972 बिना धना संकेत अक्षिण्ट रूई की विशिष्टि		
31 IS 7503 (भाग 4)-1979 रबर उद्योग में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली भाग 4			
32 IS 8319 (भाग 1)-1979 सफाई द्रव्यों के माप भाग 4 ट्यूब प्रकार 4			
33 IS 8401 (भाग 2)-1979 स्कूता के लिए खेत के मशीनों में लगे उपकरण भाग 2 खेत के रस्से			
34 IS 8472 (भाग 2)/अनुभाग 2 1979 परिवर्तन प्रतिरोधकों की विशिष्टि भाग 2 सामान्य कार्य अनुभाग 2 टाइप की और जो 2 सी			
35 IS 8486 (भाग 3)-1979 जलयान के सामान्य आकाशकार विशिष्टियों के विशिष्टि भाग 3 स्थिति नियंत्रण			
36 IS 8691-1975 रबर उद्योग के लिए रूई सार की विशिष्टि			
37 IS 9002 (भाग 4-1), 8-कट्टानित्री और बिजली की रस्सियों के वातावरणीय परीक्षणों के उपकरणों की विशिष्टि भाग 4 मो चैम्बर			
38 IS 9002 (भाग 5)-1979 8-कट्टानित्री और बिजली की रस्सियों के वातावरणीय परीक्षणों के उपकरणों की विशिष्टि भाग 5 ध्वनि के कम्पन उपकरण परीक्षण			
39 IS 9111 (भाग 1)-1979 कायल के पेट्रोल-ऑपिक विश्लेषण की पद्धति भाग 1 तकरीबी शब्दों का परिभाषा			
40 IS 9195 (भाग 1)-1979 निमनगमन उपकरण की विशिष्टि भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं			
41 IS 9201-1974 कर्म वाहक पम्पों की विशिष्टि			
42 IS 9225-1979 वास्तुशिल्प में हवा भरने वाले पम्पों की विशिष्टि			
43 IS 9232-1979 मछली गाड़ियों के लिए नियंत्रण संकेतों और हृदयित वेन संबंधी प्रतीक			
44 IS 9241-1979 विद्युत स्थैतिक प्रेडिपिटिंग के लिए खरीवदार आंकड़ों प्रपत्र			
45 IS 9243 (भाग 1)-1979 हाथ की छड़ियों की परीक्षण पद्धति भाग 1-मुश्किल प्रतिरोधी			
46 IS 9243 (भाग 1-2) 74 हाथ की छड़ियों की परीक्षण पद्धति भाग 2 जल प्रतिरोधी			

(1)	(2)	(3)	(4)
47. IS : 9247-1979 सीलिंग या सील वाले घरीय रोलिंग बियरिंग संबंधी दूरे	--	--	
48. IS : 9260-1979 डिस्टेंसहजर के लिए खरीद वार आकड़ा प्रपत्र	--	--	
49. IS : 9266 (भाग 1)-1979 दाब कार्य डाईसेट (बाय प्रकार) की विशिष्ट भाग 1 सेक्टर पॉस्ट आयनकार डाईसेट	--	--	
50. IS : 9267-1979 वायुयान कार्यों के लिए नविकाकार नायलोन बेविंग की विशिष्ट	--	--	
51. IS : 9273 (भाग 2)-1979 सीरीज 1 बक्सेनुमा शुष्क राशि कन्टेनरों (दाब रहित) की विशिष्ट भाग 2 परीक्षण	--	--	
52. IS : 9276-1979 बांडों के बूझों की विशिष्ट	--	--	
53. IS : 9281 (भाग 1)-1979 इलेक्ट्रॉनिक मोल प्रणालियों की विशिष्ट भाग 1 शब्दबली और परिभाषाएँ	--	--	
54. IS : 9282-1979 निलम्बन पुलों के लिए तार रस्से और लड़ों की विशिष्ट	--	--	
55. IS : 9286-1979 हृदय संबंधी डिफिनिटर की विशिष्ट	--	--	
56. IS : 9291-1979 भीतरी बिसाई चक्को के माप	--	--	
57. IS : 9301-1979 गहरे कुप्पों के हाथ वाले पम्पो की विशिष्ट	--	--	
58. IS : 9308 (भाग 1)-1979 मशीन द्वारा निकाले हुए नारियल के रेशे की विशिष्ट भाग 1 कट्टे वालों वाला नारियल का रेशा	--	--	
59. IS : 9308 (भाग 2)-1979 मशीन द्वारा निकाले हुए नारियल के रेशे की विशिष्ट भाग 2 चटाई के लिए नारियल का रेशा	--	--	
60. IS : 9308 (भाग 3)-1979 मशीन द्वारा निकाले हुए नारियल के रेशे की विशिष्ट भाग 3 सजावटी नारियल रेशा	--	--	
61. IS : 9316 (भाग 1)-1979 रबड़ लटेक्स की परीक्षण पद्धतियां भाग 1 सतह तनाव ज्ञात करना	--	--	
62. IS : 9316 (भाग 2)-1979 रबड़ लटेक्स की परीक्षण पद्धतियां भाग 2 विस्कोसिटा ज्ञात करना	--	--	
63. IS : 9316 (भाग 3)-1979 रबड़ लटेक्स की परीक्षण पद्धतियां भाग 3 जमाऊ पदार्थ की मात्रा ज्ञात करना	--	--	
64. IS : 9316 (भाग 4)-1979 रबड़ लटेक्स की परीक्षण पद्धतियां भाग 4 कुल ठोस पदार्थ की मात्रा ज्ञात करना	--	--	
65. IS : 9320-1979 डिष्ट धारा मशीनों की परीक्षण संवशिका	--	--	
66. IS : 9321-1979 मिश्रधातु के इन्वर्स लोहे के बने वालों से मोटे लगाने के ईसर्ट सामग्रियों की विशिष्ट	--	--	

(1)	(2)	(3)	(4)
67. IS : 9323-1979 सामान्तर शीको के कार्बाइड टिपों और मिल की विशिष्टि		---	---
68. IS : 9333-1979 भूमिकीय घासमाइड की मिलेडर ट्यूबो और पेंच के कोर की मापन पद्धतिया		---	---
69. IS : 9334-1979 बिजली की मोटर द्वारा चालित पंप्पुएटरों की विशिष्टि		---	---
70. IS : 9336-1979 भूमिगत केबलों के लिए सूती धागे की विशिष्टि		---	---
71. IS : 9341-1979 इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए मल केमिक प्रम्ल की विशिष्टि		---	---
72. IS : 9346-1979 परास्वभिक परीक्षा के लिए एन डी टी कर्मचारियों की प्रमाणन सम्बन्धी सिफारिस		---	---
73. IS : 9378-1979 काम्प्रोबोयजो नमून के मांख स्पेकुलम की विशिष्टि		---	---
74. IS : 9383 (भाग 2)-1979 प्रतीक सकेती ट्यूबों के माप भाग 2 ट्यूब प्रकार 2		---	---
75. IS : 9387 (भाग 1)-1979 तेल इवीय कपलिंग के गावबुम नर स्टड वाले एल्वो ठांचों की विशिष्टि भाग 1 गटाइयों से बने		---	---
76. IS : 9388 (भाग 1)-1979 तेल इवीय कपलिंग के लिए सम एल्वो ठांच की विशिष्टि भाग 1 गटाइयों से बने		---	---
77. IS : 9392-1980 तेल इवीय कपलिंग के गाव बुम नर स्टड वाले एल्वो ठांच की विशिष्टि		---	---

इन भारतीय मानकों की प्रतियां विक्री के लिए भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110002 से तथा अहमदाबाद, बंगलोर, भोपाल, भुवनेश्वर, बम्बई कलकत्ता, कोयंबूर, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, पटना और त्रिवेन्द्रम स्थित शाखा कार्यालयों से प्राप्त की जा सकती है।

[सी एम की/13: 2

New Delhi, the 1982 - 09-16

S.O. 3450 :-In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations 1955, the Indian standards Institution hereby notifies that the Indian standards (s) particulars of which are given in the schedule hereto annexed, have been established on 1980 03-31

THE SCHEDULE

Sl. No and Title of the Indian standards No Established	No and Title of the Indian standard or standards, if any, superseded by the new Indian standard	Remarks if any
1	2	3
1. IS : 67-1979 Specification for silica for paints (First revision)	IS : 67-1950 Specification for silica for paints	---
2. IS : 855-1979 Specification for handloom cotton honeycomb towels and towelling cloth (First revision)	IS : 855-1956 Specification for handloom cotton handloom cotton honeycomb towels bleached striped, checked, or dyed	---

(1)	(2)	(3)	(4)
3. IS : 919(Part II)-1979 Recommendations for limits and fits for engineering : part II Fine mechanism and horology			
4. IS : 1046-1979 Specification for cash boxes (Second revision)	IS : 1046-1970 Specification for cash boxes (First revision)		
5. IS : 1335-1979 Method for direct determination of alumina in refractory materials (First revision)	IS : 1335-1959 Methods for the direct determination of alumina in refractory materials (Tentative)		
6. *IS : 1342-1978 Specification for oil pressure stoves (third revision)	IS : 1342-1968 Specification for oil pressure stoves (second revision)		*For purposes of ISI Certification Marks Scheme, IS : 1342-1978 shall come into force with effect from 1980-07-01
7. IS : 1483-1979 Specification for white bread (second revision)	IS : 1483-1968 Specification for white bread (first revision)		Established on 1980-02-29
8. *IS : 2075-1979 Specification for ready mixed paint, stoving, red oxide-zinc chrome, priming (first revision)	IS : 2075-1962 Specification for ready mixed paint, stoving, red oxide zinc chrome, priming		Established on 1979-12-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 2075-1979 shall come into force with effect from 1980-07-01
9. IS : 2464 (Part III/Sec 1)-1979 Specification for insulating materials based on built-up mica or treated mica paper : Part III Specifications for individual materials : Section 1 Rigid mica materials for commutators separators	—	—	—
10. *IS : 2556 (Part VI/Sec 1)-1979 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) : Part VI Specific requirements of urinals : Section 1 Bowl type (third revision)	IS : 2556 (Part VI/Sec 1)-1974 Specification for vitreous sanitary appliances (Vitreous China) : Part VI Specific requirements of urinals, Section 1 Bowl type (second revision)		*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 2556 (Part VI/Sec 1) shall come into force with effect from 1980-09-01
11. *IS : 2556 (Part IX)-1979 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) : Part IX Specific requirements of bidets (third revision)	IS : 2556 (Part IX)-1972 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) Part IX) Specific requirements of bidets (second revision)		*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 2556 (Part IX)-1979 shall come into force with effect from the 1980-09-01
12. IS : 2794-1979 Specification for truing/dressing tools, single diamond (first revision)	IS : 2794-1964 Specification for turning tools, single diamond		—
13. IS : 3311-1979 Specification for waste plug and its accessories for sinks and wash-basins (first revision)	IS : 3311-1965 Specification for waste plug and its accessories for sinks and wash-basins		—
14. IS : 3386-1969 Specification for wooden fence posts (first revision)	IS : 3386-1965 Specification for wooden fence posts		—
15. IS : 3762-1979 Specification for metal waste paper bins (first revision)	IS : 3762-1966 Specification for metal waste paper bins		—
16. IS : 4228-1979 Specification for nylon tapes for aerospace purposes (first revision)	IS : 4228-1967 Specification for nylon tapes for aeronautical purposes		—
17. IS : 4309-1979 Methods of measurement on direct reading pH meters (first revision)	IS : 4309-1967 Methods of measurement on direct reading pH meters		—
18. IS : 4362-1979 Specification for number plate lighting devices for automobiles (first revision)	IS : 4362-1967 Recommendation for lighting of number plates for automobiles		—

(1)	(2)	(3)	(4)
19. IS : 4410 (Part XVI/Sec 1)-1979 Glossary of terms relating to river valley projects : Part XVI Gates and valves : Section 1 Gates		---	---
20. IS : 4719-1979 Specification for wire-woven rayon fabric for aerospace purposes (first revision)	IS : 4719-1968 Specification for wire-woven rayon fabric for radar-responsive target sleeves		---
21. IS : 4773-1969 Specification for plumber blocks for rolling bearings with adapter sleeves (first revision)	IS : 4773-1968 Specification for plumber blocks for rolling bearings		---
22. IS : 4788-1979 Specification for knife, eye, capsulotomy Ziegler's pattern (first revision)	IS : 4788-1968 Specification for knife, eye, capsulotomy (Ziegler's pattern)		---
23. IS : 4789-1979 Specification for knife, eye, cataract, Graefe's pattern (first revision)	IS : 4789-1968 Specification for knife, eye, cataract (Graefe's pattern)		---
24. IS : 4826-1969 Specification for hot-dipped galvanized coatings on round steel wires (first revision)	IS : 4826-1968 Specification for galvanized coatings on round steel wires		---
25. IS : 5296-1979 Specification for chloroform, pure and technical (first revision)	IS : 5296-1969 Specification for chloroform, technical and analytical		---
26. IS : 5375-1979 Data for procurement of cylindrical gears (first revision)	IS : 5375-1969 Data for procurement of cylindrical gear		---
27. IS : 5994 (Part I)-1979 Test code for agricultural tractors : Part I Terminology and general guidelines (first revision)	IS : 5994-1970 Test code for agricultural tractors		---
28. IS : 6210-1979 Method of test for stress relaxation of gasket material (first revision)	IS : 6210-1971 Method of test for stress relaxation of gasket materials		---
29. IS : 6535-1979 Data for procurement of straight bevel gears (first revision)	IS : 6535-1972 Data for procurement of straight bevel gears		---
30. IS : 6612-1979 Specification for unteased white cotton waste (first revision)	IS : 6612-1972 Specification for unteased white cotton waste		---
31. IS : 7503 (Part IV)-1979 Glossary of terms used in rubber industry, Part IV			---
32. IS : 8319 (Part IV)-1979 Dimensions of indicator tubes : Part IV Tube type 4		---	
33. IS : 8404 (Part II)-1979 Specification for fixed playground equipment for schools : part II climbing ropes		---	
34. IS : 8872 (Part II/Sec 2)-1979 Specification for variable resistors : Part II General purpose Section 2 Type VRG2C		---	
35. IS : 8886 (Part III)-1979 Specification for ship's ordinary rectangular windows Part III Positioning		---	---
36. IS : 8891-1978 Specification for line for rubber industry		---	---
37. IS : 9002 (Part III)-1979 Specification for equipment for environmental tests for electronic and electrical items Part III Humidity chamber		---	---

(1)	(2)	(3)	(4)
38.	IS : 9002 (Part V)—1979 Specification for equipment for environmental tests for electronic and electrical items : Part V Equipment for vibration (sinusoidal) test	—	—
39.	IS : 9127 (Part I)—1979 Methods for petrographic analysis of coal : Part I Definition of terms	—	—
40.	IS : 9195 (Part I)—1979 Specification for gymnasium equipment : Part I General requirements	—	—
41.	IS : 9201—1979 Specification for pumps for handling slurry	—	—
42.	IS : 9225—1979 Specification for bicycle air pumps.	—	—
43.	IS : 9237—1979 Symbols for controls, indicators and tell-tales for road vehicles.	—	—
44.	IS : 9241—1979 Purchaser's data sheet for electrostatic precipitators.	—	—
45.	IS : 9243 (Part I)—1979 Methods of test for wrist watches: Part I Antimagnetic.	—	—
46.	IS : 9243 (Part III)—1979 Methods of test for wrist watches: Part III Water-resistant.	—	—
47.	IS : 9247—1979 Tolerances for radial rolling bearings with shields or seals.	—	—
48.	IS : 9260—1979 Supplier's data sheet for crystallizer.	—	—
49.	IS : 9266 (Part I)—1979 Specification for press working die sets (Boss type): Part I Centre post rectangular die sets.	—	—
50.	IS : 9267—1979 Specification for tubular nylon webbing for aerospace purposes.	—	—
51.	IS : 9273 (Part II)—1979 Specification for series 1 box type dry bulk containers (non-pressurized) : Part II Testing.	—	—
52.	IS : 9276—1979 Specification for brushes, horse.	—	—
53.	IS : 9281 (Part I)—1979 Specification for electronic weighing systems : Part I Terms and definitions.	—	—
54.	IS : 9282—1979 Specification for wire ropes and strands for suspension bridges.	—	—
55.	IS : 9286—1979 Specification for cardiac defibrillators.	—	—
56.	IS : 9291—1979 Dimensions of internal grinding wheels.	—	—
57.	IS : 9301—1979 Specification for deep well hand pumps.	—	—
58.	IS : 9308 (Part I)—1979 Specification for mechanically extracted coir fibre : Part I Bristle coir fibre.	—	—
59.	IS : 9308 (Part II)—1979 Specification for mechanically extracted coir fibre : Part II Mattress coir fibre.	—	—
60.	IS : 9308 (Part III)—1979 Specification for mechanically extracted coir fibre : Part III Decorated coir fibre.	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
61	IS 9316 (Part I) -1979 Methods of test for rubber latex Part I Determination of surface tension		—
62	IS 9316 (Part II) -1979 Methods of test for rubber latex Part II Determination of viscosity		—
63	IS 9316 (Part III)—1979 Methods of test for rubber latex Part III Determination of coagulum content		—
64	IS 9316 (Part IV)—1979 Methods of test for rubber latex Part IV Determination of total solids content	—	—
65	IS 9320 -1979 Guide for testing direct-current (DC) machines	—	—
66	IS 9321 -1979 Specification for material for alloy cast iron valve seat inserts		—
67	IS 9323 -1979 Specification for carbide tipped and mills with parallel shanks	—	—
68	IS 9333 -1979 Methods of measurement for cylinder, tube and screw cores of magnetic oxides		—
69	IS 9334—1979 Specification for electric motor operated actuators	—	—
70	IS 9336 -1979 Specification for cotton varn for underground cables		—
71	IS 9341 -1979 Specification for sulphamic acid for electroplating		—
72	IS 9346 -1979 Recommended practice for certification of NDT personnel for ultrasonic examination	—	—
73	IS 9378 -1979 Specification for spectrum eye, Castrovien's pattern		—
74	IS 9383 (Part II) -1979 Dimensions of sign indicator tubes Part II Tube type 2		—
75	IS 9387 (Part I)—1979 Specification for taper male stud elbow body for oil-hydraulic couplings Part I Made from forgings		—
76	IS 9388 (Part I) -1979 Specification for equal elbow body for oil hydraulic couplings Part I Made from forgings		—
77	IS 9392 -1980 Specification for taper male stud coupling body for oil hydraulic couplings		—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi 110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[N CMD/13 2]

क्र० खा० 345.—राष्ट्रीय मानक मस्या (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम (3) के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के अधीन यहाँ अनुसूची में दिए भारतीय मानकों में संशोधन जारी किए गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं० संशोधित भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	राजपत्र की संख्या और तिथि जिसमें भारतीय मानक प्रकाशित होने की सूचना छपी थी	संशोधित मानक की संख्या और तिथि	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS 174-1965 तकनी फलालन की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	एस ओ 1081 1966-04-09	संख्या 1 दिसम्बर 1979	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31	
2. IS 176-1965 पेय टिकिंग की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	एस ओ सं० 1081 दिनांक 1966-04-09	संख्या 1 नवम्बर 1979	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31	
3. IS 180-1965 सूती जददरो के कपड़े की विशिष्टि	एस ओ 1992 दिनांक 1966-07-02	संख्या 1 दिस० 1979	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31	
4. IS 182-1965 माजरी की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	एस ओ 1756 दिनांक 1966-06-11	संख्या 1 दिस० 1979	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31	
5. IS 222-1977 सामान्य कार्यों के लिए तख्त स्याही की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	---	---	संख्या 1 दिस० 1979	IS. 8642 -- 1977 जल आधारित लिखने की स्याहियों के रंगों की विशिष्टि के प्रकाशन के फल स्वरूप जिस में नीली स्याही के रंगों में संबंधित अपेक्षाएं दी गई हैं, IS: 2247-- 1962 स्याही उद्योग के लिए नीली स्याही के रंग की विशिष्टि को वापस ले लिया गया है। अतः यह संशोधन जारी किया जा रहा है।	
6. IS 561-1978 बोएषसी (एषसी एन) धूलन जर्णों की विशिष्टि (चतुर्थ पुनरीक्षण)	---	संख्या 1 दिस० 1979	खंड 3.3 के वर्तमान सूत्र के स्थान पर नया सूत्र दिया गया है।	1979-12-31	
7. IS 650-1966 सीमेंट के परीक्षण के लिए मानक टेन की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 1972 दिनांक 1976-06-10	संख्या 1 दिस० 1979	खण्ड 2.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1979-12-31	
8. IS 904-1965 प्राग बुझाने के कार्यों के लिए 2-मार्गी और 3-मार्गी जर्ण संघय शीथों की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	एस ओ 664 दिनांक 1966-03-05	संख्या 2 नव० 1979	1 खण्ड 2 1.2, 2 2.1 2 2.2 4 1, 5 1, 5.2 और 6 1 का संशोधन किया गया है।	1979-11-30	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
				2 पृष्ठ 4 पर 11 और "××" चिह्न लगी पाद टिप्पणियों के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।	
				3 पृष्ठ 7 पर "×" चिह्न लगी पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।	
				4 "×", "+" और "क" चिह्न लगी पाद टिप्पणियों के स्थान पर नई पाद टिप्पणियाँ दी गई हैं।	
				5. पृष्ठ 4 पर "+" चिह्न लगी पाद टिप्पणी के बाद एक नई पाद टिप्पणी जोड़ी गई है।	
9	IS: 1139-1966 कभीट प्रबलन के लिए गर्म वेल्डिंग एस ओ 3065 मृदु इस्पात मध्यम, तज्यता इस्पात और उच्च विनांक पराभव सामग्रि इस्पात की विकृत सरियों की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	1966-10-15	*संख्या 3 दिसं 1979	पृष्ठ 9 पर सारणी 1 के स्थान पर नई सारणी दी गई है।	1979-12-31
10	IS: 1178-1973 चीनी और तेल उद्योग के लिए छानने के कपड़े की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1975-09-13	*संख्या 2 अक्टू 1979	यह संशोधन छानने के कपड़े की चार किस्मों को मानक में शामिल करने के लिए जारी किया जा रहा है।	1979-10-31
11	IS: 1248-1968 बिजली यंत्रों में प्रत्यक्ष काम करने वाले सूक्ष्म यंत्र की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1958-12-27	संख्या 3 नव 1979	खंड 4-11-5 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1979-11-30
12	IS: 1267-1958 हथकरघों की बस्टेड रैफल शाली की विशिष्टि	1958-12-27	संख्या 2 दिसं 1979	यह संशोधन भारतीय मानकों में विभिन्न लक्षणों के लिए परीक्षण पद्धतियों के प्राधुनिक तरीकों से सम्बन्धित संपादकीय परिवर्तन करने के उद्देश्य से जारी किया जा रहा है।	1979-12-31
13	IS: 1384-1977 तेल दाब वाली लालटेन की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	---	संख्या 1 दिसं 1979	1. (पृष्ठ 15, खंड 5. 11.2) हटा दें। 2. खंड 6 2 का संशोधन किया गया है। 3. (पृष्ठ 15, "×" चिह्न वाली पाद-टिप्पणी) हटा दें। 4. पृष्ठ 18 और 19 पर परिशिष्ट "क" के अधीन औद्योगिक सारणी का संशोधन किया गया है। 5. पृष्ठ 7 पर खंड 4 2 के अधीन औद्योगिक सारणी का संशोधन किया गया है। 6. पृष्ठ 7 पर "+" चिह्न वाली पाद टिप्पणी के बाद एक नई पाद टिप्पणी जोड़ी गई है।	1979-12-31
14	IS: 1426-1959 रेयन हाफ जेब साड़ी के कपड़े की विशिष्टि	एस ओ 1346 दिसं 1960-05-28	सं 1 दिसं 1979	1 खंड 0 5 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 235 और 5); खंड 0 5.1, एं ए 2 1.1, और एं 2.2.7- IS: 196-1950 के स्थान पर IS: 196-1966 कर दें। 3. खंड 0.7, 5.1.1, 5 1 13, 5 1.6, 1 और 5 4 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31

*भासा संस्था प्रमाणन मुहर योजना कार्यों के लिए यह संशोधन 1980-02-29 से लागू होगा।

**भासा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए यह संशोधन 1979-12-31 से लागू होगा।

1	2	3	4	5	6
				4. पृष्ठ 4 पर खंड 5.1.1 के अधीन टिप्पणी को बदल दिया है।	
				5. पृष्ठ 4 पर सारणी 2 का संशोधन किया गया है।	
15. IS : 1453-1959 रेलवे जैकडों कपड़ों की विशिष्टि	एस ओ 1632 दिनांक 1960-07-02	संख्या 2 दिस० 1979		1. खंड 0.5 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 2, 5 और 6 खंड 0 5.1 ए-2.1.7 और ए-2.2.7) IS "196-1960 के स्थान पर IS "196-1966" कर लें। 3. खंड 0 7, 5.1 1 5 1 3 1 और 5.4 का संशोधन किया गया है। 4. पृष्ठ 4 पर सारणी 2 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31
16. IS : 1802-1960 शालुटिंग की विशिष्टि	एस ओ 1346 दिनांक 1960-03-28	संख्या 1 जून 1980		1. खंड 0.5 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 2 5 और 6 खंड 0 8 1, ए-2.1.7, ए-2.2.7 और ए-2.3 4) पर IS : 196-1960 के स्थान पर IS : 196-1966 कर लें। 3. खंड 0.7, 5.1.1.5.1.3.1 और 5.4 का संशोधन किया गया है। 4. पृष्ठ 4 पर सारणी 2 का संशोधन किया गया है।	1980-01-31
17. IS : 1544-1973 सूती कैमिको कपड़ों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 3069 दिनांक 1975-09-13	सं० 1 दिस० 1979		1. सारणी 1 का संशोधन किया गया है। 2. खंड 2 2 के साथ नई टिप्पणी दी गई है।	1979-12-31
18. IS : 1571-1976 हवाई जहाज के लिए मिट्टी के तेल वाले टरबाइन ईंधन की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 3069 दिनांक 1975-09-13	संख्या 1 नव० 1979		1. सारणी 2 का संशोधन किया गया है।	1979-11-30
19. IS : 1785 (भाग 1) -1966 पूर्ण प्रतिबलित कंक्रीट के लिए सादे सतह वाले इस्पात के तार की विशिष्टि भाग 1 ठंडे प्रतिबल रहित बिंदु तार (पुनरीक्षण)	एस ओ 4023 दिनांक 1966-12-31	संख्या 4 दिस० 1979		1. पृष्ठ 8 खंड 7.5 पंक्ति 1 और छठा भाग्य (संशोधन संख्या 2 जो देखें) इसे हटा दें। 2. खंड 7.7 का संशोधन किया गया है। 3. खंड 6.1 के साथ नयी टिप्पणी दी गई है।	1979-12-31
20. IS : 1785 (भाग 2) -1966 पूर्ण प्रतिबलित कंक्रीट के लिए सादे सतह वाले इस्पात के तार की विशिष्टि भाग 2 बिंदु तार	एस ओ 1719 दिनांक 1966-05-18	**संख्या 1 दिस० 1979		1. खंड 41 और सारणी 1 का संशोधन किया गया है। 2. खंड 5.1 और 6 1 के अधीन प्रतियोग्यारिक सारणियों का संशोधन किया गया है।	
21. IS : 1925-1974 बोर्डिंगों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 2753 दिनांक 1975-08-23	संख्या 1 दिस० 1979		खंड 2 3 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1979-12-31
22. IS : 2418 (भाग 1) -1977 सामान्य रोजनी के लिए मलिकाधार प्रतिदीप्ति बत्तियों की विशिष्टि भाग 1 प्रयोग और परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 दिस० 1979		1. खंड बी- 3 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 2. सारणी 5 और प्राकृति 5 के स्थान पर नई सारणी और प्राकृति दी गई है। 3. सारणी 2 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31

*भामा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए यह संशोधन 1980-02-01 से लागू होगा।

**भामा संस्था प्रमाणन मुहर योजना कार्यों के लिए यह संशोधन 1980-02-01 से लागू होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
23. IS 2457-1963 छतरी के सूती कपड़े (जलसह-कृत) की विशिष्टि	एस ओ 2877 दिनांक 1963-10-12	संख्या 1 दिसंबर 1979	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31	
24. IS 2556 (भाग 3)-1973 कांचाभ स्वच्छता माधनो (चीनी मिट्टी) की विशिष्टि भाग 3 बैठने की टटी की विशिष्टि अवेक्षाएँ (ड्रमर पुनरीक्षण)	एस ओ 2557 दिनांक 1975-08-09	संख्या 3 नवंबर 1979	1. प्राकृति 2 के स्थान पर नई प्राकृति दी गई है। 2. पृष्ठ 3 पर प्राकृति 3 के नीचे नई टिप्पणी दी गई है।	1979-11-30	
25. IS 2556 (भाग 5) 1976 कांचाभ स्वच्छता माधनो (चीनी मिट्टी) की विशिष्टि भाग 15 घरेलू टटियों की विशेष अवेक्षाएँ	एस ओ 1596 दिनांक 1976-05-08	संख्या 2 नवम्बर 1979	सारणी 2 का संशोधन किया गया है।	1979-11-30	
26. IS 2569-1978 सैलापियन जलपरिक्षी मा-ड की विशिष्टि (ड्रमर पुनरीक्षण)	-	संख्या 1 नवम्बर 1979	1. सारणी 1 का संशोधन किया गया है। 2. खंड 5.1.2 के बाद एक नया खंड 5.1.3 दिया गया है।	1979-11-30	
27. IS 2593-1964 खनिकों की टोपियों की बलियो एसओ 4120 के लिए सक्कीले केबलों की विशिष्टि	एसओ 4120 दिनांक 1964-12-05	* संख्या 5 दिसंबर 1979	1. खंड 3.1.8.2 4.8.2.5 और 8.2.6 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं। 2. पृष्ठ 5 खंड 3.1.1 हटा दे। 3. पृष्ठ 5 खंड 3.2/0.034 के स्थान पर 0.0355 करने। 4. पृष्ठ 9 से 11 रिफ्रिट के पृष्ठ 10 से 12 में परिशिष्ट हटा दे।	1979-12-31	
28. IS 2834-1964 पावर प्रणालियों के लिए गेट संयंत्रों की विशिष्टि	एसओ 2729 दिनांक 1965-09-04	संख्या 4 दिसंबर 1979	1. खंड 9.9 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 2. पृष्ठ 25 और 26 (तीसरे रिफ्रिट) के पृष्ठ 27 और 28 (परिशिष्ट ई और फ) हटा दे और परिशिष्ट जी का परिशिष्ट "ई" का नाम दे। 3. खंड 3.2 के बाद एक नई टिप्पणी दी गई है।	1979-12-31	
29. IS 2992-1965 रोशन प्रतिरोधिता परीक्षण यंत्र (चुंबकीय जनित्र प्रकार) की विशिष्टि	एसओ 2042 दिनांक 1965-06-26	संख्या 4 नवंबर 1979	खंड 11.2.10 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1979-11-30	
30. IS 3073-1967 सतह के खुरदरेपन का मूल्यांकन	एसओ 1720 दिनांक 1980-05-18	संख्या 3 दिसंबर 1979	सारणी 3 के स्थान पर नई सारणी दी गई है।	1979-12-31	
31. IS 3075-1965 सर्कलप को मापें	एसओ 444 दिनांक 1968-02-12	संख्या 2 नवंबर 1979	सारणी 5 के अधीन प्राकृति के स्थान पर नई प्राकृति दी गई है।	1979-11-30	
32. IS 3314-1976 कपड़ा के लिए इस्पत के लकड़ों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एसओ 3820 दिनांक 1979-12-24	संख्या 2 दिसंबर 1979	1. खंड 3.5.8.1 1.8.1.2 और 8.1.3 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं। 2. खंड 3.5.8.1 1.8.1.2 और 5.1.3 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं। 3. खंड 8.2 के बाद नया खंड 9 जोड़ा गया है और बाद के खंडों को संख्या दे दी गई है। 4. पृष्ठ 7 पर * बिहून बाली पद टिप्पणी के बाद * बिहून बाली नई पाद टिप्पणी दी गई है।	1979-12-31	
33. IS 3763-1966 मृन्ने वाला छालू की बर्तन क्रियाओं की विशिष्टि	एसओ 1972 दिनांक 1967-06-10	संख्या 4 दिसंबर 1979	1. खंड 6.1.0.2 और 6.3 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं। 2. खंड 6.1 के बाद एक नया खंड 7 जोड़ा गया है और बाद के खंडों का नम्बर संख्या दे दी गई है।		

*भामा संख्या प्रमाणन बिहून कार्य के लिए यह संशोधन 1980-01-01 से लागू होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
34 IS : 3791-1966 कागजों के लिए धातु की पेपर ट्रे की विशिष्टि	एस ओ 1533 दिनांक 1967-04-29	संख्या 4 नव० 1979	1. खंड 7 1, 7 2 और 7 3 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं। 2. खंड 7.3.1 के बाद नया खंड 8 जोड़ा गया है और बाद के खंडों को तदनुसार संख्या दे दी है। 3. खंड 10.1.1 के बाद एक नई पाद टिप्पणी दी गई है।	1979-12-31	
35. IS 3812 (भाग 3)-1966 फर्माई राख की विशिष्टि, भाग 3 मसाले और कंक्रीट में प्रयुक्त बारीक रोड़ी के लिए	एस ओ 1972 दिनांक 1967-06-10	संख्या 1 नव० 1979	1. (पृष्ठ 3, खंड 0.3 हटा दे और बाद के खंडों के तदनुसार संख्या दे दे। 2. खंड 0.7 और 11 2 1 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं। 3. खंड 4.1 और 5 1 का संशोधन किया गया है। 4. पृष्ठ 5 पर "*" चिह्न वाली पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है। 5. सारणी 2 के स्थान पर नई सारणी दी गई है।		
36 IS : 3973-1967 तार-रस्मों के चूनाब सस्या-पत्र और रख-रखाव की रीति संहिता	एस ओ 2417 दिनांक 1967-07-22	संख्या 2 नव० 1979	खंड 4.1 के अधीन दिया गया सूत्र का संशोधन किया गया है।	1979-11-30	
37. IS : 4019-1967 स्थिर जोड़ वाले डिवाइटर की विशिष्टि	एस ओ 2417 दिनांक 1967-07-22	संख्या 2 नव० 1979	1. खंड 3.2 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 2. खंड 6.2 और 8.12 का संशोधन किया गया है। 3. पृष्ठ 4 पर "+" और "-" चिह्न वाली पाद टिप्पणियों के स्थान पर नई पाद टिप्पणियां दी गई हैं। 3. पृष्ठ 6 पर "x" चिह्न वाली पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।	1979-11-30	
38. IS : 4103-1977 धातु की भाराम कुंसियो की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 नव० 1979	1. खंड 6.1.1, 6 1.2 और 6 1.3 के स्थान पर नए खंड जोड़े गए हैं। 2. खंड 6.4 के बाद खंड 7.7.1, 7.2, 7.3 7.4 और 7.5 दिए गए हैं और बाद के खंडों को तदनुसार संख्या दी गई है।	1979-12-31	
39. IS : 4189-1967 स्थिर जोड़ वाले भीतरी और बाहरी कैलिपरो की विशिष्टि	एस ओ 4633 दिनांक 1967-12-30	संख्या 1 नव० 1979	1. खंड 3 2 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 2. खंड 4.1 और 7.1 का संशोधन किया गया है। 3. पृष्ठ 4 पर + और - चिह्न वाली पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणियां दी गई हैं।	1979-11-30	
40. IS : 4318-1967 जिरोपरि कर्षण साहनों के लिए ठोस कोर वाले पोमलिन रोधकों की विशिष्टि	एस ओ 1720 दिनांक 1968-05-18	संख्या 1 नव० 1979	1. खंड 4.4 और 9 10 1 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं। 2. (पृष्ठ 6, खंड 4.4.1) इसे हटा दे और बाद के खंडों को तदनुसार संख्या दे दे।	1979-12-31	
41. IS : 4687-1968 इस्लैड पैकिंग वाले ऐम्बेस्टाम की विशिष्टि	एस ओ 3745 दिनांक 1968-10-26	संख्या 1 नव० 1979	(पृष्ठ 7, खंड 7.2) — इसे हटा दे और बाद के खंड को तदनुसार संख्या दें।	1979-11-30	
42. IS : 4838 (भाग 1)-1969 स्कूल के बच्चों के लिए शारीरिक माप भाग 1 आयु वर्ग 5 से 11 वर्ष तक	एस ओ 2110 दिनांक 1971-05-29	संख्या 1 नवम्बर 1979	सारणी 1 और सारणी 3 का संशोधन किया गया है।	1979-11-30	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
43. IS. 4875—1975 मुगफनी के खाने के आटे (घोलको द्वारा प्राप्त) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 3439 दिनांक 1978-12-02	*संख्या 2 नव० 1979	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1979-11-30	
44. IS: 4989—1974 भाग बुझाने के लिए प्रयुक्त मशीनी भाग तैयार करने के लिए भाग मिश्रण की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 987 दिनांक 1976-03-06	संख्या 3 फरवरी 1979	1. परिशिष्ट 'क्यू' के स्थान पर नया परिशिष्ट दिया गया है। 2. पृष्ठ 26 और 28 पर "X" चिह्न वाली पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है। 3. खंड एस 1.1 का संशोधन किया गया है।	1979-02-28	
45. IS 1989—1974 भाग बुझाने के लिए प्रयुक्त मशीनी भाग तैयार करने के लिए भाग मिश्रण की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस०प्रो० 987 दिनांक 1976-03-06	*संख्या 4 जुलाई 1979	1. खंड 2.1 और भाग-1.1.3 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं। 2. (पृष्ठ 6 खंड 2.1.1)—हटा दें। 3. सारणी 2 के नीचे दी गई टिप्पणी के स्थान पर नई टिप्पणी दी गई है। 4. खंड भाग-1.1 का संशोधन किया गया है। 5. (पृष्ठ 28, खंड एस-1.1.1) हटा दें। और बाद के खंड एस-1.1.2 को एस-1.1.1 संख्या दें। 6. (पृष्ठ 28± चिह्न वाली पाद टिप्पणी हटा दें। 7. पृष्ठ 9 खंड 6.1 (एन) 6.1 (एन) के बाव निम्नलिखित नई सामग्री जोड़ लें। (जे) हवायतें पदार्थ को मुंह द्वारा नहीं लिया जाए।	1979-07-31	
46. IS. 5000(घोड़ी)—1974 एक विशा नामक युक्तियों के माप युक्ति विन्यास छोड़ी 19	एस०प्रो० 1232 दिनांक 1976-04-03	संख्या 1 दिस० 1979	खंड 1 और 3 की अनौपचारिक सारणी का संशोधन किया गया है।	1979-12-31	
47. IS: 5463—1969 रसायनिक परीक्षणों के लिए सूती कपड़ों की शानगी लेने की पद्धति	एस०प्रो० 3252 दिनांक 1970-10-03	संख्या 1 नवम्बर 1979	खंड 4.4 के बाद 4.5 और 5.5.1 नए खंड दिए गए हैं।	1979-11-30	
48. IS: 5995—1971 पाइप लाइन के प्लाम की विशिष्टि	एस०प्रो० 3318 दिनांक 1972-10-21	संख्या 1 दिस० 1979	खंड 2 के नीचे अनौपचारिक खंड के बाद एन नई टिप्पणी दी गई है।	1979-11-30	
49. IS. 6347—1971 मछली पकड़ने के लिए पोलिथिलीन इकट्ठे मनु किलामेट वाली रस्सी की विशिष्टि	एस०प्रो० 3255 दिनांक 1973-11-24	संख्या 1 नव० 1979	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1979-11-30	
50. IS: 6790—1973 पट्टी अस्थि अंतरागण्डक (इन्टरट्रोकेट्रिक) थर्नटन प्रकार, की विशिष्टि	एस०प्रो० 1290 दिनांक 1975-04-26	संख्या 1 नवम्बर 1979	पृष्ठ 1 की प्राकृति का संशोधन किया गया है।	1979-11-30	
51. IS. 6893 (भाग 1)—1973 मशीनों के औजार की क्रय विशिष्टियों के लिए प्रोफार्मा भाग 1 मरकवा समान करने, पेज खड़ी कटाई की खराद	संख्या 1 दिस० 1979	संख्या 1 दिस० 1979	खंड 2.7 का संशोधन किया गया है।	1979-12-31	
52. IS: 7026—1973 हाजरी धागे बस्टेड की विशिष्टि	एस०प्रो० 1640 दिनांक 1975-11-01	संख्या 1 नव० 1979	1. खंड 3.2 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 2. पृष्ठ 4 पर चिह्न वाली पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।	1979-11-30	

भागा संख्या प्रमाणित मूत्र योजना कार्यों के लिए संशोधन 1980-01-01 से लागू होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
53	IS 7074-1973 इंधन मापक के लिए पट्टियों (पैलेट) की सामान्य अपेक्षाएं	एसओ 173 दिनांक 1976-01-01	संख्या 1 जनवरी 1980	1. पदनाम-मानक में जहाँ कहीं भी IS 7074-1973 लागू रहा IS 7074 (भाग 1)-1973 कर में । 2. पहले आवरण पृष्ठ के शीर्षक पृष्ठ 1 और 3 के स्थान पर नया शीर्षक दिया गया है ।	1980-01-31
54	IS: 7466-1974 ग्रेणर कुकर के लिए रबर गार्मेट की विशिष्टि	एसओ 1092 दिनांक 1977-04-09	सं 1 नवम्बर 1979	पृष्ठ 5 सारणी 1 स्तम्भ 3, क्रम संख्या 7 के सामने "2.0" के स्थान पर "3.0" कर दें ।	1979-11-30
55	IS: 7473-1974 कोलसार के बुन्नों की विशिष्टि बुन्नों	एसओ 1597 दिनांक 1976-05-08	सं 1 जनवरी 1980	आकृति 1 और खंड 7.3 2 का संशोधन किया गया है ।	1980-01-31
56	IS: 7652-1975 रक्तचाप मापी निबन्धि टाइप की विशिष्टि	एसओ 2547 दिनांक 1977-08-13	*संख्या 2 दिसं 1979	1 खंड 4 3 का संशोधन किया गया है । 2 खंड 4.4 और 4 4 1 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं ।	1989-12-31
57	IS: 7963-1976 लवण नहाने के माबुल की विशिष्टि	एसओ 3440 दिनांक 1978-12-02	सं 2 नव 1979	लवण की (मोडियम क्लोराइड) के रूप में अपेक्षित मात्रा का अल्कोहल में अधुनतशील पदार्थ के रूप में यह ध्यान रखकर रखी गयी इस प्रक्रिया में इस का स्वतः ही निर्यवण हो जाएगा यक्षयि व्यवहार में ऐसा नहीं पाया गया था और लवण की अधिक मात्रा ने कुछ समस्या उत्पन्न कर दी थी । अतः संबंध तकनीकी समिति ने इस विशिष्टि में लवण की मात्रा से संबंधित अपेक्षाएं शामिल करने का निश्चय किया है । फिनॉलिक पदार्थ और क्षार रहित कार्बोनेट पदार्थों से संबंधी अपेक्षाएं इस संशोधन में माध्यम से शामिल की जा रही हैं ।	1979-11-30
58	IS 8048-1976 इलेक्ट्रोकार्डियो ग्राफ की विशिष्टि	एसओ 2505 दिनांक 1970-07-21	*सं 1 दिसं 1979	खंड 8 1 7 1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है ।	1979-12-31
59	IS 8359-1977 यूगिया असोनियम फास्फेट प्राधारित उर्वरकों की विशिष्टि	एसओ 417 दिनांक 1980-02-23	सं 1 नवम्बर 1979	खंड 3 3, ए 1 1 2.1 और ए-1 2 2 1 का संशोधन किया गया है ।	1979-11-30
60	IS 8395 (भाग 2)-1977 मोटर गाड़ियों के वायरिंग के लिए प्रयुक्त केबल अंतकों की विशिष्टि भाग 2 बुलेट और नलिका प्रकार के योजन	एसओ 612 दिनांक 1980-03-08	सं 1 दिसं 1979	पृष्ठ 5 पर आकृति 2 के स्थान पर नई आकृति दी गई है ।	1979-12-31
61	IS 8781-1978 हस्तचामिन एक पंक्ति पटसन बीज त्रुनों की विशिष्टि	—	सं 1	1 खंड 6 1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है ।	1979-11-30

*माना संख्या प्रमाणन मूल्य योजना कार्यों के लिए संशोधन 1980-01-01 से लागू होगी ।

इन संशोधन की प्रतियां भारतीय मानक संस्था नई मानक भवन 9 बहादुरशाह जंक्शन मार्ग नई दिल्ली 110002 के और शाखा कार्यालय अहमदाबाद, बंगलूर, भोपाल, भुवनेश्वर, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, देहरादू, जयपुर, कानपुर, मद्रास और त्रिवेन्द्रम से प्राप्त की जा सकती हैं ।

[सं सी एस डी/13/5]

New Delhi, the 1982-09-16

S.O. 3451.—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl. No. and title of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the Amendment	Brief particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS : 174-1965 Specification for flannelettes (Revised)	S.O. 1081 dated 1966-04-09	No. 1 Dec. 1979	Table 1 has been amended		1979-12-31
2. IS : 176-1965 Specification for bedtickings (Revised)	S.O. 1081 dated 1966-04-09	No. 1 Nov. 1979	Table 1 has been amended		1979-11-30
3. IS : 180-1965 Specification for cotton sheetings (Revised)	S.O. 1992 dated 1966-07-02	No. 1 Dec. 1979	Table 1 has been amended		1979-12-31
4. IS : 182-1965 Specification for mazri (revised)	S.O. 1756 dated 1966-06-11	No. 1 Dec. 1979	Table 1 has been amended.		1979-12-31
5. IS : 222-1977 Specification for ink, fluid, for general purposes (second revision)	—	No. 1 Dec. 1979	In view of the publication of IS : 8642-1977 'Specification for dyes for water-based writing inks' in which the requirements of dye, ink blue, have been covered, IS : 2247-1962 'Specification for dye, ink blue for ink industry' has been withdrawn. Hence this amendment is being issued.		1979-12-31
6. IS : 561-1978 Specification for BHC (HCH) dusting powders (fourth revision)	—	No. 1 Dec. 1979	Existing formula of Clause A-3.3 has been substituted by new one.		1979-12-31
7. IS : 650-1966 Specification for standard sand for testing of cement (first revision)	S.O. 1972 dated 1967-06-10	No. 1 Dec. 1979	Clause 2.1 has been substituted by a new one.		1979-12-31
8. IS : 904-1965 Specification for 2-way and 3-way suction collecting heads for fire fighting purposes (revised)	S.O. 664 dated 1966-03-05	No. 2 Nov. 1979	(i) Clauses 2.1.2, 2.2.1, 2.2.2, 4.1, 5.1, 5.2 and 6.1 have been amended. (ii) Foot notes with '¶' and '***' marks at page 4 have been substituted by new ones. (iii) Foot notes with '*' and '†' marks at page 7 have been substituted by new ones. (iv) Foot notes with '**', '†' and § marks have been substituted by new ones. (v) A new foot note has been added at page 4 after foot note with '††' mark.		1979-11-30
9. IS : 1139-1966 Specification for hot rolled mild steel, medium tensile steel and high yield strength steel deformed bars for concrete reinforcement (revised).	S.O. 3065 dated 1966-10-15	*No. 3 Dec. 1979	Table 1 at page 9 has been substituted by a new one.		1979-12-31
10. IS : 1178-1973 Specification for filter cloth for sugar and oil industries (first revision)	S.O. 3069 dated 1975-09-13	**No. 2 Oct. 1979	This amendment is being issued to incorporate four additional varieties of filter cloth.		1979-10-31
11. IS : 1248-1968 Specification for direct acting electrical indicating instruments (first revision)	S.O. 3961 dated 1968-11-09	No. 3 Nov. 1979	Clause 4.11.5 has been substituted by a new one.		1979-11-30

* For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1980-02-29.

** For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1979-12-31.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
12. IS : 1267-1958 Specification for handloom worsted raffal shawls.	S.O. 2654 dated 1958-12-27	No. 2 Dec. 1979	This amendment is being issued to incorporate editorial changes and for referring the latest versions of Indian Standards on methods of tests for different characteristics.	1979-12-31	
13. IS : 1384-1977 Specification for oil pressure lanterns (second revision)	—	No. 1 Dec. 1979	(i) (Page 15, clause 5.11.2)—delete. (ii) Clause 6.2 has been amended. (iii) (Page 15, foot-note with “*” mark) Delete. (iv) Informal table under appendix ‘A’ at page 18 and 19 has been amended. (v) Informal table under Clause 4.2 at page 7 has been amended (vi) A new note has been added at page 7 after foot note with “†” mark.	1979-12-31	
14. IS : 1426-1959 Specification for rayon half crepe sari cloth.	S.O. 1346 dated 1960-05-28	No. 1 Dec. 1979	(i) Clause 0.5 has been substituted by a new one. (ii) (Pages 2, 5 and 6, Clauses 0.5.1, A-2.1.7 and A-2.2.7)—Substitute ‘IS : 196-1966’ for ‘IS : 196-1950’. (iii) Clauses 0.7, 5.1.1, 5.1.3, 5.1.6.1 and 5.4 have been amended. (iv) Note under clause 5.1.1 at page 4 has been substituted. (v) Table II at page 4 has been amended.	1979-12-31	
15. IS : 1455-1959 Specification for rayon jacquard fabrics.	S.O. 1632 dated 1960-07-02	No. 2 Dec. 1979	(i) Clause 0.5 has been substituted by a new one. (ii) (Pages 2, 5 and 6, Clauses 0.5.1, A-2.1.7 and A-2.2.7)—Substitute ‘IS : 196-1966’ for ‘IS : 196-1950’. (iii) Clause 0.7, 5.1.1, 5.1.3.1 and 5.4 have been amended. (iv) Table II at page 4 has been amended.	1979-12-31	
16. IS : 1502-1959 Specification for shantung.	S.O. 1346 dated 1960-05-28	No. 1 Jan. 1980	(i) Clause 0.5 has been substituted by a new one. (ii) (Pages 2, 5 and 6, Clauses 0.5.1, A-2.1.7, A-2.2.7 and A-2.3.4.—Substitute ‘IS : 196-1966’ for ‘IS : 196-1950’. (iii) Clauses 0.7, 5.1.1, 5.1.3.1 and 5.4 have been amended (iv) Table II at page 4 has been amended.	1980-01-31	
17. IS : 1544-1973 Specification for cotton calico (first revision)	S.O. 3069 dated 1975-09-13	No. 1 Dec. 1979	(i) Table 1 has been amended (ii) A new note has been added after clause 2.2.	1979-12-31	
18. IS : 1571-1976 Specification for aviation turbine fuels, kerosine type (third revision)	S.O. 612 dated 1980-03-15	No. 1 Nov. 1979	Table 2 has been amended.	1979-11-30	
19. IS : 1785 (Part I)—1966 Specification for plain hard drawn steel wire for prestressed concrete Part I Cold drawn stress-relieved wire (revised).	S.O. 4023 dated 1966-12-31	*No. 4 Dec. 1979	(i) (Page 8, clause 7.5, fifth and sixth sentences (see also Amendment No. 2)—Delete. (ii) Clause 7.7 has been amended (iii) A new note has been added after Clause 6.1	1979-12-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
20. IS : 1785 (Part II)—1967 Specification for plain hard drawn steel wire for prestressed concrete Part II As-drawn wire.	S.O. 1719 dated 1968-05-18		**No. 1 Dec 1979	(i) Clause 4.1 and table 1 have been amended. (ii) Informal tables under clauses 5.1 and 6.1 have been amended.	1979-12-31
21. IS : 1925-1974 Specification for BIDS (second revision)	S.O. 2755 dated 1975-08-23		No. 1 Dec 1979	Clause 2.3 has been substituted by a new one.	1979-12-31
22. IS : 2418 (Part I)—1977 Specification for tubular fluorescent lamps for general lighting service Part I Requirements and tests (first revision)	—		No. 1 Dec 1979	(i) Clause B-3 has been substituted by a new one. (ii) Table 1 and Fig. 5 have been substituted by new ones. (iii) Table 2 has been amended	1979-12-31
23. IS : 2457-1963 Specification for cotton umbrella cloth (water-proofed)	S.O. 2877 dated 1963-10-12		No. 1 Dec 1979	Table 1 has been amended	1979-12-31
24. IS : 2556 (Part III)—1973 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) : Part III Specific requirements of squatting pans (second revision)	S.O. 2557 dated 1975-08-09		No. 3 Nov 1979	(i) Fig. 2 has been substituted by a new one. (ii) A new note has been added under fig. 3 at page 7.	1979-11-30
25. IS : 2556 (Part XV)—1974 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) : Part XV Specific requirements of universal water closet.	S.O. 1596 dated 1976-05-08		No. 2 Nov 1979	Table 1 has been amended	1979-11-30
26. IS : 2569-1978 Specification for malathion water dispersible powder concentrates (second revision)	—		No. 1 Nov 1979	(i) Table 1 has been amended (ii) A new clause 5.1.3 has been added after clause 5.1.2.	1979-11-30
27. IS : 2593-1964 Specification for flexible cables for miners' cap-lamps.	S.O. 4120 dated 1964-12-05		*No. 5 Dec 1979	(i) Clauses 3.1, 8.2.4, 8.2.5 and 8.2.6 have been substituted by new ones. (ii) (Page 5, clause 3.1.1.)—Delete. (iii) (Page 5, clause 3.2)—Substitute '0.035 5' for '0.034 8' (iv) [Pages 9 to 11 (pages 10 to 12 of Reprint), Appendix]—Delete.	1979-12-31
28. IS : 2834-1964 Specification for shunt capacitors for power systems.	S.O. 2729 dated 1965-09-04		No. 4 Dec 1979	(i) Clause 9.9 has been substituted by a new one. (ii) Pages 25 and 26 (pages 27 and 28 of Third Reprint), Appendices E and F—Delete and redesignate 'Appendix G' as 'Appendix E'. (iii) A new note has been added after clause 3.2	1979-12-31
29. IS : 2992-1965 Specification for insulation resistance testers (magneto generator type)	S.O. 2042 dated 1965-06-26		*No. 4 Nov 1979	Clause 11.2.10 has been substituted by a new one.	1979-11-30
30. IS : 3073-1967 Assessment of surface roughness.	S.O. 1720 dated 1968-05-18		No. 3 Dec 1979	Table 3 has been substituted by a new one.	1979-12-31
31. IS : 3075-1965 Dimensions for circlips.	S.O. 444 dated 1966-02-12		No. 2 Nov 1979	Figure under table 5 has been substituted by a new one.	1979-11-30
32. IS : 3314-1976 Specification for steel clothes lockers (first revision)	S.O. 3820 dated 1979-11-24		No. 2 Dec 1979	(i) Clauses 5.5, 8.1.1, 8.1.2 and 8.1.3 have been substituted by new ones. (ii) New clause 9 has been added after clause 8.2 and the subsequent clauses re-numbered accordingly. (iii) A new foot note with '***' mark has been added after foot note with '¶', mark at page 7.	1979-12-31

* For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 80-02-01.

** For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1980-02-01.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
33. IS : 3763-1966 Specification for metal folding chairs.	S.O. 1972 dated 1967-06-10	No. 4 Dec 1979	(i) Clauses 6.1, 6.2 and 6.3 have been substituted by new ones. (ii) A new clause 7 has been added after clause 6.4 and the subsequent clauses have been re-numbered accordingly. (iii) A new foot note with ' ‡ ' mark has been added at page 7.	1979-12-31	
34. IS : 3791-1966 Specification for metal paper trays	S.O. 1533 dated 1967-04-29	No. 4 Dec 1979	(i) Clauses 7.1, 7.2 and 7.3 have been substituted by new ones. (ii) A new clause 8 has been added after clause 7.3.1 and the subsequent clauses have been re-numbered accordingly. (iii) A new foot note has been added after clause 10.1.1.	1979-12-31	
35. IS : 3812 (Part III)—1966 Specification for fly ash Part III For use as fine aggregate for mortar and concrete.	S.O. 1972 dated 1967-06-10	No. 1 Nov 1979	(i) (Page 3, clause 0.3)—Delete and renumber the subsequent clauses accordingly. (ii) Clauses 0.7 and 11.2.4 have been substituted by new ones. (iii) Clauses 4.1 and 5.1 have been amended. (iv) Foot note with '*' mark at page 5 have been substituted by a new one. (v) Table 2 has been substituted by a new one.	1979-11-30	
36. IS : 3973-1967 Code of practice for the selection, installation and maintenance of wire ropes.	S.O. 2417 dated 1967-07-22	No. 2 Nov 1979	Existing formula under clause 4.1. has been amended.	1979-11-30	
37. IS : 4019-1967 Specification for firm-joint dividers.	S.O. 2417 dated 1967-07-22	No. 2 Nov 1979	(i) Clause 3.2 has been substituted by a new one (ii) Clauses 6.2 and 9.1.2 have been amended. (iii) Foot notes with ' + ' and ' ‡ ' marks at page 4 have been substituted by new ones. (iv) Foot note with '*' mark at page 6 has been substituted by a new one.	1979-11-30	
38. IS : 4103-1977 Specification for metal nesting chairs (first revision)	—	No. 1 Dec 1979	(i) Clauses 6.1.1, 6.1.2 and 6.1.3 have been substituted by new ones. (ii) New clauses 7.7.1, 7.2, 7.3, 7.4 and 7.5 have been added after Clause 6.4 and the subsequent clauses have been renumbered accordingly.	1979-12-31	
39. IS : 4189-1967 Specification for firm-joint inside and outside callipers.	S.O. 4633 dated 1967-12-30	No. 1 Nov 1979	(i) Clause 3.2 has been substituted by a new one. (ii) Clauses 4.1 and 7.1 have been amended. (iii) Foot notes with ' + ' and ' ‡ ' marks at page 4 and '*' mark at page 7 have been substituted by new ones.	1979-11-30	
40. IS : 4318-1967 Specification for solid core porcelain insulators for overhead traction lines.	S.O. 1720 dated 1968-05-18	No. 1 Nov 1979	(i) Clauses 4.4 and 9.10.1 have been substituted by new ones. (ii) (Page 6, clause 4.4.1)—Delete and renumber the subsequent clause accordingly. (iii) Clause 9.10.5 has been amended.	1979-12-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
41. IS : 4687-1968 Specification for gland packing asbestos.	S.O. 3745 dated 1968-10-26	No. 1 Oct 1979	(Page 7, clause 7.2)—Delete and re-number the subsequent clause accordingly.	1979-11-30	
42. IS : 4838 (Part I)—1969 Anthropometric dimensions for school children Part I Age group 5 to 11 years.	S.O. 2110 dated 1971-05-29	No. 1 Nov 1979	Table 1 and Table 3 have been amended	1979-11-30	
43. IS : 4875-1975 Specification for edible groundnut flour (solvent extracted) (first revision)	S.O. 3439 dated 1978-12-02	No. 2 Nov 1979	Table 1 has been amended	1979-11-30	
44. IS : 4989-1974 Specification for foam compound for producing mechanical foam fire fighting (first revision)	S.O. 987 dated 1976-03-06	*No. 3 Feb 1979	(i) Appendix Q has been substituted by a new one (ii) Foot notes with '*' mark at pages 26 and 28 have been substituted by new ones (iii) Clause S-1.1 has been amended.	1979-02-28	
45. IS : 4989-1974 Specification for foam compound for producing mechanical foam for fire fighting (first revision)	S.O. 987 dated 1976-03-06	*No. 4 Jul 1970	(i) Clauses 2.1 and R-1.1.3 have been substituted by new ones (ii) (Page 6, clause 2.1.1.)—Delete (iii) Note under Table 2 has been substituted by a new one (iv) Clause R-1.1 has been amended (v) (Page 28, clause S-1.1.1.)—Delete and renumber the subsequent clause 'S-1.1.2' as 'S-1.1.1. (vi) (Page 28, foot-note with '+' mark)— (vii) Page 9, clause 6.1(h)—Add the following new matter after 6.1 (h) (j) Instruction—CONTENTS SHOULD NOT TO BE TAKEN ORALLY.'	1979-07-31	
46. IS : 5000 (OD19)—1974 Dimensions of semiconductor devices device outline OD19	S.O. 1232 dated 1976-04-03	No. 1 Dec 1979	Informal table under clauses 1 and 3 has been amended.	1979-12-31	
47. IS : 5463-1969 Method for sampling of cotton fabrics for chemical tests.	S.O. 3252 dated 1970-10-03	No. 1 Nov 1979	New clauses 4.5 and 4.5.1 have been added after clause 4.4.	1979-11-30	
48. IS : 5995—1971 Specification for pipe grip pliers.	S.O. 3318 dated 1972-10-21	No. 1 Dec 1979	A new note has been added after the informal table under clause 2	1979-12-31	
49. IS : 6347—1971 Specification for polyethylene monofilament twines for fishing.	S.O. 3255 dated 1973-11-24	No. 1 Nov 1979	Table 1 has been amended.	1979-11-30	
50. IS : 6790-1973 Specification for plate, bone, inter-trochanteric, Thronton type	S.O. 1290 dated 1975-04-26	No. 2 Nov 1979	Fig 1 at page 1 has been amended	1979-11-30	
51. IS : 6893 (Part 1)—1973 Proforma for purchase specification for machine tools : Part 1 Sliding, surfacing and screw cutting lathes	S.O. 2557 dated 1975-08-09	No. 1 Dec 1979	Clause 2.7 has been amended.	1979-12-31	
52. IS : 7026-1973 Specification for hosiery yarn worsted	S.O. 4690 dated 1975-11-01	No. 1 Nov 1979	i) Clause 3.2 has been substituted by a new one (ii) Foot note with '+' mark at page 4 has been substituted by a new one	1979-11-30	

* For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1980-02-01.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
53. IS : 7074-1973 General requirements for air cargo pallets	S.O. 173 dated 1976-01-03	No. 1. Jan 1980	(i) (Designation)—Substitute 'IS : 1980-01-31 7074 (Part I)—1973' for 'IS : 7074, 1973' wherever it appears in the standard (ii) Title at first cover page, pages 1 and 3 has been substituted by a new one.		
54. IS : 7466-1974 Specification for rubber gaskets for pressure cookers.	S.O. 1092 dated 1977-04-09	No. 1 Nov 1979	Page 5, Table 1, col 3, against Sl. No. (vii)—Substitute '3.0' for '2.0'		1979-11-30
55. IS : 7473-1974 Specification for brushes, tar.	S.O. 1597 dated 1976-05-08	No. 1 Jan 1980	Fig. 1 and clause 7.3.2 have been amended		1980-01-31
56. IS : 7652-1975 Specification for sphygmomanometer, aneroid type I [£	S.O. 2547 dated 1977-08-13	*No. 2 Dec 1979	(i) Clause 4.3 has been amended (ii) Clauses 4.4. and 4.4.1. have been substituted by new ones		1979-12-31
57. IS : 7963-1976 Specification for Janta toilet soap	S.O. 3440 dated 1978-12-02	No. 1 Nov 1979	The requirement for salt chlorides, as sodium chloride content was intended to be taken care of by that of matter insoluble in alcohol and it was also expected to be automatically controlled in the process. In practice, however, it was not found so and excess of salt content has created some problem. The concerned technical committee, therefore, decided to introduce a requirement for salt content in this specification. Requirements for phenolic substances and free carbonated alkali are also being included through this amendment.		1979-11-30
58. IS : 8048-1976 Specification for electrocardiograph	S.O. 2505 dated 1979-07-21	**No. 1 Dec 1979	Clause 8-17.1 has been substituted by a new one		1979-12-31
59. IS : 8359-1977 Specification for urea ammonium phosphate based fertilizers.	S.O. 417 dated 1980-02-23	No. 1 Nov 1979	Clauses 3.3, A-1.1.2.1 and A-1.2.2.1 have been amended		1979-11-30
60. IS : 8395 (Part II)—1977 specification for cable terminations for automobile wiring : Part II Bullet and tube type connectors.	S.O. 612 dated 1980-03-08	No. 1 Dec 1979	Fig 2 at page 5 has been substituted by a new one		1979-12-31
61. IS : 8781-1978 Specification for single row jute seed drills, manually-operated	—	No. 1 Nov 1979	(i) Clause 6.1 has been substituted by a new one (ii) Clauses 6.2 and 6.4 have been amended		1980-11-30

* For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1980-02-01.

**For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force w.e.f. 1980-01-01.

Copies of these amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

H

[No. CMD/13 : 5]

क्र.सं. 3452—भारत के राजपत्र भाग II खंड-3 उपखंड (ii) दिनांक 1963-09-21 में प्रकाशित नस्काखीन उद्योग मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या एमओ 2723 दिनांक 1963-09-11 का प्रतिप्रमाण करते हुए भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि ब्रोजा कोर वाले टाके के तार की मानक चिन्ह में कुछ संशोधन किया गया है। मानक चिन्ह की संशोधित डिजाइन तत्संबंधी भारतीय मानक के शीर्षक और डिजाइन के शब्दिक विवरण सहित नीचे अनुसूची में दी गई है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणचिह्न) अधिनियम, 1952 तथा इसके अधीन बने नियमों तथा विनियमों के कार्यों के लिए, यह मानक चिन्ह 1981-12-01 से लागू होगा।

अनुसूची

क्रम सं०	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पादन की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	मानक चिह्न के डिजाइन का शाब्दिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

1. IS : 1921-75



बरोजा कोर वाले टांके के तार

IS : 1921-1975 बरोजा कोर वाले टांके के तार की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)


भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या और वर्ष प्रकृत किया गया है

[संख्या सीएसडी/13:9-]

S.O. 3452.—In supersession of the then Ministry of Industry (Indian Standards Institution) notification number S.O. 2723 dated 1963-09-11, published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, sub-section (ii) dated 1963-09-21, the Indian Standards Institution hereby, notifies that the design of the Standard Mark for rosin-cored solder wire has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design is given in the following Schedule :

This Standard Mark, for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1981-12-01 :

THE SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark
1.	IS : 1921-75 	Rosin-cored solder	IS : 1921-1975 Specification for rosin-cored solder wire (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (1); the number of the Indian Standard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

कां०प्र० 3453.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम 1955 के नियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिस मानक चिह्नों की डिजाइन उनकी शाब्दिक विवरण तत्संबंधी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नव अनुसूची में दिए गए हैं वे भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं :

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने विधियों और विनियमों के कार्य के लिए ये मानक चिह्न उनके प्रागे की गई विधियों से लागू होंगे।

अनुसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पादन/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	मानक चिह्न के डिजाइन का शाब्दिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

1. IS : 8069



कीटनाशी दवाओं की पैकिंग के लिए उच्च घनत्व पोलिइथाइलीन के बुने (एचडीपीई) बोरे

IS : 8069-1976 कीटनाशी दवाओं की पैकिंग के लिए उच्च घनत्व पोलिइथाइलीन (एच डी पीई) बुने बोरो की विशिष्टि

भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गयी है।


2. IS : 9048-79



स्वचलित प्रेरणाही इंजन के लिए पुनः परिष्कृत स्नेहक तेल

IS : 9048-1979 स्वचलित प्रेरणाही इंजन के लिए पुनः परिष्कृत स्नेहक तेलों की विशिष्टि

भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या और वर्ष प्रकृत किया गया है।




(1)	(2)	(3)	(4)
3 IS 9055-79	एक बार प्रयोग हेतु कार्बन कागज	IS : 9055-1979 एक बार प्रयोग हेतु कार्बन कागज की विशिष्टि	--
			

[सं० सीएसई/13.9]

S.O. 3453.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title (s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

S. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS : 8069		High density polyethylene (HDPE, woven sacks for packing pesticides	IS : 8069—1976 Specification for high density polyethylene (HDPE) woven sacks for packing pesticides	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1980-04-16
2. IS : 9048-79		Re-refined automotive internal combustion engine lubricating oils	IS : 9048—1979 Specification for re-refined automotive internal combustion engine lubricating oils	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, along with its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1982-01-01
3. IS : 9055—79		One time carbon paper	IS : 9055—1979 Specification for one time carbon paper	-do-	1981-03-01

[No. CMD/13 : 9]

क्र० भा० 3454.—निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ 1 से 4 में जिन अधिसूचनाओं के ब्यौरे दिए गए हैं, उनका प्राथमिक संशोधन स्वरूप भारतीय मानक संस्था की ओर से एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि स्तम्भ 5 और 6 में दिए गए विभिन्न उत्पादों से सम्बन्धित मुहर लगाने का शुल्क 7 और 8 में उल्लिख के अनुसार पुनरीक्षित किया गया है। मुहर लगाने का पुररीक्षित शुल्क दिनांक 1981-11-01 से लागू होगा।

क्रम	मन्त्रालय का नाम सं०	भारतीय गजट का संदर्भ	अधिसूचना की संवर्ध सं०	उत्पाद	विशिष्टि का नम्बर और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1	वाणिज्य नागरिक प्रति एवं सहकारिता मंत्रालय (नागरिक प्रति एवं सहकारिता विभाग)	भाग II, खड-3 उपखंड (ii) दिनांक 1979-01-13	एस०क्र० 141 दिनांक 1978-12-18	संरचना इस्पात की मेटल फ्रैम वेल्डिंग के लिए बके इलेक्ट्रोड	IS : 814 (भाग 1)—1974 संरचना इस्पातों की मेटल फ्रैम वेल्डिंग के लिए बके इलेक्ट्रोड की विशिष्टि भाग I बंद बरों के प्रतिरिक्त अन्य उत्पादों की वेल्डिंग (चतुर्थ पुनरीक्षण)	1000 प्रद	1. 20 पैसे प्रति इकाई पहली 60000 इकाइयों के लिए और 2. 10 पैसे प्रति इकाई 60001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए
2	—वही—	—वही—	एस०क्र० 140 दिनांक 1978-12-18	संरचना कार्यों के लिए इस्पात नलियों	IS : 1161—1979 संरचना कार्यों के लिए इस्पात की नलियों की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	एक मोटरी टन	1. ₹ 2.00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाइयों के लिए और 2. ₹ 1.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
3.	वाणिज्य प्रति एवं मंत्रालय (वाणिज्य-सहायिता विभाग)	भाग II, खंड-3 उपखंड (ii) दिनांक 1979-01-13	एस०ओ० 141 दिनांक 1978-12-18	मृदु इस्पात की नलियाँ IS: 1239 (भाग 1)—1979 मृदु इस्पात, नलिकादार और अन्य पिटवां इस्पात की फिटिंग की विशिष्टि भाग 1 मृदु इस्पात की नलियाँ (चतुर्थ पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	1. रु० 2.00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाइयों के लिए, और, 2. रु० 1.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए।	
4.	"	"	एस०ओ० 140 दिनांक 1978-12-18	मृदु इस्पात की नलिकादार और अन्य पिटवां इस्पात के पाइप फिटिंग IS: 1239 (भाग 2)—1979 मृदु इस्पात के नलिकादार और अन्य पिटवां इस्पात की फिटिंग की विशिष्टि भाग 2 मृदु इस्पात के नलिकादार और अन्य पिटवां इस्पात के पाइप के फिटिंग (दूसरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	1. रु० 10.00 प्रति इकाई पहली 500 इकाइयों के लिए, 2. रु० 5.00 प्रति इकाई 501 से 1000 तक की इकाइयों के लिए, 3. रु० 2.00 प्रति इकाई 1001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए।	
5.	वाणिज्य एवं नागरिक प्रति मंत्रालय (नागरिक प्रति विभाग)	भाग II खंड-3 उपखंड (II) दिनांक 1980-07-05	एस०ओ० 1790 दिनांक 1980-05-23	लाइन पाइप IS: 1978—1971 लाइन पाइप की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	1. रु० 2.00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाइयों के लिए, और, 2. रु० 1.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए।	
6.	वाणिज्य प्रति एवं मंत्रालय (वाणिज्य-सहायिता विभाग)	भाग II खंड-3 उपखंड (ii) दिनांक 1979-01-13	एस०ओ० 140 (दिनांक) 1978-12-18	साइकिल के ट्यूब (पाइप) IS: 2039—1964 साइकिल और इससे सम्बद्ध के लिए इस्पात की ट्यूब की विशिष्टि	एक मीटरी टन	1. रु० 2.00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाइयों के लिए और, 2. रु० 1.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए।	
7.	"	"	एस०ओ० 141 दिनांक 1978-12-18	स्वचालन कार्यों के लिए इस्पात की ट्यूब IS: 3074—1965 स्वचालन कार्यों के लिए इस्पात की ट्यूबों की विशिष्टि	एक मीटरी टन	1. रु० 2.00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाइयों के लिए और, 2. रु० 1.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए।	
8.	"	"	एस०ओ० 140 दिनांक 1978-12-18	यांत्रिक और सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए इस्पात की नलियाँ IS: 3601—1966 यांत्रिक और सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए इस्पात की नलियों की विशिष्टि	एक मीटरी टन	1. रु० 2.00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाइयों के लिए और, 2. रु० 1.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए।	
9.	नागरिक प्रति एवं सहायिता मंत्रालय	भाग-II खंड-3 उपखंड(ii) दिनांक 1978-04-15	एस०ओ० 1958 दिनांक 1978-03-28	कर्निकर कार्यों के लिए इस्पात की नलियाँ IS: 7138—1973 कर्निकर कार्यों के लिए इस्पात की नलियों की विशिष्टि	एक मीटरी टन	1. रु० 2.00 प्रति इकाई पहली 3000 इकाइयों के लिए, और, 2. रु० 1.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए।	

S.O. 3454.—In partial modification of the notifications, details of which are given in Cols. 1 to 4 of the following Schedule, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fees pertaining to various products, referred to in Cols. 5 and 6 have been revised as mentioned in Col. 7 and 8 thereof. The revised rate of marking fees shall come into force with effect from 1981-11-01 :

SCHEDULE

Sl. No.	Name of the Ministry	Reference to Govt. of India Gazette	Reference to Notification No.	Product	IS : No. & Title of the Specification	Unit	Marking Fee per Unit
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Ministry of Commerce, Civil Supplies & Co-operation (Deptt. of Civil Supplies & Cooperation)	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1979-01-13	S.O. 141 dated 1978-12-18	Covered electrodes for metal arc welding of structural steel.	IS : 814 (Part I)—1974 Specification for covered electrodes for metal arc welding of structural steel : Part I For Welding products other than sheets (fourth revision)	1000 Pieces	(i) 20 Paise per unit for the first 60000 units; and (ii) 10 Paise per unit for the 60001st unit and above
2.	-do-	-do-	S.O. 140 dated 1978-12-18	Steel tubes for structural purposes	IS : 1161-- 1979 Specification for steel tubes for structural purposes (third revision)	One Tonne	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 3000 units; and (ii) Re. 1.00 per unit for the 3001st unit and above
3.	-do-	-do-	S.O. 141 dated 1978-12-18	Mild steel tubes	IS : 1239 (Part I)—1979 Specification for mild steel, tubulars and other wrought steel fittings : Part I Mild steel tubes (fourth revision)	One Tonne	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 3000 units; and (ii) Re. 1.00 per unit for the 3001st unit and above
4.	-do-	-do-	S.O. 140 dated 1978-12-18	Mild steel tubulars and other wrought steel pipe fittings	IS : 1239 (Part II)—1969 Specification for mild steel, tubulars and other wrought steel fittings : Part II Mild steel tubulars and other wrought steel pipe fittings (second revision)	One Tonne	(i) Rs. 10.00 per unit for the first 500 units; (ii) Rs. 5.00 per unit for the 501st to 1000 units; and (iii) Rs. 2.00 per unit for the 1001st unit and above
5.	Ministry of Commerce and Civil Supplies (Deptt. of Civil Supplies)	Part-II, Section-3, Sub-section (ii), dated 1980-07-05	S.O. 1790 dated 1980-05-23	Line pipe	IS : 1978—1971 Specification for line pipe (first revision)	One Tonne	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 3000 units; and (ii) Re. 1.00 per unit for the 3001st unit and above
6.	Ministry of Commerce, Civil Supplies & Co-operation (Deptt. of Civil Supplies & Co-operation)	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1979-01-13	S.O. 140 dated 1978-12-18	Bicycle tubes	IS : 2039—1964 Specification for steel tubes for bicycle and allied	One Tonne	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 3000 units; and (ii) Re. 1.00 per unit for the 3001st unit and above
7.	-do-	-do-	S.O. 141 dated 1978-12-18	Steel tubes for automotive purposes	IS : 3074—1965 Specification for steel tubes for automotive purposes	One Tonne	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 3000 units; and (ii) Re. 1.00 per unit for the 3001st unit and above
8.	-do-	-do-	S.O. 140 dated 1978-12-18	Steel tubes for mechanical and general engineering	IS : 3601—1966 Specification for steel tubes for mechanical and	One Tonne	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 3000 units; and

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
				Engineering purposes	general engineering purposes		(ii) Re 1.00 per unit for the 3001st unit and above
9. Ministry of Civil Supplies and Co-operation	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1978-04-15	S.O. 1058 1978-03-28	Steel tubes for furniture purposes	IS : 7138—1973 Specification for steel tubes for furniture purposes	One Tonne		(i) Rs. 2.00 per unit for the first 30001 units; and (ii) Re. 1.00 per unit for the 3001st unit and above

[No. CMD/13 : 10]

क्र० आ० 3455— भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (१) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीम अनुसूची में दी गई श्रेणियों के अनुसार निर्धारित की गई है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त यह मानक चिह्न प्रत्येक के लागू की गई तिथियों से लागू होंगी।

अनुसूची					
क्रम उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी सं०	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीम	लागू होने की तिथि	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1 कीटनाशी दवाओं की पैकिंग के लिए उच्च घनत्व पॉली-इथाइलीन के बुने (एचडीपीई) बोरे	IS. 8069—1976 कीटनाशी दवाओं की पैकिंग के लिए उच्च घनत्व पॉली-इथाइलीन (एचडीपीई) बुने बोरे की विशिष्टि	500 बोरे	(1) रु० 4.00 प्रति इकाई पड़वी इकाइयों के लिए (2) रु० 2.00 प्रति इकाई 401 वी० और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए	400	1980-04-16
2 स्वचालित अंतर्वाही इंजन के लिए पुन. परिष्कृत स्नेहक तेल	IS 9048—1979 स्वचालित अंतर्वाही इंजन के लिए पुन. परिष्कृत स्नेहक तेलों की विशिष्टि	एक किलो लीटर	(1) रु० 10.00 प्रति इकाई पड़वी इकाइयों के लिए (2) रु० 8.00 प्रति इकाई 1501वीं से 3000 तक की इकाइयों के लिए (3) रु० 5.00 प्रति इकाई 3001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए	1500	1982-01-01
3 एक बार प्रयोग हेतु कार्बन कागज	IS : 9055—1979 एक बार प्रयोग हेतु कार्बन कागज की विशिष्टि	100 मीटर	(1) रु० 1.00 प्रति इकाई पड़वी इकाइयों के लिए (2) 50 पैसे प्रति इकाई 201वीं से 4000 तक की इकाइयों के लिए, और (3) 25 पैसे प्रति इकाई 4001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए।	2000	1981-03-01

[सं० सी० एम० बी० 13 : 10]

ए० पी० बनर्जी, सचिव, महानिदेशक

S.O. 3455.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

Sl. No	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	
1	2	3	4	5	6
1	High density polyethylene (HDPE) woven sacks for packing pesticides	IS : 8069-1976 Specification for high density polyethylene (HDPE) woven sacks for packing pesticides	500 sacks	(i) Rs. 4.00 per unit for the first 400 units and (ii) Rs. 2.00 per unit for the 401st unit and above	1980-04-16

1	2	3	4	5	6
2. Re-refined automotive internal combustion engine lubricating oils	IS : 9048—1979 Specification for re-refined automotive internal combustion engine lubricating oils	One Kilolitre	(i) Rs. 10.00 per unit for the first 1500 units; (ii) Rs. 8.00 per unit for the 1501st to 3000 units and (iii) Rs. 5.00 per unit for the 3001st unit and above	1982-01-01	
3. One time carbon paper	IS : 9055—1979 Specification for one time carbon paper	1000 Metres	(i) Re 1.00 per unit for the first 2000 units; (ii) 50 Paise per unit for the 2001st to 4000 units and (iii) 25 Paise per unit for the 4001st unit and above	1981-03-01	

[No. CMD/13 : 10]

A.P. BANERJI, Addl. Director General

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1982

का०आ० 3456.—भारत के राजपत्र तारीख 12 सितम्बर 1981 के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में पृष्ठ 3079-3080 पर प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना का०आ०सं० 2400 तारीख 27 अगस्त 1981 में :—

पृष्ठ 3079 पर

(1) (अ) अधिसूचना में :—“नागपुर, 440001 के कार्यालय में योनियत्रक चंद्रपुर” के स्थान पर “नागपुर, 440001 के कार्यालय में या जिलाधीश, चंद्रपुर” पढ़िए।

(ब) “कोयला नियंत्रक, 1 काउंसिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता में किया जा सकता है” के स्थान पर “कोयला नियंत्रक 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता में किया जा सकता है” पढ़िए।

(2) अनुसूची में “रेखांक सं० ना-1(ई)/111/जे० आर०/183-0381 के स्थान पर “रेखांक सं० सी-1(ई)/111/जे० आर०/183-0381 पढ़िए।

[सं० 19/10/81/सी एल]

स्वर्ण सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 16th September, 1982

S.O. 3456.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 2400 dated the 27th August, 1981 published at pages 3079-3080 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 12th September, 1981.

In the Schedule under the column District, for “Chhandrapur” read “Chandrapur”.

[No. 19/10/81-CL]

SWARAN SINGH, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1982

का०आ० 3457.—यतः दन्त चिकित्सा अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के खण्ड (घ) के अनुसरण में निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने निर्दिष्ट विश्वविद्यालयों के प्रत्येक के मामले उल्लिखित निर्वाचन की तिथि से भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद का सदस्य निर्वाचित किया है, अर्थात्:

सदस्य का व्योरा

उस विद्यालय का निर्वाचन नाम जिसने उसे निर्वाचित किया

डा० (श्रीमती) भ्रमूत तिवारी, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, दन्त विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर संस्थान पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़।	पंजाब विश्वविद्यालय	5.4.1982
डा० बी० सेशाद्रि एम डी एस, प्रिन्सिपल एवं प्रोफेसर आर्क आर्थोडोन्टिया, गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज और अस्पताल, हैदराबाद।	उसमानिया विश्व-विद्यालय	31.3.82

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 9 फरवरी, 1978 की अधिसूचना सं० का०आ० 533 द्वारा पुनः प्रकाशित भारत सरकार के पूर्ववर्त स्वास्थ्य मंत्रालय की 12 अप्रैल, 1949 की अधिसूचना सं० 10-10/48-एम 1 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “धारा 3 के खण्ड (घ) के अधीन निर्वाचित” शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 4 और 7 तथा उनसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

“4. डा० (श्रीमती) भ्रमूत तिवारी, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, दन्त विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर संस्थान पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़।	पंजाब विश्वविद्यालय	5.4.82”
“7. डा० बी० सेशाद्रि, एम डी एस, प्रिन्सिपल एवं प्रोफेसर आर्क आर्थोडोन्टिया, गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज और अस्पताल, हैदराबाद।	उसमानिया विश्व-विद्यालय	31.3.82”

[सं० बी० 12013/3/81 की एम एस]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(Health)

New Delhi, the 10th September, 1982

S. O. 3457.—Whereas in pursuance of clause (d) of section 3 of the Dentists Act 1948 (16 of 1948) the following persons have been elected by the Universities indicated against their names to

members of the Den Council of India with effect from the date of election shown against namely :—

Particulars of member	Name of the University which elected him	Date of election
Dr. (Mrs.) Amrit Tewari, Professor and Head, Department of Dentistry, Post Graduate Institute Punjab University, Chandigarh	Punjab University	5 4.1982
Dr. B. Seshadri, MDS, Principal and Professor of Orthodontia, Government Dental College and Hospital, Hyderabad.	Osmania University	31.3.1982

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 10-10/48-MI dated the 12th April, 1949, as republished by the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. S.O. 533, dated the 9th February, 1978, namely :—

In the said notification under the heading "Elected under clause? of section 3" for serial number 4 and 7 and the entries relating there to the following serial numbers and entries shall respectively be substituted namely :—

4. Dr. (Mrs.) Amrit Tewari, Punjab University 5.4.1982
Professor and Head, Department of Dentistry Post Graduate Institute Punjab University, Chandigarh.
7. Dr. B. Seshadri, MDS, Osmania University 31.3.1982
Principal and Professor of Orthodontia, Government Dental College and Hospital, Hyderabad.

[No.V.12013/3/81-PMS]

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1982

का०आ० 3458.—यतः भारतीय नर्सिंग परिषद् अधिनियम, 1947 (1947 का 48) की धारा 3 की उप-धारा (i) के खण्ड (iv) के अनुसरण में राज्य परिषद (राज्य सभा) ने 28 जुलाई 1982 को हुई अपनी बैठक में अपने सदस्यों में से श्रीमती रोडा मिश्री को भारतीय नर्सिंग परिषद का सदस्य निर्वाचित किया है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) के साथ पठित धारा 3 की उप-धारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंत्रालय की पहली दिसम्बर 1958 की अधिसूचना सं० का० आ० 1147 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उप-धारा (i) के खण्ड (vi) के अधीन निर्वाचित" शीर्ष के अन्तर्गत मंत्र 3 और इसमें संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए:-

"3. श्रीमती रोडा मिश्री,
सदस्य, राज्य सभा,
21, अशोक रोड,
नई दिल्ली-1"

[संख्या बी 14013/2/82 पीएम एम]

एस० पी० पाठक, अवर सचिव

(Department of Health)

New Delhi, the 17th September, 1982

S.O. 3458.—Whereas in pursuance of clause (o) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Nursing Council Act, 1947 (48 of 1947), the Council of States (Rajya Sabha) has at its sitting held on the 28th July 1982 elected from amongst in members Shrimati Roda Mistry to be a member of the Indian Nursing Council;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 read with sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of Government of India in the late Ministry of Health No. S. O. 1147 dated the 1st December, 1958, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (o) of sub-section (1) of section 3", for item 3 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

"3. Shrimati Roda Mistry,
Member of Rajya Sabha,
21, Ashoka Road,
New Delhi-1".

[No. V-14013/2/82-PMS]
S. P. PATHAK, Under Secy

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1982

का० आ० 3459.—यतः भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उप-धारा (1) के खंड (ख) के अनुसरण में पूना विश्वविद्यालय ने डॉ० एम० जे० जोशी को 12 जून, 1982 को हुई बैठक में भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) का पालन करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंत्रालय, की 9 जनवरी 1960 की अधिसूचना संख्या-5-13/59-एम०-1 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की "धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्ष के अंतर्गत कम संख्या 18 और उससे सम्बंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित कम संख्या और प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, अर्थात् :—

"18. डा० एम० जे० जोशी,
डॉन, चिकित्सा संकाय,
पूना विश्वविद्यालय तथा सर्जरी के प्रोफेसर,
बी० जे० मेडिकल कालेज,
पूना-411001"

[सं० बी० 11013/13/82-एम० ई० (पी०)]

New Delhi, the 20th September, 1982

S.O. 3459.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. M. J. Joshi, has been elected by the Poona University to be a member of the Medical Council of India in a meeting held on the 12th June, 1982.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes

the following amendment in the notification of the late Ministry of Health, No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", for serial number 18 and entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely :—

"18. Dr. M. J. Joshi,
Dean Faculty of Medicine,
Poona University and Professor
of Surgery, B. J. Medical College,
Poona-411001."

[No. V. 11013/13/82-M.E. (Policy)]

का० आ० 3460 —यतः भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उप-धारा (1) के खंड (ड) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल बी० वी० एम० प्रताप राव, पी० वी० एम० एम०, पी० एच० एम० को पहली श्रृंखला, 1982 में लेफ्टिनेंट जनरल एच० एम० सेठ, जो सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं, के स्थान पर भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् का सदस्य मनोनीत किया है :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) का पालन करने हुए केन्द्रीय सरकार एवम् द्वारा पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या 5-13/59-एम०-1 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उप-धारा (1) के खंड (ड) के अधीन मनोनीत" शीर्ष के अंतर्गत क्रम संख्या 3 और उमें संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"3 लेफ्टिनेंट जनरल बी० वी० एम० प्रताप राव, पी० वी० एम० एम०,

पी० एच० एम०,
महानिदेशक,
सशस्त्र मेवा चिकित्सा सेवाएं,
नई दिल्ली (पवेन)"

[सं० बी० 11013/29/79-एम० ई० (पी०)]

प्रकाश चन्द्र जैन, प्रवर सचिव

S.O. 3460.—Whereas the Central Government have in pursuance of clause (e) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), nominated Lt. General V. V. S. Pratapa Rao, PVSM, PHS vice Lt. General H. S. Seth, who has since retired from Government Service, as a member of the Medical Council of India with effect from the 1st August, 1982;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Nominated under clause (e) of sub-section (1) of section 3", for serial number 3 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

"3. Lt. General V. V. S. Pratapa Rao, PVSM, PHS,
Director General,
Armed Forces Medical Services,
New Delhi. (Ex-Officio)".

[No. V. 11013/29/79-M.E. (Policy)]

P. C. JAIN, Under Secy.

शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1982

का० आ० 3461.—राजभाषा (संघ के सरकारी प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके स्टाफ ने हिन्दी के कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

- (1) सहायक अधीक्षण,
पुरातत्व रसायनज्ञ,
पुरातत्व संग्रहालय,
कोणार्क (उड़ीसा)
- (2) सहायक अधीक्षण,
पुरातत्व रसायनज्ञ,
बड़ोदा ज़ोन,
रावपुरा, बड़ोदा-1,
- (3) सहायक अधीक्षण,
पुरातत्व रसायनज्ञ,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
सीमांत ज्ञान, चण्डीगढ़

[सं० एफ० 28-2/82-सामान्य]

डा० (श्रीमती) जानवती दारबार, निदेशक

MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE

(Department of Culture)

New Delhi, the 15th September, 1982

S.O. 3461.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the Archaeological Survey of India, the Staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

1. Assistant Superintending,
Archaeological Chemist,
Konark, (Orissa).
2. Assistant Superintending,
Archaeological Chemist,
Raopura, Baroda-1.
3. Assistant Superintending,
Archaeological Chemist,
Archaeological Survey of India,
Frontier Zone, Chandigarh.

[No. F. 28-2/82-Gen.]

DR. (SMT.) GYANWATI DARBAR, Director (H)

अम एवं पुनर्वास मंत्रालय

(अम विभाग)

नई दिल्ली, 20 सितम्बर 1982

का० आ० 3462.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए अम एवं पुनर्वास मंत्रालय में राज्य मंत्री को केन्द्रीय न्यायी बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है, और भारत सरकार के अम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 236, तारीख 16 दिसम्बर, 1975 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

"1 अम एवं पुनर्वास मंत्रालय में राज्य मंत्री,
भारत सरकार, नई दिल्ली।

[सं० बी०-2012/3/82-म० नित्य-2]

ए० के० सट्टगर्ह, प्रवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour)

New Delhi, the 20th September, 1982

S.O. 3462.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5A of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints the Minister of State in the Ministry of Labour and Rehabilitation, as Chairman of the Central Board of Trustees and makes the following further amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 236, dated the 16th December, 1975, namely :—

In the said notification, for the entries against the Serial No. 1, the following entries, shall be inserted, namely :—

"1. Minister of State in the Ministry of Labour and Rehabilitation, Government of India, New Delhi."

[No. V-20012(3)/82-PF-II]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 21 मई 1982

का० आ० 3463.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में भारतीय खाद्य निगम, नैल्लोर के प्रबन्धन से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करता बांछनीय समझती है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, एक औद्योगिक अधि-करण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० प्रसादा राव होंगे जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकारण को न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करती है।

अनुसूची

"क्या भारतीय खाद्य निगम, नैल्लोर के प्रबन्धन द्वारा विनिर्दिष्ट कर्मचारों को प्रत्येक के मामले उल्लिखित अवधियों के लिए, इस आधार पर मजदूरी देने से इन्कार करना न्यायोचित है कि वे कर्मकार ठेकेदारों के माध्यम से नियुक्त किए गए हैं? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुसूची के हकदार हैं?"

अनुसूची

क्रम सं०	कर्मकार का नाम	अवधि
1	2	3
1.	श्री एम० ए० एन० राजू	3-3-1980 से 24-8-1980
2.	" शेख मस्तान	—यथोक्त—
3.	" शेख नन्ने साहिब	—यथोक्त—
4.	" शेख बाशा	—यथोक्त—
5.	" जी० डेविड	—यथोक्त—
6.	" शेख मोला साहिब	—यथोक्त—
7.	" बी० मस्तान	—यथोक्त—
8.	" शेख मस्तान साहिब	—यथोक्त—
9.	" शेख कालेशा	—यथोक्त—
10.	" एम कोलापुरी	22-3-1980 से 24-8-1980
11.	" ई० वेंकटेश्वरी	—यथोक्त—

1	2	3
12.	श्री एम० बन्धरम्मा	23-3-1980 से 24-8-1980
13.	" एम० वेंकटेश्वरी	—यथोक्त—
14.	" जी० फ्रांसिस	1-4-1980 से 24-8-1980
15.	" जी० वेंकम्मा	—यथोक्त—
16.	" जी० रामानम्मा	—यथोक्त—

[सं० एल० 42011/29/81-डी-4(ए)]

डी० बी० सीतारामन, डैस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 21st May, 1982

S.O. 3463.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Food Corporation of India Nellore and their Workmen in respect of the matter specified in the schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri B. Prasada Rao shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the management of Food Corporation of India, Nellore is justified in refusing wage to the under-mentioned workmen for the periods mentioned, against each on the plea that they are the workmen engaged through contractors? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

ANNEXURE

Sl. No.	Name of workman	Period
1.	M. A. N. Raju	3-3-1980 to 24-8-1980
2.	Shaik Mastan	-do-
3.	Shaik Nannosaheb	do
4.	Shaik Basha	do
5.	G. David	do
6.	Shaik Moula Saheb	do
7.	P. Mastan	do
8.	Shaik Mastan Saheb	do
9.	Shaik Kalasha	do
10.	M. Kollapuri	22-3-1980 to 24-8-1980
11.	E. Venkureddy	-do-
12.	M. Chandramma	-do-
13.	L. Venkaiah	-do-
14.	J. Francis	1-4-1980 to 24-8-1980
15.	J. Venkamma	-do-
16.	G. Ramanamma	-do-

[No.L-42011/29/81/D-IV-(A)]

आदेश

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1982

का० शा० 3464.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि हमारे उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबन्धन से सम्बन्धित एक औद्योगिक विवाद निरोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच विद्यमान है,

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करने, सांख्यिकीय समझौता है;

अतः केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) धारा 7-क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक आदेशित अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० अरुणराज होंगे, जिनके मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को ही न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

यदि भारतीय जीवन बीमा निगम को कुड़ानो, गांधी के कार्मिक 31-3-81 के लिए मजदूरी या अन्य प्रतिकर के हक्कार है, जबकि उस दिन कोई कार्य नहीं हुआ था।

[संख्या एल०-17011/3/82-बी०-4) (ए)]

टी० बी० सीतारामन, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 10th August, 1982

S.O. 3464.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Life Insurance Corporation of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Arunraj shall be the Presiding Officer with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the workmen of the Cuddalore Branch of the Life Insurance Corporation of India are entitled to wages or other compensation for 31st March, 1981, when no work was transacted on that day?"

[No. L-17011/3/82-D.IV(A)]

T. B. SITARAMAN, Desk Officer

New Delhi, the 20th September, 1982

S.O. 3465.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Vilas Transport and Co., Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th September, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-10 of 1981

PARTIES :

Employers in relation to Messrs Vilas Transport Company, Bombay.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the employer—Mr. S. M. Dharap, Advocate.

For the workmen—Mr. M. B. Anchan, Advocate.

INDUSTRY : Ports & Docks

STATE : Maharashtra

Bombay, the 31st day of August, 1982

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by order No. L-31011(6)/81-D.IV(A) dated 21st May, 1981, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute between the employers in relation to Messrs Vilas Transport Company, Bombay, and their workmen in respect of the matters specified in the schedule mentioned below :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Messrs Vilas Transport Company, Handling and Transport Contractors, Bombay, in terminating the services of the under mentioned 26 employees is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

Sl. No. Name of the workmen

1. Shri Shivaji Manu Gaikwad
2. Shri Laximan Bapu Yadav
3. Shri Sahebrao Shantaram Kadam
4. Shri Vilas Balu Sakat
5. Shri Dattu Bapu Kadam
6. Shri Sampat Laximan Kadam
7. Shri Nevruti Narayan Shinde
8. Shri Sopan Ananda Solunke
9. Shri Madhukar Ananda Bhosle
10. Shri Sahaji Jyoti Dabde
11. Shri Sahaji Bhiku Dabde
12. Shri Dagdu Pandirang Dabde
13. Jalinder Bapu Dabde
14. Shri Vilas Shamrao Dabde
15. Shri Sabhas Shankar Bagal
16. Shri Gulab Ramchandra Babar
17. Shri Maruti Ramchandra Babar
18. Shri Raghunath Rajaram Babar
19. Shri Prakash Rajaram Babar
20. Shri Baban Ananda Jadhav
21. Shri Rang Nanu Bedgar
22. Shri Nanu Rajaram Kadam
23. Shri Haridas Babu Mohite
24. Shri Shivaji Nevruti Saragar
25. Shri Kishan Shambhu Shinde
26. Shri Daji Tukaram Pukle.

2. The cause of the workman was espoused by the New National Dock workers' Union (hereinafter referred to as the "union"). In the statement of claim filed by the Union on behalf of the workmen it was, inter alia, contended that the above workmen were working with the employer-company for the preceding ten years. Their duties were to load and unload cargoes in the docks. Because the above workmen joined the Union, the employer with mala fide intention terminated the services of the above workmen without any notice and without assigning any reason. No chargesheet was issued and no inquiry was held.

3. In the written statement filed on behalf of the employer it was, inter alia, contended that the work of loading and unloading was done by the employer-company through tandels. Tandel is free to use his discretion as to whom he should appoint as a labourer, when he should appoint, what salary he should pay to such labourers and also the conditions in relation thereto. It was contended that the

employer-company did not employ labourers, but paid a lump sum amount to the tandel. The employer had no control of the company did not supervise the work of the persons employed by the tandel. In short, the employer contained that the company was not the "employer" within the meaning of that term under the Industrial Dispute Act.

4 On the date of hearing of this reference Mr. Anchan, the learned counsel for the Union, passed a pursis in writing that even though the Union for whom he appeared was a party, the workman were not coming forward to assist the Union. He had, therefore, no evidence to be led. He produced a letter (ex. W-1) of the Secretary of the Union informing him that the workmen were not coming forward to assist the Union. Mr. Anchan, therefore, informed in writing that the reference may be disposed of.

5 There is thus no evidence to hold that the workman were the employees of M/s. Vilas Transport Company and their services were wrongfully terminated by that company.

6 The reference is, therefore, rejected. No order as to costs. Award accordingly.

M. D. KAMBI, Presiding Officer

[No. L-31011(6)/81-D.IV(A)]

New Delhi, the 13th September, 1982

S.O. 3466.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jamadoba Coal Washery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th September, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2) DHANBAD

PRESENT :

Reference No. 26 of 1981

In the matter of an industrial dispute under S 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Jamadoba Coal Washery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post office Jamadoba, District Dhanbad and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

On behalf of the workmen—Shri S. Bose, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 31st August, 1982

AWARD

This is a reference under S. 10 of the I. D. Act 1947. The Central Government by its order No. L-20012(135)/81-D.II(A) dated 14th May, 1981 has referred this dispute to this Tribunal for adjudication on the following terms :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Jamadoba Coal Washery of Messrs Tata Iron and Steel Com-

pany Limited, Post office Jamadoba District Dhanbad in dismissing Shri K. P. Mukherjee from service is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2 The concerned workman Shri Kalipada Mukherjee a shunter in coal washing plant, Jamadoba was dismissed on a charge under clause 19(3) and 19(20) of the standing order. A departmental enquiry was held and the enquiry officer had found that the charges have been established.

3. The charge-sheet (Ext. M1) shows that on 5th June, 1980 at about 6.30 A. M. Shri K. P. Mukherjee had gone along with one Shri Ganesh Hazam to Shri B. K. Gopalak, Personnel Officer, Coal Washing plant situated in Bhowra area. At the instance of the concerned workman Shri Ganesh Hazam gave an amount of Rs. 600 - as bribe to Shri B. K. Gopalak to secure employment in the company. The charge also read that the concerned workman had taken an amount of Rs. 200/- from Shri Ganesh Hazam to secure employment for him in the company.

4 In reply to the charge sheet (Ext. M2) it was contended that the concerned workman did not play any part in the transaction between Shri Ganesh Hazam and Shri Gopalak. He denied to have received Rs. 200/- from Shri Ganesh Hazam for securing employment for him. According to the concerned workman neither of the two charges were at all established against him. This explanation was not found to be satisfactory and therefore a domestic enquiry was held by Shri S. K. Kar.

5 The enquiry officer served notices Ext. M3 on the concerned workman. Another notice Ext. M4 was also served on him. The enquiry officer admitted into evidence two documents, Exts. M5 and Ext. M6 which are statements of the concerned workman recorded by Shri L. H. Parvatiyar, Chief Personnel Manager (C) of TISCO. Ext. M7 is the order sheet of the proceeding. The enquiry officer recorded the statement of Shri S. N. Pandey, Group Personnel Officer, Shri L. H. Parvatiyar, Chief Personnel Manager (C), Shri S. N. Sinha, Group Personnel Officer Shri Ganesh Hazam and also the statement of Shri K. P. Mukherjee.

6. Ext. M8 is the report of the enquiry officer and Ext. M9 is a forwarding letter. Ext. M10 is the dismissal letter signed by the General Manager (Collieries). Ext. M11 is the letter addressed to Shri K. P. Mukherjee informing him that he was dismissed from service w.e.f. 8th September, 1980. Ext. M12 is the service record of Shri K. P. Mukherjee. Ext. M13 is the copy of the standing order. Ext. M14 is a circular letter signed by Shri R. S. Modi, Vice Chairman in which Shri B. S. Rao Divisional Manager (collieries) was designated as General Manager (collieries). Ext. M15 is an office order issued by the General Manager (collieries) Shri B. S. Rao to the effect during his absence from 17th August, 1980 Shri N. Ahmed, Deputy Divisional Manager would look after his work and exercise all powers and responsibility.

7 The management has examined the enquiry officer at the stage of preliminary hearing on the question of fairness and propriety of the domestic enquiry. It was held by this Tribunal that the enquiry was fair and proper. Thereafter on the date on which argument on merits was to be heard the management examined MW-2 Shri G. A. Narayan Manager, Jamadoba colliery who has proved the aforesaid two documents, Ext. M14 and Ext. M15.

8 On behalf of the concerned workman one document, Ext. W1 has been produced at the time of hearing of the case on merit. It has been signed by MW-2 the manager of Jamadoba washery and it is dated the 1st July, 1980. In this letter the concerned workman, Shri K. P. Mukherjee was informed that he was redesignated as Assistant Jamadar on a basic wage of Rs. 12.75 per day w.e.f. 1st April, 1976.

9 The gist of the evidence recorded by the enquiry officer is like this. One Shri Ganesh Hazam on 3rd June, 1980 came to the office of Shri L. H. Parvatiyar and complained that

Shri B. K. Gopalak, Personnel Officer has asked for bribe in order to secure employment for him. The father of Shri Ganesh Hazam had already retired from the services of TISCO collieries and had tried to see that his son Ganesh Hazam obtain service in TISCO colliery. Shri Parvatiyar was told by Shri Ganesh Hazam that the latter had no direct talk with Shri Gopalak and therefore Shri Parvatiyar advised him to approach Shri Gopalak directly. On 4th June, 1980 Shri Ganesh Hazam along with Shri K. P. Mukherjee went to see Shri Gopalak and on that meeting Shri Gopalak made a demand for bribe. On the same day Shri Ganesh Hazam informed Shri L. H. Parvatiyar. Shri Parvatiyar then informed Sri S. N. Sinha and Shri S. N. Pandey about the complaint. Shri Parvatiyar had put his initials on the currency notes of Rs. 600/- which was to be paid to Shri Gopalak. Shri Pandey and Shri Sinha were informed that Shri Ganesh Hazam and Shri K. P. Mukherjee would be going to the house of Shri Gopalak on 5th June, 1980. Accordingly Shri S. N. Pandey and Shri S. N. Sinha waited a little away from the bungalow of Shri Gopalak and they noticed that Shri Ganesh Hazam and Shri K. P. Mukherjee coming out of the bungalow of Shri Gopalak at about 6.30 A. M. Shri S. N. Sinha asked Shri K. P. Mukherjee to await but he fled away on his cycle. Shri Ganesh Hazam informed them that he had paid an amount of Rs. 600/- to Shri Gopalak. Both these officers then met Shri Gopalak in his bungalow and recovered the amount of Rs. 600 currency notes all signed by Shri L. H. Parvatiyar. A report was made by these two officers to Shri Parvatiyar and the statements of Shri Ganesh Hazam was recorded. Thereafter Shri Gopalak also made a statement which was recorded by Shri L. H. Parvatiyar. On next day i.e. on 6th June, 1980 was called by Shri L. H. Parvatiyar. In his first statement Shri Mukherjee completely denied the allegation of Shri Ganesh Hazam that he had nothing to do with the aiding him to bribe Shri Gopalak. He also denied that he accepted a bribe of Rs. 200/- from Shri Ganesh Hazam to help him in securing a job. On the same day, however Shri K. P. Mukherjee made another statement before Shri L. H. Parvatiyar in which he admitted that he had accepted Rs. 200 for helping Shri Ganesh Hazam in securing a job through Shri Gopalak and he also admitted that Rs. 600 was given to Shri Gopalak in his presence.

10. In the departmental proceeding conducted by the enquiry officer Shri K. P. Mukherjee denied having made any confession before Shri L. H. Parvatiyar. He also denied to have accepted Rs. 200/- as bribe from Shri Hazam and to have abetted giving a bribe of Rs. 600/- to Shri Gopalak.

11. The standing order of TISCO as applicable to six collieries to Tata is Ext. M13 Clause 19(3) deals with misconduct in relation to "taking or giving bribe or any illegal gratification". There are 19 offences amounting to misconduct and clause 29 deals with abetment or attempted abetment if any of the 19 misconducts. Now the concerned workman was charged under clause 19(3) for the reason that he accepted a bribe of Rs. 200 from Shri Gopalak. Clause 19(2) has been included for the reason that it was at his instance that Shri Ganesh Hazam gave a bribe of Rs. 600/- to Shri Gopalak. We shall examine whether on the facts as alleged by the management the two charges can stand against the concerned workman. Shri K. P. Mukherjee, Shri S. Bose appearing for the workman has argued that this standing order, Ext. M13 is applicable to six collieries of TISCO viz. (1) Jamadoba, (2) 6 & 7 Pits, (3) Digwadih, (4) Malkera Chautoudih, (5) Velatand and (6) Sijua. This standing order does not specify that Jamadoba coal washery which is an auxiliary to the colliery of TISCO is covered by this standing order. He has contended that according to the evidence MW-2 the Jamadoba Coal Washery has been registered under the Factories Act and therefore the Model standing order as applicable to the collieries will be applicable to the Jamadoba coal washery. According to the Model Standing order applicable to the collieries taking or giving of bribes or any illegal gratification must be in connection with the company's business which fact is not specified in the standing order, Ext. M13. On consideration of both these standing orders mentioned above I must say that the distinction drawn is pertinent. The reason is that the taking or giving bribe or any illegal gratification must relate to the business of the company and not otherwise. For instance if any employee of a colliery

giving a bribe to some government official, the colliery cannot dismiss him on a charge of clause 19(3) of the standing order. Here in this case the management has brought about a specific case that Shri K. P. Mukherjee has accepted a bribe of Rs. 200/- for securing a job for Shri Ganesh Hazam in TISCO colliery. Shri Bose has pointed out that in connection with this charge it is pertinent to note that although from the house of Shri Gopalak signed notes of Rs. 600 was recovered by two senior officers of the company, no amount was recovered from the possession of Shri K. P. Mukherjee. On a charge under clause 19(3) of the standing order of the company it was necessary for the management to show that any amount was paid by Shri Ganesh Hazam to Shri K. P. Mukherjee. It will be relevant to point out that Shri Ganesh Hazam has deposed in this case that he paid Rs. 200/- to Shri K. P. Mukherjee for the purpose of securing employment for him. Shri Bose has contended that the conduct of Shri Ganesh Hazam has to be reviewed with a good deal of caution. According to him Shri Hazam did not intend to pay any bribe to Shri Gopalak for securing a job for the simple reason that if he was convinced that Shri Gopalak would give him a job on acceptance of Rs. 600/- he would not rush to complain before the Chief Personnel Manager. Shri Bose has argued that what Shri Hazam intended was that Shri Hazam should entangle Shri Gopalak and Shri K. P. Mukherjee on the charge of bribe. It is no doubt true that on receipt of complaint Shri Parvatiyar gave him signed notes to offer Shri Gopalak and the same was done and recovered. We do not know what action has been taken against Shri Gopalak. Shri Bose has argued that Shri Gopalak did not happen to be the final authority of appointment of Shri Ganesh Hazam and at best the action that Shri Gopalak could have taken is recommendatory. But according to Shri Bose Shri K. P. Mukherjee is a petty employee of the Coal washery with no access whatsoever to secure employment for Shri Ganesh Hazam. Probably what the management has intended to say about Shri Mukherjee is that Shri K. P. Mukherjee acts as an out for Shri Gopalak in the matter of illegal gratification. Now if it is a fact and for helping Shri Ganesh Hazam Shri K. P. Mukherjee accepted an amount of Rs. 200/- there will be some difficulty in saying that Shri K. P. Mukherjee accepted a bribe of Rs. 200. For the purpose of taking bribe the law requires something more than mere acceptance of money because the purpose of the bribe is most important in this case. The purpose at best could be to take Shri Hazam to Shri Gopalak and make it easy and convenient for Shri Hazam to bribe Shri Gopalak. I may repeat that Shri K. P. Mukherjee by himself was not in a position to secure for Shri Ganesh Hazam any job in TISCO colliery. So any amount that Shri Ganesh Hazam could give to Shri K. P. Mukherjee would not amount to taking of bribe. Moreover, it is pertinent to note that there is no clear evidence when this Rs. 200 was given to Shri K. P. Mukherjee. It was certainly not on 4th June, 1980 when the bribe money was produced by Shri Ganesh Hazam for the signature of Shri L. H. Parvatiyar. Moreover it does not stand to reason that Shri Ganesh Hazam who rushed up for a complaint on 3rd June, 1980 before the Chief Personnel Manager (C) would easily consent to part with Rs. 200 in order to give this amount to Shri K. P. Mukherjee. The other evidence against him is that he was seen coming out of the house of Shri Gopalak along with Shri Hazam by Shri S. N. Pandey and Shri S. N. Sinha. But Shri Gopalak was accosted by these two officers with regard to the presence of Shri K. P. Mukherjee in his house. Shri Gopalak has stated that Shri K. P. Mukherjee had come in connection with his redesignation as Assistant Jamadar. This may be a reasonable explanation because even though Shri Gopalak was fully involved due to the presence of the signed notes recovered from his possession, he did not involve Shri K. P. Mukherjee in this affair.

12. It could be argued against the workman that he made a confession before the Chief Personnel Manager with regard to this offence. But in his show cause and in his statement the concerned workman has brought out a case that he denied in his first statement but pressure was exercised on him by the management and he was even threatened dismissal. So out of fear he made the second statement admitting his guilty. But in his show cause to the charge-sheet he completely denied his complicity in this crime. Now in this connection I would like to say that the statement of the concerned workman in the nature of a confessional statement must be free from any bias or prejudice. The statement of the concerned

workman as recorded by Shri I. H. Parvatiyar cannot be in the nature of a confessional statement. Shri Bove has taken exception of the recording of the statement of the concerned workman by Shri Parvatiyar for the simple reason that if the statement of Shri K. P. Mukherjee was to be taken the workman who is illiterate should have been asked to write his own statement. I have already said that the statement as recorded by Shri Parvatiyar is in the nature of a confessional statement and so cannot be used against the concerned workman in order to prove the case against him specially in the circumstances pointed out by me above.

13. Now let us see whether clause 19(20) has been proved. I have already mentioned that Shri Hazam was already acquainted with Shri Gopalak and had direct talk with Shri Gopalak who consented to accept bribe. In a situation like this Shri Hazam did not require any aid or abatement by Shri K. P. Mukherjee to bribe Shri Gopalak. The charge on account of clause 19(2) of the standing order is in the nature of the case very weak.

14. Thus, considering all aspects of the case I have to hold that the charges as framed by the management have not been proved by the management satisfactorily and also according to law. It is clear that had it been a criminal case, the concerned workman would have been entitled to have a benefit of doubt and would have earned an acquittal. In this view of the matter the extreme punishment of dismissal awarded to Shri K. P. Mukherjee, the concerned workman is not justified.

15. Thus considering all aspects of the matter I hold that the action of the management of Jamadoba Coal washery of Messrs Tata Iron & Steel Company Limited, Post office Jamadoba, District Dhanbad in dismissing Shri K. P. Mukherjee from service is not justified. Consequently, Shri K. P. Mukherjee, the concerned workman should be deemed to be in the service of the employers with effect from the date he was dismissed. He will also be entitled to all the back wages and other benefits from the date he was dismissed.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer

[No. L-20012(135)/81-D.III(A)]

New Delhi, the 15th September, 1982

S.O. 3467.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Bararee Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bhulanbararee, District Dhanbad, and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th September, 1982.

BEFORE SHRI K. SHANMUGHAVEL, DEPUTY CHIEF LABOUR COMMISSIONER (CENTRAL), DHANBAD AND ARBITRATOR APPOINTED UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947.

PARTIES :

1. Agent, Bararee Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Bhulanbararee, Distt. Dhanbad
—Employer

AND

2. Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Rajendra Path P.O. and Distt. Dhanbad through its Secretary on behalf of worker.

APPEARANCES :

For Employer :

1. Shri N. K. P. Sinha, Personnel Manager, Bhowra Area of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. P.O. Bhowra (Dhanbad).

For Workman :

1. Shri G. D. Pandey, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, (Rajendra Path), P.O. and Distt. Dhanbad.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

AWARD

No 1(1)/82-Dy. CLC(C).

Dated 31st August, 1982

There is an industrial dispute between the employer in relation to the management of Bararee Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad and their workman Shri Ganga Dayal Singh, Clerk of the above said Bararee Colliery, represented by Rashtriya Colliery Mazdoor, Dhanbad.

By an agreement dated 31-7-82 under Sub-Section 1 of Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947 the parties agreed to refer the dispute to my arbitration. The specific matter in the dispute referred to me is as under :—

“Whether the Union’s demand for placing Shri Ganga Dayal Singh, Clerk in Gr. Grade-I is justified? If not, what relief he is entitled to?”

The agreement was published in the Gazette by the Government of India vide Order No L-20013(9), 82-D.III(A) dated the 25th August, 1982.

The hearing in the arbitration was held on 31-7-82 in the office of the Deputy Chief Labour Commissioner (Central) Dhanbad.

During the course of the arguments and at the time of placing evidences, oral as well as documentary, the management was harping on the point that the matter referred to me is one of promotion. The terms of reference do not convey it in any manner. I am convinced that it is a matter of regularisation.

The parties do not dispute of the details of the performance of the workman. They are as under :—

- (i) All English typing jobs of Personnel Deptt. i.e. P.O.’s Provident Fund, Bonus, Accounts, Section etc.
- (ii) All typing jobs in Hindi of the said Colliery.
- (iii) All correspondences of Hindi Section;
- (iv) Maintaining of statutory registers;
- (v) Maintaining of all files of disciplinary action;
- (vi) Maintaining of Muster Rolls and other miscellaneous files.

The workman is performing the above work since January, 1974. This has been corroborated by the management of Bararee Colliery who is fully acquainted with the various duties performed by the workman. It is on record that he is performing the job of two clerks single handedly. So, they have recommended that he shall be regularised as Gr. I Clerk in order to give justice. Due to administrative reasons he has not regularised. The following workmen who were placed on a similar position to that of Shri Ganga Dayal Singh had been regularised vide the management’s letter Nos. (1) IV/PD/MP/A-34/1778 dated 17-2-82 (2) IV/PD/MP(A-11K)/8209 dated 12-8-81.

- (1) Shri D. N. Tripathy (Katras Area)
- (2) Shri K. S. Banerjee (Katras Area)
- (3) Shri S. K. Shahi, Asstt. Store Keeper, Bararee Five Project.
- (4) Shri Arjun Yadav, Munishi, Bararee Five Project.

I do not find any reasons why Shri Ganga Dayal Singh should be denied of the benefits extended to the above workman. A person who does higher responsibility should be encouraged and rewarded by regularisation.

Shri Ganga Dayal Singh was performing the higher responsibility for a period exceeding six months. The High Power Consultative Committee had also made recommendation to give effect to regularisation in a case similar to that of Shri Ganga Dayal Singh.

I, therefore, award that Shri Ganga Dayal Singh shall be regularised as a Clerk Gr I with effect from the date the local management made recommendations i.e. 17-6-1980.

No cost

K. SHANMUGHAVEL,

Dy. Chief Labour Commissioner, (Central),
Dhanbad, and an Arbitrator under Sec. 10-A of the I.D. Act,
1947.

[No. 1-20013(9), 82-D III(A)]

S.O. 3468—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Karmik Bhavan, Post Office Sonardih, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th September, 1982.

BEFORE SHRI K. SHANMUGHAVEL, DEPUTY CHIEF
LABOUR COMMISSIONER (CENTRAL), DHANBAD
AND ARBITRATOR APPOINTED UNDER SECTION 10A
OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947.

PARTIES :

M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Karmik Bhavan, P.O.
Distt. Dhanbad (Bihar) ...Employer

AND

Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, P.O. & Distt. Dhanbad through its Secretary on behalf of workers.

APPEARANCES :

For Employer—Shri C. Choubey, Deputy Personnel Manager, M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Karmik Bhavan Dhanbad.

For Workmen—Shri G. D. Pandey, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, P.O. & Distt. Dhanbad.

AWARD

No. 1 (8) 82-DY CLC (C)

Dated 31st August, 1982

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

There is an Industrial Dispute between the employer in relation to the management of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. Karmik Bhawan, P.O. & Distt. Dhanbad and their workmen Shri Sudama Tewary represented by Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, P.O. & Distt. Dhanbad. The parties under a written agreement under Sub-Section-I of Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947 agreed to refer the said dispute to my arbitration. The terms of the arbitration are as under :—

“Whether the demand of the Union that Shri Sudama Tewary should be designated as Mechanical Fitter in Category-V with effect from the 1st January, 1980 is justified? If so, to what relief the workman is entitled?”

Whereas the employer is represented by Shri C. Choubey, Deputy Personnel Manager M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Karmik Bhawan, Dhanbad the workman by Shri G. D. Pandey, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Rajendra Path, P.O. and Distt. Dhanbad

The arbitration agreement was signed on 23-7-82 and published by the Government of India (the appropriate Government) vide their Order No. 1-20013(8) 83-D-III(A), dated 21-8-82.

The hearing was held on 23-7-82, 9-8-82 and on 17-8-82 in the office of the Deputy Chief Labour Commissioner (C), Dhanbad.

Shri Pandey on behalf of the workman argued that Shri Sudama Tewary of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. has been working as a Fitter in the scale of pay of Category IV, applicable to workmen, employed in the Coal Mining Industry. The management in accordance with the promotion policy of the management has promoted the above said workman to category V on 23rd April, 1981. In the promotion list his name is found in Sl. No. 54 with the designation of Pipe Fitter. Regarding the date of promotion i.e. 1-1-80 there is no dispute.

The dispute is with regard to designation, conferred on Shri Sudama Tewary. He is a Mechanical Fitter and as such the promotion list should also show him as a Mechanical Fitter instead of a Pipe Fitter. As per the cadre scheme of the management, in the capacity of Mechanical Fitter Shri Tewary has got chances for further promotions to Category VI. At times as per the cadre scheme of the management he may also be promoted as a Foreman. On the other hand as per the cadre scheme the highest category, for Pipe Fitter, on promotion would be Category V only. So the workman is in great disadvantage if he is not placed on his rightful designation. Besides it is neither fair nor reasonable for the management to change the designation of the workman from Mechanical Fitter to Pipe Fitter. So, Shri Pandey pleaded that the Arbitrator may give an award to the effect that Shri Sudama Tewary would be designated as a Mechanical Fitter in Category V with effect from 1st January, 1980.

Shri Choubey, Deputy Personnel Manager on behalf of the management argued that the designation of Shri Sudama Tewary has been changed from Mechanical Fitter to Pipe Fitter because he was working in the Water Supply Treatment Plant at the time of his promotion. However, he stated that on re-consideration the management would have no objection to designate Shri Tewary as a Mechanical Fitter.

In the light of the arguments placed by the parties I am satisfied with the justifications, to re-designate Shri Sudama Tewary as a Mechanical Fitter.

I, therefore award that Shri Sudama Tewary would be designated as a Mechanical Fitter, in Category V with effect from 1st January, 1980 and he would also accrue all the benefits that go with such a designation

No cost

K. SHANMUGHAVEL,

Dy. Chief Labour Commissioner (Central),
Dhanbad, and Arbitrator under Section 10-A of the I.D. Act,
1947

[No. 1-20013(8), 82-D III(A)]

S.O. 3469—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Govindpur Area (No. III) of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sonardih District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th September, 1982

BEFORE SHRI K. SHANMUGHAVEL, DEPUTY CHIEF
LABOUR COMMISSIONER (CENTRAL), DHANBAD
AND ARBITRATOR APPOINTED UNDER SECTION
10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

PARTIES:

1. Managements of Kooridih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd, P. O. Sonardih, Distt. Dhanbad
... Employer.

AND

2. Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Rajendra Path, P.O. and Distt. Dhanbad through its Secretary on behalf of worker.

APPEARANCES :

For Employer: 1. Shri Surendar Singh, Deputy Personnel Manager M/s. B.C.C. Ltd P.O. Sonardih, Distt. Dhanbad.

For Workman: 1. Shri G.D. Pandey, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh (Rajendra Path), P.O. & Distt. Dhanbad

INDUSTRY : Coal

AWARD.

No. 1(24) 81-DY. CLC(C).

Dated 31st August, 1982

Whereas there is an Industrial Dispute between the management of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. in their Govindpur Area (No. III) and their workman Shri Gurucharan Singh, Miner, Kooridih Colliery represented by the Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad and whereas the above-said parties by a written agreement dated 31-7-82 under Sub-Sec. 1 of Section 10A of the Industrial Dispute Act, 1947 agreed to refer the aforesaid dispute to my Arbitration. The specific matters referred to my arbitration are as under:-

1. "Whether the demand of Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh Rajendra Path, Dhanbad that the stoppage from work of Shri Gurucharan Singh, Miner, Kooridih Colliery of M/s B.C.C. Ltd P.O. Sonardih, Distt. Dhanbad from August, 1977 is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"
2. "Whether the action of the management of Kooridih Colliery of M/s Bharat Coking Coal Ltd, P.O. Sonardih, Distt. Dhanbad in not giving the due compensation to Shri Gurucharan Singh, Miner due to loss of sight of one of his eyes on account of accident while on duty and in course of employment in January, 1977 is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"

The written agreement of the party by which the disputes has been referred to my arbitration is published in Gazette of India vide Order No.L-20013(10)/82-D.III(A) dated 18-8-82 of Govt. of India in the Ministry of Labour.

The hearing of the above arbitration was held on 31-7-82 and 9-8-82. With regard to term No. 1 I have to remark that both the parties hold the view that Shri Gurucharan Singh had submitted his resignation from his services with the Kooridih Colliery on 15-3-77 and the resignation was accepted by the management on 17-3-77.

The difference of opinion between the parties is with regard to the nature of illness, preceeding the submission of the resignation. The nature of illness, in my opinion, does not matter when the workman had submitted his resignation. So I am not concerned with the nature of the illness preceeding the resignation

Shri Pandey was emphasizing that the management had failed to communicate the workman of their acceptance of his resignation. Hence the acceptance of resignation was not valid. He therefore argued that the workman was continued to be in service and should be re-instated with all the back wages and other allied benefits

From the arguments pleaded before me and from the statements filed before me I have come to the conclusion beyond doubt that Shri Gurucharan Singh was not stopped from work. He had submitted his resignation on 15-3-77 which had been accepted on 17-3-77. Thereafter he also had received all his outstanding dues such as gratuity, Provident Fund etc. The fact that the acceptance of resignation had not been communicated to the workman is merely a technical flaw which would not invalidate the resignation.

I therefore award Shri Gurucharan Singh Miner, Kooridih Colliery of M/s Bharat Coking Coal Ltd was not stopped from work. Consequently the question whether his stoppage from work was justified or not need not be dealt with by me.

With regard to term No. 2, the parties at the time of arguments accepted the fact that this issue falls within the jurisdiction of the Workman's Compensation Commissioner. I agree with their view. As a matter of fact they should not have referred this term to my arbitration at all. So no award is given to this term.

No Cost.

K. SHANMUGHAVEL,

Dy. Chief Labour Commissioner (Central)
and an Arbitrator under section 10A
of the Industrial Disputes Act, 1947.

[No. L-20013(10)/82-D.III(A)]

New Delhi, the 17th September, 1982

S.O. 3470.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Saraidhella, District Dhanbad, and their workman, which was received by the Central Government on the 14th September, 1982.

BIHORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), DHANBAD

Reference No. 48 of 1982

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Saraidhella, District Dhanbad and their workmen.

APPEARANCE :

On behalf of the employers—None.

On behalf of the workmen—Shri R. K. Prasad, Secretary, Bihar Colliery Kamgauh Union, Bhulh Branch, Dist. Dhanbad

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, 7th September, 1982

AWARD

This is an industrial dispute under S. 10 of the I.D. Act, 1947. The Central Government by its order No. L-20012(12)/82-D.III(A) dated 12th May, 1982 has referred the dispute for adjudication to this Tribunal for adjudication on the following terms :

SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Saraidhella, Karmik Bhawan District Dhanbad for regular employment to Shri Birendra Basphore, and 53 others sweepers (listed in Annexure below) under the management is justified? If so to what relief are the workman concerned entitled?"

ANNEXURE

1. Shri Laxman Lal Balmiki.
2. „ Gita Harijan.
3. „ Premlal Harijan
4. „ Prabhu Dayal Balmiki.
5. „ Umesh.
6. „ Rata Lal Balmiki.
7. „ Bodhraj Balmiki
8. „ Dilip Bhaspor.

9. Shri Jagdish Balmiki
10. „ Binod Kumar
11. „ Birendra Basphor
12. „ Sita Ram Balmiki
13. „ Hira Dome.
14. „ Madan Lal Balmiki
15. „ Banshi Balmiki.
16. „ Tara Devi.
17. „ Radha Kumari
18. „ Prakash Balmiki
19. „ Shankar Ram.
20. „ Sona Ram
21. „ Govind Ram
22. „ Ramanand Balmiki
23. „ Buldemo Balmiki.
24. „ Ratan Ram Balmiki.
25. „ Tapan Kumar.
26. „ Iswar Ram Balmiki
27. „ Girdhari Lal Harijan.
28. „ Hari Balmiki
29. „ Bishu Ram Balmiki
30. „ Shyam Lal Balmiki.
31. „ Prakash Chandra Balmiki.
32. „ Raju Lakhan Balmiki.
33. „ Prabakar.
34. „ Hari Chandra Balmiki.
35. „ Mitesh Kumar.
36. „ Kailash Prasad Harijan.
37. „ Bimla Devi.
38. „ Nirajan Balmiki
39. „ Lokroti Basphorin
40. „ Raju Balmiki Chandra
41. „ Upendra Kumar.
42. „ Rajendra Balmiki
43. „ Nathi Devi.
44. „ Sita Devi.
45. „ Iaxmi Basphor.
46. „ Shiv Lakhan Das.
47. „ Arjun Prasad.
48. „ Mantu Balmiki
49. „ Shiv Pujan.
50. „ Raj Kumar.
51. „ Dilip Kumar.
52. „ Nand Kishore
53. „ Shegleswar.

2. This reference was received on 20-5-82 and on the same date notices were issued to the parties for appearance and filing of written statement. On 17-6-82 Shri R. K. Prasad, Secretary, Bihar Colliery Kamgarh Union, Bhuli Branch filed this authority for Shri Baban Lal, Advocate, and also the written statement of the workmen. For the management nobody was present and therefore 26-6-82 was fixed for appearance of the management for filing of written statement. On 26-6-82 Shri B. Joshi, Advocate for the management appeared and prayed for time to file his authority and written statement of the management. On 5-7-82 however the management neither filed authority for Shri B. Joshi nor appeared. On behalf of the workmen prayer was made for awarding cost since the management was adopting dilatory tactics. A cost of Rs. 25 was awarded as condition precedent to the filing of the written statement of the management. On 15-7-82 Shri B. Joshi for the management submitted that he could not file his authority and written statement for the management as the same getting ready and he wanted a short adjournment. Accordingly 3-8-81 was fixed for filing written statement by the management and the cost was to be paid on that date. On 3-8-82 both the party lawyers were present and again a short date was required by the management and so 27-8-82 was fixed for filing of written statement by the management. On 27-8-82 Shri

Joshi remained absent and Shri B. Lal, Advocate for the workmen insisted that the case should be taken up ex-parte because the management was adopting harassing attitude. The case was adjourned to 3-9-82 after awarding a cost of Rs. 100/- to the workmen before filing of written statement. On 3-9-82 however nobody was present on behalf of the management and so this case was to be taken up ex-parte. On behalf of the workmen it was submitted that since the witness to be examined on behalf of the workmen was not available due to unavoidable circumstances the case should be fixed for 6-9-82 for ex-parte evidence. Accordingly on 6-9-82 the workmen examined WW. 1. in support of their case. Nobody was present on behalf of the management even on that date. After recording of evidence the award was reserved and the award has been given today i.e. on 7-9-82.

3. The case of the workmen briefly stated is that they are sweepers engaged in Bhuli Township of M/S Bharat Coking Coal Ltd. for 3 to 4 years. They have to clean hospitals, dispensaries, school and offices besides the workers colony located in the township. Their grievance is that the management was not maintaining proper records of their service and were not paying according to the wages admissible to them. They were paid at the rate of Rs. 10/- per day without any bonus or other amenities available to their job. They made representation before the management to regularise them in their jobs. The management agreed to regularise them in their jobs and to maintain proper records, but instead of that they were stopped from work w.e.f. 20-6-81 and the management started taking work through contractors.

4. WW. 1. has proved Ext. 1 which is the list of casual sweepers. It is in this form that the attendance of the concerned workmen used to be taken. Ext. W. 2 is a complaint form on which duties were allotted to these concerned workmen. Ext. W. 3 is a letter signed by Shri S. N. Sinha, Personnel Manager (Administration) addressed to General Manager (P) BCCL, Koyla Bhawan, Dhanbad. Under this letter 54 sweepers of Bhuli township were recommended for recruitment. Ext. W. 4 is a minute of discussions. Paragraph 5 of this document shows that it was agreed that the cleaning of township would be done departmentally, if possible, within two months. It was communicated to the union of the workmen under a letter dated 9-7-81 signed by Shri S. N. P. Sinha (Ext. W. 5). Thereafter we have Ext. W. 6 which is a letter dated 14/18th November, 1981 signed by Shri S. N. P. Sinha, Personnel Manager (Admin.) addressed to the Finance Manager (Pay) Koyla Bhawan which was to the effect that Rs. 2000/- was to be given to the sweepers, Bhuli township as advance payment. It was thereafter that the concerned workmen were made to sit idle.

4. From the evidence of WW. 1 it will appear that these concerned workmen are sweepers of the BCCL and instead of regularising them in service they were made to sit idle. The management could not appear to contest the case and so we have no other material to challenge the case of the workmen.

5. Under the circumstances the demand of the workmen of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Post Office Saraidhella, Karmik Bhawan, Dist. Dhanbad for employment to Shri Birendra Basphor and 53 other sweepers (listed in the schedule) is justified. They should be therefor, regularised with immediate effect and they will be deemed to continue in service with effect from 20-6-81 when they were stopped from work. They will be further entitled to their wages and other emoluments for the idle period. This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer

[No. L-20012(12)/82-DPP(A)]

A. V. S. SHARMA, Desk Officer

New Delhi, the 21st September, 1982

S.O. 3471—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in respect of a complaint under Section 33A of the said Act filed by Shri L. N. Rajwar, Attendance Clerk of East Bhuggatdih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad against the management, which was received by the Central Government on the 16th September, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) DHANBAD

Complaint No. 1 of 1982

In the matter of a complaint under S. 33A of the I. D. Act, 1947. Out of the Reference No. 33/81 of this Tribunal.

PARTIES :

Shri L. N. Rajwar, Attendance Clerk of East Bhuggatdih colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, P.O. Jharia, Dist. Dhanbad represented by Shri S. P. Singh, General Secretary, Khan Mazdoor Congress,

P.O. Jharia Dist. Dhanbad Complainant
Vs.

The Agent, East Bhuggatdih colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Jharia, Dist. Dhanbad.

... Opposite Party.

APPEARANCES :

On behalf of the complainant—Shri S. P. Singh, General Secretary, Khan Mazdoor Congress, P.O. Jharia Dist. Dhanbad.

On behalf of the Opposite Party—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar **INDUSTRY :** Coal

Dhanbad, the 13th September, 1982

AWARD

Shri L. N. Rajwar, the complainant, was attendance clerk of East Bhuggatdih colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad. An Industrial dispute was raised by him which have been referred for adjudication through notification No. 20012(16)/81 dated 2nd June, 1981 which has been registered in this Tribunal as Reference No. 33/81. The complainant's case is that during the course of conciliation proceeding the management terminated the service of the complainant on the plea of superannuation through their office order No. EBC/PD/80/F. 13/11129 dated 5-10-80 with effect from 15-12-80. This order has been challenged because it was passed without obtaining approval from this Tribunal.

2. The management's case is, that this application under S. 33A of the I. D. Act, 1947 is not applicable to the present case. In support of their case the management have filed a true copy of a settlement under S. 13(3) of the Industrial Dispute Act, 1947. The General Secretary of the Union representing the applicant was signatory to this settlement. Under this settlement paragraph 1 is clear that the date of birth of Shri L. N. Rajwar would be 16-12-1920 for the purpose of superannuation from service.

3. It will appear that Shri S. P. Singh representing the complainant here has admitted the settlement and was also the signatory to the settlement. Calculating from his date of birth 16-12-20, the complainant complete 60 years on 16-12-80. It was on this date that he was superannuated. The date of superannuation in BCCL is 60 years and after this date the complainant could not be retained in the service. For this reason it cannot be said that the management terminated his service. Shri S. P. Singh has argued

that the management has not produced any evidence to show that in BCCL the age of superannuation is 60 years. It is a fact that in this case no such circular has been produced but such a circular exists and I can take judicial notice of this fact from several decisions based on that circular in this court.

4. There is therefore no substance in this complaint and accordingly it is dismissed.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer

[No. L-20025(6)/82-D.III(A)]

A. V. S. SARMA, Desk Officer

New Delhi, the 16th September, 1982

S.O. 3472—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bhubaneswar in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs B. C. Mohanty and Sons (Pvt) Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 14-9-1982.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, BHUBANESHWAR

Industrial Dispute Case No. 3 of 1982 (Central)

Bhubaneswar, the 7th September, 1982

BETWEEN

The employers in relation to M/s. B. C. Mohanty and Sons (Pvt.) Ltd. ...First-party

AND

Their workmen ...Second-party

APPEARANCES :

None—for the first-party.

None—for the Second-party.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred by Section 7-A, Clause (d) of Sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication as per their Order No. L-29024/5/81-D III.B dated 17-3-1982 :

"Whether the demand of the workmen of Kamarda Chromite Mines for continued employment in the same mine under the successor employer namely M/s. B. C. Mohanty & Sons (Pvt.) Ltd. is Justified? If so, to what relief of the workmen are entitled?"

2. This case was registered on 24-3-1982 and notices were issued to both the parties to file their respective written-statements. Both the parties applied for time to file their written-statements and even through the case was adjourned from time to time giving opportunities to both the parties to file their written-statements, they did not file the same till 4-8-1982 despite notices. Both the parties also did not appear and did not take steps on that day. In the circumstances, I presume that there is no dispute between the parties at present to be adjudicated by this Tribunal. Hence I pass this no-dispute Award.

J. M. MAHAPATRA, Presiding Officer,

Presiding Officer,

[No. L-29024/5/81-D III(B)]

R. P. NARULA, Dy. Secy,

आदेश

नई दिल्ली 10 अगस्त, 1982

क्र० आ० 3473--केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाखंड अंतर्गामी में विनिर्दिष्ट विषय के अंतर्गत मजूरों के क प्रवर्धन में सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद निराकरण और उनके कर्मचारियों के बीच विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उस विवाद की न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बाध्यता समझती है

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री जे० एम० महापात्रा होंगे, जिनका मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट किया गया है।

अनुसूची

1 इलाहाबाद बैंक, बोकारो स्टील सिटी ब्रांच --

'क्या इलाहाबाद बैंक के प्रबंधन की अपनी बांकाएँ स्टील सिटी ब्रांच के संबंध में दूर अधीनस्थ और अधीनस्थ कर्मचारियों का अगस्त, 1981 से क्रमशः 150/- रु प्रति माह और 100/- रु प्रति माह सकल किया गया प्रतिकर की अदायगी रोकने की कार्रवाई संयोजित है ? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मचारियों किम अनुसूचि के हकदार है

2 बरौदा बैंक, बोकारो स्टील सिटी ब्रांच --

'क्या बरौदा बैंक के प्रबंधन की अपनी बांकाएँ स्टील सिटी ब्रांच के संबंध में लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारियों 1 जून, 1981 से क्रमशः 300/- रुपये प्रति माह और 205/- रुपये प्रतिमास की दर से सकल किया गया भत्ता सुविधाओं को, उक्त निवास स्थान प्रदान किए बिना, वापस लेने की कार्रवाई संयोजित है ? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मचारियों किम अनुसूचि के हकदार है ?

3 मिडिकेट बैंक बोकारो स्टील सिटी ब्रांच --

'क्या बोकारो स्टील सिटी के मिडिकेट बैंक की 1 जून 1981 से सकल किया गया भत्ता महापात्रा, जो इसका कर्मचारियों को 150/- रुपये प्रति मास की दर से दी जा रही है, वापस लेने की कार्रवाई संयोजित है ? यदि नहीं, तो कर्मचारियों किम अनुसूचि के हकदार है ?

[सं० एन०-12011/43/81-डी०-2(ए०)]

एन० के० वर्मा, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 10th August, 1982

S.O. 3473--Whereas the Central Government is of opinion that an industrial disputes exists between the employers in relation to the management of certain Banks and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said disputes for adjudication,

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Section 7A of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of

which Shri J. M. Mahapatra shall be the presiding officer with headquarters at Bhubaneswar and refer the said disputes for adjudication to the said Tribunal

SCHEDULE

1 Allahabad Bank, Bokaro Steel City Branch

'Whether the action of the management of Allahabad Bank in relation to their Bokaro Steel City Branch in stopping the payment of house rent compensation with effect from 1st August, 1981 to non-sub-ordinate and sub-ordinate workmen @ Rs 150 p.m. and @ Rs 100 p.m. respectively, is justified ? If not, to what relief are the workmen concerned entitled ?

2 Bank of Baroda, Bokaro Steel City Branch

'Whether the action of the management of Bank of Baroda, Bokaro Steel City Branch in withdrawing the house rent allowance facilities @ Rs 300 p.m. and Rs 200 p.m. to clerical and subordinate staff respectively with effect from 1st June, 1981 without providing residential accommodation to them, is justified ? If not, to what relief are the workmen concerned entitled ?

3 Syndicate Bank, Bokaro Steel City Branch

'Whether the action of the Syndicate Bank of Bokaro Steel City withdrawing the house rent allowance subsidy with effect from 1st June, 1981 being paid to its employees @ Rs 150 per month is justified ? If not, what relief the workmen are entitled to ?

[No I-12011(43)/81-D II(A)]

N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 21 मियम्बर 1982

क्र० आ० 3474--केन्द्रीय सरकार सरकार की स्थान (अप्राधिकृत अधिकारियों की वेदखली) अधिनियम 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दी गई सारणी के स्तंभ (1) में वर्णित अधिकारियों का जो सरकार के अधीन राजपत्रित अधिकारियों की पक्ति के संयुक्त का अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारियों के रूप में नियुक्त करती है, जो उक्त सारणी के स्तंभ (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और उन पर अधिगणित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारियों का पदाभिधान सरकारी स्थापना के प्रभार और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं

1	2
अधीक्षक, श्रेणी 1	बिहार में धनबाद गिरिडीह और
खान बक्श केन्द्र	हजारीबाग पश्चिमी बंगाल में बर्दवान
धनसार, जिला धनबाद	असम में लीडो, मध्य प्रदेश में मरुआ,
	छिदवाडा और गहड़ोल, आन्ध्र प्रदेश
	में खम्माम और आदिलाबाद जम्मू
	में कश्मीर में राजौरी और उडुप्पा
	क्षेत्रपाल में केन्द्रीय कोयला खान बक्श
	केन्द्रीय समिति में सम्बंधित या उसके द्वारा
	और उसकी ओर से पट्टे पर लिए
	गए या अधिग्रहीत किए गए और उसके
	प्रशासनिक नियंत्रणाधीन परिमर ।

[सं० स० डी० 11011/1/79-ब्रा० 1]

जे० के० जैन अवर सचिव

New Delhi, the 21st September 1982

S.O. 3474. - In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the table below being an officer equivalent in rank to a Gazetted Officer under Government to be Estate Officer for the purpose of the said Act who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the estate officers, by or under the said Act, within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column (2) of the said table.

TABLE

Designation of officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
Superintendent Grade 1, Mines Rescue Station, Dhansar, District Dhanbad.	Premises belonging to or taken on lease of requisitioned by and on behalf of the Central Coal Mines Rescue Stations Committee and under its administrative control at Dhanbad, Giridih and Hazaribagh in Bihar, at Burdwan in West Bengal, at Ledo in Assam at Surguja, Chhindwara and Shahdol in Madhya Pradesh, at Khammam and Adilabad in Andhra Pradesh, at Rajouri in Jammu and Kashmir, and at Dhenkanal in Orissa.

[F.No.D-11011/1/79-MI]

J.K. JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1982

का० प्रा० 3473.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ड) के उपखण्ड (6) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के अम संमंत्रालय की अधिसूचना संख्या 983 तारीख 16 फरवरी, 1982 के द्वारा भारत सरकार टुकसाल, अलीपुर, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 28 फरवरी, 1982 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ड) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 28 अगस्त, 1982 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं० एस० 11017/3/80-डी IA.)]

726 G of I/82—13

New Delhi, the 15th September, 1982

S.O. 3475.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 983 dated the 16th February, 1982 the Indian Government Mint, Alipur, Calcutta to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 28th February, 1982.

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 28th August, 1982.

[No. S-11017(3)/80-D.I.(A)]

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1982

का० प्रा० 3476.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ड) के उपखण्ड (6) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के अम संमंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० प्रा० 1386 दिनांक 24 मार्च, 1982 द्वारा यूरैनियम उद्योग में सेवाओं को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 20 अप्रैल, 1982 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है,

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ड) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 20 अक्टूबर, 1982 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं० एस०-11017/7/81-डी० 1 (ए०)]

एल. के. नारायणन, अवर सचिव

New Delhi, the 21st September, 1982

S.O. 3476.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1386 dated the 24th March, 1982 the service in the Uranium industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 20th April, 1982.

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 20th October, 1982.

[No. S-11017/7/81/D-I(A)]

L. K. NARAYANAN, Under Secy.

New Delhi, the 18th September, 1982

S.O. 3477—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of North Jhagrakhand Colliery of Western Coalfields Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th September, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 10/81

PARTIES :

Employers in relation to the management of North Jhagrakhand Colliery of Western Coalfields Ltd.,
P.O. North Jhagrakhand Colliery District Surguja.

AND

Their workman.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri R. S. Murthy, Advocate

For the Workman—Workman himself.

INDUSTRY : Coal.

STATE : M.P.

Dated, the 6th September, 1982

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 has referred the dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. I-22011(19)/79-D.IV(B) dated the 30th March, 1981.

SCHEDULE

"Whether the management of North Jhagrakhand Colliery of M/s. Western Coalfields Ltd., P.O. Jhagrakhand, District Surguja is justified in keeping Shri Uma Shankar S/o, Sri Sewdeyal, Traffic Munshi out of employment for the period 15th September, 1975 to 24th December, 1975? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. The Union did not appear for hearing of the case in spite of several notices issued to them on different dates. On 6th September, 1982 the management examined MW-1 Shri T. K. Bose, Personnel Officer who has stated that the workman has filed a petition before the Area General Manager stating that he does not want to contest the case pending before Dhanbad Tribunal and so the said case should be dismissed. He has filed the said petition filed by the workman and has proved the signature of the workman on it. The said document has been marked Ext. M-1.

3. In view of the above application of the concerned workman and in view of the fact that the union is not coming to contest the case in spite of several notices issued to them, there is no alternative but to pass a 'no dispute' award as the very application of the concerned workman shows that he does not want to contest the case.

4. In the circumstances, a 'no dispute' award is passed.

J. N. SINGH, Presiding Officer.

[No. I-22011(19)/79-D.IV(B)]

S.O. 3478—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rana Colliery of Eastern Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th September, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 63/80

PARTIES :

Employers in relation to the management of Rana Colliery of Eastern Coalfields Ltd., P.O. Kalipahari, District Burdwan.

AND

Their workman.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. N. Lala, Advocate.

For the Workman—Shri B. Lal, Advocate.

INDUSTRY : Coal.

STATE : West Bengal.

Dated, the 4th September, 1982

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 has referred the dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L 19012(3)/80-D.IV(B) dated the 10th October, 1980.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of the Rana Colliery of Eastern Coalfields Ltd., in not regularising and giving Technical Grade 'C' of the Coal Wage Board Recommendations to Shri Lakshmi Singh, Coal Cutting Machine Driver-cum-Incharge with effect from the 1st August, 1969 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. The case of the workman is that he has been working as Incharge of Coal Cutting Machine Drivers at Rana Colliery with effect from 1st August, 1969 and as Incharge he has to supervise the work of coal cutting machine for which he was being paid an extra wage for 2 days per week. The Rana Colliery was nationalised with effect from 1st May, 1973 and even after nationalisation the workman continued to do the said job of Incharge and received the extra wages but the said extra wages was stopped from July, 1974.

3. It is submitted that though the concerned workman was working as Incharge of Coal Cutting Machine Drivers but he was paid wages of Category VI only as per Coal wage Board recommendation. He approached the management several times to regularise his job as Coal Cutting Machine Incharge and in spite of the recommendation of the Manager it was not paid to him. The demand of the concerned workman is that he should be upgraded and put in Technical Grade 'C'. The concerned workman raised an industrial dispute and the present reference was made after the conciliation ended in failure.

3. The defence of the management is that the demand of the concerned workman is absurd and untenable as he is making the demand with effect from 1st August, 1969 when the nationalisation of coal industry was not even conceived. Besides, no such demand was ever made by the concerned workman or the union before the then management or even before the present management for so long. It is stated that

the concerned workman is working as a Coal Cutting Machine Driver and the Coal Cutting Machine Drivers as per Coal Wage Board Recommendation have got two categories viz. V & VI. The concerned workman has been put in Category VI after he obtained the Gas Testing Certificate. It is however stated that as per Coal Wage Board recommendation there is no category of workman known as Coal Cutting Machine Driver-cum-Incharge in coal industry and as such the question of creation of any such post and putting the concerned workman in Category 'C' does not arise at all. It is submitted that the concerned workman on the date of nationalisation was working as a Coal Cutting Machine Driver and he was designated as such even after nationalisation and he is getting the pay of Category VI.

4. It is however admitted that for some time the concerned workman was paid two days wages for a week as he used to work on Sunday but it was stopped as it was heart burning for the other drivers who were not given work on Sunday. The two days wages according to the management was given to the concerned workman for doing overtime work on Sunday.

5. The concerned workman has referred to the case of one Sri Usman Mia who has been given Category 'C' but according to the management the case of Usman Mia stood on a separate footing.

6. The point for consideration is as to whether the action of the management in not regularising and give Technical Grade 'C' to the concerned workman with effect from 1st August, 1969 is justified. If so to what relief is the concerned workman entitled.

7. It may be stated at the very outset that as per Coal Wage Board Recommendation there is no post designated as Coal Cutting Machine Driver-cum-Incharge. Coal Cutting Machine Drivers have been given two categories viz. Category V & VI and the concerned workman is admittedly in Category VI which is the highest grade of Coal Cutting Machine Drivers. By the present reference the concerned workman has claimed that he should be regularised as Coal Cutting Machine-cum-Incharge and should be given Technical Grade 'C'. Technical Grade 'C' is a supervisory post. Further as stated earlier there is no designation as Coal Cutting Machine Driver-cum-Incharge under the Coal Wage Board recommendation and the Tribunal cannot ask the management to create any such post.

8. The pay sheets Fts. M-1 to M-1/8 would indicate that the concerned workman was designated throughout as Coal Cutting Machine Driver which is admitted by him also. There is no paper to show that he was designated as Driver Incharge even before nationalisation. The concerned workman after nationalisation U/s. 14 of the Nationalisation Act was given the same grade in which he was placed prior to nationalisation. Not a single chit of paper has been filed to show that prior to nationalisation the concerned workman was working as Incharge or was performing any supervisory duty. The concerned workman has no doubt filed certain slips Ext. W-1 to Ext. W-12 but those slips do not make out anything. They do not show that the concerned workman worked as Incharge and he is entitled to a higher grade. In fact there is no grade 'C' in the category of Coal Cutting Machine Drivers.

9. The concerned workman has no doubt examined two witnesses besides himself to show that the concerned workman was working as Driver Incharge but the duty assigned to him according to these witnesses was that in case of breakdown the concerned workman used to inform the Engineer for repair of machine. The management witnesses MW-1 & MW-2 have clearly stated that the concerned workman all along worked as Coal Cutting Machine Driver. MW-1 is a manager while MW-2 is Ventilation Officer. There is nothing in the cross-examination of these two witnesses to discredit their testimony.

10. Thus from the evidence it is clear that there is no designation as Coal Cutting Machine Driver-cum-Incharge under the Coal Wage Board recommendation nor there is

any Category C for such a post. The Tribunal can neither create such post nor can put any workman in any category not prescribed by the Wage Board recommendation.

11. It will also appear that the demand of the concerned workman is that he should be regularised and put in Category C from 1st August, 1969. It is strange that though he claims to be working as Coal Cutting Machine Driver-cum-Incharge since 1969 but he never raised any claim for his designation or grade either before the erstwhile management or even before the present management when the nationalisation took place in 1973. There is no evidence to show as to when even the present dispute was raised before the management or before the A.L.C. by the concerned workman. The reference however is dated 10th October, 1980 which indicate that utmost the concerned workman would have raised such dispute in the year 1978 or 1979. No reason has been assigned as to why since 1969 till 1978 or 1979 the concerned workman did not raise any dispute nor made any claim. It is well settled that stale claims are not to be encouraged by any Tribunal or Court. The very fact that the dispute has been raised after a lapse of so many years clearly indicate that the concerned workman has got no claim and he wants at a belated stage to make out a new case for which there is no provision under the Wage Board recommendation nor there is any documents in support of the same.

12. Considering the evidence on record and facts and circumstances of the case, I hold that the action of the management in not regularising and giving Technical Grade 'C' to the concerned workman is fully justified and the concerned workman is not entitled to any relief.

13. I give my award accordingly.

J. N. SINGH, Presiding Officer

[No. L-19012(3)/80-D.IV(B)]

S. S. MEHTA, Desk Officer.

New Delhi, the 15th September, 1982

S.O. 3479.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Pavri Kyanite Mine Village Mogatta and their workmen which was received by the Central Government on 2nd September, 1982.

BEFORE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-10 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the Pavri Kyanite Mine, Village Mogatta, Post Sakoli, District Bhandara (Maharashtra State)

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the employer—Mr. H. M. Pavri, Proprietor, Pavri Kyanite Mine.

For the Workmen—Mr. M. M. Deshkar, President, Maharashtra Rajya Khadan Karmchhari Sangh.

STATE : Maharashtra

INDUSTRY : Mining

CAMP : Nagpur

Nagpur, dated the 10th day of August, 1982.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by order No. L-29011/35/77-D.II.B. dated 23/24th February, 1978, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute between the employers in relation to the management of Pavri Kyanite Mine, Village Mogatta, Post Sakoli, District Bhandara (Maharashtra State) and their workmen in respect of the matters specified in the schedule mentioned below :—

SCHEDULE

"Whether the stoppage of work of Shri Shankar Kangale and 44 others w.e.f. 1-7-77 by the Management of Pavri Kyanite Mine, Post Sakoli, District Bhandara (Maharashtra State) is justified? If not to what relief are the concerned workmen entitled?"

2. Pavri Kyanite Mine appears to be a proprietary concern of Mr. H. M. Pawari and deals with in the business of extracting and selling kyanite. According to the employer, it is a small mine of 25 acres and produces low grade kyanite ore. The branch Secretary, Maharashtra Rajya Khandan Karmachari Sangh (Mines Moghata) (hereinafter referred to as the 'Sangh') espoused the cause of Shankar Kangale and 44 other workmen complaining against the alleged stoppage of work by the employer with effect from 1-7-1977. It is alleged in the statement of claim filed by the Sangh that the employer had closed down their mines at Giraola without giving any notice in writing to the workmen. The removal of the workmen was on different dates. The first set of 23 workmen were refused work on 13th June, 1977. The second set of 13 workmen were not given work from 16th June, 1977. The third set of workmen consists of 45 workmen in respect of whom the present reference is made. It is alleged that no notice in writing was given to them and they were called upon to put their signatures and accept retrenchment compensation which they refused to accept. The Union of the workmen was formed sometime before the stoppage of work. The Sangh demanded payment according to notification under the Minimum Wages Act. The employer therefore started harassing the workmen by pressuring them to leave the Sangh. When the workmen refused to do so they were removed from employment. It was admitted that the Director General of Mines (Safety) issued a notice whereby the employer was prohibited from working the mines. However, it was alleged that this prohibition was not imposed all of a sudden, but the officers, before imposing prohibition were warning the employer for removal of overburden. However, the employer did not abide by the instructions. Subsequently, the Department issued orders prohibiting further extraction of ore. It was admitted in the statement of claim that the Government had imposed ban on the export of ore in November, 1976. It was further alleged that the production continued for 6 months thereafter. It was stated that this mine was never closed during the rainy season. It was further stated that the closure of the mine was not owing to the reasons advanced by the employer, but was intended to prevent legitimate trade union activities and to facilitate refusal for payment of minimum wages. It was alleged that the closure was, therefore, illegal and amounted to victimisation.

3. The employer by its written statement filed on 22nd May, 1978 pleaded as follows. On account of circumstances beyond the control of the management, the mine had to be closed with effect from 1-7-1977. A notice dated the 30th May, 1977 was put up on the notice board informing all the workmen accordingly. There was no stoppage of work, but it was a closure. The mine was closed for an indefinite period with effect from 1-7-1977. The reasons for closing the mine were stated as follows. The employer received notice from the Department of Mines under Section 22(3) of the Mines Act, whereby the employer was prohibited to work the mines on account of danger involved to the life and safety of the workman employed therein. According to the Department of Mines, the mines were unsafe for working unless and until overburden was

removed. Requests were made by the employer to withdraw the prohibition. However, the employer was unsuccessful. The employer was not in a position to remove the overburden for various reasons. The removal of overburden involved considerable dead work with no possibility of making income whatsoever. The employer was further hit by fixation of minimum rates of wages. The financial position of the employer was critical in various ways. The Government of India had also banned the export of kyanite by a notification issued on 5-11-1976. Due to prohibition of export the sales of kyanite ore heavily depleted. The despatches were abruptly stopped by various customers resulting in heavy accumulation of stock to the tune of Rs. 1,65,000/-. For these reasons it was impossible for the employer to run the mine. In the absence of sales no income could be earned which could be utilised for removing the overburden or for paying the differences in minimum rates of wages. The Minimum Wage Authority had filed a case against the employer for recovery of differences in wages of about Rs. 45,000/-. This amount could be paid only after disposing of the truck owned by the employer. The additional reason for closing the mine was that the mine could not be worked during rainy season. The service of all workmen were therefore terminated from the end of June, 1977. The employer pleaded that the reasons for closure of the mine were bonafide and justifiable. On closure of the mine, individual notices were also tried to be served on the workmen giving details of the amounts due to them, including retrenchment compensation. Though one month's notice was already given additional one month's pay was also offered by the employer to the workmen. The workmen refused to accept the notices or the amounts offered to them with the result that notices were despatched by registered A/D post. Amounts were sent by Money Orders to individual workmen. They refused to accept the notices and also the amounts sent by Money Orders. After lapse of time some of the workmen approached the employer and received the amounts. The employer is still willing to pay the dues of the workmen resulting from the closure of the mine. Unless the market is improved, it is not possible for the employer to restart the mine. Gradually, as some realisation was made out of the accumulated stock and also some orders were received from Bhilai Steel Plant notice was affixed on the notice board and also the workmen were individually informed that the working of the mines will commence on 14th March, 1978. Accordingly, work of removing the overburden was commenced. The moment the danger is removed, the Department of Mines will be moved for cancelling the prohibitory order issued under Section 22(3) of the Mines Act. As and when more orders are received from customers more workmen will be recruited, if found necessary. For all these reasons, the employer alleged that the closure effected was bonafide and legal.

4. By its rejoinder to the statement of claim the employer pleaded as follows. The employer reiterated that it was impossible for them to operate the mines in the face of the notice under Section 22 of the Mines Act. The work of mine has now commenced after the removal of the overburden and the employer has now engaged the same labour on its reopening on March 1978, though it was not obligatory on the part of the employer to engage the same labour after the closure of the mines as the said closure was not retrenchment within the meaning of Section 25-F of the Industrial Disputes Act.

5. The party who espoused the cause of the workman viz., the Sangh remained absent on a number of dates when the hearing was fixed at Bombay. This matter was therefore taken up when the Tribunal held its sittings at Nagpur. Both the parties appeared before me at Nagpur on 10th August, 1982. They informed that they have arrived at an understanding and the same be accepted. They filed two writs (Ex EW1 and FW2) containing that understanding signed by the employer Mr. H. M. Pawari and the President of the Sangh, Mr. M. M. Deshkar. The understanding arrived at between the parties is as follows :—

- (i) All those workmen who did not accept the retrenchment compensation have been taken back on 13th March, 1978, on the reopening of the mine. An amount of Rs. 300/- has been paid to them as ex gratia payment. They were given continuity in service.

(ii) Five workmen whose names have been mentioned in writing submitted by the parties and who had already accepted the retrenchment compensation were reemployed.

(iii) Then as regards the remaining sixteen workmen who had accepted the retrenchment compensation, but who could not be employed so far, the employer has agreed to reemploy them according to their seniority as and when required.

6. In view of this understanding, the Sangh who espoused the cause of the workmen has stated in writing that it has no dispute now in the matter of the demands in the reference and that the claim of the 45 workmen is now fully settled. It appears from the document produced on record on behalf of the employer that this mine employed less than 50 workmen. The provision regarding 60 days' notice was not applicable to this mine in view of the provisions in Section 25-FFA. The contentions raised on behalf of the employer were not altogether without substance. The employer has now, after reopening of the mine taken back in its service 29 workmen and has agreed to reemploy the remaining 16 workmen. The employer has employed 24 workmen with continuity of service and it appears that in lieu of back wages an amount of Rs. 300/- has agreed to be paid to each of them as an ex gratia payment. In the circumstances of the case, it appears that the understanding arrived at between the parties is just and fair. I would therefore pass an award in terms of the understanding arrived at between the parties, which is recorded in the two writings filed before me on the date of hearing on 10-8-1982.

7 Award accordingly. The two writings (exhibits EW-1 & 2) will form part of this award. No order as to costs.

M D. KAMBI, Presiding Officer

[No. L-29011/35/77-D(III)B]

SHASHI BHUSHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1982

क्र.आ. 3480.—बोड़ी कर्मकार कल्याण निधि अधिनियम, 1976 (1976 का 62) की धारा 10 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित रिपोर्ट प्रकाशित करती है, 'जिसमें वित्तीय वर्ष 1981-82 के दौरान उक्त अधिनियम के अधीन वि. वि. सहयोग प्राप्त निधि के कार्य-कलापों का लेखा-जोखा तथा उस वर्ष के लेखों का विवरण दिया गया है। सामान्य।

बोड़ी प्रतिष्ठानों में सीधे या किसी एजेंसी के माध्यम से नियोजित व्यक्तियों के कल्याण को बढ़ावा देने के उपायों के संबंध में वित्तीय सहायता देने के लिए बोड़ी कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1976 और बोड़ी कर्मकार कल्याण निधि अधिनियम, 1976 के अधीन बोड़ी कर्मकार कल्याण निधि गठित की गई है।

बोड़ी कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1976 के अंतर्गत बनाए गए नियम 15 फरवरी, 1977 को लागू हुए। बोड़ी कर्मकार कल्याण निधि अधिनियम, 1976 के अधीन बनाए गए नियम 7 अक्टूबर, 1978 से लागू हुए।

बोड़ी कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1976 (1976 का 56) की धारा की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने बोड़ी के निर्माण के संबंध में किमा शी प्रयास के लिए गोदावरी से किसी व्यक्ति को दिए गए नष्ठाक पर प्रति किमी 25 पैसे की दर निर्धारित की थी, जिस पर उपकर के रूप में उत्पाद-शुल्क लगाया जाना था और एकत्र किया जाना था।

वित्त अधिनियम, 1979 के अनुसार प्रतिवर्ष नष्ठाक पर उत्पाद-शुल्क लगाने से छूट दी गई और गोदावरी को लाहुरेय देना समाप्त किया

गया। बोड़ी कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1976 के अंतर्गत एकत्र किए गए उपकर को भी पहली मार्च, 1979 से समाप्त कर दिया गया। निधि के अधीन कार्यकलापों में आ लाता के लिए बोड़ी अधिक कल्याण उपकर (संगोधन) अधिनियम, 1981 प्रस्तावित गया है और पहली जनवरी, 1982 से प्रत्येक हजार निमित्त बोड़ीयों पर 10 पैसे की दर से उपकर लगाया गया है।

बोड़ी कर्मकार कल्याण के अधीन कार्यकलापों को वित्तीय सहायता पिछले वर्षों में एकत्र की गई राशि के द्वारा दी जाती है।

प्रशासनिक सुविधा के लिए राज्यों का, जहां देश के बोड़ी अधिक संकेन्द्रित है, पांच क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है और वित्तीय कार्यकलापों के कार्यान्वयन के लिए कल्याण आयुक्तों, उपकल्याण आयुक्तों और सहायक कल्याण आयुक्तों के पद सृजित किए गए हैं। विभिन्न क्षेत्रों के अधिकार क्षेत्र इस प्रकार हैं:—

क्रमांक	अधिकारी का नाम	राज्यों के नाम
1.	कल्याण आयुक्त, भुवनेश्वर	उड़ीसा, पश्चिम बंगाल तथा पूर्वी राज्य
2.	कल्याण आयुक्त, भोपालवाड़ी	राजस्थान और गुजरात
3.	कल्याण आयुक्त, इलाहाबाद	बिहार और उत्तर प्रदेश
4.	कल्याण आयुक्त, बंगलौर	कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल
5.	कल्याण आयुक्त, जबलपुर	मध्य प्रदेश और मड़राष्ट्र

वित्तीय सुविधाएं

वित्तीय सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है और आलोच्य रिपोर्ट के दौरान विमानानुसार 9 औपचारिकों को मजदूरी दी गई है।

बिहार:—चार औपचारिक-गोदावरी, मातोहरा, शर्मा नगर और सिलावड़ी में एक-एक।

केरल:—कोल्लम में एक औपचारिक

कर्नाटक:—बिराहो में एक औपचारिक

उड़ीसा:—गुजीदर में एक औपचारिक

उत्तर प्रदेश:—दो औपचारिक—रामपुर और रायबरेली में एक-एक

उपर्युक्त 9 औपचारिकों के अलावा, 69 औपचारिक तथा सीमर में एक इन पदों वाले अस्पताल तथा निमित्त में एक सेल क्लीन कार्य करती रही। आलोच्य वर्ष की रिपोर्ट के दौरान अर्थात् 1981-82 में बोड़ी अधिक और उनके परिवार के सदस्यों की वित्तीय सुविधाओं की व्यवस्था करने में 50,62,169.94 रुपये खर्च किए गए हैं।

शिक्षा

विभिन्न क्षेत्रों में बोड़ी कर्मकारों के बच्चों को 30,32,565.20 रुपये की राशि छात्रवृत्तियों के रूप में दी गई।

आवास

बोड़ी कर्मकारों का आवास सुविधाओं का उपस्थापना के लिए अपना मतलब बनाओ यावत त आलोच्य वर्ष की रिपोर्ट में 912.11 रुपये की आर्थिक सहायता दी गई।

आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग के बोड़ी अधिकों के लिए 'आवास योजना' के अन्तर्गत राज्य सरकारों को 12,49,500.00 रुपये की सहायता अनुदान मजदूर किए गए, जिनके अंतर्गत, इस प्रकार है:

(क) गुजरात सरकार	2,74,500.00 रुपये
(ख) मध्य प्रदेश सरकार	7,50,000.00 रुपये
(ग) तमिल नाडु सरकार	2,25,000.00 रुपये

1981-82 का लेखा विवरण

(क) ग्रन्थ शेष	3,24,31,422.00 रुपये
(ख) वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	5,55,158.18 रुपये
(ग) वर्ष के दौरान व्यय	1,10,45,329.42 रुपये
(घ) अन्त शेष	2,19,41,250.76 रुपये

[फाइल संख्या एम/23011/3/82-एम VI]

ठाकुर दाम, अवर सचिव

New Delhi, the 9th September, 1982

S. O. 3480.—In pursuance of Section 10 of the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976 (62 of 1976), the Central Government hereby publishes the following report giving an account of its activities financed under the said Act during the financial year 1981-82 together with a statement of accounts for that year.

General

The Beedi Workers Welfare Fund has been constituted under the Beedi Workers Welfare Cess Act, 1976 and the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976 for the financing of measures to promote the welfare of persons engaged in Beedi establishments directly or through any agency.

The Rules framed under the Beedi Workers Welfare Cess Act, 1976 came into force with effect from 15th day of February, 1977. The Rules under the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976 were brought into force with effect from 7th October, 1978.

In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Beedi Workers Welfare Cess Act, 1976 (56 of 1976), the Central Government had fixed the rate of 25 paise per kilogram of tobacco issued to any person from a warehouse for any purpose in connection with the manufacture of beedi, as the rate at which the duty of excise was to be levied and collected by way of cess.

Under the Finance Act, 1979, unmanufactured tobacco was exempted from the levy of excise duty and licensing of warehouses was discontinued. The cess which was being collected under the Beedi Workers Welfare Cess Act, 1976, was also stopped with effect from 1st March, 1979. For financing the activities under the Fund, the Beedi Workers Welfare Cess (Amendment) Act, 1981, has been enacted and cess has been levied on manufactured beedis at the rate of 10 paise per thousand manufactured beedis with effect from 1st January, 1982.

The activities under the Beedi Workers Welfare were financed out of the collections made in the previous years.

For administrative convenience, the States having concentration of beedi workers in the country, have been grouped into five regions and for implementing the various activities, posts of Welfare Commissioners, Deputy Welfare Commissioners and Assistant Welfare Commissioners have been created. The jurisdiction of various regions is under:—

Sl. No.	Name of the Officer	Name of the States
1.	Welfare Commissioner, Bhubaneswar.	Orissa, West Bengal and Eastern States
2.	Welfare Commissioner, Bhilwara.	Rajasthan and Gujarat
3.	Welfare Commissioner, Allahabad.	Bihar and Uttar Pradesh
4.	Welfare Commissioner, Bangalore.	Karnataka, Andhra Pradesh, Tamil Nadu and Kerala
5.	Welfare Commissioner, Jabalpur.	Madhya Pradesh and Maharashtra

Medical Facilities

Medical care has been given priority and during the period under report 9 dispensaries as under were sanctioned :

Bihar	—Four dispensaries, one each at Gopalganj, Motihari, East Champaran and Sitamarhi.
Kerala	One dispensary at Calicut.
Karnataka	—One dispensary at Nipani
Orissa	One dispensary at Gujardarda
Uttar Pradesh	—Two dispensaries one each at Rampur and Raebarilly.

Besides the above 9 dispensaries, 69 dispensaries, one ten bedded hospital at Mysore and Chest Clinic at Nintita also continued to function. During the year under report, viz. 1981-82 an amount of Rs. 50,62,169.94 has been spent in providing medical care facilities to beedi workers and members of their family.

Education

An amount of Rs. 30,32,565.20 was paid as scholarships to the children of beedi workers in different regions.

Housing

For providing housing facilities to beedi workers Rs. 94,200 was given as subsidy to beedi workers under Build Your Own House Scheme.

A grant-in-aid of Rs. 12,49,500.00 was sanctioned to State Governments under Housing Scheme for Economically weaker section of beedi workers as under:

(a) Government of Gujarat	—Rs. 2,74,500.00
(b) Government of Madhya Pradesh	—Rs. 7,50,000.00
(c) Government of Tamil Nadu	—Rs. 2,25,000.00

Statement of Accounts for the year 1981-82 :

(a) Opening balance	—Rs. 3,24,31,422.00
(b) Receipts during the year	—Rs. 5,55,158.18
(c) Expenditure during the year	—Rs. 1,10,45,329.42
(d) Closing balance	—Rs. 2,19,41,250.76

[No. S-23011/3/82-M.V.]

T. D. SALHOTRA, Under Secy.

New Delhi, the 13th September, 1982

S.O. 3481—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Grindlays Bank Limited, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th September, 1982.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CALCUTTA

Reference No. 43 of 1979

PARTIES :

Employers in relation to the management of Grindlays Bank Limited, Calcutta.

AND

Their workmen

APPEARANCES :

On behalf of Employers—Mr. P. P. Ginwalla, Counsel, with Mr. R. N. Thunjunwalla, Advocate.

On behalf of Workmen—Mr. P. K. Chatterjee Advocate.
STATE : West Bengal, INDUSTRY : Banking

AWARD

By Order No. L-12011/21/79-D.IIA dated 4th July 1979, the Central Government has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether action of the Grindlays Bank Limited, Calcutta in deducting full day's pay from the wages of their workmen for their absence from work for four hours on 29-12-77 is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?”

2. The facts are that the employees of the Grindlays Bank Limited, Calcutta (briefly, the Bank) went on four hours strike from 10 A.M. to 2 P.M. on 29th December 1977. This strike was in pursuance of a call given by their parent organisation—All India Bank Employees' Association (In short, AIBEA) in support of the demands of the employees all over India for the betterment of the conditions of service. The Bank deducted one full day's salary for that. The employees claim to have worked for the rest of the working hours on that day but the bank refutes it. The bank had earlier given a notice on 27th December 1977 that even if an employee resorted to a partial strike he will not earn his salary for the period he would work on the day of the strike, as he would be committing breach of contract of his service and so he should not report for duty for the rest of the working hours on that day. The Bank supports its action of deduction of full day's salary on the principle of “no work no pay”. The question is whether the cut of one day's wage by the bank is justifiable in law. Mr. P. P. Ginnwalla contended that the principle to be adopted in the present case should be “no work no pay”. He submitted that the employees struck the work for four hours on that day and in that situation the bank was justified in deducting the full day's salary. He also argued that the strike was illegal on account of absence of legal notice under Section 22 of the Industrial Disputes Act, 1947.

2. In my opinion the employer was competent to deduct one day's pay under the principles of general law. Under the general law the performance of service in accordance with the contract of employment is a condition precedent for earning the remuneration of salary. If an employee absents from work without just cause or excuse he commits a breach of the terms of contract and it will not at all be justifiable to make the employer pay for services not rendered by the employees : see Halsbury's Laws of England, 4th Edition, Vol. 16, Articles 554, 579, 610 and 915. The legal position that an employee forfeits remuneration not only when he absence from duty but also when he wilfully does not discharge his duty, is clearly brought out from the decision of the Court of Appeal in *Secy. of State v. Aslef (No. 2)* (1972) 2 All ER 949 at 963. In that case the employees had resorted to “work to rule”. In that context Lord Denning, MR, observed as follows :

“Now I quite agree that a man is not bound positively to do more for his employer than his contract requires. He can withdraw his goodwill if he pleases. But what he must not do is wilfully to obstruct the employer as he goes about his business. That is plainly the case where a man is employed singly by a single employer. Take a homely instance, which I put in the course of argument. Suppose I employ a man to drive me to the station. I know there is sufficient time, so that I do not tell him to hurry. He drives me at a slower speed than he need, with the deliberate object of making me lose the train, and I do lose it. He may say that he has performed the letter of the contract; he has driven me to the station; but he has wilfully made me lose the train, and that is a breach of contract beyond all doubt. And what is more, he is not entitled to be paid for the journey. He has broken the contract in a way that goes to the very root of the consideration, so he can recover nothing

So much for the case when a man is employed singly. It is equally the case when he is employed ‘as one of many’ to work in an undertaking which needs the service of all. If he with the others, takes steps

wilfully to disrupt the undertaking, to produce chaos so that it will not run as it should, then each one who is a party to those steps is guilty of breach of his contract. It is no answer for any one of them to say ‘I am not bound to do more than a 40 hour week.’ That would be all very well if done in good faith without any wilful disruption of services; but what makes it wrong is the object with which it is done. There are many branches of our law when an act which would otherwise be lawful is rendered unlawful by the motive of object with which it is done. So here it is the wilful disruption which is the breach. It means that the work of each man goes for naught. It is made of no effect, I ask: is a man to be entitled to wages for his work when he, with others, is doing his best to make it useless? Surely not. Wages are to be paid for services rendered not for producing deliberate chaos.”

3. In a recent Madras case reported in (1981) II L.J. 367 (R. Rajamanickam v. Indian Bank) the very point which is involved in the instant case was elaborately discussed. That is a direct case on the point. In that case also the employees of the Indian Bank had gone on strike for four hours on 29 December 1977 pursuant to a call given by AIBEA demanding revision of wages and other service conditions and payment of bonus. The bank cut the pay of one day. The employee concerned challenged the action of the Indian Bank but it was held that the management was justified in deducting the salary of the full day. This case asserted the principle of “no work, no pay” applied earlier by a Division Bench case of the same High Court in *V. Ramchandran v. Indian Bank*, 1979 I L.J. 122. The 1981 Madras case also made a reference to para 13.27 of the Bipartite Settlement dated 19 October 1966 which runs as below :

“Any absence from duty without satisfying the requisite conditions under which leave may be taken or obtaining such leave on false grounds would justify any bank, after giving the employee an opportunity to explain, in not treating the employee as on casual leave but as being absent without leave on loss of pay and allowances.”

The case of *Ganeshan v. State Bank of India*, 1981 I L.J. 64 was distinguished, and I think rightly, on the ground of acquiescence of the employer as the Bank had permitted the employees to resume work for the rest of the working hours of the day's strike. The Madras decision is thus in favour of the Bank. The Madhya Pradesh High Court in a recent Division Bench case of *Vikram Tamaskar v. Steel Authority of India Ltd.*, 1982 Lab IC 909—1982—II L.J. 84 agreed with the view taken by the Madras High Court in *Rajamanickam* case (supra). It accepted the principle of “no work, no pay”. In that case the Officers of Bhilai Plant attended the site or place of work and signed the attendance register but did not work at all for the period in between 3rd August to 31st August 1981 and 1st September to 11th September 1981. It was held that the management was entitled to deduct the salary for those periods. So the Madhya Pradesh High Court case also is in favour of the Bank. Similar view has been taken by the Punjab & Haryana High Court in *Dharam Singh v. Bank of India*, 1979 Lab IC 1079.

4. So far as the Calcutta High Court is concerned, the view is not consistent as I will presently show. In the case of *M. K. Bose v. Bank of India*, 1977-II L.J. 284 (Cal) Amarendra Nath Sen, J (as he then was) held that unless an employer is empowered or authorised by any statute or under the terms and conditions of a contract of employment to deduct any part of the salary from the salary payable to the employee he has no power to effect any cut in the salary on a pro rata basis for the period during which he was absent from his duty and participated in demonstration. This case is the sheet-anchor of the argument of Sri P. K. Chatterjee. Sri Chatterjee has vehemently argued that the contract of employment is one whole and indivisible, that it is on monthly basis and cannot be divided into number of days or number of hours and minutes and so the Bank has no right to deduct the salary of the employee even if the employee is absent for a part of the day. Learned Counsel submits that if an employee absents himself without any just cause for a part of the day, the remedy of the bank would be to proceed against such employee for misconduct or for breach of contract and not in deducting a part of the salary. His submission is supported by the case of *M. K.*

Bose case (supra). There is another Calcutta decision in *Krishnatosh Das Gupta v. Union of India*, (1980) 1 LLJ 42 in which it was held that in order to deduct any amount from the salary these must be specific rules relating to the contract of service of the person concerned. Learned Counsel has also cited a recent case of the Bombay High Court in *T. S. Keewala & Others v. Bank of India & Others*, (1981) Indian Factories & Labour Reports, Volume 43, p. 341 which has followed the *M. K. Bose's* case and also an earlier decision of the Bombay High Court in *Apar (Pvt.) Ltd. v. S. R. Samanta and Others* (1980) 11 LLJ 344. In that case a question arose for consideration as to whether an employer can unilaterally reduce the wages on the ground that the employees had adopted go-slow tactics in violation of the terms of the subsisting settlement. The Division Bench of the Bombay High Court gave the answer stating that in the absence of a specific term in the settlement or statutory provision an employer has no right to reduce the wages of emoluments on the allegation that the workers had resorted to go slow tactics or had not performed their part of the obligation in the settlement. Here it will not be out of place to refer to a Supreme Court case on "Go slow" tactics. In *Barat Sugar Mills Ltd. v. Bai Singh* (1961) 11 LLJ 644 (647) (SC) per Das Gupta, J. speaking for the Supreme Court Das Gupta J. said :

" 'Go-Slow' which is a picturesque description of deliberate delaying of production by workmen pretending to be engaged in the factory is one of the most pernicious practices that discontented or disgruntled workmen some times resort to. It would not be for wrong to call this dishonest. For, while thus delaying production and thereby reducing the output, the workmen claim to have remained employed and thus to be entitled to full wages. Apart from this also, 'go-slow' is likely to be much more harmful than total cessation of work by strike. For, while during a strike much of a machinery can be fully turned off, during the 'go-slow' the machinery is kept going on a reduced speed which is often extremely damaging to the machinery parts. For all these reasons, 'go-slow' has always been considered a serious type of misconduct."

I have already quoted the observations of Lord Denning, MR, in para 2 of this judgment of mine which shows that the driver adopting the go-slow tactics is not entitled to be paid. However, the two Bombay decisions and the two Calcutta cases aforesaid in favour of the workmen.

5. Now coming again to an important case. In *Alegemene Bank v. Central Government Labour Court*, 1978 11 LLJ 117 Mr. Justice Sabyasachi Mukherjee held that wages were payable for services rendered and deduction from wages, pro-rata for failure of consideration from the employees' side is permissible in law. In this case the provisions of the West Bengal Shops & Establishments Act, 1963 applied. In that case His Lordship pointed out the concept of the word "wages" and said that wages were remunerations payable by an employer to his employee for services rendered and further held that if the employee does not work then the remuneration would not be payable to him. In paragraph 12 of the judgement it is observed :

"I am of the opinion that the wages, as in the words of Lord Denning, are the payment for services rendered. I am inclined to think that it is not so much a question of whether the contract is divisible or entire but of reciprocal promises as the consideration, that is to say, the employer provides the employment and pays the remuneration and the employee performs the work during the period he is supposed to do the work. Therefore the right of the employee to get the remuneration depends upon the performance of his work during the period of employment. If there is any failure of that consideration then taking a strict view of the matter the employer is entitled to refuse any payment at all. But, as has been noticed in "The Contract of Employment" by M. R. Freedland, referred to hereinbefore, very often policy considerations enter and deduction on pro-rata basis is made to avoid undue hardship in the employer-employee relationship."

Mr. Chatterjee strenuously urged that Sabyasachi Mukherjee, J. expressed the view about the employer's right to deduct wages only tentatively and not finally. Learned Counsel has drawn my attention to the last portion of paragraph 12 of this judgment which is as follows :

"But in the instant case, because of the next aspect of the matter which I shall presently discuss it is not necessary for me to rest my decision on this aspect of the matter. But I express the above view about the employer's right to deduct wages tentatively with great respect of A. M. Sen, J."

In my opinion, though His Lordship has said that the view was only a tentative one, the point has been so thoroughly and elaborately discussed that it cannot be ignored. This Calcutta decision is entirely in favour of the Bank. The principles in this case, I think, have been correctly stated. After considering the various authorities aforesaid I agree with the views taken by Justice Sabyasachi Mukherjee in *Algemene Bank's* case, by the Madras High Court in *Ramachandra and Rajamanickam's* case, by the Madhya Pradesh High Court in *Vikram Tamaskar's* case and by the Punjab High Court in *Dharam Singh's* case. From these decisions it is clear that an employer is competent to effect a cut in the salary of his employee if the latter remained absent from duty without any just or good cause. This right of the employer is exercised under the general principles of law even in the absence of any specific provision in the contract of employment or in any statute.

6. Mr. Chatterjee however submits that the strike was legal and justified and therefore no wages can be deducted. On the other hand, Mr. Ginwalla submitted that the strike was illegal and unjustified and therefore the one day's salary was rightly deducted. Here I may point out that the matter had not been referred by the Central Government for adjudicating the legality or justifiability of the strike. However both parties have argued this point and I would deal with it, the point being relevant and especially when the terms of reference seems to be wide enough to include these points. The question is whether the strike was illegal. It appears to me that Section 22 notice was not given in the instant case by the concerned employees to their employer. Admittedly the Bank is a public utility service. Admittedly there has been a breach of contract. Admittedly no notice was given in form L which is the form prescribed by Rule 71 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957. The provisions of Section 22 of the Industrial Disputes Act are imperative and must be complied with. This is clear from a perusal of the various sub-sections including sub-section (4) of section 22 read with Form L. In para 4 of their written statement the workmen do not say when the notice of strike was given, by whom and to whom? It merely says that a notice was given. Section 22(1)(a) requires that notice must be given within six weeks before striking and under clause (b) it has to be given a fortnight earlier. Form L requires that notice shall be given by five elected representatives of workmen and shall specify the precise day on which they propose to call the strike and also to state the reasons for going on strike. The rule further requires the employer to intimate the Conciliation Officer of the fact of his having accepted the notice forthwith. The obvious purpose is to enable the authorities to make alternate arrangements for running the public utility service vital to the day-to-day life of the community in the event of the strike. Mr. Chatterjee argues that the Bank has admitted in para 8 of the written statement that they have received the notice of strike and hence the provisions of Section 22 should be deemed to have been complied with. Para 8 of the written statement of the bank runs as follows :

"The All India Bank Employees' Association, of which the Union is a federating unit, issued notice to the Managements of the Banks regarding the settlement of outstanding demands of the workmen in regard to wage revision, dearness allowance and other conditions of service and the managements were intimated that the bank employees will go on strike for the first 4 hours on 29-12-77. The Bank affixed a notice on the Notice Board on 27-12-77, a copy of which is marked Annexure 1, according to which the workmen were informed that if any of them did not report for work for any part of the day, he would be treated to be absent for the whole day and as such he need not

report for work during any part of the working hours on that day and that he would forfeit his salary for the whole day.

In my opinion this statement in the written statement is not sufficient to hold that the provisions of Section 22 have been complied with. The notice which is spoken of in this written statement of the employer is a general notice issued by AIBI A and not by the employees concerned to their employer. It was issued to the managements of the banks and a lot of statements of demands has been made. The name of the employer has not been mentioned. It has been signed by any one. Under form L it was to be signed by the Secretary of the Union. The notice is not in the form prescribed by law. The bank has challenged the legality of the notice in paragraph 12 of its written statement. The said notice is dated 14th December 1977. It is not known when it was received by the bank in question. Form L requires that notice shall be given by five elected representatives of workmen and on what date the meeting for electing them was held. It also requires the addresses of the five elected representatives to be given therein. There should be an annexure giving reasons for strike attaching the same to the notice. This requirement also has not been fulfilled. I therefore agree with the contention of the bank that there was no legal notice of the intention to go on strike served on the bank and that the provisions of Section 22 were not complied with. Hence strike is held to be illegal. There can be no doubt that if the strike is legal as well as justified, the strikers will be entitled to wages for the period of strike; vide *Crompton Greaves Ltd. v. the Workmen*, 1978-II 11J 80 and *Chura Kulin Tea Estate (Pvt.) Ltd. v. Its workmen*, 1969-II 11J 407. But in the present case the strike has been held to be illegal. In India, *General Navigation and Railway Co. Ltd. v. Their Workmen*, 1960-I 11J 13 the Supreme Court held that a strike which is clearly illegal cannot at the same time be characterised as justified, that the law does not make any distinction between an illegal strike which may be said to be justifiable and which is not justified. But in *Gujarat Steel Tubes Ltd. v. Gujarat Steel Tubes Mazdoor Sabha*, 1980-I 11J 137 Krishna Iyer, J. observed that mere illegality of the strike does not per se spell unjustifiability. That observation, in my opinion, does not help the employees. In the present case there is no evidence for coming to a finding as to whether the strike was justified or unjustified. The question of justifiability has to be decided not only with reference to the demands of the employees but also with reference to the fact as to whether the strike should have been commenced at the time when it was commenced and whether there was any serious dislocation of work due to the unlawful strike. In *Secretary of State v. SLEF* 1972 2 All. P.R. 1949 CA it was held that it is an implied term of the contract the employee will not wilfully disrupt the employer's business. In the instant case the business of the bank must have been disrupted through the illegal strike. Mr. Chatterjee submits that in a case of collective bargaining for the betterment of the conditions of service like basic pay, dearness allowance, bonus, Provident fund and gratuity, etc. it is the legal right of the employees to go on strike and that a strike in such a situation may justifiably be resorted to. In support of this contention he relies on *Swadeshi Industry Ltd. v. Its Workmen*, 1960-I 11J 78(SC)=AIR 1960 SC 1258. The contention as it stands is correct but in the present case the strike has been held to be illegal and if so, the employees cannot be entitled to wages for the period of strike.

7. The next question is whether the Bank is justified in deducting the full day's wages (for 29 December 1977). The answer, in my opinion, should be in the affirmative. In *Dharam Singh v. Bank of India*, Bombay (1979) Lab. IC 1079, a Division Bench of the High Court of Punjab & Haryana held that the working hours of each day should be considered as one single unit and it can not be split up into several sub-units. It was further held that it is not reasonable and permissible to hold that it is left to the free and unrestricted discretion of the employee to report for work at any time of the day and be at liberty to do work for any part of the day only at his whim and caprice and still enjoy the right to claim wages for the remaining part of the day. I respectfully agree with the view taken by Punjab High Court. If it is left to the free and unrestricted discretion of every employee to report for work at any time of the day when he chooses and to be absent at any time of the day when he likes there will be chaos in the administration of the management and instead of peace, there will be industrial unrest. If some employee chooses to come at 3 P.M. some at 5 P.M. and some at 12 noon and so on, it

will be a tremendous problem for the management to go on making payments to its employees on pro rata basis for the period of work of that particular day. In these circumstances I agree with the view taken by the Punjab High Court. In the book "Industrial Law" by H. Smith and J.C. Wood, 1980 edition at page 118 it is stated; "If an employee is on strike during a week or any part thereof that week does not count at a period of employment by virtue of paragraph 15(1); however a compromise is achieved by paragraph 15(2) which provides that the employee's continuity of employment is not broken by a strike". It seems that the reference in that statement is to the provisions of the Employment Protection (Consolidation) Act 1978. In our country there is no legislation on the subject. However, in view of the Punjab decision aforesaid I think that in a case of partial strike, the particular day should not count as a period of employment for the limited purpose of payment of wages for that day.

8. Mr. Ginwalla submitted that there was lock out in the second half of the day in pursuance of the bank's circular dated 27th December 1977 and the workmen had not been permitted to attend work for the rest of the day. In the view taken above it is not necessary to decide it.

9. For the foregoing reasons my award is, that the action of the Grindlays Bank Limited, Calcutta in deducting full day's pay from the wages of their workmen for their absence from work for four hours on 29th December 1977 is justified and, therefore, the workmen are not entitled to any relief.

Dated, Calcutta,

The 13th August 1982,

M. P. SINGH, Presiding Officer.

[No. 1-12011/21/79-DII(A)]

New Delhi, the 14th September 1982

S.O. 3482.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (Madhya Pradesh), in the industrial dispute between the employees in relation to the management of Bank of Baroda and their workman, which was received by the Central Government on the 4-9-1982.

BELIORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS (RFTD.) PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(A)(1)/1981

Under Sec. 33-A of ID Act

PARTIES :

Shri S. D. Jot, Clerk,
Bank of Baroda, Karanja
Branch, District Akola ..Complainant.

Versus

The Regional Manager (Nagpur Region) Bank of Baroda,
People's Mobile Hospital Building Dt. Annie Besant
Road, Worli Bombay : 400025 (M.S.) Opposite Party.

APPEARANCES .

For Complainant—Shri U. W. Kelkar.

For Management—Shri S. P. Rajamani

INDUSTRY : Bank DISTRICT Akola (M.S.)

AWARD

Dated August 30, 1982

This is an application by the aforesaid complainant who is one of the employees of the Bank of Baroda Karanja Branch, District Akola.

2. The Complainant contends that he is the senior most employee in the Nagpur Region and because of the seniority he

is the only person eligible for promotion; that in pursuance of the settlement dated 22nd September, 1977 he was the only person eligible to be appointed as a Special Assistant in the Karanja Branch on the vacant post from 1-1-1981; that the said vacancy has not been filled and that by not appointing him the Bank has committed breach of the terms and conditions of settlement.

3. In the reply the management of the Bank contends that there is a dispute which has been referred to for adjudication (vide Reference Case No. 27/1980) in respect of two other workmen S/Shri N. S. Pathakkar and P. K. Khanzode; that the applicant is not in any way concerned with the said dispute; that mere omission to fill a vacant post does not in any way amount to change the conditions of service; that the complainant workman has no vested right for promotion; that promotions to the higher posts are to be made in particular ratio; that in order of seniority Shri S. W. Pitke was promoted and that the condition of service either of the applicant (complainant) or of the two workmen concerned in the aforesaid dispute pending in this Tribunal is not altered.

4. On the above pleadings of the parties the following issue was raised :—

ISSUE

1. Whether the present application is maintainable on the facts alleged in the application ?

5. In this case both the parties given opportunity to lead evidence on this issue. However, the applicant remained absent and the management also did not lead any evidence.

6. I have considered the facts alleged by the applicant. In my opinion his application is liable to be dismissed as not maintainable for the reasons given below.

7. The only grievance made by the applicant in this application is that though there was a vacancy on account of the retirement of Shri D. K. Deshpande, Special Assistant, with effect from 1-1-1981 yet this vacancy was not filled in. The applicant further contends that considered from the fact of his being senior most he should have been promoted.

8. According to the extract of the Settlement referred to in para 2 of his application the vacancy had to be filled in within one month of such occurrence. Even if the management has not filled in the vacancy between the period of one month it cannot be said that there has been any change brought about in the terms and conditions of service of a particular workman. The dispute referred to by the management in the reply was between it and the two other workmen. That dispute has been considered in the Award given in Reference Case No. CGIT/IC(R)(27)/1980. However, so far as the applicant/complainant is concerned neither he was concerned in this dispute nor the management has introduced any change in his conditions of service. No evidence has been given by the workman to substantiate his allegations made in this application. The application is, therefore, liable to be and is hereby dismissed. In the circumstances of this case there will be no order as to costs.

S. R. VYAS, Presiding Officer

[No. I-12011(4)/82-D II(A)]

New Delhi, the 17th September, 1982

S.O. 3483—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Federal Bank Limited, Kerala and their workman, which was received by the Central Government on the 13th September, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL MADRAS

PRESENT :

Thiru T. Sudarsanam Daniel, B.A., B.L., Industrial Tribunal

(Constituted by the Government of India)

Monday the 6th day of September, 1982

Industrial Dispute No. 82 of 1981

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Federal Bank Limited, Head Office, Alwaye)

BETWEEN

The workman represented by the General Secretary, Federal Bank Employees' Union, Alwaye, Kerala

AND

The Chair man, Federal Bank Limited, Head Office, Alwaye, Kerala

REFERENCE :

Order No. L-12011/4/81-D II(A), dated 7th November, 1981 of the Ministry of Labour, Government of India.

**

This dispute coming on for final hearing on Friday, the 27th day of August, 1982 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru K. Chandru, for Thiruvallargal Row and Reddy and K. Chandru, Advocates for the workman and of Thiru B. S. Krishnam, Advocate for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following

AWARD

This is an Industrial Dispute between the workmen and the Management of Federal Bank Limited, Head Office, Alwaye referred to this Tribunal for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in Order No. L-12011/4/81-D-II(A), dated 7th November, 1981 of the Ministry of Labour in respect of the following issue :

"Whether the action of the management of Federal Bank Ltd. in relation to its Branch at Panangid in dismissing Shri K. S. Titus, Typist-cum-Clerk from the services of the Bank under its letter dated 20th November, 1978 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

(2) Facts leading upto this dispute are as follows: The Management is Federal Bank Limited, Head Office, Alwaye, Kerala State. The issue referred to this Tribunal for adjudication by the Government of India, Ministry of Labour relates to the action of the Management in relation to its Branch at Panangid in dismissing Thiru K. S. Titus, Typist-cum-Clerk from the services of the Bank by its letter dated 20th November, 1978. The aforesaid workman Thiru K. S. Titus was appointed as Typist-cum-Clerk by the Management-Bank from 24th December, 1972. Ex. M-2 dated 16th February, 1978 is the memo issued by the Management to the delinquent-workman calling for his explanation with regard to certain allegations made against him. Ex. M-3 is the copy of the explanation submitted by the workman on 27th February, 1978. The Management issued a show cause notice on 3rd March, 1978—vide Ex. M-4. Ex. M-5 is the reply sent by the workman on 11th March 1978. Apparently the Management-Bank was not satisfied with the explanation offered by the workman and therefore decided to hold domestic enquiry. Thiru M. V. Joseph was appointed as Enquiry Officer—vide Ex. M-6. Ex. M-7 is the report of the Enquiry Officer giving his reasons for the findings. Ex. M-7 would disclose that the workman was offered all reasonable opportunities to meet the charges levelled against him by the

Management As a matter of fact there is no whisper that the domestic enquiry held by the Management is unfair or opposed to principles of natural justice or vitiated by any irregularity as such. On the contrary, at the time of the domestic enquiry an industrial dispute in I.D. No. 48 of 1979 on the file of this Tribunal was pending and therefore it was that the Management made an application under Section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act, 1947 for approving the action taken by the Management in dismissing the concerned workman. It may be remembered that the conclusion of the Enquiry Officer under Ex. M-7 was to the effect that the charge sheeted employee, namely, workman concerned in this dispute is guilty of an act prejudicial to the interest of the bank under clause 19.5(J) of the settlement. The Chairman of the Management-Bank concurred with the findings of the Enquiry Officer and issued notice to the workman under Ex. M-8, and Ex. M-9 is the order of the Chairman giving a personal hearing for the workman. The workman has also submitted his submissions in writing under Ex. M-10. On 15th September, 1978 the Chairman of the Bank had pointed out that he does not find any reason to change the view taken by him earlier. Ex. M-13 is a notice sent by the Management dismissing the workman from the services of the Bank with effect from 23rd November, 1978. The workman was also given one month's wages in the light of Section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act, 1947. The application under Section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act, 1947 filed by the Management against the concerned workman was taken as Application No. 94 of 1978 and Ex. W-2 is the counter statement filed by the workman in that proceedings. Eventually that application was ordered by this Tribunal subject to the right of the workman to raise an Industrial Dispute. Subsequently the workman has raised the Industrial Dispute and ultimately the reference has been made by the Government of India. In the face of these materials, I have little hesitation to find that the domestic enquiry held by the Management against the concerned workman Thiru K. S. Titus is fair and proper and is not vitiated by violation of any principles of natural justice. The aforesaid enquiry proceedings does not suffer from any infirmities as such.

(3) On behalf of the Management it is contended that in view of the fact that this Tribunal has earlier screened the enquiry proceedings there is nothing more to be done in the present proceedings. However as detailed in paragraph (7) of the counter statement filed by the Management the approval of the action of the Management granted by the Tribunal was only on the basis of prima facie case for dismissal against the workman concerned. But it is claimed in paragraph (7) of the counter statement that although this Tribunal can exercise its powers under Section 11-A of the Industrial Disputes Act, in the present reference, this Tribunal cannot come to a different conclusion now, having granted the approval and therefore this Tribunal is estopped from entering into a finding otherwise. I am afraid the view of the Management is untenable. Suffice for me to refer to the decision of the Supreme Court in *Bharat Iron Works vs. Bhagubhai Balubhai Patel* (1976 Lab. I.C. 4), the Court has succinctly stated the scope of the two-fold approach to the problem by an authority under Section 33 in granting or refusing permission in the following words:—

"First, in a case where there is no defect in procedure in the course of a domestic enquiry into the charges for misconduct against an employee, the Tribunal can interfere with an order of dismissal on one or other of the following conditions:—

- (1) If there is no legal evidence at all recorded in the domestic enquiry against the concerned employee with reference to the charge or if no reasonable person can arrive at a conclusion of guilt on the charge levelled against the employee on the evidence recorded against him in the domestic enquiry. This is what is known as perverse finding
- (2) Even if there is some legal evidence in the domestic enquiry but there is no prima facie case of guilt made out against the person charged for the offence even on the basis that the evidence so recorded is reliable. Such a case may overlap

to some extent with the second part of the condition No. 1 above. A prima facie case is not, as in a criminal case, a case proved to the hilt.

It must be made clear in following the above principles, one or the other, as may be applicable in a particular case, the Tribunal does not sit as a court of appeal, weighing or reappreciating the evidence for itself but only examines the finding of the enquiry officer on the evidence in the domestic enquiry as it is in order to find out either whether there is a prima facie case or if the findings are perverse. Secondly, in the same case i.e., where there is no failure of the principles of natural justice, in the course of domestic enquiry, if the Tribunal finds that dismissal of any employee is by way of victimisation or unfair labour practice, it will then have complete jurisdiction to interfere with the order of dismissal passed in the domestic enquiry. In that event the fact that there is no violation of the principles of natural justice in the course of the domestic enquiry will absolutely lose its importance or efficacy."

Therefore in the light of the decision of the Supreme Court it is clear that the effect of the grant of approval by this Tribunal itself would only ensure to the extent of a prima facie case and if the findings are perverse, I may also point out to another earlier decision of the Supreme Court reported in 1959-II-L.J. Page 666 at 667 (*Between Punjab National Bank Ltd., and their workmen*).

"But it is significant that even if the requisite permission is granted to the employer under S. 33 that would not be the end of the matter. It is not as if the permission granted under S. 33 validates the order of dismissal. It merely removes the ban; and so the validity of the order of dismissal still can be, and often is, challenged by the union by raising an industrial dispute in that behalf. In the case of S. 33 the removal of the ban merely enables the employer to make an order of dismissal and thus avoid incurring the penalty imposed by S. 31(1). But if an industrial dispute is raised on such dismissal, the order of dismissal passed even with the requisite permission obtained under S. 33 has to face the scrutiny of the tribunal."

Therefore, there is no estoppel as such against this Tribunal from coming to a different conclusion on the totality of the materials now placed before this Tribunal. Section 11-A of the Industrial Disputes Act is very explicit to indicate the jurisdiction of the Tribunal on a reference made by the Government. If any authority is needed I may only refer to the decision of the Supreme Court reported in 1980—I-L.J. Page 137 (*Gujarat Steel Tubes Ltd. vs. Gujarat Steel Tubes Mazdoor Sabha*), where the Supreme Court points out that while reinstatement is awarded to the maximum number of workmen, as regards the others' relief granted taking pragmatic view of the whole case, thus emphasising the need for mutual equities. To a similar effect is also the latest Division Bench decision of our High Court reported in 1982—I-L.J. Page 159 (*Sri Ganeshwar Aluminum Factory C/o Jeewanlal (1929) Limited vs. Industrial Tribunal, Madras and another*). In the light of these decisions, there is no estoppel on this Tribunal to come to a conclusion that the findings of the domestic Enquiry Officer are perverse or not based on any acceptable material.

(4) Learned counsel for the workman Thiru Chandin did not seriously argue that the findings of the Enquiry Officer are perverse. But his attempt was to show that on the available materials before the Enquiry Officer the conclusion of the Enquiry Officer that the workman concerned must be held to have committed an act prejudicial to the interest of the Bank under clause 19.5(J) of the Settlement cannot be upheld. Clause 19.5(J) runs as follows:

"Doing any act prejudicial to the interest of the bank or gross negligence or negligence involving or likely to involve the Bank in serious loss."

The findings of the Enquiry Officer are based not merely on the oral evidence recorded but also on the earlier unequivocal admissions made by the concerned workman himself.

Suffice for me to refer to the earlier stand of the workman under Ex. M-3 dated 27th February, 1978 and also Ex. M-5 dated 11th March, 1978. In my view, irrespective of other materials, these two letters of the workman himself would decisively clinch the issue that the workman has committed an act prejudicial to the interest of the Bank as contemplated under clause 19.5(j) of the Settlement. In short, the charge against the workman is that his conduct towards women customers of the Bank was unbecoming and therefore those persons scared away from coming to the Bank to transact business. Although the note under Ex. M-2 by the Management is brief, the workman concerned has recalled what actually had taken place between himself and those three persons. He has admitted that he has sent these letters. He has also admitted that ever since his writing these letters to those persons they were not coming to the Bank to deposit money. He also admits his letters had created trouble in the family and tarnish the future of the persons to whom it was addressed. He is also quite conscious of his mischievous behaviour and is perfectly frank that he would accept the charge of sending letters to some of the clients and it has badly hit the interest of the institution. Ex. M-5 is another letter written by the workman on 11th March, 1978. The workman agrees with the view of the Management that his conduct would amount to gross misconduct to some extent. The workman also makes it clear that as a Bank employee he agrees it as a gross misconduct on his part and assures the Bank that he would not repeat such mischievous activities in future. In the face of these admissions it cannot be said that the action of the delinquent would not come within the purview of clause 19.5(j) of the Settlement. The non-examination of the complainants does not detract the merit of the case put forward by the Management. If in fact those ladies were examined it would only amount to adding insult to injury already sustained by them at the hands of the workman. On the peculiar facts of the case I consider that the Management has prudently acted in not attempting to examine any of those persons more so in view of the fact that those facts are admitted even by the workman under Exs. M-3 and M-5. It is significant to note that at no stage the workman has resiled from the stand taken by him either under Exs. M-3 or under M-5. On an examination of the entire evidence, I am satisfied that the findings of the Enquiry Officer are not perverse but based on materials placed before him. It may also be remembered that the findings have been examined by the Chairman and found acceptance at his hands. There was also a right of appeal provided under the regulations—vide Ex. M-14.

(5) Learned counsel for the workman finally submits that looked at from any point of view, the penalty imposed by the Management is disproportionate to the misconduct committed by the delinquent. If in fact the penalty inflicted by the Management was grossly disproportionate to the act committed then this Tribunal would not have approved the action of the Management because the act of the Management would then amount to victimisation or unfair labour practice. The very fact that approval has been granted by this Tribunal passes the hurdle the penalty inflicted by the Management is highly disproportionate to the act of misconduct committed by the delinquent. That apart, learned counsel for the workman Thiru Chandru also seeks to rely on a decision of our High Court reported in 1963—1—L.L.J. Page 512 (Sayed Azam (V) vs. State of Madras), where the High Court points out that "The Petitioner was not employed in service on condition that he maintained purity of language in giving expression to his views". The High Court also held that "If matters wholly unconnected with the conditions of the employment of the Petitioner are to be taken note of by the employer in imposing any punishment in relation thereto it would be negation of all guarantee that is afforded by the Constitution". It may also be remembered that it was a case relating to the service conditions of a Government servant under Article 311 of Constitution of India. At page 515 this is what the High Court states:

"In a case where the Government have no cause of complaint against the petitioner in so far as the discharge of his duties is concerned, it is impossible to conceive that the Government can take note of matters unconnected with such official duties and to purport to inflict one or the other of the punishments."

I must point out that the facts of the present case are totally different. Here the job of the workman who comes in contact with the public. The act complained of is committed by him in the course of the discharge of his duties. That is how I have already pointed out that even according to the workman he was perfectly conscious that his conduct would amount to gross misconduct because as a bank employee he agrees that it is gross misconduct on his part and he would apologize to those customers of the Management for his mischievous activities. In Ex. M-3 the workman has clearly stated that his action has resulted in creating trouble in the family of the customers and tarnishing the future of a girl and also creating confusion in the family. He categorically admits sending his letters to those individuals. He also admits that after his writing those letters, those customers are not coming to the Bank to continue to transact business with the Management. He also admits that the contents of his letters have created trouble in the family and tarnish the future of the girl and that his conduct would amount to mischievous behaviour. He also admits that by sending the letters referred to, the interest of the institution had been badly affected. He also makes it clear that those letters were against the interest of the institution. But he would say that he was very sorry for the mistake and that he would not repeat such types of mistake in future against the interest of the institution. Based on this, learned counsel for the workman would say that the workman would be given any other punishment excepting dismissal. The conclusion of the Enquiry Officer is that the workman was suffering by a "sex mania" as a result of one sided "love" and that he was in a state of craziness when he wrote those letters. Even if the submission is accepted that he will not repeat this behaviour in future I am not inclined to accept the same because on the totality of the materials placed it strikes me also that some how the workman has developed a mania or allergy to women who come to the Bank. It is very difficult to take one's understanding that he will not repeat such behaviour in future. It is an inherent nature that has been developed in this workman after some years. Merely, because the work of the workman had been uniformly good in view of certain admissions made by the Manager of the Bank as M.W. 1 and also the certificate of commendation for deposit mobilisation under Ex. W-1, it is not safe nay even hazardous to continue to employ persons of this bent of mind in the service of the Bank which is a public sector. After all the workman has in all about six years of service from 1972 to 1978 and he is in employment ever since. On compassionate grounds, I direct the Management to make an ex-gratia payment of six months' wages to the workman. But the workman would not be entitled to any other relief.

(6) In the result, an Award is passed holding that the action of the Management is justified. But the Management is directed to give ex-gratia payment of six months' salary to the concerned workman Thiru K. S. Titus. In the peculiar circumstances, I direct the parties to bear their respective costs.

Dated, this 6th of September, 1982.

T. SUNDERSANAM DANIEL, Presiding Officer

WITNESSES EXAMINED

For both sides : None.

DOCUMENTS MARKED

For workmen

Ex. W-1/29-9-76—Certificate for Deposit mobilisation issued by the Bank to Thiru K. S. Titus.

Ex. W-2/4-79—Counter filed by Thiru K. S. Titus in P. No. 94/78 before the Industrial Tribunal Madras.

Ex. W-3/5-10-79—Letter from the Union to the Assistant Labour Commissioner (C), Cochin requesting for his intervention.

For Management

Ex. M-1/20-1-78—Report of Thiru K. R. Balakrishnan to the Bank. (copy)

- Ex. M-2/16-2-78—Memo issued to Thiru K. S. Titus by the Bank calling for his explanation for the allegations made. (copy)
- Ex. M-3/27-2-78—Explanation of Thiru K. S. Titus to Ex. M-2. (copy)
- Ex. M-4/3-3-78—Show cause notice issued to Thiru K. S. Titus (copy)
- Ex. M-5/11-3-78—Reply letter from Thiru K. S. Titus to Ex. M-4. (copy)
- Ex. M-6/25-3-78—Letter from the Bank deciding to conduct enquiry and appointing Enquiry Officer. (copy)
- Ex. M-7/24-8-78—Findings of the Enquiry Officer (copy)
- Ex. M-8/2-9-78—Letter from the Bank to Thiru K. S. Titus proposing the punishment of dismissal. (copy)
- Ex. M-9/15-9-78—Notice of Personal hearing issued to Thiru K. S. Titus. (copy)
- Ex. M-10/14-9-78—Representation of Thiru K. S. Titus to Ex. M-8 (copy)
- Ex. M-11/21-10-78—Statement recorded by Thiru K. R. Subramanian. (copy)
- Ex. M-12/21-10-78—Chairman's proceedings not changing the view taken earlier. (copy)
- Ex. M-13/20-11-78—Dismissal order issued to Thiru K. S. Titus. (copy)
- Ex. M-14/27-12-78—Letter from the Bank of Thiru K. S. Titus furnishing the addresses of the appellate authorities. (copy)
- Ex. M-15/19-12-77—Letter from Thiru K. S. Titus to Miss Vijayalakshmi, M. A. (copy)
- Ex. M-16/11-12-77—Letter from Thiru W. S. Titus to Tmt. S. M. Savithri, Teacher. (copy)
- Ex. M-17/20-12-77—Letter from Thiru K. S. Titus to Thiru K. R. Balakrishna Menon. (copy)
- Ex. M-18/17-8-78—Letter from Thiru K. S. Titus to the Manager of the Bank for granting 15 days leave.
- Ex. M-19—Enquiry Proceeding (copy)
- Ex. M-20/20-1-78—English translation of Ex. M-1.

T. SUNDARSANAM DANIEL, Presiding Officer
[No. I-12011(4)/81--D.II(A)]

S.O. 3484.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Syndicate Bank, Jabalpur branch and their workman, which was received by the Central Government on 9th September, 1982.

BEFORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS (RTD.)
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT
JABALPUR (M.P.)

Case No. (GIT/LC(R)(20)/1982

PARTIES :

Employers in relation to the management of Syndicate Bank, Jabalpur Branch and their workman, Shri Ambika Prasad Urai. Part-time employee represented through the M.P. Bank Employees Association C/o United Commercial Bank, Wright Town, Jabalpur (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman—Shri S. C. Motiwala.

For Management—Shri P. S. Nair, Advocate and Shri Ranganathan.

INDUSTRY Bank DISTRICT Jabalpur (M.P.)

Dated September 6, 1982

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Reference Order No. I-12012(163)/81-D.II(A) dated 18th February, 1982 for the adjudication of the following dispute by this Tribunal :—

"Whether the action of the management of Syndicate Bank, Jabalpur Branch in filling up the vacant post of Attendant/Peon by another applicant instead of Shri Ambika Prasad Urai, Part-time employee, is justified. If not, to what relief is Shri Ambika Prasad Urai entitled and from what date?"

2. Facts giving rise to the present reference may briefly be stated as under :

The contention of the workman, Shri Ambika Prasad Urai, hereinafter referred to as the workman, was that he was the senior most Part-time employee of the Syndicate Bank, Jabalpur Branch, that he had been discharging his duties to the entire satisfaction of the management; that even after five years of service in the Bank he was not given any permanent appointment though there was a vacancy and that by refusing such an appointment there had been a discrimination against him.

3. The claim made by the workman was contested by the Bank's on various grounds. It was contended that the workman was not eligible for the permanent appointment as he did not fulfil the necessary qualifications; that while giving particulars for appointment the workman had given incorrect information about his educational qualifications etc. and that on merits, the workman was not entitled to any appointment as claimed by him.

4. On these respective statements of claims filed by both the parties, rejoinders were also filed by both. On the pleadings of the parties, the following issues were framed on 17-4-1982 :—

ISSUES

1. Whether the management of the Syndicate Bank, Jabalpur Branch, Jabalpur was justified in not giving a regular appointment to their part time workman, Shri Ambika Prasad Urai ?

2. Whether the workman, Shri Ambika Prasad Urai, was not qualified for regular appointment ?

3. To what relief are the parties entitled to ?

5. The case was thereafter fixed for evidence on different dates and finally on 2-9-1982. On this date an application was submitted by the workman's Union representative which is also signed by the workman in which the following statement has been made :—

"After the reference was made the Union and the management had discussed the matter in details. The management has fully explained the circumstances of the case, after this the Union is satisfied the action of the management. In the special circumstances of the case in filling the vacant post by another management justified ?

In the special circumstances of the case, the Union does not press their demand and an award may be given accordingly."

6. In view of the aforesaid statement it was prayed by the parties that the demand made by the workman is not

sought to be pressed by the workman and his Union representative and that an award about the existence of no dispute may be given.

7. As the dispute, which is the subject of the present reference does not subsist, and has been resolved to the satisfaction of both the parties, no adjudication of the dispute is necessary. Accordingly neither party is entitled to any relief. The reference is answered as follows :—

"As the dispute between the parties has been settled amicably and the workman does not want to press his demand as indicated in the order of reference no adjudication on the dispute is called for. In the circumstances of the case both the parties shall bear their own costs as incurred."

S. R. VYAS, Presiding Officer

[No L-12012(163)/81-D.II(A)]

S.O. 3485—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, (M. P.), in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India Jabalpur, and their workman, which was received by the Central Government on the 8th September, 1982.

BEFORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS (RFTD.) PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-1 LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(17)/1982

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of India, Regional Office, Jabalpur and their workman Shri Ram Singh Kori, represented through the State Bank of India Employees Union Jabalpur Regional Office, 13, State Bank Officers Colony, Laxmipuri Jabalpur-2 (M.P.)

APPEARANCES :

For Workman..Shri Rajendra Menon, Advocate.

For Management..Shri G. C. Jain, Advocate.

INDUSTRY : Bank DISTRICT : Jabalpur (M. P.)

Dated the 26th August, 1982

AWARD

By a reference Order No. L-12012/65/81-D.II (A) Dated 11th February, 1982, Government of India in the Ministry of Labour has referred the following dispute for adjudication by this Tribunal :—

"Whether the action of the management of State Bank of India in relation to their Regional Office, Jabalpur in transferring Shri Ram Singh Kori, Cashier-cum-Clerk from State Bank of India Regional Office Jabalpur to Narainganj Village Br. in Mandla Distt. vide their Order No. CRM/1/OMS/800 dated the 1st December, 1980, is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled ? "

2. After notices were served on both the parties statement of claims was filed by the management only. Though the workman was represented by Shri Rajendra Menon, Advocate but he sought time to file the statement of claim for the workman which was allowed to him. Subsequently he pleaded no instructions. Accordingly the case was reserved for evidence on 26th August, 1982. On this date an application was filed by the Central Secretary of the workman's Union and countersigned by the workman's Counsel in which it was stated that the dispute between the workman and the management of the State Bank of India regarding the workman's transfer from Jabalpur to Narainganj Village Branch has been

amicably settled by the retransfer of the workman to Jabalpur in the Industrial Estate Adhartal Branch. In view of this retransfer the workman stated that the dispute has been settled.

3. Shri Jain for the management also stated that the workman has been retransferred as stated in the application.

4. From the order of reference it is clear that the dispute raised by the workman was regarding his transfer from Jabalpur to Narainganj Village Branch. In view of the fact that he has been retransferred the dispute automatically stands settled. As the dispute does not survive no adjudication on this dispute is necessary. Accordingly the following award is passed :—

In view of the fact that the workman has been retransferred from Narainganj Village Branch to the Industrial Estate, Adhartal Branch, Jabalpur by the management of the State Bank of India the dispute regarding his transfer from Jabalpur to Narainganj Village Branch does not survive and the dispute stands settled. In view of the settlement of the dispute there will be no order as to costs.

S. R. VYAS, Presiding Officer

[No L-12012(65)/81-D.II(A) Pt I]

S.O. 3486—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Bhubaneswar, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank and their workman, which was received by the Central Government on the 13th September, 1982.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESWAR

PRI-SENT :

Shri J. M. Mahapatra, M. Com., LL.B., Presiding Officer, Industrial Tribunal Orissa, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 13 of 1980 (Central)

Bhubaneswar

Dated the 28th August, 1982

BETWEEN

The employers in relation to the management of Punjab National Bank ..First-party.

AND

Their workmen ..Second-party.

APPEARANCES :

Shri Rameshwar Singh, Law Officer. ...For the first-party.

Shri S. N. Misra, General Secretary, Punjab National Bank Employees Association, Calcutta...For the second-party.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred by Section 7-A, and Clause (d) of Sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, constituted an Industrial Tribunal of which my predecessor in office was the Presiding Officer and referred the following dispute to the said Tribunal for adjudication vide order No. L-12012/124/78-D.II.A dated the 7th October, 1980 :—

"Whether the order of dismissal of Shri Tapan Kumar Ghosh Clerk-cum-Godown Keeper employed at Punjab National Bank, Cuttack with effect from 22nd March, 1977 by the management of Punjab National Bank, 18-A, Brahmapur Road, Calcutta was justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

The said Government by its Order No. S 11015(6)/81-DIV(B) dated the 6th November 1981 has transferred the above proceeding to me for disposal according to law.

2. The case of the first-party management may be briefly stated thus:—

On 25th January, 1974, i.e., about six months after taking over charge of the two godowns at Jatri by the second-party Sri Tapan Kumar Ghosh, viz., M/s Dadi Rani Sati Dal & Flour Mills and Suresh Dal and Flour Mills, the Manager of the Branch Office, Cuttack, inspected both the godowns and found shortage in stock of some of the items of goods. He also found that some items were damaged and some spoiled and were not in a fit state to be pledge with the Bank for receipt of loan. It is further alleged that the second-party also signed the pledge memo, stock report dated the 24th January, 1974 in the account of M/s. Dadi Rani Sati Dal & Flour Mills with inflated value of stock and D. P. of stocks without storing any such stock in the godown which showed an increased D.P. of Rs. 21,000/- and against which the party approached the Branch Office, Cuttack, for advance. The further allegation is that in presence of the party Shri Ghosh also came to the Branch Manager, and when he saw the party with the pledge-form and when the Branch Manager informed that he would inspect the godown on the same day, Shri Ghosh tore off the pledge-memo and the stock report with a view to destroy the evidence of his wrongful action of signing the pledge-memo and stock report without actual receipt of the goods in the godown.

3. It is averred that in the account of M/s Dadi Rani Sati Dal & Flour Mills, by the wrongful action of the second-party, the advance to the party to the tune of Rs. 58,716/- on the date of the inspection (25-1-1974) was found unsecured, and there was shortage in margin of Rs. 28,088/-. After deducting the unsaleable stock and value of shortage, the real acceptable stock in the godown came to Rs. 51,580/- of which D. P. was Rs. 30,628/- only as against Bank's loan of Rs. 58,216/-. It is also averred that in the godown of M/s Suresh Dal and Flour Mill, the shortage of more than 100 dozen of non-galvanized buckets worth of about Rs. 7,825/- was found and in addition Shri Ghosh accepted four tonnes of old rusted sheets without permission of the Bank.

4. For the aforesaid delinquencies Shri Ghosh was charge-sheeted on the date of inspection on the spot and he was also placed under suspension. Shri Ghosh gave an explanation, in which he admitted the charges. The charges were, however, duly enquired into by Shri D. R. Tripathi, Manager, Branch Office, Cuttack, and the second-party also participated in the enquiry. The Enquiry Officer found that some of the charges were duly proved against the second-party. On receipt of the report of enquiry, the Regional Manager decided to award the punishment of dismissal to the second-party. So notice to show cause was issued to the second-party against the proposed punishment of dismissal, and the second-party Shri Ghosh gave his explanation in due course. Thereafter, on 22-3-1977, by order of the Regional Manager, the second-party was dismissed from service with immediate effect. Thereafter the second-party preferred an appeal to the Chairman of the Bank but the appeal was rejected on 8-6-1977. Thereafter the Bank received two representations—one from the second-party on 27-8-1977 and another dated 6-9-1977 from the General Secretary of the Employees' Association, challenging the punishment awarded to the second-party. Both the representations were replied to by the Bank advising that as the matter was already considered by the Bank as well as by the appellate authority and no justification was found to revise the punishment and so the representations could not be favourably considered.

5. It is contended by the first-party management that its action is completely justified for the following reasons:—

- (a) Shri Ghosh admitted the charges in the charge-sheet.
- (b) the disciplinary action has been taken in accordance with the procedure laid down in the First Bipartite Settlement; and

(c) a delicate financial institution like a Bank cannot be expected to continue to employ a person like Shri Ghosh in whom it has lost confidence.

6. The workman second-party in his written statement, which is rather elaborate, has stated inter-alia that he was appointed as a Probationer Clerk-cum-Godown Keeper with effect from 3-7-1973 at the Cuttack Branch of the Punjab National Bank, and that immediately thereafter he was posted as Godown Keeper at the outstation godown of Jatri to look after the two godowns as mentioned in the statement of the management. The second-party being a new entrant had no practical experience of godown work, nor was he given any training about godown work, yet he was arbitrarily posted at the outstation with ulterior motives by the then Branch Manager with a view to exploit his inexperience and innocence. At that time there were a number of other senior employees working as Clerk-cum-Godown Keepers and were performing godown duties locally and they could have been posted at the outstation. It is further contended that the order of suspension of the second-party was violative of the provisions contained in para 5.21 of the Sastry Award read with para 19.1 of the First Bipartite Settlement dated 19-10-1966 (hereinafter referred to as the Settlement), and he was thus denied the opportunity to submit his explanation to the allegations levelled against him, which amounts to denial of natural justice. Although the second-party Shri Ghosh submitted his explanation on 25-1-1974, showing his innocence and explaining the correct position, yet he was illegally kept under suspension. It is further contended that under coercion and threat his writing was obtained by the Manager admitting about the shortage in the godown. It is next contended that before the enquiry started, the second-party's representative Shri B. N. Agarwal requested the Branch Manager, Cuttack, to supply him with some relevant documents for the purpose of enquiry, but the same were not made available to him, thereby the second-party was highly prejudiced and he was denied the natural justice to prove his innocence. It is next contended that although the enquiry proceeding was concluded on 12-12-1974, the management slept over the enquiry till January, 1977 when by persistent demand of the workman and the union they were supplied with the enquiry papers, whereafter the second-party filed his explanation to the show-cause. After receipt of the show-cause he was served with the order of dismissal on 22-3-1977. It is further contended that although the workman preferred an appeal to the Chairman of the Bank, the latter rejected the same without providing him an opportunity to plead his case in person. The further contention of the workman is that the Regional Manager while inflicting the punishment of dismissal had completely ignored the findings of the Enquiry Officer, who though found fault with the workman in some of the items of charge, had exonerated him on many of the items of charge, and besides, the Enquiry Officer had recommended or inflicted some minor punishment in view of the facts that the Bank had realised its dues from the parties concerned, the tender age of the second-party and his inexperience in Bank service, specially in godown work. In the statement the findings of the Enquiry Officer have been enumerated in detail, which need not be discussed at this stage.

7. In the supplementary written-statement filed by the workman by way of rejoinder to the Bank's written-statement dated 6-1-1981, the workman had virtually reiterated his stand taken by him in the previous written-statement. It has been contended that the shortages in the two counts took place much before Shri Ghosh took over charge of the godowns, but he could not detect due to his inexperience and lack of training in the godown work. It is also contended that eventually the Bank did not sustain any loss as would appear from the letter of the Manager of the Cuttack Branch to the Regional Manager in letter dated 9-10-1979. It is contended that whatever lapses had taken place was not intentional on the part of the workman but because of his inexperience. The further contention is with regard to violation of the principles of natural justice in that the workman was not provided with certain documents which he wanted to rely upon during the enquiry, and that he was not given any personal hearing by the Chairman and General Manager.

8 In this case the management in support of it against the workman has failed to call on the enquiry officer. In the circumstances the enquiry officer will therefore, determine the fate of the case. The domestic enquiry was conducted on 12-11-1974 by Shri D.K. Tripathy, the then Branch Manager of the Cuttack Bank, and the second party had duly participated in the enquiry. I have perused the charge, the explanation, the enquiry proceedings and the report of the Enquiry Officer and other connected papers. I propose to deal with each of the items of the charge.

9 The first item of the charge relates to the shortage of 154 bags of kheshari dal and 16 bags of matar dal of M/s Dadi Rani Sui Dal and Flour Mills, Jatni. The report of the inspecting officer, Exts. A and A/1 both dated 25-1-1974, together with the plea of the workman and his statement during the enquiry would go to show that there was shortage of the stock. The plea of the second party that he was made to admit about the shortage by threat and coercion, therefore, falls to the ground. It is now to be examined under what circumstances the shortage had taken place and whether it would justify the action taken by the management against the workman. As to the shortage of kheshari dal the workman had taken the following plea. Kheshari was banned by the Government, and the Manager, Branch Office Cuttack, vide his letter dated 7-12-1973 had sent instruction to the workman Shri Ghosh to deliver the stock of kheshari dal to the party concerned. The stocks were delivered by Shri Ghosh on the assurance of the parties to pledge moong dal, black dal and moth and accordingly the pledge-form was filled up and signed. But no pledge could be taken for want of labour. From the outside station Jatni the Manager could not be contacted by Shri Ghosh and he had to come to Cuttack on the next date i.e., 25-1-1974 as previously arranged with the Manager. When the Manager inspected the stock at Jatni on 25-1-1974, he found the stock lying outside the godown but inside the mill premises. The party was in the Bank when he came with the pledge form demanding money. The defence of the second party in substance is that the party played fraud with him by promising that he would pledge goods lying outside the godown but within the premises of the factory and Shri Ghosh in good faith handed over the pledge form to the party but since labour was not immediately available the goods could not be shifted inside the godown. The fact therefore remains that at the time of inspection there was shortage of 154 bags of kheshari dal. The stock of moong dal and other dal that was sought to be substituted by the party could not be done before the actual inspection and before the pledge form was signed by the delinquent and handed over to the party. According to the Enquiry Officer the action of the workman is not free from blemish and he should not have passed on the pledge form to the party without the actual acceptance of the stock.

Coming to the shortage of 16 bags of matar dal, the plea of the workman was that the bags were torn by rats and the stocks were lying scattered on the floor and the same was not taken into account. The Enquiry Officer has found that there is no report to this effect of the Manager during his inspection and the workman Shri Ghosh should have drawn the attention of the Manager to the aforesaid fact. The Enquiry Officer has further held that it might also be possible for the rats to tear 16 out of 510 bags lying inside the godown at that time, and as such it was not possible for him to find out the truth or falsity of the statement of Shri Ghosh. It would thus be noticed that the Enquiry Officer had not disbelieved the plea of Shri Ghosh.

10 The next charge relates to the existence of old, spoiled and rotten stocks in the account of M/s Dadi Rani Sui Dal and Flour Mills. With regard to these points the workman Shri Ghosh had stated that he took charge of the godown on 16-7-1973 and stocks of moong dal and urad dal were pledged on that date in the presence of the Manager. The pledge of Ahar dal and moth dal was taken on 24-9-1973 and 24-12-1973 respectively. The Enquiry Officer has found from the records that the monthly inspections were conducted by the Manager on 16-7-1973, 4-9-1973, 11-10-1973, 9-12-1973, 28-12-1973 and 14-1-1974 prior to the date of the incident but there was nothing on record to show that the Manager had ever pointed out these irregu-

larities and defects in the stock to the workman. Further, according to the opinion of the Enquiry Officer the stocks could not be deteriorated within 11 days i.e. from the date of last inspection of the Manager on 14-1-1974 to the date of the incident on 25-1-1974. The Enquiry Officer therefore, recorded the finding that there was nothing to contradict the statement of Shri Ghosh. In other words, the Enquiry Officer has found that the workman was not at fault so far as this charge is concerned.

11 The next charge relates to the shortage of about 100 dozens of non-galvanized buckets, one dozen of galvanized buckets and shortage of 3 tonnes of M.S. Rod in the godown of Suresh Dal and Flour Mills. With regard to this charge, the Enquiry Officer was not satisfied as to the shortage of galvanized buckets and M.S. Rods as the same had not been mentioned in the subsequent memo though the same found place in the first memo. In other words, according to the Enquiry Officer, this charge cannot be said to have been established against the delinquent.

12 The next charge relates to acceptance of 4 tonnes of old rusted G.C. sheets from the Ahar Mill. With regard to this charge the Enquiry Officer has said as follows—

He found from the record that 4 tonnes of old G.C. sheets were pledged in the godown on 21-1-1974, and that the pledge form personally verified by him wherein it was mentioned that old G.C. sheets and the pledge form had been signed by the then Manager Shri R. S. Mishra. It whose instance the present charges have been levelled against the workman. It is thus evident, according to the Enquiry Officer, that the old G.C. sheets had been taken with the permission of the Bank, and thus the charge levelled against Shri Ghosh is not correct.

13 The next charge relates to tearing off of stock report and pledge form dated 24-1-1974. With regard to this item of charge the workman second-party has stated during the enquiry that when he found the party in the Bank with the pledge memo and stock report intending to take further advance he (Shri Ghosh) being new to the job became nervous and tore the pledge form so that the party might not utilise the same. He admitted that he had done a mistake in tearing the form but this was due to his becoming completely nervous. Shri Ghosh had further stated that he had also been deceived by the party in delivering the goods on the assurance to pledge other goods. The Enquiry Officer has found that the conduct of Shri Ghosh was unbecoming as an official of the Bank and he should not have destroyed the Bank records. But viewing the circumstances as a whole and considering the inexperience in the godown work and Bank service the Enquiry Officer presumed that Shri Ghosh must have lost his mental balance at that particular moment for which he acted in such irresponsible manner. Considering the findings on all the charges, the Enquiry Officer has summed up his finding in the following language—

"In view of the above findings by me, I hold that the charges of his gross negligence in safeguarding the interest of the Bank by delivering goods without delivery order of the Bank, illegal and unauthorised act by signing false pledge memo and stock report and handing over the same to the party, his indecent behaviour by tearing of the records of the Bank are proved and established. The charges regarding shortages of 16 bags of Matar Dal, 4 tons of M.S. Rods, 1 dozen of G.I. bucket and lastly acceptance of old damaged stocks of 4 tons of G.C. sheets, 12 bags of Moong Dal and 4 bags of Biri Dal, 57 bags of Ahar Dal and 50 bags of Moth Dal could not be established beyond all reasonable doubts. The charges which have been proved and established tantamount to gross misconduct under clause (j) of para 195 of Bipartite Settlement affording punishment under para 196 of the Bipartite Settlement. But in consideration of the Bank having realised its dues from the parties concerned the age of Shri Ghosh, his inexperience in Bank service especially in godown work and his explanation and statements submitted in course of the proceedings and before I feel that simple punishment by way of stoppage of one increment

on receipt of the explanation furnished by the workman on 9-3-1977, the final order of dismissal was passed on 22-3-77. The inordinate delay of a little more than two years in disposing of the domestic enquiry, in my opinion, cannot be said to be the outcome of the bonafides of the management. The workman has complained that due to the delay he could not take his chance elsewhere as he became age-barred. The delay in disposal of the domestic enquiry finally culminating in the dismissal of the second-party workman would, therefore, be considered fatal to the management's case in considering its prejudice against the workman.

16. Considering all the documents and papers of the domestic enquiry, report of the Enquiry Officer and the materials on record I would, therefore, hold in conclusion that the extreme punishment of dismissal of the workman Shri Tapan Kumar Ghosh, in the facts and circumstances of the case, is not justified. The order of dismissal is, therefore, set aside. The workman Shri Ghosh is, therefore, entitled to be reinstated in service, but in the circumstances of the case without back wages.

Sd/-

[No. L-12012(124)/78-D.Π(A)]

A. K. SAHA MANDAL. Desk Officer

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1982

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को ग्यायनिष्ठता के लिए निर्विघात करना वांछनीय समझती है ;

प्रम, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और तारा 10 की उप-धारा (i) के खंड (घ) द्वारा, प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री राम राज लाल गुप्ता होंगे, जिसका मुख्यालय जयपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

“क्या प्रभागीय इंजीनियरों ता. ६, डाकघर, बोंबे को श्री समर्थ लाल सूतल श्री गमन रामजी कुम्हार को तेल. श्रों को 1-2-81 से संपाप्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है।

[संख्या एल-40012/8/81-डी०-2(बी)]

एस० एस० पराशर, डीस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 23rd August ,1982

S.O. 3847.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Post and Telegraph Divisional Engineer Telegraphs, Beawar and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Ram raj Lal Gupta shall be the Presiding Officer with headquarters at Jajpur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the Divisional Engineer Telegraphs, Post & Telegraphs, Beawar in terminating the services of Shri Samarath Lal S/o Shri Ganmananji Kumbhar w.e.f. 1-2-81 is justified? If not, to what relief is the Workman entitled?"

[No. L. 40012(8)/81-D.II(B)]

New Delhi, the 21st September, 1982

S.O. 3448—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Senior Superintendent of Post Offices (Rural Area) Nagpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 13-9-82.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

PRESIDENT :

Justice M. D. Kambli Esqr., Presiding Officer.

Reference No. CGIT-21 of 1981

PARTIES :

Employers in relation to the Sr. Superintendent of Post Offices (Rural Area) Nagpur.

AND

Their Workman.

APPEARANCES :

For the employer—Mr. V. R. Mahajan, Asstt. Superintendent of Post Offices, Nagpur.

For the workman—Mr. S. K. Sanyal, Advocate.

STATE : Maharashtra INDUSTRY : Telecommunication
Camp—Nagpur

Nagpur, the 12th day of August, 1982

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by order No. L-40012(10)/78-D.II(B) dated 31st October, 1981, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute between the employers in relation to the Sr. Superintendent of Post Offices (Rural Area) Nagpur and their workman in respect of the matters specified in the schedule mentioned below :

SCHEDULE

"Whether the action of Sr. Superintendent of Post Offices, Mofussil Division Nagpur is justified in stopping Shri Balwant Sheshrao Shehane, Messenger/Peon, from work with effect from 14-1-1978? If not, what relief he is entitled?"

2. The workman, B. S. Shahane was appointed as Extra Departmental Agent at Temsna (Extra Departmental Branch Post Office) on 30th April, 1975, under an order issued by

the Inspector of Post Offices, Nagpur. His appointment was with effect from 30-4-1975. He was employed as messenger/deliveryman in Temsna post office. His employment was terminated on 14-1-1978. The employer purported to act under the powers conferred by Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964. The workman was absent on various dates, when the hearing of this reference was fixed at Bombay. The hearing of this reference was then fixed at Nagpur. The workman appeared before this Tribunal at Nagpur and he filed his statement of claim on 10-8-1982. The statement of claim filed by the workman contains the following pleas. The workman was arbitrarily stopped from work from 14-1-1978 without any notice or by way of retrenchment or without following any lawful procedure particularly when fresh appointment was made of another person in his place to work for the same job. There was no stigma at any time communicated to him during his period of work. He was appointed as a workman at Temsna post office from 30-4-1975. He was then made to sign several forms, the contents of which were neither read over nor understood by the workman. There was no stigma nor any charge framed against him nor was the post abolished, nor was he declared surplus. He has worked for two years and eight months and there was no chargesheet or inquiry against him. No reason was assigned for his dismissal. One C. N. Pawar was appointed in his place to do the job. He was working in a pure vacancy in a permanent job. His replacement by another person was neither warranted nor legal. The workman, on those pleas prayed that his dismissal be held as wrongful and illegal and he be reinstated with continuity of service and back wages. It was simply a case of termination of service. The workman, however, in his statement of claim called it a 'dismissal'.

3. The employer filed its written statement on 1-6-1982 raising the following pleas. The workman had furnished a declaration on 30th April, 1975, to the effect that he had read and clearly understood the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964, and that he was liable to be governed by the provisions of those Rules. His services were terminated in pursuance of the powers conferred by Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rule, 1964, which empower the appointing authority to terminate the services of an Extra Departmental Agent, who has not rendered more than three years continuous service, any time without notice on any administrative ground, unconnected with his conduct. This is a case of termination simpliciter strictly in exercise of the powers conferred by Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964. The termination was not by way of a penalty imposed on the workman and hence such termination cannot be made a subject matter of a dispute under the Industrial Disputes Act. It was also contended that the employee was not a workman within the definition of that term in Section 2(s) of the said Act, nor the postal services are 'industry' within the meaning of that Act. This Tribunal, has, therefore, no jurisdiction to entertain the dispute. It was, therefore, prayed that the reference be dismissed.

4. The first question that I have to consider is whether the employee is a workman as defined in the Industrial Disputes Act. "Workman" in the said Act is defined as meaning any person employed in any industry to do certain type of work as mentioned in the definition for hire or award. Now, the workman in this case is employed to do certain work which he has described in para 6 of his statement of claim in the following terms :—

"The Party No. 2 used to attend the Post Office located in Deshi Purva Madhyamik Shala school Temsna every day at 7.00 a.m. He used to do the job of of a messenger/postman under the direction of the Head Master of the school and who was in-charge of the said post office. He had to collect a postal bag from the railway station Dighori at a distance of about 6 km. each way. He was required to open the bag containing letters, articles and stamp in the presence of the Post Master and the letters that were handed over to him by the Post Master were to be delivered at the respective address not only within Temsna village but also distant village like Kusambi, Pantherkawada, Par-

sodi, Khodji, Adka, Tarodji, Buzurg, Khurda and the like. This delivery consists of letters, Money Orders, Parcels, VPP articles, registered letters and the like. All this work used to be for nearly 10 to 12 hours."

The employer does not admit that he was required to work for 10 to 12 hours. But, there is no challenge to the nature of his work as detailed by him. There is no dispute that he was required to do the work regularly. It is said that he was a part-time workman. But, he is paid certain fixed amount per month by way of allowances. His services are governed by Rules called Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964. Those rules provide for disciplinary action for misconduct and also for leave, etc. As observed by the Calcutta High Court in the decision of Tapan Kumar Jana v. Calcutta Telephones (1981 11 L.L.J. 382) where Telephone Department was held to be an industry, the definition of workman does not provide for exclusion of a casual labourer, nor does it lay down that only permanent employees will be workmen. In the instant case the workman was not a casual labourer. He was required to do the work assigned to him regularly. It will, therefore, have to be held that he is a workman within the meaning of that term as defined in the Industrial Disputes Act, 1947.

5. The next question is whether the termination of the services of the workman was bad as no inquiry was held nor any chargesheet was issued against him. The employer has placed on record an order of appointment dated 4-7-75. That order at Ex. E-4 shows that a copy of that order was issued to the workman. That order is in the following terms :—

"Shri Balwant Sheshrao Shahane is hereby appointed as EDMC of Temsna BO in account with Anjni SO under Nagpur GBO w.e.f. 30-4-75 afternoon. He shall be paid such allowances as admissible from time to time.

2. Shri Balwant Sheshrao Shahane should clearly understand that his appointment as EDMC shall be in nature of a contract liable to be terminated by him or the under-signed by notifying the other in writing and that he shall also be governed by the P&T Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964 as amended from time to time."

The workman made certain declarations and signed those declarations. The employer has produced the declaration at exhibit E-2. The workman has stated in that declaration that the Rules in connection with the Extra Departmental employees were explained to him and that he fully understood them and that he was to be liable to the provisions contained in those rules. The employer has placed on record as exhibit 'D' to the written statement a copy of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules. Rule 6 thereof is in the following terms :—

TERMINATION OF SERVICES

The services of an employee who has not already rendered more than three years continuous service from the date of his appointment shall be liable to termination by the appointing authority at any time without notice for generally unsatisfactory work, or on any administrative ground unconnected with his conduct."

It is the contention of the employer that the services of the workman were terminated in pursuance of this rule. It is submitted on behalf of the employer that the services of one C. M. Pawar, who was a permanent Extra Departmental Delivery Agent were terminated by IPOs Nagpur West Sub-Division, Nagpur, by memo dated 25-4-1975 as Pawar was suffering from leprosy. In his place the present workman was provisionally appointed. Pawar submitted a petition against the order of his termination to the higher authorities. His petition was considered and the order of his termination from the service was set aside and he was reinstated. The Civil Surgeon, Nagpur, on medical examination of Pawar had declared that he was fit for duty. He was therefore reinstated. There was therefore according to the employer no alternative, but to dispenze with the services of the present workman.

6. It will appear that Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964, permits the termination of the services of the workman, who has not rendered more than three years continuous service, without notice, for unsatisfactory work or on any administrative ground unconnected with the conduct. Admittedly, no any stigma is attached to the workman. The only question is whether his termination under the provisions of this rule is valid.

7. The workman in his deposition has stated that no any document was given to him at the time of his appointment. This does not appear to be true. The appointment order at exhibit F-4 shows that a copy was sent to him. It is stated by the workman in the statement of claim that he did not understand the various documents signed by him at the time of his appointment. The employer has produced the declarations made by the workman at exhibit E-2 which show that the relevant rules were explained to him. He has signed those declarations. He admitted in his cross examination that he has passed S.S.C. in 1973 and English was one of his subjects.

8. Now, the appointment letter dated 4-7-1975 (exhibit F-4) states that the workman should clearly understand that his appointment as EDMC shall be in nature of a contract liable to be terminated by him or the Inspector of Post Offices, Nagpur, by notifying the other in writing and that he will also be governed by the P&T Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964, as amended from time to time. As already pointed out, Rule 6 of those Rules provides that the services of an employee who has not already rendered more than three years continuous service from the date of his appointment shall be liable to termination by the appointing authority at any time without notice for generally unsatisfactory work, or on any administrative ground unconnected with his conduct.

9. Now, it appears that the services of one C. M. Pawar, who was working as Extra Departmental Delivery Agent were terminated by the Department on 25-4-1975 as he was suffering from leprosy. In his place the present workman was appointed. Pawar submitted a petition against the order of his termination to the higher authorities. His petition was allowed and the order of termination was reviewed and he was reinstated as Pawar produced a medical certificate of the Civil Surgeon which showed that the skin clipping of leprosy patient was negative. According to the medical certificate, Pawar was declared fit for duty. On his reinstatement in service the Department had to terminate the services of the present workman, Shahane. At the time of terminating his services no any fault or stigma had been attached to the workman. This is therefore a case of termination simpliciter in exercise of the powers conferred by Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964. It was submitted on behalf of the workman that any inquiry was made or no any chargesheet was filed against him. The termination of his services, therefore, is bad in law. There is no substance in this submission. The order of termination is clearly not a punitive one. No any inquiry was called for. The termination was clearly for administrative reasons as permitted as per Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964. It was submitted on behalf of the workman in the course of arguments that the services of the workman were terminated without any notice. It is pointed out for the employer that the said Rule 6 permitted the termination of the services at any time without notice in case of an employee who had not rendered more than three years continuous service. It is further pointed out that a memo No. B/Temsna 78/Nagpur dated 7-1-1978 was issued and as per that memo the workman was asked to hand-over the charge to C. M. Pawar. Accordingly, the workman handed-over the charge. The charge memo at exhibit 'C' along with the written statement filed on behalf of the employer makes a reference to this memo.

10. It was then argued that while terminating the services of the workman the principle "last come first go" was not observed. This ground of attack has not been specifically taken in the statement of claim. Apart from this, it does not appear that any person who was appointed after the present workman was retained in service. It was pointed out on behalf of the employer that the workman was appointed in place of one C. M. Pawar, whose services were earlier

terminated, but who was later on reinstated. It does not therefore appear that anybody appointed after the workman, was retained in service.

11. The next question is whether it was obligatory on the part of the employer to comply with the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act. This point also is not specifically raised in the statement of claim. All the same, statutory provisions contained in Section 25-F of the Industrial Disputes Act make it obligatory on the part of the employer to observe the conditions precedent to retrenchment as stated in that provision. It is well settled that the termination of the services of a workman for any reason whatsoever unless the case falls under any of the excepted categories amounts to retrenchment. The provisions laid down in Section 25-F of the Industrial Disputes Act will, therefore, have to be observed unless the case falls under any of the exception mentioned in Section 2(oo) of the Industrial Disputes Act. It is obvious that the case of the present workman does not fall under any of the exceptions. On the case does not fall in any of the excepted categories the termination of service even though under agreement would none the less be retrenchment within the meaning of the expression in Section 2(oo) of the Industrial Disputes Act (Sec. 1982 L.L.J. p. 330 S.C. L. Robert D'Souza and Executive Engineer, Southern Railway). The provisions in Section 25-F of the Industrial Disputes Act apply even in the case of a temporary workman.

12. In the instant case, the provisions viz., giving of one month's notice or the payment of wages for the period of notice have not been complied with. Similarly, no retrenchment compensation has been paid. The termination of the services of the workman will, therefore, have to be held to be in law. The question therefore would be whether the workman should be reinstated in the service of the employer. Having considered all the circumstances of the case, I think there should be no reinstatement. Instead of reinstatement, a Tribunal can order monetary compensation if the case presents unusual or exceptional features. See L&I (1980) p. 1004 and 1966 I.L.J. 388. Now, this is a case of termination simpliciter on administrative ground as permitted by Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964. Besides, the workman was working in a temporary capacity. His services were liable to be terminated at any time without notice if he had not completed the service of three years. He was appointed in place of one C. M. Pawar. The department had to reappoint Pawar in the circumstances adverted to above. The workman was an Extra Departmental workman doing part-time work. He was paid allowances for the work. The amount of allowances paid to him upto 31-8-1979 was Rs. 85 per month. This amount was revised and the workman was paid Rs. 102.50 from 1-9-1977 onwards. The workman had put in the service of about 2 years and 8 months, and his services were liable to be terminated on administrative grounds, as he had not put in three years' service under the said Rules. He would, however, under the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act have been entitled to retrenchment compensation equivalent to 15 days average pay for every completed year of continuous service or part thereof in excess of six months. Having regard to all these things, I think a compensation in the sum of Rs. 300 would meet the ends of justice.

13. In the result, I find that even though Rule 6 of the Extra Departmental Agents (Conduct and Service) Rules, 1964, permitted the employer to terminate the service of the workman and that this was a case of termination simpliciter, no provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, were observed. The termination of the services of the workman was therefore bad. Instead of, however, reinstating him in service, a monetary compensation in the sum of Rs. 300 would in my view, under the circumstances stated above, meet the ends of justice.

14. My award accordingly. No order as to costs.

Sd/-

M. D. KAMBLI, Presiding Officer

[No. L-40012(10)/78-D.II(B)]

S. S. PRASHER, Desk Officer

नई दिल्ली, 16 सितम्बर 1982

का.भा.०३४८९.—मैसर्स गेस्ट कीन विलियम्स लिमिटेड, 97, ग्रन्थुल मार्ग हादवा-711103 डब्ल्यू.बी.०/5123 (जिसके अधीन 97, ग्रन्थुल मार्ग, हादवा-711103 डब्ल्यू.बी.०/197), एन 124, क्यूरी मार्ग, हादवा 711104 डब्ल्यू.बी.०/228) स्थित उमकी शाखाएं भी हैं। जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपग्रह अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक भविष्य या प्रीमियम का संरक्षण किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा सकते हैं। ऐसे कर्मचारियों के लिए वे फायदे उन फायदों से अधिक प्रयुक्त हैं जो कर्मचारी निवेश सहायक बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूति है।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसे उपाय अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रखे हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पश्चिमी बंगाल को ऐसी विवरणियां भेजें। और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभावों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदीय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिनके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संकलन, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण-प्रभावों का संदीय आदि भी हैं होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रकाशित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आयस्कम प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूति हैं।

SCHEDULE

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती जहाँ वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामानिर्देशित की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी तथोपन प्रार्थनाक मध्यम निधि आयुक्त, पश्चिमी बंगाल के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और यहाँ किसी सशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रार्थनाक मध्यम निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापना के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पट्टे धारता चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस निश्चित तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पॉलिसी को अयुक्त हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकर की वषा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नामनिर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वषा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं० एस—35014/135/82 पी० एफ०-2]

New Delhi, the 16th September, 1982

S.O. 3489.—Whereas Messrs Guest Keen Williams Limited, 97, Andul Road, Howrah-711103, (WB/5123) including its branches at (1) 97, Andul Road, Howrah-711103, (WB/197), and (2) 124, Currie Road, Howrah-711104, (WB/228), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(135)/82-PF.II]

नई दिल्ली, 18 मितम्बर, 1982

कां० सं० 3490.—मैसर्स विजयेश्वरी टेक्स्टाइल्स लिमिटेड (पुनियमपट्टा) वाया पोलाची 642002 जिला कोयम्बटूर (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्यनिधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि वह उक्त स्थापना के कर्मचारी, किसी पृथक् अधिदाय या प्रीमियम का, संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहायक बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हे अनुज्ञेय हैं -

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापना को तीन वर्षों की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्यनिधि आयुक्त तमिलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निदिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निदिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

* 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उनकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्यनिधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्यनिधि का पहले ही सदस्य है उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तविक अवस्थिति प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बान के होते हुए, भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामानिर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कार्य भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्यनिधि आयुक्त, तमिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ प्रादेशिक भविष्यनिधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने में पूर्व कर्मचारियों का अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने की सुविधाएं अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम जिसमें के स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियम करे, प्रीमियम का भुगतान करने में असमर्थ रहता है, और पालिसी का व्यपगत हो जाने बिना जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिरिक्त का दशा में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों का जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उनके हकदार नामनिर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं० एन 35014/10/82-पो० एफ० 2]

New Delhi, the 18th September, 1982

S.O. 3490.—Whereas Messrs Vijayeswari Textiles Limited Puliampatti, Via Pollachi-642002, District Coimbatore, (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees, or the legal heirs, of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(40)/82-PF.II]

का० प्रा० 3491—मैमर्स श्री रामकृष्ण बिलम (कोयम्बटूर), पी० बी० नं० 2007, गणपति हाकबर, कोयम्बटूर 641006 (जिसे इसमें हराके पश्चात् उसका स्थापना कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकाश उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें उसके पश्चात् उसका अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना हो, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए वे फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहस्र बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपाधुक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापना को तीन

वर्ष की अवधि के लिए उक्त रकम के सभी उपाधुक्तों के प्रवर्तन से छूट देता है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निदिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण पत्रों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निदिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिनके अन्तर्गत लेखाओं का, रखा जाता विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का प्रंतरण, निरीक्षण पत्रों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब यही उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुमंश की भाषा में उगकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम की सदस्य के रूप में उसका नाम सूचन दर्ज करेगा बावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्दिष्टिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस बीमा स्कीम सामूहिक में, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पात्सिती को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकता है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्दिष्टितियों या विधिक वारिसों को

जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा फायदों के संबंध का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कावर नामनिर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का सचाय सत्परता से और प्रत्येक वर्ष में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर निवेदन करेगा।

[सं० एम०-35014/19/82-पो० एफ०-2]

S.O. 3491.—Whereas Messrs Sri Ramakrishna Mills (Coimbatore), P.B. No. 2007, Ganapathy Post, Coimbatore-641005 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act),

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission or returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(49)/82-PF.II]

का० अ० 3492.—मैसर्स नरसिम्हा मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, नरसिम्मावा कम्पलियम, कोयम्बटूर, 641031, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अधिवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहेजक बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभवेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिये ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निश्चित करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रश्नों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निश्चित करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रश्नों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये,

सब उस स्थापना की प्रतिपत्ति कर कर्मचारियों का वसुधायु की भाषा में उपलब्ध मुद्रित बातावनी तैयार, स्थापना के सुवर्णजयन्ती पर प्रकाशित करा।

5. यदि 15 केरा प्रभुता, जो कम तारी प्रभुता [विधि या या 341 अधिनियम के अधिन छुट प्राप्त किसी स्थापना की अधिन विधि का पढ़ने ही सदस्य है, उनके स्थापना में निर्दिष्ट किया जाता है तो, निर्देशक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उनका नाम सुरक्षित रख करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रानियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदन करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ा जाते हैं तो, निर्देशक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे में समुचित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुभूत हो, जो उक्त स्कीम के अधिन अनुभव है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी क्षति के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सदैव रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उस वंश में सदैव होती जब वह उक्त स्कीम के अधिन होता तो, निर्देशक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का सदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक अधिनियम विधि आनुक्त, तमिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक अधिनियम विधि आनुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुनिश्चित अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापना के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पढ़ने अपना चुका है, अधिन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, या यह छुट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, निर्देशक उस नियम तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियम कर, प्रानियम का सदाय करने में अमफल रहता है, और पाकिमा को अवगत हो जाने दिया जाता है तो, छुट रद्द की जा सकती है।

11. निर्देशक द्वारा प्रानियम के संराय में कि, यह किसी व्यक्ति का दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छुट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होत, बीमा फायदों के सदाय का उत्तरदायित्व निर्देशक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सदस्य में निर्देशक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उनके हक्दार नामनिर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का सदाय तत्पश्चात् में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एग. 35014/50/82-पी.एफ.-2]

S.O. 3492.—Whereas Messrs The Narasimha Mills Private Limited, Narasimmanakkenpalayam, Coimbatore-641031 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the

benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide for such facilities, for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for want of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No S-35014(50)/82-PF.11]

क्र०अ० 3493—मैसर्स गनम्बिकै मिल्स लिमिटेड, गनम्बिकै मिल्स प्रायुक्त, कायम्बटूर-641029, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहस्रक बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधान उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाय अन्वेषण में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्षों के अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देता है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिनों के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के अधिनियम (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का प्रंतरण, निरीक्षण प्रसारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पत्र पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उक्त बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम की मदद करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों से समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी का मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होता, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के अधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया

जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपनी अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपनी दृष्टिकोण स्पष्ट करने का यत्नगुप्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपनी चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारिख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशितों या अधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व निर्गोचक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितों/अधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिनों के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं०एस०-35014/60/82-भ०नि०-2]]

S.O. 3493.—Whereas Messrs Gnanambikai Mills Limited, Gnanambikai Mills Post, Coimbatore-641029 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission or returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance

Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

INo. S-35014(60)/82 PF.II]

का० आ० 3494. —संसद कोयम्बटूर मेटल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड कोयम्बटूर-641018 (तमिलनाडु-4159) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक धर्मिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निश्चय सत्रवर्ष बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कह. गया है) के अधीन उन्हें अनुभेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन

वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देता है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सब से नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु का ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निदिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षक प्रभावों का प्रत्येक मास की मनाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निदिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणालन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का संग्रहण, निरीक्षण प्रभावों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा, कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबिल आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदस्य करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपबन्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपबन्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि को जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपबन्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के निधिक तारिम/नामनिर्देशित की प्रतिफल के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु के पूर्ण अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्ण कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों का प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, या यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस निवन तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियम करने, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पानिमी को व्यग्र हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रोमिसन के संदाय में किए गए किसी व्यक्ति-कर्म की दशा में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशनियों या विधिवक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अस्तमैत होने, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन प्राति वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशनियों/विधिवक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्पश्चात् से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं० एस० 35014/(82) 82-पी० एफ० II]

New Delhi, the 18th September, 1982

S.O. 3494.—Whereas Messrs Combatoire Central Co-operative Bank Limited, Combatoire-641018 (TN/4159) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commission, Tamil Nadu, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount

payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(82)/82-PF.II]

का०आ० 3495.—मेसर्स वेंसोन (नई दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड, कामलाडिंग इजीनिअर्स, देसीन हाउस, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली-110048, डी० एल/3406) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए "प्रावेदन" किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पक्क प्रभिदाय या प्रोमिसन का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप लक्ष्य बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुसूचे हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भावपूर्ण निधि प्रायुक्त, दिल्ली को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक निम्न निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मंग को समाप्ति के 15 दिनों के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणालन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी अथवा का बहन नियोजक द्वारा किये जाएंगे।

4. नियोजक केन्द्रिय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उन्हें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उनकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शन करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पड़ने ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सौंपेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुसंधान है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के अधिकारियों/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, दिल्ली के पूर्व अनुवादन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त अथवा अनुमोदित देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियम तालिका के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियम करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्ययिकता की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या शक्तिशालियों को जो याद गढ़, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितों/अधिकारियों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वृत्ति में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के बाद बिना के भीतर मुनिविषय करेगा।

[सं० एस- 35014 / 192 / 82 -वी० एफ० II]

S.O. 3495.- Whereas Messrs DESEIN (New Delhi) Private Limited, Consulting Engineers, Desein House, Greater Kailash-II, New Delhi-110048 (DL/3406) (hereinafter refer-

red to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees, or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(192)/82-PF-III]

का०आ० 3496—मैसर्स हिन्दुस्तान ब्राउन बोवैर लिमिटेड, पोस्ट (बाकम न० 284, बरोदा-390001 (जी० जे/1854) (जिस इममें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निधेय सहस्रक बीमा स्कीम 1976 (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अहमदाबाद को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा, निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर निदिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय जा केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के अन्वये (क) के अधीन समय समय पर निदिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का सदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम गुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अग्रतः कर्मचारियों का उपबन्ध फायदे बढ़ाए जाने हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को

उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संशोधन रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संशोधन होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारों, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का सदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को और यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उनके हकदार नामनिर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का सदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं० ए०-35014/176/82-पी०एफ० II]

S.O. 3496—Whereas Messrs Hindustan Brown Boveri Limited, P.B. No. 284, Baroda-390001 (GJ/1854), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmadabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heir, entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(176)/82-PF.II]

का० प्रा० 3497—सैमर्स मल्लिन्द्रा एंड मल्लिन्द्रा लिमिटेड, एगरोमेशन डिवीजन, अकूली मार्ग, कांठिवासी (पूर्व) पोस्ट बॉक्स नं० 7655, मुंबई-40006 (एम एच/496) (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपाध्य अधिनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन लूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिनाही

भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निधेय महबूद बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाय लाने के लिए विनिर्दिष्ट बातों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन की तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन में छूट देती है।

घनसूची

1. उक्त स्थापन के सबध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजना और ऐसे लेखा रखना तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंगण, निरीक्षण का प्रसारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पत्र पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन लूट प्राप्त किया स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है उसके स्थापन में नियोजक किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम मुक्त वज्र करेगा और उसकी बावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सभी कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी का मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उग रकम से कम है जो कर्मचारी का उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने में पूर्व कर्मचारियों का अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका

है अर्थात् न रद्द जाने है, या इस स्कीम के अर्थात् कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी भी रूप में कम हो जाने है तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का सदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की घटा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियाँ या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितियों/विधिक वारिसों के बीमाकृत रकम का संशय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के मातृ दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[स एम-35014/154/82-पी.एफ.-2]

S.O. 3497.—Whereas Messrs Mahindra and Mahindra Ltd., Automation Division, Akurli Road, Kandivli (East), Post Box No. 7655, Bombay-400067 (MH/496) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits of the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(154)/82-PF.II]

का० जा० 3498.—मैसर्स कोयम्बटूर पायलियर "ए" लिमिटेड, पोस्ट बॉक्स सं० 1605, पीलावेरु, कोयम्बटूर-641004 (टी० एम० / 55) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी पक्षिष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अधिदाय या प्रीमियम का सदाय किए बिना हो, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए वे फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप महबूद बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत हैं,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपायक अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक पक्षिष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर विनिर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो कि केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (उक) के खण्ड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रभागों का सदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्यकों को शायद में उनकी मुख्य बातों का अवगत, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शन करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी अधिनियम की धारा 23 के अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की अधिनियम का पहले ही संरक्षित है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, निम्नांकित, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यकता प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्स करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि को जाने को व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्राप्त उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक आकर्षक हों, जो उक्त स्कीम के अधीन समुचित हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशाती को प्रतिकार रूप में दोनों के रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक अधिनियम अधिनियम, नामनिर्देशाती के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन के कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक अधिनियम अधिनियम, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुविशेष अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्ययक्रम की दशा में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशातियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन, आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्काशर नामनिर्देशाती/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सान्निध्य के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं० एस-35014/116/82-वी०एफ०-2]

S.O. 3498.—Whereas Messrs Combatoire Pionnier & Mills Limited, Post Box No. 1605, Peclamedu, Combatoire-641004 (TN/55) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(116)/82-P.F.II]

कां०अ० 3499.—मैमर्स प्रिन्टेरियम, प्लॉट सं 370, पुरुषोत्तम एस्टेट के पीछे, नारोदा, नारोल हाईवे, ईसानपुर-382443, जिला अहमदाबाद, (जे०जे०/941), (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारियों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए य फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निगम सहवृद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूते हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिनों के भीतर सवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रसारों का सवाय आदि भी है, होने वाले सभी धर्तियों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार, द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो

नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसका बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उक्त फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपबन्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपबन्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूते हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस वक्ता में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता था, नियोजक कर्मचारी के विधिवत आरित्त/नामनिर्देशनी को प्रतिफल के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद, के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिमय अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उक्त सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्रवृत्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियम तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का सवाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यायगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।

11. नियोजक प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिवत वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व निर्णायक पर हो गा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इन स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितियों/विधिवत वारिसों को बीमाकृत रकम का सवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के तत्त वित्त के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं० एस०-35014/111/82-पी०एफ-2]

S.O. 3499.—Whereas Messrs Printorium, Plot No. 370, Behind Purshottam Estate, Naroda Narol Highway, Isanpur-382443 District, Ahmadabad (GJ/941) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the

Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmadabad maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission or return payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmadabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefit to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heir entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

का० खा० 3500.—मैन्सर् मार्टिन बेरुज (इंडिया) लिमिटेड, बंगलौर युनिट, इंडस्ट्रियल एस्टेट, मुम्बई 11, यशवंतपुर, बंगलौर-560022 (के० एन०/6839) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) न कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी एक आश्रय या प्रीमियम का सहाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निश्चय मूहक बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हे अनुज्ञेय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों सदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुराश्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदाय करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक-बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन

होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक धारिण/नामनिर्देशित को प्राधिकार के रूप में दोनों स्कीमों के अन्तर्गत के बराबर रकम का सदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ तक की संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने में पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी भी कारण से कम हो जाते हैं तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम निश्चित करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाति दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम का संवाय में किए गए किसी व्यवस्थित की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक धारिणों को जो यदि वह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सबन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उनके हेतुकार नामनिर्देशितों/विधिक धारिणों को बीमाकृत रकम का सदाय तत्पश्चात् से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के साथ दिन के भीतर मुनिश्चिन करेगा।

[सं. एस०-35014/102/82-पी० एक० II]

S.O. 3500.—Whereas Messrs Modern Bakeries (India) Ltd., Bangalore Unit, Industrial Estate, Suburb-II, Yeswanthpur, Bangalore-560022 (K.N/6839) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1951) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission or returns, payment of insurance premia, transfer of

accounts, payment of inspection charges, etc shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(102)/82-PF II]

क्र० गा० 3501-संमर्ग स्पिन नगर काउंसिल, स्पिन नगर, हट्टिकोरम-628005 (तमिलनाडु/9540) (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पथक अभिदाय या प्रीमियम का संवाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए वे फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहकारी बीमा स्कीम 1976 (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुमय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदान शक्तियों का प्रयोग करने हुए और उक्त अधिनियम अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तब तक की अवधि के लिए उक्त शर्तों के सभी उपधाराओं के अन्तर्गत में एक देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक विधि विधि आयुक्त, तमिलनाडु को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रारंभों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणाली में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संवाद, लेखाओं का अन्तर्गत, निरीक्षण प्रारंभों का संवाद आदि की ई होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा दया अनुबोधित प्रादेशिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी विधिविधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन के अधिनियम के पत्र ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है वह, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन निगम को सौंप करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में छूट की प्रति की प्रदर्शित करेगा जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों में अधिक अनुसूचित हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुसूचित हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात को होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्त में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विश्विक वारिस/नामनिर्देशित को प्रतिफल के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संवाद करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक अधिनियम आयुक्त, तमिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक अधिनियम, विधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी शर्त से कम हो जाते हैं तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियम तारीख के अन्तर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाद करने में 726 G of 1/82--18

अवकाश रहता है, और पानिमा का व्यय निहा जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाद में किए गए किसी व्ययिकम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विश्विक वारिसों को जा यदि वह, छूट न दी गई होता तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संवाद का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उनके हकदार नामनिर्देशितों/विश्विक वारिसों को बीमाकृत रकम का संवाद तत्परता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम में बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[मं. एम. 35014/86/82 पी० एफ० II]

S.O. 3501.—Whereas Messrs SPIC Nagar Council, Spicnggar, Tuticorm-628005 (TN/9540) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission or returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme immediately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme if on the death of an employee the amount

payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014/86/82-PF. II]

का० आ० 3502:—मैसर्स बाटलीबाय एंड कंपनी लिमिटेड डाकघर बड़ोदा रेयन, उद्दना-394220-जिला सरत (गुजरात) (जी० जे०/4476), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूते हैं,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्षों की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन में छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, प्रहमवाचाय को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सविधानं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निश्चित करे।

2. नियोजक, ऐम निरीक्षण प्रभारा का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय समय पर निश्चित करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय प्राप्ति भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उनकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है; उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम गुरतन दर्ज करेगा और उसकी वातन आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के प्रचीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रचीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के प्रचलन अनुभूते हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि कर्मचारी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय उस स्कीम में कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में संदाय होता है जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों स्कीमों अंतर के बराबर स्कीम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, प्रहमवाचाय के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो सके, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्राना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति में कम हो जाते हैं, तो यह छूट ग की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियम करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी का व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा फायदों के संदाय का उन्मूलन नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, उस स्कीम के प्रचीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत स्कीम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम में बीमाकृत स्कीम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[ग० एम-35014/138/82-मी० एफ-2]

S.O. 3502.—Whereas Messrs Batliboi and Company Limited P.O. Baroda Rayon, Udhna-394220, District Surat (Gujarat) (GJ/4476), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous

Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commission of returns, payment of insurance premia, transfer of or for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(138)/82-PF.II]

का० आ० 3503 :—मैसर्स कांठला केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, मनिनगर, अहमदाबाद-380008 (जो जे/3993), (जिसे इसमें उसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे उसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिधाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप महसूद बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हे अनुज्ञेय है।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्षों की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अहमदाबाद को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसी लेखा रक्षणा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसी निरीक्षण प्रक्रिया का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसमें अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संशय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रसारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पत्रले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की

उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बोनस स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुपेक्षित हैं।

7. सामूहिक बोनस स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होत जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के निधन या निवृत्ति/प्रस्थान का प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बोनस स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि अधिनियम, अहमदाबाद के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि अधिनियम, अहमदाबाद के पूर्व अनुमोदन से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृत्तिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बोनस स्कीम के अधीन स्वयं अपने आप चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अंतर्गत संदाय हो जाना होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह छूट रहे की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस निगम विशेष के माध्यम, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियम कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालियों को व्यापन हो जाने के कारण होता है तो, छूट रहे की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मन सदस्यों के नामनिर्देशनों या अधिकारधारियों को जो यदि यह, छूट म दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने, बोनस फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अंतर्गत होने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उक्त हकदार नामनिर्देशनों/अधिकारधारियों का बोनस रकम का संदाय व्यवस्था से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बोनस रकम प्राप्त होने के माध्यम से भारत में निवास करेगा।

[सं. एम-35014/150/82-पो. एफ-2]

S.O. 3503.—Whereas Messrs Cadila Chemicals Private Ltd., Maninagar, Ahmedabad-380008 (GI/3993), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the Conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad maintain such accounts and provide

for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (2A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heirs of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Ahmedabad and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(150)/82-PF II]

कां. आ. 3504.—मैसर्स कादिला प्रेस लिमिटेड, (रजिस्ट्रिकृत कार्यालय और सचिव, 414 वीर सावरकर मार्ग, मुम्बई-400025 (एम एच/986) (जिसे हममें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे हममें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारियों किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी विधेय सहवृद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे हमें इसके पञ्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 का उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त उपस्थापन को तीन वर्ष का अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 का उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रसारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचन-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम मुरत दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबत करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होता जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम संदाय का करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुनिश्चित अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारियों, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति में कम हो जाते हैं; तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असमर्थ रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी कार्यक्रम की वश से, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय के, उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा, में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस 35014/151/82 पी० एक 2]

S.O. 3504.—Whereas Messrs Tata Press Limited, Regd. Office and Works, 414, Veer Savarkar Marg, Bombay-480025 (MH/986), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme)

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions, specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employers in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employee's Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay neces-

sary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(151), 82-PF. II]

का० आ० 3505.—मैसर्स मबरालण इंडिया लिमिटेड, एम 304, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, मुंबई, मुम्बई 4000801 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि ने और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी विशेष सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुकूल हैं,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के मकस में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियाँ भेजना और ऐसे लेखा रखना तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. निरीक्षण, जैसा निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का, रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उन पत्राचारों द्वारा यथा कर्मचारियों का बहुसंख्या भाषा में उनकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उनके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को भुगत करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदों में सामुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनु-जैय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किम् बान के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हार्ता जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता, तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामानर्देशितों को प्रतिकार के रूप में संदेय रकमों के अन्तर के बराबर रकम का भुगतान करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र के पूर्ण अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन न देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारिख के अन्तर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पानिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकर का वना में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों की जो यदि यह, छूट में दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का रादाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के मान दिन के भीतर भुविष्यत करेगा।

[स० एम० 35014/15/2/82-पी०एफ-2]

ए० के० भट्टाचार्य, अधीक्षक

S.O. 3505.—Whereas Messrs. Gabriel India Limited 5-304 Lal Bahadur Shastri Marg, Mulund, Bombay 400080 (MH 5817), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission or returns, payment of Insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him

as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(152)/82-PF. II]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

